GOSSNER EVANGELICAL – LUTHERAN CHURCH IN CHOTANAGPUR AND ASSAM

GELC ARCHIVE

Signature: **GELC-A _ 001 _ 0321**

Classification:

Original File No. 35

Title

Synod Reports

Volume:

Running **from year: 1950** **till year: 1957**

Content:

- Report of Hd. Congregation on 10-12-57.
- Letter to the Secretary G.E.L.Church on 6-12-1957.
- Synod meeting (Agenda) on 9-12-57 P.Bage.
- Synod report of Khutitoli, 16-2-56.
- Northern Synod report for General Assembly on 1957.
- Purulia Manbhum Synod- 23-2-56.
- Report of Burju Synod 1952.

1950-57 35

FLOWER BRAND

FLAT FILE

File No. 35

Name

Subject SYNOD REPORTS

From to

To

The Secretary,
G. E. L. Church Chotanagpur & Assam
Hd. Qr. Ranchi.

महाशय,

आप के सामने Hd. Qr. Congregation का report पेश किया जाता है।

मंडली की आम अवस्था :—

I आत्मिक जीवन :— मंडली की आत्मिक दशा गिरती अवस्था पर है। इसके कई कारण हैं :—

१, कथित-नोर्थ-जोन का उत्पात।
२, देश की अवस्था की बदलाहट।
३, आर्थिक अवस्था अर्थात अकाल और Living-Standard की बढ़ती से भी आत्मिक अवस्था के गिरने के कारण बन रहे हैं।
४, शासन में त्रुटी :— कथित-नोर्थ-जोन के उत्पात से शासन जैसा होना चाहिये नहीं हो पा रहा है जिसका फल यह हो रहा है कि आत्मिक अवस्था पर ~~क~~ आघात पड़ रहा है।

II आर्थिक जीवन :—

अकाल और झगड़े से मंडली की आर्थिक अवस्था पर आघात पहुँच रहा है। आमदनी को देखने से पता चलता है कि रुपैया में तीन-चार आना ही का कमी आया है जब कि मंडली शामिल थी। देने चाहने वाले भी महंगी और चीजों का दाम बढ़ जाने से नहीं दे सक रहे हैं जिसके कारण आर्थिक दशा में भारी धक्का पहुँचा है।

III मंडली पैसा :—

खेद से कहना पड़ता है कि इस विषय को लेकर मंडली पंच कई बार बैठी और कारवाई की पर कोई विशेष तरक्की नहीं हुई है। मंडली कर्मचारीगण जिन्हें चर्च कौंसिल से पैसा दी जाती है उनको regular मंडली पैसा मिलता है और स्कूल तथा Press कर्मचारियों का भी regular मिलता है। आम जनता से पैसा उठाने में दिक्कत हो रही है। ~~जब~~ जहाँ जहाँ पंच लोग ठीक से जमा करने का काम करते हैं वहाँ से ठीक ही आता है जैसे उचरी सिरोमटोली।

IV हेड क्वार्टर्स के मंडली पंचों का फिहरिस्त :—

1. Rev. S. Kula — Chairman
2. Shree S.P.P. Bakhla — Secretary
3. " J. Horo — Treasurer
4. Rev. J. Tiru
5. Rev. J.J.P. Tiga
6. Rev. S. Surin
7. Rev. S.A.B. Lakra
8. Rev. M. Khalkho
9. Shree — N. E. Horo
10. " M. Horo
11. " H. Kerketta
12. Dr. P. Tiru
13. Shree P. S. Solkey
14. " Eliazer Lakra

15, Shree Theodore Surin
16, " Samuel Surin
17, " Peter Lakra
18, " Martin Bhengra
19, Shree S. Subarno
20, " Edwin Tiga
21, " Paulus Minz
22, " Nabin Kujur

V. बजेट — कई कारणों से बजेट नहीं बनाया गया है पीछे से बजेट पेश किया जायगा।

आपका आज्ञाकारी
सेवक
S. Kirtan
10/12/57

35

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH TAKARMA

President—Rev. J. KIRO
Secretary —Mr. J. TOPNO
Treasurer —Mr. B. SURIN

P. O. LASSIA,
RANCHI

Ref. No. 205/57 Rec. 9/12/57 Date 6 - 12 - 1957

307/ 9/12/45

To, The Secretary,
G. E. L. Church Ranchi,

माननीय महोदय,

मैं आपके Ref. no. 2449-64/57.e.c. dated the 27 November के अनुसार दिये हुए सवालों का जवाब भेजता हूँ।

1. पूर्ण सिनद की बैठकियाँ 1955 में 7 बार
" " " 1956 " 6 बार
" " " 1957 " 6 बार
19 बार

2. सिनद कार्य्य कारिणी की बैठकियाँ 1955 में नहीं है।
" " " 1956 " 1 बार।
" " " 1957 2 " ।
3 बार

ओफिसर्स कमिटी .... 1955 में नहीं,
" .... 1956 " 1 बार
" .... 1957 " 3 "
4 बार

3. पूर्ण सिनद सभा और कार्य्य कारिणी के विशेष 2 फैसलाएँ भेजा जाता है - कृपया देख लीजिये।

नोट! — सिनद के हिदायतानुसार सिनद मेम्बरों को अपना 2
P. T. O

बीट बाँट दिया गया है। वे समय २ पर मंडली २ जाके भाई बहिनों को गिरजा आने जाने के लिये और हर प्रकार का दान जो मंडली का है देने के लिये उत्साया करते हैं। इसके अलावे सिनद प्रेसिडेन्ट मंडली २ जाके गिरजा की उपस्थिति देखते हैं, जिसमें रविवार को बरसा रविवार के बाहर भी प्रोग्राम बना के बचन सुनाया जाता है, प्रभु भोज बाँटा जाता है। गिरजा के बाद भाई बहिन कुछ देर बैठाये जाते हैं। वहाँ आत्मिक और लौकिक जीवन की वृद्धि के विषय वार्तालाप होता है। मंडली की कलीसिया संभालने के लिये हर तरह दान जो मंडली में है, हर्ष से और अधिक नर देने के लिये उत्साये जाते हैं। बच्चों को आत्मिक शिक्षा कहाँ और कैसे देनी चाहिये बतलाया जाता है। इसके अलावे भी बुद्धिमान मंडली पैसा देने के लिये उत्साये जाते हैं। मंडली पैसा देने के लिये जवान युवती माता पिता हर भार न देकर आप अपने ऊपर लेने को राजी होते हैं। यह काम हाल में सभुआ बड़ो विरिंगा पेरिश के सब मंडलियों में और कुछ जतकोल पेरिश की मंडलियों में सम्भव है। मंडली पैसा के लिये अपील सब मंडलियों को दे दिया गया है।

५. चर्च वर सिनद मिनिस्ट्रियल की बैठकियाँ हुयी हैं
चर्च कौंसिल को जानने योग्य फैसला —

P.T.O.

छोटी सभा कायम करने के पहले पादरी को विशेष रीति से जाँच कर लेना अति आवश्यक है जिससे कि सभा कायम होने के बाद कोई गड़बड़ मंडली में होने न पावे।

5. इस वर्ष हाल में किसी २ मेम्बरों का मियाद खतम होने के कारण नये २ मेम्बर चुने गये हैं। नये मेम्बरों की सभा बैठकी 12-12-57 को निश्चित है।

सिनड सभा के मेम्बरों का नाम एड्रेस सहित — P.O

1. Rev. Jonas Kerio - President - Tarkarma Lassia
2. " Jonathan Lugun ... " "
3. " Jonas Bage Latakel ... Banki
4. " Royan Topno Barikiringa .. Jaldega
5. Shri Barnabas Surin Tarkarma Lassia
6. " P.S. Bergo अध्या. " "
7. " Samuel Topno " "
8. " Harun Surin Barbera .... Kurkura
9. " Johan Marki Ronsode .. Baraslova
10. " Matias Surin Jaldega .. "
11. " Patras Bilung Porhatoly .. Palkot
12. " Asaph Kandulna Bongram . Kolebira
13. " Prabhudan Samad Lurgi ... "
14. " Paulus Kandulna Tatikel .. Tatikel
15. " Mansidh " Romfol .. Banki
16. " Samuel " Berahonger .. Bano
17. " Mansidh Surin Dumbria .. "
18. " Masihdas Lugun Bano .. "

P. O.

19. Shri. Masihcharan Jaria Dumbria -- Bano
20. " Martin Kandulna Kanarona Lachragarh.
21. " Patras Samad Idega ... Jaldega
22. " Patras Kandulna Baribiringa - "
23. " Johan Tofno Paglaya -- Tulikel

6 सिनद खजाना की जाँच 1951 — 1954 तक की हो गई है। बेटीआमु में खजाना जाँच का प्रबन्ध नहीं हुआ है।

7 इसका प्रति सिनद बजेट 1958 का हिदायतानुसार 31-1-58 तक में भेजा जायगा।

[illegible]

[illegible],
Synod President Takarma
Takarma Synod।

306
9/12/58

35 Page 1

ho. 9/12/57.

सिनोड सभा ता:	विषय (एजेन्डा	विवरण और फैसलाएं
२५.२.१९५५	१, मिनट का दुहराया जाना.	
	२, मिनट से बातचीत	
	३ महासभा के लिये प्रतिनिधियों का चुनाव।	४ पादरी और दिले मैन डेलीगेट चुने गये अप्रैल १९५५ के महासभा में जाने के लिये।
	४ प्रचारक ट्रेनिंग के लिये छात्र	८.८ के फैसले के अनुसार गोविन्दपुर में प्रचारक ट्रेनिंग खुलने जा रहा है। फैसला — इस बार ट्रेनिंग के लिये नयमन समद भेजा जावे।
	५ प्रचारक प्रभुसहाय - व रामप्रसाद दरख्वास्त	प्रचारक प्रभुसहाय सुरिन ने दरख्वास्त दी कि बूढ़े हो जाने के कारण काम नहीं कर सकता हूँ इस लिये उसे प्रचारक काम से छुट्टी दी जाये। साथ में सलनजोजो प्रचारक भी अपने घर के जरूरी काम के लिये छुट्टी चाहा। फैसला: — दोनों प्रचारकों को उनकी मांग अनुसार छुट्टी दी जाय।
	६ आर्थिक स्थिति के कारण कई प्रचारक पद को जो बन सकता है। एक प्रचारक के जीम्मे करना।	(a) जलडेगा और उराम (b) लुरगी और बांडराः (c) रैवेड़ा और सोकोरला (d) लोलकेरा और और पिरवा एक एक प्रचारक के अधीन होवे।
	७ अन्य बातें —	सेन्ट्रालिजेशन: — सिनोड भर में सेन्ट्रालिजेशन नियमपूर्वक होवे। अनुपात से सब कर्मचारियों को दिया जावे।
३१.३.१९५५	II महासभा डेलीगेट खर्चा।	महासभा डेलीगेट खर्चा के लिये सिनोड से १३५/ रुपैया होवे।
	IV प्राइमरी स्कूलों के लिये सिनोड ग्रांट।	फैसला हुआ कि सब मिशन प्राइमरी स्कूलों से स्कूल का हिसाब मांगा जाय और हर एक स्कूल को सिनोड की ओर से जितना बने दिया जाय। हर एक स्कूल के मैनेजिंग कमिटि भी स्थानीय चन्दा उठाकर प्राइमरी स्कूल के शिक्षकों को दिया जावे।
	VI कर्मचारियों की बदली।	[illegible] प्रचारकों की बदली की गई।
	IX कमिशन रिपोर्ट —	उराँव और जम्बुरुसिया मंडली में कमिशन गई। क्योंकि वहां प्रचारक के पोसाई के बराबर आमदनी नहीं है। कमिशन ने ख्याल दिया कि दोनों मंडली एक प्रचारक पर रह प्रचारक के अधीन रहे। प्रचारक दोनों जगह गिरजा चलावे।

Page 2

सिनोडसभा	विषय agenda	विवरण और फ़ैसलाएं
	X नया सिनोड प्रेसिडेन्ट का चुनाव —	सिनोड प्रेसिडेन्ट पादरी सन्तोष सुरिन की बदली होने से सभा ने एवज में पादरी बाबू जुनास किड़ो को बाकी समय के लिये सिनोड प्रेसिडेन्ट चुना जो पहली १९५५ से काम शुरू करेंगे।
	XI करनी कारेट	फ़ैसला हुआ कि कर्मचारियों को जो करनी धान दिया गया है उसका दाम ५।०० मन के हिसाब से उन्हें महीना महीना काटा जाए।
१७.५.१९५५	I कोनसोदे गड़बड़	कलीसिया के प्रोवेन्शियल पादरी जे.जे.पी. लिगा के सलाह के अनुसार कोनसोदे मंडली के बिछड़लों से व्यवहार किया गया लेकिन वे भी कलीसिया में शांत नहीं हैं इसलिये सि[illegible] का फ़ैसला है कि प्रेसिडेन्ट के भिक्षा लिखान ०१ का [illegible] में लाने के लिये यत्न होवे। और सब द्वारा धन पाने और स्नान पानेवालों का नाम टकरा पेरिश के रजिस्टर में दर्ज होवे।
	II बदली गड़बड़	सिनोड बहुत बातचीत करके बदली कायम किया है। इसलिये बदलियां बहाल रहेंगी।
	III मिसन बगान	फ़ैसला हुआ कि बगान का घेरा बिल्कुल खराब हुआ है इसलिये बगान के भीतर बकरी घुसने वाले [illegible] ही उत्तम है इसलिये सर्वसम्मति प्रेसिडेन्ट पादरी जुनास किड़ो को २ वर्षों के लिये २०।०० प्रतिवर्ष के ठीका में १९५५–१९५७ के पहिले तक के लिये दिया गया।
	IV डोमटोली करनी धान —	डोमटोली मंडली के पंचगण — दो वर्षों का करनी हिसाब ठीक नहीं बनाया। कई बार पेरिश पास्टर ने यत्न किया पर असफल हुआ। सिनोड का फ़ैसला हुआ कि वहां का करनी धान कर्मचारियों को देने के बाद जो बचा है सो सिनोड पंचों की उपस्थिति में बेचा जाय।
	V C. C मेम्बरों का चुनाव —	सर्व सम्मति से पादरी बाबू जुनास किड़ो और श्री [illegible] सुरिन चार्च कौंसिल के मेम्बर चुने गये।
	VI बाबू सी. एक्का का दखिल जो C.C से लौटाया गया —	इस विषय में सिनोड बातचीत करके C.C से जोरों सिफ़ारिश करती है कि "अभी टकरा स्कूल में शांत कायम है। टकरा स्कूल में जगह भी नहीं है फिर कई कारणों से सिनोड के लोगों का इच्छा भी नहीं है सो उसको बहाल कर गड़बड़ न किया जाय।

सिनोड सभा ता:	विषय – agenda नम्बर-	विवरण व फ़ैसलाएं
१६-६-५५	II अतिरिक्त महासभा	सिनोड सभा में फ़ैसला हुआ कि ३०वीं जून १९५५ को अतिरिक्त महासभा (~~Special~~ (Call Special Mahasabha Meeting) बुलाई जावे। नोट :– गत महासभा के डेलीगेट ही अतिरिक्त महासभा के डेलीगेट रहेंगे।
	III रिक्त स्थानों को भरना	दुरीकेल डोमडोली के प्रचारक ट्रेनिंग चले गये उनकी जगह भरने के लिये यह फ़ैसला हुआ कि केवटंगा प्रचारक जोहन कन्डुलना डोमडोली और और केवटंगा में सुपर मंडली कोनसादे जिसको ८८ के शिक्षा (शिक्षानुसार) काम मिलता है प्रचारक का काम करे। १०वीं जुलाई १९५५ से काम जारी करें।
	IV लीडर शीप :–	गोविन्दपुर नविता स्कूल में लीडरशीप के लिये ~~सकेगी~~ फुलमनी सुरिन ~~सिनोड~~ के बिना खर्च से जाने चाही। सिनोड इस विषय को उसकी इच्छा पर छोड़ कोई फ़ैसला नहीं किया।
	V कनारी का दरखास्त	पढ़ा गया। यह दरखास्त नियमानुसार पेरिश होके नहीं आया इस लिये फ़ैसला हुआ कि दरखास्त पेरिश को लौटाया जाय,
८-१०-५५	II सन्डे स्कूल ट्रेनिंग	रांची में २१–२४ ओक्टोबर तक सन्डे स्कूल ट्रेनिंग होने जा रही है इस लिये इस ट्रेनिंग में हमारा सिनोड से भी जाना आवश्यक है। फ़ैसला हुआ कि हमारा सिनोड के चारों पेरिश से एक एक ~~उम्मेदवार~~ उम्मेदवार उसमें जावें। इसके लिये ४ उमेदवार चुने गये। उनका खर्च पेरिश २ से दिया जाए।
	III ट्रेनिंग में गये हुए प्रचारकों के लिये सिनोड का दान :–	प्रचारक ट्रेनिंग में गये हुए दोनों प्रचारकों ने करीब यात ले लिये हैं। फ़ैसला हुआ कि उनका ~~करनी~~ अदायगी उनके स्टैपेन्ड में मिन्हा किया जाय। ८-८ सेक्रेटरी को लिखा जाय।
	IV मंडली आमदनी पर विचार + बढ़ाने देने को हर एक स्टेप पर बढ़ाएं।	इस विषय बातचीत हो कर फ़ैसलाएं हुईं :— (a) हर एक कर्मचारी नियमपूर्वक मंडली में रहे और मंडली के बीच घूम कर उनकी सुधि लेवें b. पंचगरा – महीने वहियों को गिरजा आने के लिये चलावें। दुःख सुख में सुधि लेवें। गिरजा न जाने वालों का रिपोर्ट कर्मचारी को बतावें। c. समय समय पर कर्मचारी लोग पंचगरा – देन, देने और बड़ा हिस्सी आदि का जांच करें d. मंडली आमदनी – ठीक से हिसाब हो लिखा जावे। (e) हर महीना कुल आमदनी सेन्ट्रलाइज होवे।

सिनोड सभा ता:	विषय Agenda No	विवरण और फैसला
		f. सिनोड मेम्बर और पेरिश पंच अपने अपने मंडलियों में भी समय पाकर घूमें और भटके हुए लोगों को समझाये जावें।
		g. गिरजे में भटके लोगों की संख्या बढ़ाई जावे
		h- मंडली आमदनी का कुव्यवहार न हो। पंचगण ठीक ध्यान दें।
		j. मंडली आमदनी व्यापार भाव से बेचा जाय। उधार न दिया जाय। अगर दिया जाय तो वसूल भी किया जाय उधार देनेवाले के जवाब देही में रहेगा।
	V डायसोली गड़बड़ —	गड़बड़ की असली कारण जानने के लिये कमिशन चुने गये।
	VII मंडली पैसा—	C.C को चिट्ठीपत्री गई। फैसला— मंडली पैसा फौरन ही आठ आने के दर से एक प्रचारक फण्ड में जमा किया जाय और C.C में नियमपूर्वक भेजा जाए। कर्मचारी और प्रचारक पूरा ध्यान दें।
	IX कनारोवां गड़बड़. —	कनारोवां कमिशन रिपोर्ट पढ़ा गया और गड़बड़ का अन्त भी किया गया।
१०.११.५५	II कम्युनिकेशन सूचना फार्म —	सभा को सुनाया व समझाया गया। यह फार्म सभा में प्रत्येक पेरिश पंचायतों को दिया गया। फार्म पेरिश रजिस्टर- ५४ व ५५ का अलग विशेष सोच व भरा जाय।
	III महिला सेवकी: —	फैसला हुआ कि यह काम जल्द शुरू किया जावे और समय पर C-C को भेजा जाए। कर्मचारी गण लापरवाही न करें।
	IV राज्यवृद्धि —	२ आना सिनोड में "कोर्बान्ना" में राज्यवृद्धि दान है। यह प्रचार सहित प्रकाश कोनोवाड़ी के जिम्मे है। उनको २ आना सिनोड के राज्यवृद्धि दान से महवारी २४/ रुपैया दिया जाता है। इसको छोड़ कर और दो राज्यवृद्धि होने के लिये सिनोड आज फैसला देती है। I भवानीपहाड़ II तेलरा में राज्यवृद्धि दान खोला जाए।
	V प्रचारकाओं के काम: —	यह फैसला हुआ कि I एक प्रचारिका सिनोड के पश्चिमी भाग और II सिनोड के पूर्वी भाग में काम करें। हर प्रचारिका अपने निश्चित भाग से तलब भी पावेंगी।
	VI मिशन स्कूल: —	C-C-सेक्रेटरी की चिट्ठी अनुसार सभा को समझाया गया कि वे मिशन प्राइमरी स्कूल के शिक्षकों को खबर दें कि हर एक स्कूल अपने शिक्षकों को लिए तलब के साथ फार्म भरके C-C सेक्रेटरी को शीघ्र भेज दें।
	VII अन्य बातें: —	(a) C C के परिक्षार्थी का नाम जो अनिल्क महासभा चुने गये बताया गया। (b) सन्डे स्कूल ट्रेनिंग में गये— रिपोर्ट बताया गया। (c) प्रचारक ट्रेनिंग में गये हुए आदेश के बारे। (d) Headmaster का T.A Bill. सिनोड सभा ने कहा कि T.A Bill सकते देना है? सिनोड को या C C को? (e) कनारोवां सिनोड सभा जावे उन्हें वचन के आधार पर छमा दें।

सिनोड सभा ता:	विषय Agenda No	विवरण और फैसलाएं
लगातार 20.11.52 -	X स्कूल रिपोर्ट:—	समय के अभाव से फैसला है कि आगामी सभा में स्कूल, होस्टेल तथा स्टेशन कमिटि का पूरा पूरा रिपोर्ट सभा को दिया जावे। सभा को सब विषयों से जानकारी होना जरूरी है। फिर यह भी कहा गया कि स्कूल का रेजल्ट गिर गया है रिपोर्ट में पूरा दर्शाया जाय कि कहां पर क्या डिफेक्ट है।
	XI डोमटोली कमिश्न—	रिपोर्ट पढ़ा गया:— सिफारिशें:— I 1953 का कटनी धान जो खर्च किया गया वह सिनोड से गिरना बचाने के मदत में मंजूर होवे। II 1954 का कटनी जो दी काट बचा है वह डोमटोली— प्रचारी विभाग के शिक्षकों में बांटा जाय। III डोमटोली मंडली तथा मंडली पंचों को यह चितावन दिया जाय कि आगामी मंडली आमदनी का ऐसा व्यवहार न करें। सभा सिफारिशों को मंजूर किया।
16.11.55. कनारोंवा मोकद्दमे	कनारोंवा गड़बड़:—	पूरा सिनोड के सभासद हाजिर थे। जामबेड़ा के भाई लो बहिन सब ही तरह समझाये गये। लेकिन भाई लो बहिन अपने हठ में रह गये। सिनोड सभा का एक भी नहीं सुना। निदान— सभा की राय से प्रेसिडेंट ने दोनों पार्टी के भाई लो बहिनों का पैर चापा और उन्हें यह शिक्षा दी गई कि "एक दूसरे को प्यार करो" सिनोड सभा वापस जाती है और कनारोंवा और जामबेड़ा के भाई लो बहिनों से प्रेम की बात सुनने चाहती है।
12.9.1956	I प्र० समुएल तुंगतुंग —	का इस्तीफा मंजूर किया गया।
	II कर्मचारी - बदली और बहाली	
	III कनारोंवा + जामबेड़ा:—	बड़ी बिरोंगा पेरिश के पादरी ने जो अनियमित काम जामबेड़ा के भाइयों के साथ किया जिससे सिनोड में गड़बड़ होने का डर है यह फैसला हुआ कि सिनोड प्रेसिडेंट मिनिस्ट्री से एक और लेमैन से एक गवाह लेकर अतिशीघ्र बड़ी बिरोंगा जाकर पादरी बाबू से कैफियत लें कि क्योंकर ऐसा हो।
	IV बानाजोम गड़बड़:—	एक कमिश्न का जाना फैसला हुआ।
	V लड़की स्कूल घर: मरम्मती	रिपोर्ट हुआ कि स्थानीय लड़की स्कूल घर अति सोचनीय है उसकी मरम्मत न हो तो गिर जायगा। सभा फैसला दिया कि स्थानीय मंडलियों से सहाय लेकर मरम्मत किया जाय। सिनोड मदत में 20 मन धान कटनी से स्कूल को दिया जाय।

सिनोड सभा ता:	विषय Agenda नं०	विवरण व फैसलाएं
२२.१-१९४८	IV बड़ी बिहार कमिशन रिपोर्ट।	रिपोर्ट में कहा गया कि पादरी बाबू C.R. Tripuo [illegible] वालों के जवाब से दोषी समझा गया। शिकायत है कि सिनोड की ओर से उसे विज्ञापन दे माफी किया जाए। आज पादरी बाबू हाजिर नहीं हैं।
	V कनारीवां + जमबेड़ा के भाइयों का हाजर	जमबेड़ा के उपस्थित भाइयों से एक-एक करके ४ सवालों का जवाब लिया गया। उनके जवाब पर कहते हो यह फैसला हुआ कि सिनोड सभा जमबेड़ा के भाइयों की इच्छा के अनुसार काम करने का आवश्यक है क्योंकि उसको पूरा सिनोड पर शासन करना है। इसलिये यह फैसला होता है कि जमबेड़ा परी कनारीवां साविक दल गिरजा में मिल जाय और सब कुछ मिल कर पंचों की शिकायतानुसार करें।
	VI बहली पर उजुर:—	फैसला— सिनोड की फैसला बहाल रहेगी।
	VII प्रेसिडेन्ट जे. किरो: के तलब	अब तो प्रेसिडेन्ट पादरी जे. किरो: को प्रेसिडेन्ट का तलब नहीं दिया गया है यह बात सभा में निकली। फैसला हुआ कि उसे नियमानुसार ही प्रेसिडेन्ट का तलब अर्थात् पहचारी १००/६० दिया जावे।
	IX Pastoral Conference	:— यह फैसला हुआ कि पादरियाय जावें। सिनोड से उनको पैसा खर्चा के लिये ४५॥/ आना दिया जाय और आने जाने का खर्च कम्पनी उठावें।
८.३.१९४८	III पंचों का संगठन:—	(a) आमसभा— प्रचारक आमसभा में मंडली के सब बड़े कुल मांग मेम्बर होंगे (c) पेरिश आमसभा— पेरिश के सब पंचगण उसके मेम्बर होंगे (d) सिनोड आमसभा— सब पंच, पेरिश पंच और सिनोड मेम्बर उसके अंग रहेंगे। इस विषय में सब समझाये गये और यह फैसला हुआ कि इसके मोताबिक हर मंडली-पेरिशों में पंच संगठन किया जाए जिसमें काम में बचाई न हो।
	IV सेन्ट्रालिजेशन	सेन्ट्रालिजेशन में सब पेरिशों में बराबर मिलान होता है। सिनोड को फैसला है कि सब पेरिशों का ख्याल देकर ही हर एक पेरिश के कर्मचारियों को एक अनुपात में तलब दिया जावे।
	V बोगराम + टकवा गिरजा सेवकार	फैसला— टकवा गिरजा का निम्न शर्तों के अनुसार स्वीकार मंजूर होता है। I टकवा बोगराम प्रचारक के आधीन रहे। II प्रभुभोज, पर्व त्योहार पे टकवा के करीब हित बोगराम गिरजा आवे। III पूरी आमदनी बोगराम में सेन्ट्रलाइज़ होवे। IV टकवा गिरजा को माहिलाज चलावे। प्रचारक सुविधा के अनुसार समय पाकर टकवा मेंभी गिरजा करेंगे।

सिनोड सभा ता:	विषय agenda no	विवरण और फैसलाएं
लगातार ८.३.४६	VI बदली पेंगड़बड़	प्रचारकगण जो बदली में अबतक नहीं गये हैं। उन्हे अन्तिम हुक्म दिया जाए कि वे १८वीं मार्च १९४६ तक अपनी नई जगहों में काम करें।
	VII रैबेड़ा - प्रचारक के विषय मांग की गड़बड़	फैसला हुआ कि बोनराम पेरिश वेसमैन को यह विषय दिया जावे कि आपने पेरिश पंचों के साथ इसका निपटारा करें।
	VIII सिनोड भर के करनी का रिपोर्ट	सिनोड भर के करनी का रिपोर्ट हुआ और फैसला किया गया कि हाईस्कूल हेडमास्टर तथा चारों पेरिश वेसमैन अकाउंटदार। मंडली कर्मचारियों पे शीघ्र करदें।
	IX प्रचारक का ... मुलमानीसुधिन	— शादी हो गई। काम से अब लों छुट्टी नहीं ली है। १ली मार्च १९४६ से उसका काम अन्त है।
	X Mr C.H. Horay के रकापा स्कूल में बदली के विषय।	यह कहा गया कि अभी रकापा स्कूल में जगह नहीं। आर्थिक स्थिति भी शोचनीय है। रकापा में बदली करना कठिन समस्या है इस लिये C.C से अरज करें कि वह रकापा में बदलन किया जाय।
८.७.१९४६	I करनी का बंटवारा	करनी बंटवारा के विषय रिपोर्ट हुआ कि अधिकांश जगहों में बंटवारा नहीं हुआ है फैसला — बहुत जल्द हल्का हर सजन बंटवारे काम खतम करें।
	II बैबल सोसाइटी के ऑफिसरों का दौरा।	— बताया गया कि बैबल सोसाइटी के ऑफिसर रांचुवाड़ को निश्चित जगह में हाजिर आवेंगे। इस लिये सिनोड जगह निश्चय करे। फैसला : — १२ जुलाई बुध दिन पड़ता है। उस दिन लचड़ागढ़ का बजार है जो रकापा पेरिश सिनोड के करीब सेन्टर है। जहां इर्दगिर्द के खृस्तान को आसानी आ सकते हैं वहीं पर ऑफिसर गया जावें। इसके लिये सिनोड की ओर से नोटिस वितरण होवे कि भाई बहिन आसानी भाई बहिनों को भी लेके आवें और पुस्तक खरीदने के लिये तैयारी होके आवें।
	III मंडली इतिहास	कर्मचारी वर्ग में मंडली इतिहास बनाने का फैसला हुआ। सिनोड में इस मंजूरी के लिये लाया गया। सभा इस प्रस्ताव को सहर्ष मंजूर किया कि मंडली इतिहास बनाया जावे।
	IV कर्मचारियों का प्रोविडेन्ट	— वर्तमान प्रेसिडेन्ट ने सभा को जनाया कि वह इस विषय से एकदम अनजान है। खजांची भी इसके विषय ठीक नहीं जानता है इसलिये फैसला हुआ कि C.C खजांची को लिखा जाय किस कर्मचारी का प्राविडेन्ट फन्ड का चन्दा किस महिना तक दिया गया है। फिर पुराना प्रेसिडेन्ट पादरी बाबू सन्तोष सुरिन से भी इसका जांच हो।

सिनोड सभा ता:	विषय Agenda no	विवरण और फैसलाएं
लगातार ५.९.५६	V प्रचारक कलेप बघरैला।	प्रचारक बदली सैयूर मंडली में हुई। मंडली ग्रहण नहीं किया। जहां भी उसकी बदली की जाती है लोग बहुत जल्द अप्रसन्नता प्रगट करते हैं जिसपर यह प्रस्ताव किया गया कि उसको सलाह दिया कि वह आप ही काम से छुट्टी का दरखास्त दे। वह एक वर्ष की छुट्टी के लिये सभा में दरखास्त पेश किया। सभा उसकी छुट्टी मंजूर की।
	VI कुरुमरोली: —	भगी लाली है। सलन जोजो प्रचारक जो छुट्टी में थे और अभी काम में आना चाहता है। फैसला हुआ कि उसको आपने पुराने तलब स्केल पर कुरुमरोली मंडली में प्रचारक बहाल किया जाता है। १ली अगस्त १९५६ से काम शुरु करे।
८.११.५६	I So Called north zone: —	प्रेसिडेन्ट पादरी जुनस मिंज तथा ए.ए. पोमार से उत्तरी अंचल के गड़बड़ के विषय सभा को मालूम हुआ। C.C का मिनट भी इस विषय का सभा को बताया गया। सभी अपना २ विचार प्रगट कर यह बताया कि "यह अनियमित तथा जातीय आधार पर है इसके द्वारा मंडली अशांति होने वाली है इसलिये फैसला हुआ" कि जहां तक बन पड़े यह जल्द अन्त किया जाय। नोर्थ जोन के विषय प्रोपागान्डा करने लोगों को ज्यादा सिनोड के भित्तर आने न दिया जाय। मंडली के सब भाइयों बहिनों को सतर्क कर दिया जाय।
	II मंडली वृत्तान्त —	इस को सुचारुरूप से लिखने तथा रोचक बनाने के लिये एक कमिटि का होना आवश्यक है। ५ मेम्बरों का एक कमिटि बनाया गया। कमिटि को इतिहास को कांट छांट तथा छोटा बड़ा करने का पूरा हक दिया गया है।
	III प्रचारिका — सलोमी तोपनो	प्रचारिका सलोमी तोपनो सिनोड के बिना अनुमति काम छोड़ के ए.पी. नर्स ट्रेनिंग के लिये चली गई। वहां से लौट कर फिर काम के लिये आना चाहती है। सिनोड का फैसला: — प्रचारिका सलोमी तोपनो आपने से काम छोड़ दी थी उसकी जगह कोई नई — प्रचारिका बहाल की जाय। बहाल करने का काम कार्यकारिणी सभा को दिया गया।
	V प्रचारक- जोहन कन्डुलना।	प्रचारक घर के काम न बनने के कारण कुछ दिन प्रचारक काम से छुट्टी मिलने का दरखास्त दिया है। दरखास्त के अनुसार उनको छुट्टी मंजूर की गई।
	VI लोयकेरा के लिये प्रचारक	लोयकेरा के लिये प्रचारक याकूब बाखो डोमरोली इन्टरव्यू में लिया गया और तथा बहाल किया गया।

सिनोड सभा ता:	विषय Agenda No.	विवरण और फैसलाएं
६-१२-५६	III नया बहाल और बदलियां।	दो पुराने प्रचारक आपस में बदल किये गये। १ली जनवरी १९५७ से अपने नये जगहों में काम करेंगे। एक नया प्रचारक बहाल किया गया। रैवेडा और सोकोरला मंडली अलग २ प्रचारक चाहते हैं। दोनों जगह के भाई व बहिन एक ही समय में प्रचारक से मिलना चाहते हैं जो एकदम अनहोनी है। प्रचारक बड़ी तंग अवस्था में हैं। फैसला हुआ कि प्रेसिडेन्ट, चेयरमैन और वहां के सिनोड मेम्बर उनको समझाने के लिये कमिश्न होकर जावें। यह काम पर्व के पहले हो जाना चाहिये। वे समझावें जावें कि सिनोड के फैसले का उचित आदर दें।
	IV १९५६ का करनी को प्रवृत्ति	— करनी धान कर्मचारियों को दिया गया अत्र दाम इस साल काटा नहीं गया है। इस साल कर्मचारियों को तलब सिर्फ रुपैयों में १२ आना ही मिला है इस लिये सभा का फैसला है कि करनी धान का दाम न काटा जाय पर यह उनको एलाउन्स में दे दिया जावे और आपने बाकी तलब का जिकर न करें।
	V अनेक दरखास्त:—	सब दरखास्तों पर उचित विचार हो उनका अन्त हो गया।
	VI रिपोर्ट्स: —	हाई स्कूल, होस्टल और स्टेशन कमिटि के रिपोर्ट पढ़े गये। कोई विशेष फैसले की बात नहीं हुई।
१०-१-५७	I मिनट का दुहराया जाना	
	II " से बातचीत	
	III आधार वेतन:	— मंडली की ओर से प्राइमरी स्कूल के शिक्षकों को आधा तलब दिया जाय। इसके बिना उनका तलब बिल स्कूल अधिकारियों की ओर से ग्रहण नहीं होंगी। फैसला — स्थानीय मंडलियों से इसके लिये चन्दा उठाया जावे। इस साल शिक्षकों को करनी धान से प्रत्येकों तीन तीन काठ धान दिया जावे।
	IV करनी बंटवारा:	— पादरियों को १० काठ प्रचारकों को ८ काठ और शिक्षकों ३ काठ देने का फैसला मंजूर हुआ।
	V शोर्ट कोर्स के लिये उम्मीदवार	— शोर्ट कोर्स में जाने के लिये प्रचारक वर्ग में से ... ५ उम्मेदवार खड़े हुए। सिनोड सभा उनमें से दो को चुन लिया जो ये हैं I नथमन समद प्रचारक दुरीकेला। II पौलुस किड़ो सिदनाथपुर।
	VI प्रचारक का शांति भंग: —	इसके विषय कई अफवाह की बातें कही गईं। इस लिये तुरन्त काम में बहाल करने को सभा असमर्थ हुआ।

सिनोड सभा ता.	विषय Agenda नं.	विवरण और फैसलाएं
१०.१.५७ को लगातार	७ बदली और बहाली	बहाली के लिये ५ नये मलीडियों का नाम आया। दो का नाम काट गया बाकी तीन नाम waiting लिस्ट में रखा गया।
	८ तलब वृद्धि दरखास्त	प्रचारक जुसक होरो का दरखास्त पढ़ा गया। यह पुराना और माहिर ट्रेन्ड है। पर प्रचारक काम में अनुभवी नहीं है। फैसला हुआ उसको ३/ रुपये की वृद्धि होवे। मासिक २५/ जनवरी १९५७ से मिले।
	९ सैंपुर प्रचारक :-	पतरस डुंगडुंग सैंपुर से बदली चाहते हैं क्योंकि वहां उसकी जीविका नहीं चलती है। मंडली आमदनी से उसको वहां के लोग एडवांस भी नहीं देना चाहते हैं। फैसला हुआ कि वहां दो जनों का एक कमिश्न जावे और वहां की स्थिति का अनुसंधान कर रिपोर्ट रखें।
	१० २ कारमाइकेल स्कूल :-	१२.१.५७ को स्कूल का जन्मदिन है। उस दिन योग्य छात्रों को पारितोषिक भी वितरण होगा। माननीय M.L.A. श्री सुशील बागे ~~की~~ निमंत्रित हैं। सभा ने हाई स्कूल के इस काम के मदद में २२/ रुपैया दे देने का फैसला सर्वसम्मति से की।
७.२.१९५७	३ सैंपुर कमिश्न रिपोर्ट	पढ़ा गया। कमिशन का रिपोर्ट था कि प्रचारक की बदली सैंपुर से कर देना ही अच्छा है। सभा इसको मंजूर किया।
	४ बदलियां :	प्रचारक पतरस डुंगडुंग सैंपुर से टुटीकेल को। " एहसानुदास कुल्लुना टोकीटोली से सैंपुर। " यहोयाकिम [illegible] दुम्बाटोली से पोगलोया। " इलियाजार [illegible] पोगलोया से लताकेला। " मसीहचरण लताकेला से दुम्बाटोली। ये बदलियां १ली मार्च १९५७ से होंगी।
	५ डेलिगेटों का चुनाव :	२ कारा सिनोड में ९१९८ दूरीकृत अंग हैं उसके अनुसार भी 1500 पर एक डेलिगेट के हिसाब से १० डेलिगेट और एक मेजर चुने गये।
	६ डॉ मरोनी गिरजा संस्कार :-	संस्कार के लिये दरखास्त आया। दरखास्त मंजूर हो फैसला हुआ कि इस शुभ काम में सब सिनोड मेम्बरों को आना चाहिये। संस्कार 10-2-57 को होगा।

सिनोड सभा ता:	विषय Agenda No	विवरण और फैसलाएं
१.३.५६ लगातार	७ जमकेड़ा की चिट्ठी	पढ़ी गई। यह एक घोषणा पत्र था। उन्हों ने घोषणा किया कि निश्चित समय तक उनकी मांग पूरी नहीं किई गई इस लिये अब से वे उत्तरीय अंचल North Zone में मिल जाते हैं अब हम पर एकरसा सिनोड का कोई हक नहीं है।" सिनोड का इस विषय पर यह फैसला है कि कलीसिया की नियमावली निराग्रह० धारा ३ और ४ के अनुसार उत्तरीय अंचल के किसी अधिकारी को एकरसा सिनोड में काम करना अनियमित है इस लिये वे अधिकारी यहां आने को रोक दिये जायें। Rev. Bikral Minj और Rev. Masihdas Lakra Simdega को पत्र लिखा जाये। एक-नकल C.C को दिया जावे।
	८ कुसुमटोली दरखास्त	पढ़ा गया। फैसला आगामी सिनोड सभा में सब बुलाये जावें। उनसे मुहां मुंह बातचीत होवे।
१४.३.५६	३ C.C मेम्बरों का चुनाव	Rev. सुनाशर किड़ो १९६१-३ तक के लिये चुने गये। हेडमास्टर P.S. Baryo कचा लेमैन से चुने गये।
	४ बाबत कुसुमटोली दरखास्त	प्रचारक बाबू ~~प्रभुसहाय~~ जोहन सुरिन इस मण्डली से अपना दरखास्त वापस ले लिया। इस प्रकार कुसुमटोली दरखास्त विषय आप से साफ हो गये।
	५ उत्तरीय अंचल के प्रति सिनोड का फैसला	चूंकि नोर्थ जोन के अधिकारी लोग जमकेड़ा दल वालों को अपने अंचल में ले ही लिया। मना करने पर भी नहीं माना इस लिये सिनोड इस विषय पर फैसला देती है। कि एकरसा सिनोड के यहि बहिन सतर्क किये जायें कि शादी ब्याह का सम्बन्ध उत्तरीय अंचल के लोगों से बनाने में सावधान रहें ऐसे सम्बन्ध न लगावें- क्योंकि इसमें भारी गड़बड़ी गोलमाल होगी। इस लिये शुरु ही में सावधान होकर शांति से बचने का प्रयत्न करें।
	६ धनर के लिये नयनेसन अद कादविद	पढ़ा गया। फैसला:— आर्थिक कठिनाई के कारण सिनोड मदत देने असामर्थ है। फिर उसके काम को भी बिना आदमी का खाली नहीं रख सकते हैं।

सिनोड सभा ता:	विषय agenda no.	विवरण और फ़ैसलाएं
१८.३.५९ का लगातार	१ सिनोड के लिये प्रेसिडेन्ट –	यह प्रस्ताव हुआ कि पादरी बाबू जे. किड़ो: पुराने सिनोड प्रेसिडेन्ट के वाली मेयाद पर आरूढ़ थे। इसलिये और ४ वर्षों के लिये वेही (पादरी गुनाथ किड़ो) ही सिनोड प्रेसिडेन्ट रहें" यह प्रस्ताव समर्थन हुआ। दूसरा प्रस्ताव नोमिनेशन में नहीं आया। इसलिये सर्वसम्मति से पादरी बाबू गुनाथ किड़ो: और चार वर्षों के लिये १९५९ – १९६१ तक के लिये प्रेसिडेन्ट चुने गये।
१३.६.५९	१ मिनट का दुहराया जाना.	
	२ मिनट से बातचीत: –	(a) टुयेकेल मंडली का करनी पो प्रभु प्रीतम गड़बड़ी है नयमन समद प्रचारक जो कोर्ट में गया। लौट कर सब धान को ले गया सिर्फ २ मन धान दिये प्रचारक को। देखा वहाँ कुल १४।ऽ८ धान था। नयमन समद को सिर्फ ३।ऽ मन लेना था। वह १०ऽ मन ज्यादा ले गया। फ़ैसला, लिखा जाय कि वह उसे बहुत जल्दी लौटा देवे।
	३ प्रचारक ट्रेनिंग –	गोविन्दपुर प्रचारक ट्रेनिंग में जाने के लिये प्रचारक कन्डीडेट गये – पौलुस कन्डुलना प्र० और सलन जोजो दर्खास्तकारी थे। इनमें प्रचारक पौलुस कन्डुलना प्रचारक ट्रेनिंग के लिये चुना गया।
	४ सोकोलो मंडली –	से फिर प्रचारक बाबत दर्खास्त आया और पढ़ा गया। फ़ैसला: — कमिश्नर जावे और वहां की स्थिति को छान बीन कर ममला तय करे" इसको अन्त करने का अधिकार कमिश्नर को दिया गया
	५ बोंगराम पेरिश खाली –	बोंगराम पेरिश अब लों खाली है। वहां आने वाले पादरी बोंगराम में आने नहीं चाहते हैं। सो जब तक कोई नहीं आवे तब तक बोंगराम पेरिश प्रेसिडेन्ट के पादरी — जे. किड़ो: के इनचार्ज में रहेंगे।
	६ कलेप नचौला –	जो काम से छुट्टी में थे - दर्खास्त दिया कि उसका काम - दिया जाय: — फ़ैसला हुआ – इस समय सिनोड में कहीं जगह खाली नहीं है खाली होने से जगह दिया जायगा।
	७ राज्यवृद्धि काम –	ऊपर से यह खबर आया कि हर एक सिनोड में राज्यवृद्धि का काम हो। इसलिये इस काम के प्रबन्ध करने के लिये ५ मेम्बरों का एक कमिटि बनाया कि वे सिनोड के अन्दर काम का सुप्रबन्ध करें।

सिनोड सभा ता:	विषय agenda नं०	विवरण और फैसलाएं
१३.६.५७ का लगातार	८ प्रोपोजड मिडल स्कूलों की हिदायत —	हेडसुपरवैजर साहेब से भेजे गये सरक्युलर सभा को सुनाया गया। स्कूल के सरकारी अधिकारी प्रोपोजड स्कूलों को अचानक आके मुलाहिजा करेंगे। सो हरएक स्कूल की मंजूरी के लिये पूरा पूरा प्रबन्ध कर रखें जिससे मुलाहिजा में अच्छा फल आवे। इसके लिये सब स्कूलों को खबर दिया जाय।
५.८.५७	१ मिनट का पढ़ा जाना	
	२ - मिनट से बातचीत	(a) प्रचारकों की शिक्षा क्लास - ओफिसर्स मीटिंग में ठहराये हुए शिक्षाक्लास को सभा मंजूर करती है कि शिक्षा क्लास १६ अक्तोबर से ३१ अक्तोबर तक होवे। लेकिन जैसा ठहराया गया है वैसा ही केवल सिर्फ खाना के बदले ५/६० की प्रचारक को मेस खर्च के लिये देना पड़ेगा। (b) कर्मचारियों को देने के बाद जो कपड़े की थान बच गया है सो बेचा जावे सेन्टर खजाने में दिया जावे। (c) मेस के इन्तजाम के लिये तीतोंफिलिप केरकेट्टा रहेंगे।
	३ एवंजेलिस्टिक डाइरेक्टर का सरक्युलर नम्बर 17 - 33/57 ता: 23-7-57	— पढ़ा गया। सिनोड के सामने दो प्रस्ताव पेश आये उनमें से II प्रस्ताव प्रोपोजल नं० २ सभा से मंजूर किया गया:- जो यह है "(a) राज्यवृद्धि दान मंडली २ से सिनोड को जो मिलता है उसे सिनोड अपने सिनोड के अन्दर राज्यवृद्धि काम के लिये रखे। b माघम्, बुद्धवार और लेन्ट गिरजे का दान या सिरनो जो मंडली को मिलता है वह दान सिनोड में सेन्टरलाइज होकर के उसमें से 50% सैकड़ा अपने अन्दर राज्यवृद्धि काम के लिये रखे और 50% ई० कलीशा के खजांची के पास भेजा जावे। c मिस्सन पर्व हर मंडली में २री नोवेम्बर को हरसाल माना जावे और उस रोज का आमदनी राज्यवृद्धि काम के लिये कलीशा के खजांची के पास भेजा जाय। हर मंडली में भाइ बहिनों को यह विषय समझाया जाय।

सिनोड सभा ता:	विषय Agenda No.	विवरण और फैसलाएं
५. ६. ५९ का लगातार	४ नये प्रचारकों का इन्टरव्यू.	इन्टरव्यू के चार कंडिडेट उपस्थित आये। इन्टरव्यू मे दो कंडिडेट सफलता प्राप्त किये। सभा ने उनमेसे एक को (जोहन समद को) सोकोरला मंडली के लिये प्रचारक बहाल करने का फैसला किया और दूसरा प्रभुप्रसादवाले को उमेदवार लिष्ट में रखा जिले जगह होने पर उसको नियुक्ति हो। सोकोरला के लिये नया प्रचारक १५ वी सेप्टेम्बर १९५९ से काम आरम्भ करे और अपना ज्वाइनिंग रिपोर्ट देवे।
	५ एकोनोमिक (आर्थिक उन्नति) कमिटि	आर्थिक उन्नति कमिटि के ये सदस्य चुने गये।
		I टकरमा परीश्वास्ते १, पादरी बाबू जुनाथन लुगुन। 2 हेडमास्टर पी. एस. वरजो। ३ श्री हबिल सुरिन।
		II कोंगराम परीश्वा – १ श्री – पौलुस कन्डुलना 2 प्र० थोमास समद ३ श्री फोलिमोन किड़ो सिवनाथपुर
		III बड़ीबिरंगा – १ पादरी बाबू सी. आर. तोपनो 2, श्री जोहन तोपनो ३ श्री. जेम्स तोपनो करीमाटी
		IV लताकेल – १ पादरी बाबू – जुनास बाड़ो। 2 प्र० – आनन्दमसीह कोनगाड़ी ३ श्री मनसिद्ध सुरिन चेमटांगड़ा।
	दि कन्डीदात C.A.B. Tirkey	Note – कन्वीनर – पादरी बाबू जे. लुगुन रहेंगे। का दरखास्त पढ़ा गया। बरीसागु हास्पीटल जाने के लिये दो महिने की छुट्टी मांगी थी क्या है। सिनोड सभा उसकी मांग पर बहस कर फैसला दिया उक्त बाबू की दो महिने की छुट्टी बे तलब का मंजूर करती है। उसकी छुट्टी १ली जुलाई से ३१ वी अगस्त ५९ तक थी। उसकी छुट्टी के दिन बीत गये फैसला है कि उसको नोटिस दिया जाय कि वह अपने काम में जल्द टकरमा लौट आवे। इसकी एक कापि मंत्रीया के सेक्रेटरी को भी दिया जाय।

सिनोड सभा ता:	विषय agenda नं॰	विवरण और फैसलाएं
५.६.५६ का लगातार.	७ तलब वृद्धि के लिये अर्जी पत्र -	प्रचारक बाबू इविन गुड़िया और थोमास समद तलब की बढ़ती के लिये अर्जी पेश किया। जांच पांच करने से यह मालूम हुआ कि प्र॰ बाबू इविन गुड़िया के तलब वृद्धि का समय नहीं पहुंचा है और प्रचारक बाबू थोमास समद अपने तलब के आखरी हद में आ गये हैं।
	८ सिनोड के लिये एक चौकीदार.	सर्वसम्मति से फैसला हुआ कि सिनोड में एक चौकीदार का रहना आवश्यक है। वह कुछ पढ़ना लिखना भी जानता हो।
	९ स्कूल सुपरवैजर का [illegible] बिल्ल	— बिल्ल पास हुआ।
	१० अन्य बातें: —	मंडली आमदनी को उधार के सिलसिले में पहली बातों फैसला हुआ कि (a) मंडली आमदनी से उधार लेने की प्रथा एक दम उठा दिया जाय। (b) सेन्ट्रालिजेशन के खर्चा के विषय जैसा सिनोड में फैसला है वैसाही काम होवे। (c) सेन्ट्रालिजेशन फंड से तलब बिल सिनोड प्रेसिडेंट से पास होकर खजांची के पास आवे। (d) खजांची ऐसे बिल को ग्रहण न करे जिसमें प्रेसिडेंट की सही नहीं है। (e) हरएक कर्मचारी अपने तलब से अधिक एडवांस न लेवे। अधिक एडवांस लिये हुए कर्मचारी का हिसाब न लिया जावे।
१२.१२.१९५६	सिनोड सभा की बैठकी देखा गया है।	

J. Topno
Synode Secretary
5-12-57

J. Lakra,
Synod President
[illegible]
5/10/57

कार्यकारिणी सभा	विषय	विवरण – फैसला
12. 4. 56	I C.C. कमिशन –	कनारोवां, जामबेड़ा और कोनसोद गड़बड़ बाबत C.C. कमिशन आने वाला है। 30-4-56 को I बेला रकबा पहुंचेगी। 1-5-56 को कनारोवां में पंचायत होगी। 2-5-56 को बनो में और 3-5-56 को कोनसोदे में पंचायत होगी और 4-5-56 को कमिशन रांची लौट जायगी इसके लिये कार्यकारिणी का फैसला है कि (a) पारिश चेयरमैन, स्थानीय प्रचारक वो पंच गाड़ी डेरा आदि और पंचायत स्थान का सुप्रबन्ध करेंगे। (b) इस सम्बन्ध में खर्च के निमित्त कमसेकम 50/ रुपये का जोगाड़ होना जरूरी है। (c) कोनसोदे, जामबेड़ा, बनो और कोनसोदे के गांव के बहिनों को खबर दिया जाय।
	II रकबा गिरजा का संस्कार –	दरखास्त पढ़ा गया। वे जुबिलाते एतवार 22-4-56 को संस्कार दिन ठहराया है। दरखास्त पर गौर किया गया तो पाया गया कि उसमें सिर्फ रकबा वालों का दस्तखत है, पेरिश चेयरमैन तथा प्रचारक और नाराम प्रचारक मण्डल के पंचों का दस्तखत नहीं है इस लिये फैसला हुआ कि दरखास्त वापस किया जाय। क्योंकि पेरिश चेयरमैन प्रचारक की जानकारी वो दस्तखत आवश्यक है। फैसला के तुरन्त बाद रकबा से गाड़ी लोग आ पहुंचे। उन्हें दरखास्त सौंप दिया गया। उनको ठीक कर समझाया गया। उन्होंने अर्जी किया कि हम लोग जल्द नियमपूर्वक ही दरखास्त को दस्तखत करके ले आवेंगे पर आप लोग कृपा करके हमारे निश्चित ता: को मत टालिये। सभा ने सोचा कि निकट भविष्य में सभा से कार्यकारिणी का बैठना असम्भव है इस लिये फैसला हुआ कि रकबा का दरखास्त फिर से लौटकर बिशप सिनोड के आफिसर ही उचित फैसला दें।
	III बदली में नहीं जाने वाले प्रचारक :–	(a) एला मंडली अपने प्रचारक के लिये दरखास्त देती है कि गिरजा घर के न तैयार होने तक प्रचारक बदली न जाय। सभा इसको मंजूर करती है। (b) कलेप बर्खला प्रचारक – जल्द डोमटोली मंडली में आवे (c) जुराम होरो प्रचारक भी सिहनापुर जावे।
	IV ट्रेनिंग के लिये प्रचारक :–	समुएल गुड़िया प्र० बेड़ाहोजों गोविन्दपुर ट्रेनिंग जाने के लिये चुना गया। समुएल गुड़िया के जोहन मुनि ट्रेनिंग से लौट कर काम करे और बयमन सामद अपने पुराने जगह टुटीकेल में ही काम करे।

सभा के नाम ~~कार्यकारिणी~~ सभा ता:	विषय नं० -	विवरण और फैसलाएं
१२-४-५६ लगातार	५ करनी का बंटवारा	बंटवारा और बिक्री के विषय बहस हुआ। बिक्री के ... मनकर्मचारियों के लिये रखा गया।
		बंटवारा ४ पादरियों को प्रति १० मन के दर - - - ४०)
		II ३६ प्रचारकों " ८ " - - - २८८)
		III १ प्रचारिका " - - - ५)
		३३३)
		बाकी ८०।५।१ सेर ११ स्कूल के ३२ शिक्षकों में प्रति युनिट के दर देने का फैसला तय हुआ। जो बचता है सो बेचा जाय और सिनोड खजांची को दिया जाय।
		मंडली कर्मचारियों से करनी का प्रतिमास ४/ चंदा काटा जावे।
ओफिसर्स ७-७-५६	नये प्रचारक का इन्टरव्यू	श्री मनरस डुंगडुंग जुरकेला - प्रचारक काम में इन्टरव्यू के लिये आया। ओफिसरों ने उसे जांचकर अच्छा फल पाया और सिनोड के फैसलानुसार सैयुर मंडली में प्रचारक का काम करने के लिये बहाल किया। १५वीं जुलाई १९५६ से काम आरम्भ करे।
४-४-५७ ओफिसर्स	I तीन प्रचारक उमेदवारों का इन्टरव्यू	ओफिसर्स मीटिंग में कर्मचारी भी उपस्थित थे उनके साम्हने तीनों उमेदवार इन्टरव्यू में लिये गये। उनमें दाऊद जोजो कमलापानी पहला आया। दाऊद जोजो कमलापानी रैबेडा और लोकोला के लिये प्रचारक नियुक्त किया गया। ७ अप्रैल से काम शुरू करे। उनको महवारी १५/ रु० तलब मिलेगा।
	II आमसभा	यह फैसला हुआ कि इस साल का आम सभा ९-५-५७ को होवे - सिनोड के अन्दर खबर दिया जावे।
७-८-५७ कार्यकारिणी.	I स्कूल सुपरवैजर का चुनाव	सभों की राय से बाबू पी. एस. बर्जो हेडमास्टर रूकाम हाई स्कूल रूकाम सिनोड प्राइमरी स्कूलों का सुपरवैजर चुना गया। कंविजन्सी के लिये सिनोड से खर्चा दिया जायगा।
	II कुरीटोली दरखास्त	पढ़ा गया। फैसला - जैसा कि कुरीटोली मंडली को उनके दरखास्तानुसार सहायता दिया जाय।
	III करनी धान	फैसला - इस महिना के अन्दर बंटवारा का हुक्म कायम रहे और हिसाब दिखाया जावे। शिक्षकों को सेन्ट्रलाइज करके ही पैसा दिया जाय। करनी धान की बिक्री बिना इजाजत बिक्री न होवे।
	IV लोकोरला के लिये प्रचारक	- ५वीं सेप्टेम्बर १९५७ को इन्टरव्यू के बाद लोकोरला को प्रचारक दिया जाय।

मिटिंग के नाम ता:	विषय नं० -	विवरण और फैसलाएं
७-२-५६ कार्यकारिणी के लगातार	५ कलेप बधरैला — प्रचारक	कन्दिदात बाबू C.A.B. Tirkey के छुट्टी में जाने से [illegible] २करमा प्रचारकाधन खाली पड़ा है। उसकी खाली जगह प्रचारक बाबू कलेप बधरैला जो छुट्टी में थे अस्थाई रूप में २करमा में प्रचारक बहाल किये गये। मासिक ३०/ रु० पर।
२३-२-५६ ऑफिसरस	कर्मचारी शिक्षा क्लास —	पादरी जे किड़ो प्रेसिडेन्ट ने कहा कि कर्मचारियों के शिक्षा क्लास के लिये ओक्टोबर महिने में करने का अच्छा मौका और विचार है। प्रेसिडेन्ट का यह विचार समर्थन किया गया और कर्मचारी शिक्षा १५ ओक्टोबर से ३१ ओक्टोबर तक करने को निश्चित हुआ। उसमें यह भी कहा गया कि जर्मनी रिटर्न ऑफिसर शिक्षा के लिये बुलायें जावें। यह भी कहा गया कि इस मौके के लिये निकटवर्ती सिनोडों से अर्जी पेश की जावे कि सब मिल कर एक ही जगह शिक्षा ग्रहण करते तो प्रोफेसरों की उपस्थिति में सुविधा होती। निकटवर्ती सिनोडों से कारवाई करने को इजाजत प्रेसिडेन्ट ही को दिया गया। इस शिक्षा क्लास के समय मेस खर्च ऐसा ठहराया गया:— चावल — १०।। से० दाल — २।। से० पैसा — ६।।/ रु०

J. Topno
Synod Secretary
5-12-57

J. Kiro
Synod
President
Takarua
5/12/57

Recd. 9/12/57

To. The - Secretary N.E. Hazo
G.E.L. Church Ranchi

महाशय,

ता. 27 Nov. 1957

आपका भेजा पत्र नं० 2449, को पाया और उसका जवाब लिख भेजते हैं।

- १९५५ ई० में किनकेल नाया सिनोड नहीं था।
- १९५६ ई० के अक्टोबर महिने से आमसभा के तौर से बैठकी प्राय: हफ्ता २ होती थी क्योंकि चारों गड़बड़ मंडली में थी।
- ता: २६-१०-५६ को कलोश्या के गड़बड़ी के कारण पहिले अगस्त ही महीने से प्राय: हफ्ता २ बैठते और विचार करते आते थे।
- ता: २१-१०-५६ को विशेष बैठकी हुई, और मंडली पंचो का विशेष बैठकी होने लगी कि हम लोग नोर्थ जोन में नहीं जायेंगें।
- ता: ५-१०-५६ फिर नोर्थ जोन के विशय बहुत देर तक बात चीत हुई और इसके लिये कमिटी भी बनाई गयी।
- ता: २६-१०-५६ को फिर मंडली के विशय मंडली के भाईयों की बैठकी हुई।
- ता: ११-११-५६ को विशेष बैठकी हुई और किनकेल सिनोड से अलग होने का विचार हुआ।
- ता: १८-१२-५६ को मंडली के सब पंच और गैर पंच बुलाये गये और सिनोड कमिटी उसी रोज बनाया गया।
- ता: १४-१-५७ को सिनोड बैठकी हुई थी।
- ता: १३-२-५७ को सिनोड बैठकी हुई थी जिसमें कौंसिल मेम्बर बे तलब योगी बाबु प्रेमचन्द बाखा: चुने गये और १९५७ के महासभा के लिये डेलिगेट भी चुने गये।
- ता: १५-४-५७ को महासभा का रिपोर्ट, सिनोड का रिपोर्ट, खजानची का रिपोर्ट, नोर्थ जोन वालो से सादी बिवाह का रिपोर्ट, मंडली पैसा का, पंच गिर्जा का फैसला हुआ।
- ता: १६-४-५७ को विशेष करके मंडली पैसा के विशय बात चीत हुई, कोई प्रकार से भी दृष्टिकृत ॥) आना पैसा देकर रसिद लेना चाहिये।
- ता: १५-५-५७ मंडली में गिर्जा आने जाने के विशय बात चीत हुई और धार्म्म शिक्षा भी दिई गई।
- ता: २३-६-५७ को सिनोड बैठकी हुआ कि पादरी लोग हर एतवार अलग २ मंडली मंडली में गिर्जा करने जावें, और राज्य विधि दान सैकड़ा ५० सी: सी: में भेजने का फैसला हुआ।
- ता: १८-१०-५७ को सिनोड बैठकी हुई जिसमें मंडली के आर्थिक जीवन और अकाल का रिपोर्ट कौंसिल को दिया गया।
- १९५५-५६ में नहीं हुई है। १९५५-५६ में सिनोड नहीं बनाया गया था कलोश्या के गड़बड़ी के कारण से

(१) इसके बाद १९५७ के सिनोड बैठकी का ता: ⟶

१४-१-५७
१३-२-५७
१५-४-५७
१६-४-५७
१५-५-५७
१८-१०-५७
२२-१०-५७

P. T. O.

(१) (क) कोई खास विशय नहीं हुआ- केवल गिर्जा आने जाने के विशय-
(२) (ख) आत्मिक जीवन के विशय-
(३) (ग) मंडली पैसा के विशय समझाया गया- पर भाई लोग उजुर करते हैं -
(घ) बढ़ती जोर में ३ हाप्ता सिद्धाक्लास हुआ।
(४) सिनोड मिनिस्ट्रीयम को बैठकी नहीं हुई है -
(५) सिनोड सभा का चुनाव नहीं हुआ है, जनवरी में होगा
(६) हमारे सिनोड खजाना जांच नहीं हुआ है -
(७) सिनोड बजेट दिसम्बर के १३-१२-५७ में बनाया जायगा।

Sa. Premchand Bar:
6-12-57

Bage
6.12.57

To
the Secretary
N. E. Horo
G. E. L. Church Ranchi

No. 70/57 From the Synod President's Office 35

G.E.L. Church Burju

Rec. 20/12/57

To, 16th December 1957

The
secretary G.E.L. Church Ranchi

322
20/12

महाशय,
मुझे आप की चिट्ठी ता: २६ नौ० १९५६ न० २४५९-६५/५६ ता: १५-१२-५६
को प्राप्त हुई। जिसके कारण आप के प्रश्नों का जवाब ठहराये हुए तारिख
में नहीं भेज सका कृपाया माफ करें। तौभी आप की कौंसिल के जानकारी
के लिए नीचे लिखे अनुसार जवाब भेजता हूं। कृपाया ग्रहण करें।

I. Suria
16/12/57
Synod President
Burju

१ पूरी सिनोड बैठकी का रिपोर्ट १९५५-१९५६ तक:—
(i) १३-१-५६ (ii) ६-१२-५६ (iii) 28-3-56 (iv) 28-6-56.
केवल 4 बार पूरी सिनोड बैठकी होने सकी। १९५५ साल मे पूरी सिनोड की
बैठकी एक बार भी नहीं होने सकी।

2, कार्यकारीणी सिनोड बैठकी:—
(i) २८-६-५५ को और (ii) 31-10-56 को। केवल दो बार।

3, सिनोड सभा के विशेष फैसलाएं:—
(क) मण्डलियों के आत्मिक जीवन सम्बन्धी:—
सिनोड बैठकी ता: 31-10-56 एटम न० ८ कर्मचारियों के काम का
ब्योरा:— सिनोड के प्रचारकों के शिक्षा क्लास के समय कर्मचारियों ने
जो काम का ब्योरा तैयार किया है उसको सिनोड प्रेसिडेन्ट और भैसप्रेसिडेन्ट
फिर से जांच कर आगामी सिनोड बैठक के सामने रखें।
(ख) सिनोड बैठकी ता: 18-3-56 एटम 13. सिनोड फन्ड:— बहुमत से संकल्प
हुआ कि सिनोड फन्ड के लिए प्रभुप्रीत का आधा भाग लिया जावे। और
सिनोड ~~से~~ खजाने मे सेन्ट्रालैज किया जावे।
13-10-56 सिनोड बैठकी एटम 5(a) ता: 18-3-56 की फैसला एटम
13-के अनुसार हरेक इलाका प्रभुप्रीत की आमदनी का आधा
जनवारी १९५६ तक मे सिनोड खजाने मे दे।
(b) स्कूलों और एवेंजेलिस्टिक काम के लिए खर्च आगामी सिनोड के बजेट
मे शामिल किया जावे।
(ग) मण्डली पैसा सम्बन्धी:— सिनोड बैठकी ता: ६-१२-५६ एटम 6 मण्डली
पैसा:— संकल्प: मण्डली पैसा के सम्बन्ध में ~~मण्डली~~ महासभा का जो
फैसला है नहीं बदली है और तहसील किया जा कर C.C मे भेजा जावे।
(घ) शिक्षा सम्बन्धी:— ता: 13-1-56 एटम 7 सिनोड एड्यूकेशन बोर्ड
निर्माण:— सिनोड के स्कूलों की समस्याओं को जांच करने तथा उन्नति
मे लाने का उपाय खोजने के लिए सिनोड एड्यूकेशन बोर्ड का निर्मान हो
जिसमे 9 मेम्बर हों।
ता: 28-6-56 को पूरी सिनोडमीटिंग में इस बोर्ड के मेम्बरों के नाम
इसप्रकार दिये गये।

1 Rev. Th. Toppono Burju
2, Rev. A. Horo Samatoli
3. Head master Tokad Middle school
4 Rev I. Suria Synod President
5 Sri Paulus Soy Longa
6 Head master Burju Middle school
7. Head master Amlesha Middle school
8 Head master Karaytoli Middle school
9. Head master Topkara Middle school

इस बोर्ड के चेयरमैन
Rev. Th. Toppono और
सेक्रेटरी Rev. I. Suria
Synod President
रहेंगे।

P.T.O.

ता: ३१-१०-५६ कारयो कारीणी बैठकी एटम 8· सिनोड एड्युकेशन बोर्ड की बैठकी का रिपोर्ट: - Rev. I. Guria सिनोड एड्युकेशन बोर्ड के सेक्रेटरी ने ता: २०-१०-५६ की एड्युकेशन बोर्ड बैठक का रिपोर्ट पढ़ सुनाया। सभा ने सबै सम्मती से इस रिपोर्ट को ग्रहण किया जिसमे निम्नलिखित मूल बाते रही।

(a) स्कूलो के मैनेजिंग कमीटियों का पुनर्गठन हेड मैनेजर के मोडेल रूल के अनुसार होवे

(b) सिनोड अपने बजेट मे स्कूलो का खर्चे भी शामील करे। इसके लिए सिनोड के स्कूलो से एकोन्ट मांगा जावे।

(c) किसी नये स्कूल को खोलने के बिषय सिनोड से परामर्श लिया जावे।

(d) मैनेजिंग कमीटी का संगठन इस तरीके से हो।

(i) टीचर्स प्रतीनिधी 2
(ii) गार्जियन्स प्रतिनिधी 2
(iii) जाति प्रतिनिधी 2
(iv) कलीसिया प्रतिनिधी 2.

8, सिनोड मिनिस्टीरीयम की बैठकी इन तीन बरसो के भीतर केवल दो बार हुई है। I २५-८-५६ II ३१-१०-५६- । सी सी के जानने के लायक कोई बात नहीं थी।

2. इस बरस ~~सिनोड~~ बुरजू सिनोड सभा का चुनाव इस प्रकार हुआ: —

बुरजू इलाका: - 1 Rev Th Topono (Elakachairman Burju P.O Murhu, Ranchi
2, Rev M. Aind Sariguti, Khunti, Ranchi
3, " A. Horo Sarnatoly, Khunti Ranchi
4. " B. L. Topono Karantoly, Bingda Ranchi
5, " M. Tutti Tapkara, Barda, Ranchi
6, " Mr. Z. Horo. Burju Murhu, Ranchi
7. Mr. Johan Topono
8, " Amus Purti
9, " Marsal Tutti Dulli Khunti Ranchi
10, " Samuel Soy Murum Oskeya, Murhu, Ranchi
11, " Mansidh Sanga Birhu, Khunti Ranchi
12, " Ishak Champi, Sidri, Bingda, Ranchi
13, " Manmasih Topono
14, " Suleman Guria, Tapkara, Barda, Ranchi
15, " Johan Guria Koenara, Barda, Ranchi
16, " Masihdas Topono Siyankel, Torpa Ranchi
17 " Masihdas Kassa Headmaster Burju Middle School, P.O Murhu Ranchi
18, " Rev M. Purti (Pensner) Sudkir, Bingda, Ranchi

19, Rev. I. Guria. Synod President. Burju, Murhu, Ranchi

टोकाद इलाका :- 1 Rev. M. P. Jojo, Tokad. Bandegaon, Singhbum
2 " M. Bhengra. Tayur Bandegaon Singhbum
3. Mr. Jusaph Bodra
4, " Morihdas Bodra
5. " Halan Topono
6, " Elias Bojo

अमलेशा इलाका :- 1 Rev. J. Bodra. Amlesha, Tamar. Ranchi
2, Mr. S. Bhengra. Amlesha, Tamar. Ranchi
3, Mr. P. S. Purti Amlesha, Tamar. Ranchi
4. Mr. Jusaph Purti Bosukocha, Pandidiri, Ranchi
5, Rev. J. Kandulna, Unkulloha, Birbanki Ranchi
6, Mr. Johan Bodra, Kuriya, Birbanki Ranchi
7, Mr. Paulus Soy Longa, Bandegaon, Singhbum.
8, Rev. A. Horo, Jillingkella, Khunti, Ranchi
9, Mr. Anandmasih Soy Haramsereng, Arki, Ranchi

(६) सिनोड और इलाके खजानों की जांच इन तीन सालों के भीतर नहीं हुई है। आनेवाले सिनोड मीटिंग में खजाने जांच के सम्बन्धों में बात बिचार किया जायगा।

(७) १९५८ के लिये सिनोड का बजेट अभी तैयार नहीं है। आगामी साल जनवरी महीने के अन्त या फरवरी के छोर में सिनोड मीटिंग बुलाने का बिचार हो रहा है उसके बाद सिनोड बजेट का नकल आप के ऑफिस को भेज दिया जायगा।

नोट : (क) जितने सिनोड मेम्बरों का एड्रेस मालूम नहीं है जबतक न भेजा जाय उनके पास चिठी, इलाका चेअरमैनों के जरिये भेजा जाय।

(ख) जिलिंकेला पेरिश पाद्री Rev. H. Purti स्वर्गवासी हुए उनकी जगह मे C.C. के बदली मोताबिक Rev. A. Horo जिलिंकेला पेरिश जानेवाले हैं।

आप का बिस्वस्त
Rev. I. Guria
16th December 1957
President Burju
Synod.

35

Office of Secretary
G.E.L. Church
Koronjo
16.12.57.

To

The Secretary G. E. L. Church, Ranchi

महाशय,

आप के पत्र तं० २६ नोवेम्बर के Ref: No. 2449: 64/57. cc और Ref: No 2503 ÷ 10/57. cc. के कुछ items का उत्तर देता हूँ. बाक़ी items का उत्तर कुछ दिन के पश्चात जल्द ही दूंगा —

318
19/12/57

Ref: No 2449: 64/57. CC. का item No. 1 — कोरोंजो सिनोड के इर्द सिनोडिकल्‌ कौंसिल की बैठकें १९५५, १९५६, और १९५७ में निम्न तिथियों में हुई —

१९५५ ई० में ⟶ ८-२-५५; ५-२-५५; ८-६-५५; ५-१०-५५;

१९५६ ई० में → ११-१-५६; ११-४-५६; १२-४-५६ (लगातार); १३-८-५६; १२-६-५६; ~~१२~~ १२-१२-५६;

१९५७ ई० में → ६-२-५७; १३-३-५७; १४-३-५७; (लगातार); ९-५-५७; ११-६-५७; ९°-११-५७; ७-११-५७; /

Item No. 2 कार्यकारिणी समिति की बैठकें ~~कि~~ १९५५, १९५६ और १९५७ के निम्न तिथियों में हुई :—

१९५५ ई० में :— १२-१-५५; ९-३-५५, १३-४-५५; १३-७-५५; १०-८-५५; ७-९-५५; ७-११-५५; ७-१२-५५;

१९५६ ई० में :— १-२-५६; ७-३-५६; ८-५-५६; ४-७-५६; १०-१२-५६;

१९५७ ई० में :— ८-१-५७; १०-४-५७; ११-४-५७; १२-८-५७; ७-८-५७; १९-१०-५७; ४-१२-५७.

Items No 3 का :— इस साल १३ मार्च १९५७ को सिनोड कौंसिल के नये मेम्बर चुने गये :—

(A) Koronjo Parish से :— (1) Rev. M. Topno, President P. O. Koronjo. Dist Ranchi.

(2) Sri N. Dang. Teacher. Platinum Jur. High School, Koronjo P. O. Koronjo. Dist Ranchi.

(3) Sri M.D. Minj. Dhorhibahar. P.O. Konjo. Dist Ranchi (२ वर्ष के लिये)
(4) Sri Habil Tirkey. Ambapani. P.O. Thethaitangar Dist Ranchi (२ वर्ष के लिये पक्का लोहे न)
(5) Sri Daud Xess. Kutmiya. P.O. Thethaitangar. Dist Ranchi (४ वर्ष के लिये)
(6) Sri Hieronimus Kullu. Ambapani. P.O. Thethaitangar. (पक्का लो. है न)
(४ वर्ष के लिये, पक्का ले है न)
(7) Cat. Johan Topno. Konjo. P.O. Konjo. Dist. Ranchi (४ वर्ष के लिये)
(8) Sri J. Dhan. Hedmaster. Middle School. Konjo. (Representative)

(B) Kahupani Parish: —
(1) Rev. K. M. Topno. Kahupani: P.O. Thethaitangar. Dist. Ranchi. (अधिन.)
(2) Sri ~~Trophimus Jojo. Koendaga. P.O. Bansjor. Dist Ranchi~~
Sri Junathan Dungdung. Gargahahar. P.O. Thethaitangar.
Dist. Ranchi (२ वर्ष के लिये पक्का लोहे न)
(3) Sri Benjamin Kerketta. Ghutbahar. P.O. Ghutbahar. Dist Ranchi
(२ वर्ष के लिये पक्का लोहे न)
(4) Sri Nicodim Samad. Kesra. P.O. Ghutbahar. Dist Ranchi
(४ वर्ष के लिये पक्का लोहे न)
(5) Sri Nuas Bage, Kesra. P.O. Kesra. Dist. Ranchi
(४ वर्ष के लिये पक्का लोहे न)
(6) Cate Manmasih Kerketta. Kesra. P.O. Kesra. Dist. Ranchi.
(२ वर्ष के लिये)
(7) Cate Kulbir Kerketta. Kahupani P.O. Thethaitangar Dist Ranchi
(४ वर्ष के लिये)

(C) Lomboi Parish: —
(1) Rev. J. Bage. Lomboi. P.O. Lomboi. Dist Ranchi.
(2) Sri Trophimus Jojo. Koendaga. P.O. Bansjor. Dist Ranchi
(२ वर्ष के लिये - पक्का लोहे न)
(3) Sri Paulus Lakra. Bansjor. P.O. Bansjor. Dist Ranchi
(२ वर्ष के लिये पक्का लोहे न)
(4) Sri Patras Lugun. Karmapani. P.O. Lomboi. Dist Ranchi
(२ वर्ष के लिये (पक्की लोहे)

(5) Sri Johan Horo. Mamablagina. P.C. Kombir Dist Ranchi.
(रांची के लिये पक्का लेमैन)

(6) Sri Luther Soy. Kadopani. P.o. Bansjor. Dist Ranchi
(रांची के लिये पक्का लेमैन)

(7) Cate. Suleman Samad. Kombir. P.o Kombir Dist Ranchi.
(रांची के लिये-)

(8) Cate Johan. Samad. Herrapani. P.o. Kombir. Dist Ranchi
(रांची के लिये)

(9) Cate. Joel Lakra. ~~P.o Ba~~ Giniker. P.o Bansjor Ranchi
(रांची के लिये)

Synod Executive Committee Members:—

(1). Rev. M. Tofno. Korongo (President. P.o. Korong. Dt. Ranchi.
(2) Sri. N. Dang. Secretary. Korongo P.o. Korongo Dt. Ranchi
(3) Sri. M. D. Minz. Dhorhibahar. ~~[illegible]~~ P.o. Korongo Dt Ranchi
(4) Rev. J. Baje. Kombir (Vice Pret) P.o. Kombir. Dt. Ranchi.
(5) Sri. Habil Tirkey. Ambapani P.O Thethaitangar. Dt. Ranchi.
(6) Sri J. Dhan. Hdm. Middle School. Korongo Dt. Ranchi.
(7) Cate. Luther Kerketta. Kahupani. P.o. Thethaitangar, Dt. Ranchi.

N.B. Items. 3. 4. और 7 बाकी रह जाते हैं।

Items:— No 6. का :— बजट की आखिरी जांच Rev. M. Tofno President द्वारा 17-3-66 को हुई थी। आइन्दे बराबर उचित प्रबन्ध करने का विचार हो रहा है)

सिनौद बुलेटिन चिट्ठी :— Ref No 2503-(8/5)-cc. द्वारा:—
हमारे कोरोंगो सिनोड की आगामी ~~बैठ~~ बैठक तिथि 2-7-72 को होगी। (पूर्ण कौंसिल की बैठक रहेगी) —P.T.O.

७.१-५८ आदम को करें जो पहुचना है।

प्रभु की सेवा में ——

आपका बन्धु ——

भवदीय ——

16.12-57.

Secretary,

KORONJO SYNOD.

35

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH IN CHOTANAGPUR AND ASSAM.

REF:NO.2449-64/57-CC- G.E.L.CHURCH COMPOUND,RANCHI.
The 27th November,1957.

From SECRETARY-Mr.N.E.Horo,B.A.,

To SYNOD PRESIDENTS. G.E.L.CHURCH IN CHOTANAGPUR & ASSAM.

Mahashay,

Kripaya nimin likhit bishayen ki suchna 9 December,1957 tak mere office men bhejen:-

1.Ap ke Purn Synod ki kitni baithkiyan 1955,1956 aur 1957 men huwi?Tarikhwar bibaran dijiye.

2.Kitni bar Synod Karyakarini 1955,1956 aur 1957 men huwi?Tarikhwar bibaran dijiye.

3.Ap ke Synod sabha ke bishesh phaeslayen -
(K) Mandliyon ke atmik jiwan sambandhi.
(Kh) " " arthik " "
(g) Mandli Paisa sambandh.
(gh) Siksha sambandh.

Kripaya uprokt bishayon par Synod ke bishesh phaeslaon ka ek prati nakal bhejen.

4.Kitni bar Synod ki Ministerium ki baithkiyan huwi?Iske phaeslaon ki bishesh baten jo Church Council ke janne layk hon kripaya den.

5.Kya is barsh ap ke Synod sabha ka chunaw huwa?Synod sabha ke memberon ka nam unke address sahit.

6.Ap ke Synod aur Illaka Khajanon ki akhri janch kab huwi?Bartman men Khajanon ki janch ka kya prabandh huwa hai ya ho raha hai ?

7.Ek prati Synod budget 1958 ki nakal.

Uprokt suchna kripaya bahut hi bishesh samajh kar December 9,1957 tak awashya den. Ukt tarikh tak nahin dene par suchit karen. Suchna milna aniwarj hai.

Ap logon ka bishwast,
28/11
SECRETARY,
G.E.L.CHURCH,RANCHI.

No.2465-66/57.
cc to President & Treasurer for information.

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH IN CHOTANAGPUR AND ASSAM.

REF:NO.2467-82/57-CC- G.E.L.CHURCH COMPOUND,RANCHI.
The 27th November,1957.

From SECRETARY- Mr.N.E.Horo,B.A.,

To **SYNOD PRESIDENTS,G.E.L.CHURCH IN CHOTANAGPUR & ASSAM.**

Mahashay,

Kripaya apne Synod ki Mandliyon ko sakht takid kar den ki 1954 se 1957 ke Mandli Paisa ke hisab ki janch ka prabandh Church Council karegi. Atah sabhi Mandliyan apne kitabon aur rasidon ko bataye huwe hidayaton ke anusar durust kar rakhen.

Church Council dwara janch hone ke pahile yah upyukt hoga ki Synod President unki janch kar len taki awastha se unko santosh ho jay.

Ise ati awashyak samjhen. Dhanyabad.

Ap ka bishwast,

N.E.Horo 28/11

SECRETARY,
G.E.L.CHURCH,RANCHI.

Bh.Lakra.27/11/57.

No.2483-84/57
cc to President & Treasurer for information.

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH IN CHOTANAGPUR AND ASSAM.

REF: NO.2485-2500/57-CC. G.E.L.CHURCH COMPOUND, RANCHI.
The 27th November, 1957.

From SECRETARY- Mr.N.E.Horo, B.A.,

To

All SYNOD PRESIDENTS
G.E.L.CHURCH IN CHOTANAGPUR & ASSAM.

Mahashay,

Kripaya January 31, 1958 tak apne Synod ka prastawit budget agami sal ke liye taiyar kar Church Council ko uski ek prati bhejen.

Dhanyabad.

~~Yo~~ Ap ka bishwast,

SECRETARY,
G.E.L.CHURCH, RANCHI.

Bh.Lakra 27/11/57.

No.2501-2/57.
cc to President & Treasurer for information.

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH IN CHOTANAGPUR AND ASSAM.

REF:NO.2503-18/57-CC-

G.E.L.CHURCH COMPOUND,RANCHI.
The 27th November,1957.

From SECRETARY- Mr.N.E.Horo,B.A.,

To

ALL SYNOD PRESIDENTS,
G.E.L.CHURCH CHOTANAGPUR & ASSAM.

Mahashay,

Kripaya ainde ap ke Synod sabhaon ki baithkiyon ki tithi baithki hone ke kaphi pahle Church Council ko suchit karen taki Council ke paddhariyon ko awashyakta parne par ap ki sabhaon men upasthit hone ka mauka mil sake. Synodon ke hit ke liye bhi yah awashyak hai ki yah suchna niyamanusar Council ko di jay.

Ap ka bishwast,

SECRETARY,
G.E.L.CHURCH, RANCHI.

Bh.Lakra,27/11/57.

NO.2519-20/57.

cc to President & Treasurer for information.

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH IN CHOTANAGPUR AND ASSAM.

REF:NO.2521-36/57-CC- G.E.L.CHURCH COMPOUND,RANCHI.

The 27th November,1957.

From SECRETARY- Mr.N.E.HORO,B.A.,

To

ALL SYNOD PRESIDENTS,
G.E.L.CHURCH IN CHOTANAGPUR & ASSAM,

Mahashay,

Khed ke sath yah kahna parta hai ki Church Council ke kaiek bishesh patron ka jabab turant nahin diya jata hai jiske karan awashyak karjon ke sampadan men kathinta hoti hai.Kaiek bibaran jab Synod se maga jata hai to use ikattha karne men dinon bit jate hain aur uska uttar tab Council ko milta hai jab uska mahatwa khatam ho jata hai ya Council karrawai kar leti hai.

Aisa malum parta hai,aur yah Council office ka anubhaw hai,ki Synodon ke office men awashyak record nahin rakhe jate hain. Niyamanusar Church Council,Synodon ki awastha ya kisi bishay ka bibaran Synod adhikariyon se hi prapt karti hai atah yah awashyak hai ki Synod office apni Mandliyon ka pura record apne daphrat men rakhe. Aisa kahna sayd upyukt hi hoga agar harek Synod ka a bakayde office ghar ho janhan niyamanusar Synod ka patar-byawahar adi karj ho.

Kripaya is bat par Synod adhikari dhyan den ki patarbyawahar shasan prabandh ka ek mukhya hathiyar hai. Patron ke susamay men uttar dene shasan sambandhi karjon ka bojha kam ho jata hai aur Mandli chalane ki tatparta dekhi jati hai.

Ap ka bishwast,

28/11

SECRETARY,
G.E.L.CHURCH,RANCHI.

Bh.Lakra,27/11/57.

Synod Reports

Synod reports from following Synods have been received:

1 Hazaribagh Synod
2 Khuntitoli "
3 Koronjo "
4 Manbhum "
5 Northern "
6 Orissa "
7 Takarmu "
8 Western "

Reports Still wanted:

1 Assam Synod
2 Bengal "
3 Burju "
4 C.P. or M.P. "
5 Govindpur "
6 Kinkel "
7 Singbhum "
8. H.Q. Congregation.

No 23/57

G. E. L. Church
Sciyhani
Hazaribagh
1/3/57.

From. Rev. N. Bhengra.

To,
The Secretary
G. E. L. Church Council
Ranchi.

Dear Sir,

I am sending you the Report of Hazaribagh Synod for 1956 for the Church Council or Mahasabha.

Yishusahay.

Yours faithfully
Rev. N. Bhengra
1/3/57

Please Tell Treasurer to Send the Money of this Synod.
N. Bhengra
1/3/57

Synod Report
Hazaribagh

हजारीबाग सिनोड का रिपोर्ट १९५६ का।

मान्यवर, जी. ई. एल. चर्च प्रेसिडेन्ट, और सब मेम्बरगणों को हजारीबाग सिनोड के ओर से येशुसहाय।—

मैं हजारीबाग सिनोड का रिपोर्ट आप के सामने देता हूँ जो इस प्रकार है।—

I क्षेत्र —— भौगोलिक स्थान से हजारीबाग सिनोड का क्षेत्र बहुत बड़ी है। इस का क्षेत्र करीब चार जिले में पड़ता है अर्थात हजारीबाग, गया, पटना और पुर्णिया। सिनोड का सेन्टर गिरिडीह है। भौगोलिक स्थान से बहुत बड़ा है तौभी जनसंख्या स्थान से यह बहुत छोटा है।— पश्चिम उत्तर पश्चिम चारों तरफ इन जिले हमारे विश्वासी भाई बहिन हैं और भी जिलों में हमारे विश्वासी हैं पर पैसे की कमी से उनको खोजना मुश्किल है और उनको १९५६ साल में नहीं खोजा गया है।— इस सिनोड के कितने बाहरवाले विशेष कर रांची तरफ से आकर नौकरी कर रहे हैं और कितने जगह जमीन लेकर बस गये हैं।

II मण्डली की दशा —— (a) गिरजा आराधना — इस सिनोड के अन्दर कितनी ऐसी मण्डलियां हैं जहां गिरजा घर नहीं हैं पर वे किसी एक के घर में जमा होकर गिरजा आराधना करते हैं। कितनी ऐसी मण्डलियां हैं जहां दूसरे मिशन के साथ एक में गिरजे करते हैं और गिरजा दान सब एक में जमा होता है। इसको हम Union Church कहते हैं। कितनी ऐसी जगह हैं जहां रविवार को रोज गिरजा नहीं होती है पर जब पादरी जाता है तब गिरजा होता तथा पवित्र सक्रामेन्ट का अनुष्ठान होता है।— कितनी ऐसी मण्डलियां हैं जहां गिरजा, सण्डे स्कूल और समाज (Prayer meeting) बराबर हुआ करती हैं और कितनी जगहों में नहीं होती हैं।—

हमारे बहुत से भाई बहिनों विशेष कर उत्तर बिहार में फैले हुए हैं वे न गिरजा और न सक्रामेन्ट ही पाते हैं। बहुत ऐसे भाई बहिन हैं जो कि दूसरों के चर्च में भागी होते और वहीं पर पवित्र सक्रामेन्ट भी पाते हैं।— जहां पर बराबर गिरजा होता है वहां का गिरजा आना जाना ठीक है। जहां बराबर Prayer meeting होती है वहां पर भाई बहिन आनन्द से समाज में भाग लेते हैं।—

(b) चन्दा तथा दान:—— सिनोड की मण्डलियां बहुत दूर दूर जगहों में हैं। जहां पर Union Church है वहां का सब दान Union Church fund में जमा जाता है। बीते साल मण्डली चन्दा के विषय बराबर जोर दिया गया जिससे कितनी जगहों से चन्दा भेजा जाता है और कितनी जगहों से जब पादरी दूर में जाता है— साल में चन्दा भी लेते लाता है।— बड़ा खेद तो अब तक कितनी जगहों से रेगुलर नहीं आता है। विशेष कर उन जगहों

से जहां Union church है और उन जगहों से जहां हर रविवार को गिरजा नहीं होता है। किसी न किसी प्रकार से फायदा उठाने का ओर बराबर किया जाता है। बीते साल इस सिनोड में की हाँड़ कुल प्राय: 8 रु. ९ आ. ३ पाई देना पड़ा। मण्डली पैसा के लिए बहुत कोशिश किई जाती है। जो भी लोगों को हाँड़ कुल (ii) का पैसे चालु किया हुआ चार साल लग रहा है तौभी कई व्यक्ति अब तक समझने नहीं सके हैं। जो समझते हैं वे आनन्द से मण्डली पैसा देते हैं।

(c) अनेक कुरीतियाँ — सिनोड के अन्दर मतवालापन, व्यभिचार आदि पाप देखे जाते हैं जो कि मनुष्य के आत्मिक जीवन को बिगाड़ता और नाश करता है।

III कर्मचारियों का काम — सिनोड के अन्दर केवल दो पेरिश हैं जहाँ पर पादरी रहते हैं अर्थात किशनगंज और जोगियारा। दोनों पादरियों को लम्बा तथा दूर दूर जगहों में विश्वासियों के पास जाना पड़ता है। मण्डलियां इधर उधर फैली हुई हैं जिससे वहां पहुंचने में बहुत कठिनाईयां होती हैं।

किशनगंज पेरिश के अन्दर ११ छोटी२ मण्डलियां हैं अर्थात किशनगंज, रक्सौल, डुमरी, बेरमो बोकारो, गया, पटना, दानापुर, कटिहार पुर्णियां गिरिडीह रमनाईया, कुलकुलाहा और दूसरे दो एक घर हैं जिनके पास भी कभी कभी पादरी को पहुंचना पड़ता है। इनमें सबसे दूर पटना, दानापुर कटिहार तथा पुर्णिया है जिनके पास भी बीते साल पहुंचना पड़ा है। पटना जो कि बिहार की राजधानी है यदि वहां एक इवेन्जलिस्ट पादरी रहता तो वह सब उत्तर बिहार में जितने हमारे विश्वासी हैं उनको सम्हाल करता। दानापुर मण्डली बिहार रेजीमेंटों से बनी हुई है व Union church में शामिल करते हैं। कटिहार की मण्डली B.M.P. के जवानों से बनी हुई है। कितने भाई परिवार साल वास करते हैं।

पटना जो कि बिहार की राजधानी है एक इवेन्जलिस्ट पादरी हो।

Am. N. Bhuinya. 23/3/...

... 23/3

जोगियारा पेरिश के अन्दर ८ छोटी२ मण्डलियां हैं जैसे जोगियारा, कुड़ा, कोल्हे, जालना, बेरमो, रामगढ़, कुरकुण्डा, सिरका रेलीगड़ा। इनमें से चार मण्डलियां अब स्थायी मण्डलियां बन गयी हैं। यह जोगियारा पेरिश पहाड़ी मुल्क है वहां भी पादरी को पहुंचना पड़ता है। जालना एक सन्ताल मण्डली है। वहां का प्रचारक भी सन्ताल ही है। क्या ही अच्छा होता कि जालना में एक सन्ताली जानने वाला पादरी रहता और आस पास सन्तालियों के बीच में प्रचार का काम करता।

सन्तालियों के बीच जालना में एक सन्ताली पादरी हो।

Am. N. Bhuinya. 23/3/...

... 23/3

सिनोड के अन्दर केवल ७ ही स्थायी मण्डलियां हैं जहां पर प्रचारक हैं। दूसरी मण्डलियां ऐसी हैं

कि जब हमारे भाई बहिन काम (नौकरी) से बदली किये जाएं तो मंडली भी नहीं रहेगी। जहां पर प्रचारक हैं वहां गिरजा, स्कूल और समाज प्रचारकों द्वारा ही चलता है। बाकी मंडलियों में सब काम पंचों द्वारा होता है और पादरी लोग वहां समय समय पर पहुंच जाते हैं। बीते साल 1971 में 133 बार प्रभुभोज बांटा गया - जिसमें खानेवालों की संख्या 1220 थी।

IV नये मिशन काम — सिनोड के अन्दर एक नये मिशन का काम भी होता है। जोगियां पेरिश एक नया मिशन क्षेत्र है। इस पेरिश की तीन मंडलियां जैसे जोगियां, कुड़ा, और कोता नये मिशन क्षेत्र हैं। अभी मंडली खड़े हो जाने से 8, 10 वर्ष हो गये हैं। मिशन क्षेत्र से काम भी होता है। जोगियां पेरिश के पादरी का ~~कुछ~~ वेतन सौ (लगभग 40) रु. करके दिया जाता है और बाकी वेतन सिनोड को देना पड़ता है। नये मिशन काम तथा मंडली के कामों को चलाने के लिए ~~प्रति 154) रु. महवार~~ कौंसिल ऑफ मिशन्स इस सिनोड को सरकारी मिलती है पर यह रेगुलर नहीं है और रेगुलर न होने के कारण कर्मचारियों को तकलीफ उठानी पड़ती है। मंडली मंडली में विश्वासियों की संख्या बहुत कम है। किसी किसी मंडली में 5, 6 घर हैं और किसी किसी मंडली में 10, 15 घर हैं। इस प्रकार से मंडली ही की आमदनी से काम चलाना मुश्किल है। सुसमाचार प्रचार का काम खुले तौर से नहीं पर घरों में जाकर व्यक्तिगत तौर से किया जाता है जिससे मंडली मंडली में भाई बहिनों की संख्या धीरे धीरे बढ़ती ही जाती है। बीते साल कर्मचारियों को सैकड़े प्राय: 64) रु. वेतन मिला।

मिशनल मिशन ग्रान्ट रेगुलर हो।

N. [illegible] 9.8.78 [illegible] 23/3

V स्कूल — अब तक इस सिनोड ~~स्कूल~~ में 3 ही लोअर प्राइमरी स्कूल हैं। और ये सब स्कूल डिपार्टमेन्ट से मंजूरी हुई हैं पर केवल अब तक एक ही स्कूल को सरकारी सहायता मिल रही है। बाकी स्कूल के लिए लिखा पढ़ी हो रही है। स्कूल में ख्रिस्तान बच्चों की अपेक्षा अख्रिस्तानों की संख्या अधिक है। आशा है कि स्कूल के द्वारा भी मिशन का काम होकर ख्रिस्तानों की संख्या बढ़ेगी।

VI समाज — यहां सम्मिलित समाज छोड़ कर दूसरा समाज नहीं है। माता समाज ~~नहीं हैं~~ पर बहिन समाज नहीं है। युवक संघ ~~एक~~ दो मंडली को छोड़ कर बाकी मंडलियों में नहीं है।

~~सिनोड~~

VI। मण्डलियों की बैठकें :— प्रचारकगणों की बैठकें बराबर हुआ करती हैं। पैरिश की बैठकियाँ समय पर होती हैं। सिनोड की बैठकियाँ पहवारी होती हैं। पूरी सिनोड की बैठकें छमाही (३ महीने में) एक बार होती है जिसमें मण्डलियों की दशा, मण्डलियों की आमदनी खर्च और अन्य अन्य बातों के विषय सोच विचार किया जाता है। बीते साल पूर्ण सिनोड की बैठकें 4 बार और कार्यकारिणी सिनोड की बैठकें 2 बार हुईं।

VII। जन संख्या : इस सिनोड के अन्दर जन संख्या इस प्रकार है।

(i) बपतिस्मा संख्या ११२१,
(ii) दृढ़ीकृत संख्या ४६६,
(iii) कुल संख्या --- २१४६ है।

प्रभु दया करे कि हजारीबाग सिनोड में खिरस्तानों की संख्या बढ़ती जाय और मण्डलियाँ दूर दूर जगह तक फैले कि इस सिनोड के द्वारा प्रभु की महिमा हो और बहुत नई आत्मा प्रभु के राज्य में आवें।

प्रभु में
आप का विश्वस्त
Rev. N. Bhuinya
27/8/57
Synod President, H.bagh Synod

Synod Report 4/57

To
The Secretary
of Khuntitoli Synod
G. E. L. Church.

Rec. 19/2/57

Khuntitoli
16-2-56

Dear Sir

I am sending you the annual report of Khuntitoli Synod.

Yours faithfully
M. [illegible]
Synod President
Khuntitoli
16-2-56

Annual Report of Khuntitoli Synod fr
Jany 1956 to Dece 1956

1 - खुंटीटोली सिनोड दो इलाकों से बने हैं अर्थात
खुंटीटोली इलाका और पानीसनी इलाका जिनमें
कुल ३६ प्रचारक पद हैं अर्थात खुंटीटोली परिसमें
१४ सिमडेगा में १६ और पानीसनी में ६ प्रचारक पद
हैं जिसमें १९५५ में २६७२ घर, २१८०३ बपतिस्मा प्राप्त
हुए, ११ धर्मखोजक, ५८४२ दृढ़ीकृत, ११ हिन्दु, ३९४० मुण्डा,
३५८४ उरांव, ४०८८ खड़िया हैं अर्थात खुंटीटोली परिस
में ७४७ घर, ४५५३ बपतिस्मा प्राप्त हुए, ५ धर्मखोजक, २१५६
दृढ़ीकृत, १ हिन्दु, २०१० मुण्डा, १५८४ उरांव और १८८४ खड़िया,
सिमडेगा परिस में ६५२ घर, ५५६४ ~~[illegible]~~ बपतिस्मा प्राप्त हुए,
५ धर्मखोजक, २६१६ दृढ़ीकृत, १० हिन्दु, ~~[illegible]~~ १२८६ मुण्डा
११५५ उरांव और २७३१ खड़िया। पानीसनी जो एक ही
परिस का है ५५० घर १२२५ बपतिस्मा प्राप्त हुए, १ धर्म-
खोजक, ७५६ दृढ़ीकृत, २२२ मुण्डा, ८४२ उरांव और
४८६ खड़िया हैं। जिनके लिये ३ पादरी और ३२
प्रचारक और २ प्रचारिका हैं।

२ - राज्य वृद्धि काम - साल के शुरू दिनों में ही
पानीसनी इलाके में राज्य वृद्धि काम बहुत जोर
किया गया। सारे खुंटीटोली सिनोड के कर्म-
चारी मिलके पानीसनी इलाका में खूब प्रचार
किया - दिन को सिनोड का मिशिरी सेविकाएं और

(२)

सांझ को टोली टोली में भाई बहनों के साथ प्रचारों को सारे कर्मचारी जाते थे। इस प्रकार से दुमका(?) ने एक सेन्टर और बुधिमा(?) में एक सेन्टर और बरियार(?) में एक सेन्टर खोल लगाया। यह कौंसिल से मंजूर किया गया। जनवरी के ~~शुरू में~~ अन्त में दुमका(?) में धर्म खोजकों की बपतिस्मा हुई जिसमें पादरी मुल्लस(?) भी हाजिर थे जिसको पादरी मरकस संगा(?) ने सहायता की और ७ आदमियों की बपतिस्मा हुई। उसी के तुरंत बाद बरियार में बपतिस्मा हुई। दुमका सेन्टर में पतरस लकड़ा और बुधिमा में इलियास कुजुर और बरियार में मोहन किन्डो ? प्रचारक हैं जिनमें सिर्फ पतरस लकड़ा को ५/- मिलता है और बाकी दो को समाज पुराता(?) है। आशा है बाकी दो को इस साल [illegible] खूंटी टोली इलाका के अन्दर एक जगह [illegible] वृद्धि काम करता है अर्थात बिरु [illegible] टोली में जिसको इलाका देखती हूं। अभी वह [illegible] बरस हो चुका। बुधिमा में नोवेम्बर में धर्म खोजक बपतिस्मा हुआ। वहां इलियास कुजुर प्रचारक को अति दुख हुआ। चार बार उसपर सरकार के पास नालिस हुआ। पादरी को भी उसमें

23/3

गवर्मेन्ट ने पकड़ा पर अन्त वहां धर्म खोजक पाया है।

3 — सिलोड का आत्मिक जीवन — बहुत स्थानो में युवक संघ अच्छा चल रहा है। महिला समाज भी चलता है, मिशनरी समाज भी चलता है। कितने स्थान युवक समाज से जवान युवती लोग सुधारे जा रहे हैं और कितने स्थानो में युवक समाज बिगड़ जा रहा है। कहीं कहीं जवानो के बीच मतवाला पन राज्य करने चाहता है। और जहां मतवाला नहीं वहां नशोरी राज्य करने चाहता है। हम कह सकेंगे कि यहां आत्मिक जीवन मध्यम है।

4 — आर्थिक जीवन — सुना है कि देश का जीवन का आधार मगर बिल्कुल महुआ पर निर्भर है। इतनी बात से हम जान सकते हैं कि कैसा आर्थिक दशा है। जिससे यहां के कर्मचारियों को अपना वेतन दे नहीं सकते हैं। साल में एक या दो महिना होगा जिसमें अपने कर्मचारियों को पूरा तनखा देती है।

5 — कर्मचारियों की दशा — सुना है आज तक यहां यही काम चलता है। सिलोड चाहती है कि मराठी कर्मचारी अपने ही स्थान में रहे पर इतना कम देती है चाहते हुए भी उस बात को करने में

नहीं लोगें सकती है। मण्डली में अनेक कार्य कारियों को सिर्फ आधा देती है।

६— शिक्षा — सिनोड में शिक्षा के लिये अनेक मिहनत किया जाता है। एक प्रस्तावित हाई स्कूल, एक स्वीकृत मिडिल स्कूल, एक प्रस्तावित मिडिल स्कूल, दो स्वीकृत अपर स्कूल, दो प्रस्तावित अपर स्कूल और चार स्वीकृत लोअर स्कूल हैं जिनमें अनेक ही बच्चे पढ़ते हैं, अनेक गुरु सिखाने का काम करते हैं - पर सिनोड उनको खाने को दे नहीं सकती है। सिनोड बहुत कम दे सकती है। जिससे यह होता है कि कितने ही गुरु लोग गुरु काम छोड़ के सरकारी कामों की ओर ध्यान करते हैं। मिडिल और हाई स्कूल में बकाया देना अभी प्राय: [illegible] हजार से ऊपर है। नहीं जानती है सिनोड कि कहां से वह पावे कि बकाया तनखा दे सके।

सिनोड में शान्ति — सिनोड कानून आने से सिनोड में शान्ति थी पर आठ वर्ष से यहां अशान्ति ही बढ़ती जा रही है। बाहर से आये हुए अवैधानिक ईसाई जमात यहां भी अपनी टांग फंसाती है। २४ अगस्त और २२ अगस्त में वे लोग रांची में जुटे और वहां कोशिश किये ~~किये~~ कि चाबी

c.c. [illegible] Mr. [illegible] 23/3/82
23/3

चार्च कौंसिल और महासभा का अधिकार इस
उत्तरी अंचल पर नहीं है। इस सिद्धांत से दो
आदमी यहां आ कर खड़ी कर आये और उन्होंने
यहां भीतर ही भीतर बहुत काम किया। जिसके
मालिक पादरी जोहन टोप्पो हैं और उसके काम
कर्त्ता अर्थात प्रचारक जोएल लकड़ा हैं। नकेल
कहके तीगा प्रेसिडेन्ट और उसके दलके लोग
खुंटिटोली भाई बहनों को समझाया। इसको
देख जोएल लकड़ा भी अक्टूबर के २३ ता. में
आये इतना भारी घटाया कि ओबेकानिक उत्तरी
अंचल बहुत बढ़ गई। २८ दिसम्बर ५६ को वह
फतेही बेक्का और खुंटिटोली गिरजा में सारे
खुंटिटोली के उरांव लोग मिलके इसारीय अंचल
घोषित किया — जिसका कलीसिया अमदानियों
को डाका मारता हुआ — अर्थात ओकबाइ मरदकी
का अमदानी कटनी प्रभुभोज को बाहर के प्रचारक
प्रभुदान बाड़ा के अनुमति से ही लेके चलागया
ऐसा ही हलन मिंज भी मोड़ाकुदर के कटनी
और प्रभुभोज, ऐसा ही प्रभुसहाय ओड़ेया
खुंटिटोली के कटनी प्रभुभोज, दिसंबी, भड़ा
सिरली, मरड़ली पैसा, पुरना पानी का कटनी
प्रभुभोज को वहां के प्रचारक निकोलस लकड़ा
हड़प लिया। बेचारा मसीह प्रकाश किंडो,

(६)

सिमडेगा डीड़ का अधिकतर खड़िया होने के हेतु
उसको कोई आमदनी सेल्फ़ सपोर्ट करने को नहीं दिये
क्यों कि यह अर्थात मुण्डा और खड़िया उराँव जैसा
को ग्रहण नहीं किया। गरजा, कोची डीड, कुरसबेरा
कमजोर लोगों ने इलाका में सेल्फ़ सपोर्ट नहीं किया
जितनी बहियाँ उनके हाथ में थी - जितनी इलाका की
सामग्रियाँ उनके हाथ थी सब को जब्त किया।
जिसके वजह आज इलाका अपना हिसाब और मर्दुमशुमारी
सिनोड को नहीं दे सकती है न सिनोड ही कौंसिल को
दे सकती है। खेद की बात है ~~[illegible]~~ कलिसिया के कितने
जन ईश्वर से अधिक materialism (दुनियादारी बातों)
को प्यार करते हैं।

२ — तबादिलियाँ — आज तक में जितनी बदलियाँ
हुई वे दिखने में सन्तोष जनक ही हैं। यानी सभी इलाके
में प्रचारकों की बदलियाँ हुईं। खूंटीटोली इलाका
में कितने प्रचारक काम से अवसर ग्रहण किया।
पादरियों में खूंटीटोली सिनोद के सभापति पादरी साह-
कर कुशलमय तोपनो कहलाने और लोहरदगा
से मान्यवर मसीहदास डुंगडुंग खूंटीटोली सिनोड
के सिमडेगा में आने की जिसने भेजा। जिससे
दुष्ट ने अच्छा अवसर पाया कि वहां सिनोद के
अन्दर अवैधानिक जैसा रूपी अशान्तिमय बीज
बो डाले। इस परीक्षा से ईश्वर इस सिनोड को
बचावे॥

M. Sanga
Synod President.

Report of Synod to the C.C 8-9-56 — 12 Feby 1957.

सभापति महोदय और मेम्बरों को यीशुसहाय।

6, 7 सितम्बर को पुराने चर्च कौंसिल की बैठक हुई। जिसमें अबैधानिक उचारी अनुचित बातों पर यह दोष पाया गया कि, यह अनियमित, उपकार नैव जातियता और विद्रोह करने वाला है। इसी बात को हमारी सिनोड बैठकों में बताया गया। यह सिर्फ दोष देने के मतलब से ही नहीं पर समझाने के मतलब से पत्र को सुनाकर समझाया गया। उसके जवाब में पादरी मसीहदास लकड़ा और श्री सुलेमान बेक ने जवाब दिया कि हम लोगों ने तो बासनार पत्र में सही कर चुके हैं अभी लौटने को नहीं है। फिर प्रभुसहाय टोप्पो ने भी कि उसने कौंसिल के अधीन रहने को कबुल दे चुका था तौभी कौंसिल के ~~अधीन~~ विरुद्ध और बुड्ढा लोगों के विरुद्ध में बड़े जोर से बोला। मसीहदास लकड़ा और सुलेमान बेक ने उसे अपने चक्र में

धुमाया। २३ ओक्टोबर को जब जोएल लफड़ा अवैधानिक नोर्थ जोन में बदौल के लिये पासी पटा ने को आया तब देरिवये प्रोपोर्टी बोर्ड के नौकर केवराय हीरो और पेसकार मिंज और प्रभुसहाय टोप्पो तीनो मिलके कौंसिल से महासभासे बगावत करके जोएल को इतना महासभसे स्वागत किया ऐसा कि मैंने कभी नहीं देखा। जोएल लफड़ा के साथ मोहन टोप्पो प्रेसिडेन्ट अवैधानिक नोर्थ जोन का, जयमन टोप्पो, बिमल मिंज, और डेविड मुंजनी थे। जोएल ने प्रोग्राम आरम्भ किया २ बजेसे ४ बजे तक बोला २½ घन्टा पुन्डा लोगो के विरुद्ध एक घन्टा कौंसिल के विरु और एक घन्टा President Tiga के विरुद्ध बोला, उसने पबलिक को पूछने के लिये समय नहीं दिया। उसने मिटिंग के सुरु में मिटिंग को अगुवाइ के लिये एक भी Text नहीं पाया - एक गीत गाया और Speech देना सुरु कर दिया। सिर्फ तीन मिनिट पूछने के लिये समय दिया।

~~पादरी योहन पुती चार पांच सवाल पूछा जिसका जबाब पब्लिक को सुनाने के लायक नहीं सिर्फ पार होने का जबाब था। उसे~~

लकड़ा साहेब ने अपने speech में बोला कि मुंडा अन्याय करते हैं और उरांव लोगों को सताते हैं अर्थात कि मुझ ओसल पर झूठमुठ का चार दोष लगाया अर्थात पांच सौ डोलर का कि अमेरिका के लोगों ने मिसेस लकड़ा को बकसीस दिया और लोग बोलते हैं चुराया। फिर कि २० हजार रु. खजान्ची ने खाया और बोलते हैं ओसल और खजांची ने खाया, इसके विषय और करने बोलें कोई कोई यहां बैठे हैं जो बोलें कि कमिशन के जरिये ही जाय कि खजांची जो बिमार हैं पूछे कि वह २० हजार रु. कहां है क्योंकि येही दोनों ने रुपैया खाया है।

तीसरा दोष कि पराकलैता खेस्स को ओसल बिना कौंसिल के राय से अपने मतलब से जर्मनी भेजा यह कुछ बात है हम लोगों ने बात चीत किया हाँ कौंसिल में नहीं पर बाहर क्योंकि समय नहीं था फिर सेक्रेटरी को अधिकार था कि उसको रोक दे, क्यों नहीं रोका। यह झूठ मूठ का दोष उन से लगाते हैं। चौथा दोष कि सुरगुजा मिशन के विषय, जो भी असत्य है - इस प्रकार का अन्याय करते हैं और मुझको प्रेसिडेन्ट पद से उतार दिया। मुन्डा लोग

च्यदा हैं वे जैसा चाहें वैसा भोट देके करलेते हैं
इस लिये हम लोगो को अलग रहना ही अच्छा होगा
नहीं तो ये अन्यायी मुन्डा लोग सब उरांव लोगों को
खाते जायेंगे आज इसको, ~~काल~~ कल उसको, इस प्रकार
से सब उरांव खलास हो जायेंगे। जिलो लिगा में
प्रेसिडेन्ट होने के लायक कोई गुन नहीं जिसमें तो
अहंकार क्रोध ही भरा, लोभ लालच से
भरा हुआ जन है। चार्च को रिलने में कोई भी
भला जब नहीं है जो कि वे निकल गये। वह कभी
नहीं बोला कि सब्बुओं का प्रेसिडेन्ट या चेयरमैन
हूं और उपरत साधु साधुनियों को पादरी पद में
स्थापन १९५२ ओक्टोबर में किया। मैं पादरी मरकस
संगा से भेंट करने चाहा पर वह भाग गया। अचौ-
चानिक नोर्थ जोन के प्रेसिडेन्ट ने कहा कि यहां
का प्रेसिडेन्ट हमारा सहपाठी पर वह नहीं भेंट
करने आता है। उनको जबाब में बताया गया कि
जब से अंचल पंचायत की बात सुरु हुई तब से तब
से संगा को भूल गया, फिर आज जब यहां आता
हुआ तब भी उसको छोड़ दिया - और आज जबर-
जस्त उसको जोन को सलाम करने को कहा जाय
तो वह उसे नहीं मानता है। केंवरा होरो, पेस्कार
मिंज और प्रभुसहाय टोप्पो लोगों ने उसके लिये
रात के दस बजे फाटक बनाया। उसको नाम से

चार फाटक बनाया गया। केवरा ने अपने फाटक में
दरी ही नहीं बर तुड़ाई बिछाया। रात ही को एक
गोरु जबाह किया, सारी रात पकाया खाया और
दूसरे दिन लकड़ा और उसके पार्टी को खुब खिलाया
जब वह चला गया तब अवैधानिक नोर्थ जोन भीतर
ही भीतर जलने लगा और जोन को डिक्लेयर करने
की तैयारी कर रहे थे जो दूसरे लोगों से छीपी थी।
२३ ओक्टोबर रात में उन्होंने प्लान बनाया कि किस
प्रकार से घोषणा किया जायगा, किस प्रकार से
मुंडा लोगों को निकाल दिया जायगा। उस दिन रात
में पूरी रात मुंडाओं की चुगली और उनको निकाल
ने ही का उपाय सोचते खोजते रात बिताया। दूसरे
दिन वे चले गये किसी ने किसी मुंडा बारखड़िया को
खोजने नहीं गया। २६ ओक्टोबर को प्रभुसहाय
टोप्पो अपने पूरा पूरा अवैधानिक नोर्थ जोन में
रहने का प्रचार किया। वह अवैधानिक नोर्थ जोन के
C.C मिटिंग में बिना छुट्टी के चला गया। तब से ही
अनाज्ञाकारी, अविश्वस्त और अभक्त अपने को
सबुत किया। २३ ओक्टोबर में केवरा होरो,
पेस्का मिंज, ईश्वरदत्त कुरिन, समुएल एक्का जो
प्रोपार्टी बोर्ड का नौकर है अविश्वस्त और अभक्त
का काम दिखाया। तब से स्थानिये अधिकारियों में

अधीन रहना नहीं चाहा। November 1956 में C.C executive committee में फैसला होने के बिना यह निपटारा किया गया था कि ~~जो~~ यह शुद्धि कर दिया जाय पर नहीं शुद्धि किया गया। खड़िया लोगों ने अपने जातिया पंचैत में यह तय किया कि कोई खड़िया नोर्थ जोन जिसको गड़बड़िया उरांव लोग बताते हैं न जावें, अगर कोई जावेंगे तो वह जात से ~~बहर~~ बाहर कर दिया जायगा। कोई खड़िया अवैधानिक नोर्थ जोन में नहीं गया है।

उरांव लोगों ने १९-दिसम्बर १९५६ में एक बिराट सभा खुंटिटोली में बुलाया जिसमें इलाका भर के सब उरांव लोगों का आना था। सच बात है कि बिराट सभा तो नहीं हुई फिर भी उरांव लोग जुमें और नोर्थ जोन जो अवैधानिक है घोषणा किया और तब सिकारियाटांड मण्डली ने, कुजी डांड़ मण्डली, और कुरुसकेला मण्डली और कामताम मण्डली ने एक के बाद एक यह लिखा कि यह मण्डली १९-१२-५६ को नोर्थ जोन को जोइन किया। अब आपकी सेवकाई दरकार नहीं है अब मसीह दास लकड़ा पल्ली आवेंगे। १९-१२-५६ अब तक नहीं आया था और घोषणा अब तक

नहीं किया था कि १५-१२-२७ या उससे पहिले ही अमदनियों को लूटना शुरू किया। जोकबहार में ~~करनी प्रभुप्रीत~~ खड़िया लोगों की संख्या ज्यादा है जिसका प्रचारक प्रभुदान बाड़ा था करनी प्रभु प्रीत को ढोकर चला दिया। ऐसा ही गेड़ी कुदर के मराडली करनी प्रभुप्रीत ढोकर चला गया, फिर सिकिरिया डांड़ उरांव मराडली है जिसका प्रचारक एक खड़िया भाई मसीह प्रभात बिड़ा है न उसको करनी, न प्रभुप्रीत न और कोई दान सेन्ट्रालाइज करने को दिये। कर्जीडांड़ मराडली का अमदानी को बिमल एक्का प्रचारक कोई भी अमदानी नहीं सेन्ट्रालाइज किया, पुरना पानी के प्रचारक कितिय एक्का कुछ नहीं सेन्ट्रालाइज किया, मिखाएल लकड़ा ने ~~कुछ~~ कुरुसवो ला मराडली का और ख्रिस्त मसीह टोप्पो ने कमतार का और मनसुख बड़ा ने गरजा का सब मराडली अमदानी को सेन्ट्रालाइज नहीं किया। फिर खुटिटोली का सब अमदानी प्रभुसहाय टोप्पो ने खजांची को धोखा देकर ले लिया। उन्होंने उन अमदानियों को अपने अवैधानिक नोर्थ जोन में सेन्ट्रालाइज किया। अपरोक्त मराडलियों से मराडली पैसा भी वासुल किया और

अवैधानिक नोर्थ जोन मे सेन्ट्रालाइज किया। यहां तक कि हमारे प्रचारक मसीह प्रकाश मिंज! सिमरिया डांड का प्रचारक, को प्रचारक जाके खदेड़ दिया। यह तो ~~कोर्ट~~ अवैधानिक नोर्थ जोन की दस ओडार है। मुड़िया उरांव लोगो की मरडली है जहां एक खड़िया भाई प्रचारक था जिसके रहते ही अवैधानिक नोर्थ जोन ने एक और को वहां के लिये प्रचारक भेजा। अब वे एक एक उरांव को जो जहां कहीं हैं नोर्थ जोन नामे अवैधानिक चीज मे लेने के लिये जुलुम करते हैं।

नोर्थ जोन नामे अवैधानिक संस्था मे आकर के बराहारो, पेस्का मिंज प्रोचारी को लेने के लिये स्वर्ग पताल नरक जाते हैं। कारखण्ड और जात को भूक दिया - पर नोर्थ जोन होना चाहिये। यह सब २६-१२-५६ के बाद की उन्नति है। अब वे प्रचारक कभी भी भेट करना नही चाहते है अगर मुठभेड़ हो जाय तो सिर नीचा करके पार हो जाते हैं। यह तो प्रेम और एकता है।

M. Saup
Resident
Khuntoli
18-2-57.

Zone ... ... है ...
C.C. ...
23/3

Koronjo Synod Report कौंसिल तथा महासभा के लिये कोरोंजो सिनोड का रिपोर्ट।

छोटानागपुर एवं आसामस्थ गोस्सनर एवंजेलिकल लुथेरान कलीसिया की चर्च कौंसिल तथा महासभा के सदस्यों को कोरोंजो सिनोड की ओर से हार्दिक योशुसहाय,

इस शुभावसर ~~पर~~ मैं आप लोगों की जानकारी के लिये निम्न लिखित शब्दों में कोरोंजो सिनोड की बातों को पेश करता हूं।

भौगोलिक सीमा तथा क्षेत्र — कोरोंजो सिनोड बिहार प्रान्त के रांची जिले के दक्षिण पश्चिम अंचल पर पूर्व से पश्चिम करीब ५० मील की लम्बाई में तथा उत्तर से दक्षिण करीब २० मील की चौड़ाई में फैला हुआ है। इसके पड़ोस में उडिस्सा, खुंटीटोली, रकसा एवं किंकेल सिनोड हैं। दक्षिण पश्चिम ओर संख नदी कोरोंजो पेरिश की पांच मण्डलियों को अलग करते हुए रौरकेला तरफ बहती हुई चली जाती है। इसके सिवाय अनेक छोटी नदियां हैं जो कोरोंजो सिनोड को सींचती हैं। इन नदियों के द्वारा अनेक कठिनाईयों के होते हुए बर्षात में अनेकानेक काम रुक जाते हैं। सिनोड जंगल और पहाड़ियों से भरा है। सड़कों के अभाव के कारण एक मण्डली से दूसरी मण्डलियों में पहुंचना सुगम नहीं है। रांची सिमडेगा सड़क सिनोड के बीचोबीच पार होते हुए बिरमित्रापुर, रौरकेला एवं राजगांगपुर को मिलाता है। यह सड़क हिन्दुस्तान के मुख्य सड़कों की स्थिति में नापा जा रहा है।

सिनोड की ताकत — सिनोड के अन्दर छोटी-बड़ी ~~४~~ मण्डलियां मिलकर ४६ हैं। उनमें ३०३० मसीही परिवार अर्थात १९,७०६ बपतिस्मा पाये हुए और ८,६१२ दृढ़ायत पाए हुए भाइ-बहन ३ पेरिश पादरियों तथा ३२ प्रचारकों के जरिये ईश्वर के बचन और सक्रामेन्तों के द्वारा ईश्वर के आशीषों को प्राप्त करते हैं। जाति अनुसार ११ हिन्दु, १४,३५७ मुण्डा, १७०६ उरांव और ३,६४२ खड़िया बपतिस्मा पाये हुए मसीही हैं।

सिनोड के अन्दर कलीसिया के स्कूल — कोरोंजो सिनोड के अन्दर कलीसिया के नये और पुराने स्कूल मिल कर कुल ३२ हैं। उनके एक हाई स्कूल १ स्वीकृत मिडिल और ३ प्रस्तावित मिडिल तथा २६ प्रैमरी स्कूल हैं। इन २६ प्रैमरी स्कूलों में १८ नये स्कूल हैं जिनको मण्डलियां खड़ी की हैं।

विद्यार्थियों की संख्या इस प्रकार है: —

	लड़के	लड़कियां	जमा
हाई स्कूल में	८५ +	१३	= ९८
मिडिल स्कूलों मे	१४८ +	६८	= २१६
प्रैमरी स्कूलों मे	७२५ +	४८४	= १,२०९
	९५८ +	५६५	= १,५२३.

शिक्षक: —

पु.	स्त्री	जमा
४८ +	८	= ५६.

अब तक कारोजो के ~~प्रस्त~~ प्रस्तावित हाई स्कूल तथा मिडिल स्कूल ही को कारोजो सिनोड बड़ी कठिनता से सलाना करीब ४,०००) रु. दे कर संभाल रही है। बाकी स्कूलों को स्थानीय मण्डलियां चन्दा दे कर किसी प्रकार संभाल रही हैं। खेद की बात है कि हमारे मिड्ल सैकेन्डरी स्कूलों का Block grant. 1953-54 से अब तक नहीं मिला है। प्रैमारी स्कूलों में फीस लेना बन्द कर दिया गया जिससे मण्डलियों को चन्दा जमा करना जटिल हो गया है। शिक्षकगण आत्म त्याग कर अति तलब में रह कर अपना काम करते हैं। पर उनका यह तकलीफ असहनीय हो रहा है। तकलीफ होते हुए भी कलीशा के स्कूलों को सरकार हाथ सौंप देना हमारे लिये नुकसान की बात है। सिनोड सभा कौंसिल के सर्कुलर मुताबिक अपने अन्दर कि सब मिड्ल सैकेन्डरी स्कूलों को एक पूर्ण संगठन में ले आने का प्रयत्न कर रही है पर अब तक सफलता प्राप्त नहीं हुई है।

प्रावपुर हाई स्कूल — १९४६ साल में सिनोड के मसौदी भाइ-बहनों के जरिये स्थापित किया गया है। आम जनता ने चन्दा और श्रम दान दे कर हाई स्कूल मकान का निर्माण किया है। अब तक ८वें और ९वें वर्गों की स्वीकृति प्राप्त हुई है। फिर से १०वें और ११वें वर्गों की स्वीकृति के लिये दरख्वास्त दे दिया गया है। पर इन शर्तों को पूरा करना जरूरी है अर्थात लैब्रारी के लिये काफी संख्या में पुस्तक, Everday science की सामग्रियां, योग्य शिक्षक तथा fixed deposit में रखने के लिये १०००) रु.। आशा है कुछ अधिक मिहनत करने से उपरोक्त त्रुटियां दूर हो जाएंगी और इन्हें पूर्ण स्वीकृति मिल जाएगी।

कलीशा की जायदाद: — यहां कारोजो में खेती की जमीन है। गत ६ वर्षों से यहां खास खेती चलाई जाती है। अभी केवल दो हल चलते हैं जिसके कारण

J.D. 23/3/5_
23/3

से करीब आधे जमीन पर अधबटाई पर खेती की जाती है। इस कायदे से करीब १८५ मन धान, सलाना आता है। अगर और दो हल बढ़ा लिये जाएं तो २५०–३०० मन धान सलाना पाने की आशा रख सकते हैं। खेती के सिलसिले में यहां दूसरे काम भी चलाये जा सकते हैं जैसे मछली पालना, मुर्गी तथा सूअर पालना और बागवानी करना। हमें इन सब उपायों पर ध्यान देते हुए उन्हें कार्यरूप में परिवर्तन करना नितान्त जरूरी है। अगर हम अपने जायदाद का सदुपयोग नहीं करेंगे तो डर है कि हिन्द सरकार कलीसिया की जायदाद पर अपना दखल कर लेगी। इसी सिलसिले में कोरोजो बाजार तथा परती गैरमजरूवा खास पर से कलीसिया का हक चला गया।

धर्मप्रचार :– सिनोड के अन्दर कोई मिशन क्षेत्र नहीं है। पर सलाना साक्षी सप्ताह का आयोजन किया जाता है। मण्डलियां निकटवर्ती गांवों में जा कर साक्षी देते हैं। गत १९५६ साल में ४६ धर्मखोजकों को बपतिस्मा दिया गया। फिर ५ पुराने और ४२ नये धर्मखोजकों को पवित्र बपतिस्मा के लिये तैयार किया जा रहा है। राज्य वृद्धि की विनती हर महिना प्रत्येक मण्डली में की जाती है।

कर्मचारीगण :– सिनोड के अन्दर ३२ प्रचारक हैं जो ४० मण्डलियों का काम संभालती है। कितने प्रचारकों के जिम्मे दो मण्डलियां हैं उनको एतवार के दिन दो जगह गिर्जा चलाना पड़ता है। सब कर्मचारी हर महिना सिनोड हेडक्वार्टर में जमा होते तथा महिने भर के उपदेश वचनों पर पादरियों की अगुवाई में सोच विचार करते हैं और उसी के सिलसिले में कार्यकारिणी सभा हर महिने तथा हर तीसरे महिने में सिनोड की पूरी बैठकी होती है।

संस्थाएं :– सिनोड के अन्दर महिला समिति, युवासंघ तथा सन्डेस्कूल हर मण्डली में चलते हैं। उन संस्थाओं को वास्तविक रूप देने का प्रयत्न किया जाता है। युवासंघ का वार्षिक सम्मेलन अक्टोबर महिने में हर साल होता है। इसी वर्ष पुरुलिया में होने का फैसला हुआ है।

आमद और खर्च :– सिनोड के आमद खर्च का रिपोर्ट अलग दिया गया है। उससे पता चलता है कि १९५५ की आमदनी से १९५६ साल में अन्य आमदनी में १२७०।–) की घटि

हो गयी है। इसका एक कारण बाजार का सिनोड के हाथ से निकल जाना। फिर खर्च में मिडिल स्कूल का खर्च अधिक हो गया कारण यह है कि Govt. Improvement grant बन्द हो गया है।

समस्याएं :— ऊपर वर्णित समस्याओं के होते हुए अचानक North Zone वाली बात सारी कलीशिया के लिये एक कठिन समस्या उठ खड़ी हुई है। कोरोंजो सिनोड की दो ~~मण्डलियों~~ मण्डलियों के कितने उरांव भाई बहन परिचित हो अलग गिरजा आरंभ कर दिये हैं। इसके फलस्वरूप मण्डली में भिन्नता के सिवाय एक भी फायदा नजर नहीं आता। मण्डली में और परिवार में फूट फाट हो रहा है। ~~यह~~ यह आंदोलन जातीय आंदोलन है। सिनोड सभा नहीं चाहती है कि कलीशिया की एकता तोड़ी जाए।

हमारी आशाएं :— हमारा एकलौता रखवाला हमारा प्रभु यीशु ख्रीस्त है जो कलीशिया का सिर है। वही हमारी आशा है। अगर हम उस में बने रहेंगे और उसकी सहायता और मदद सबके मांगते हुए ~~भ्रातृ~~ भ्रातृय प्रेम से परिश्रम करते हुए अपना ~~कर्म~~ कर्तव्य पूरा करते जाएंगे तो हमारी सब समस्याएं दूर हो जाएंगी।

प्रभु में आप लोगों के सेवक

[signature]

26/2/57

President,
KORONJO SYNOD.

9/2/57. Northern Synod Report for Mahasabha 57.

No. 8457 I

गोस्सनर कलिशा महासभा के सामने उत्तरीय शिनोद का बार्षिक रिपोर्ट १९५६

ईश्वर को धन्यवाद होवे कि उसकी महा दया के द्वारा हमारी उत्तरीय शिनोद को महासभा के सामने पेश करने का सुअवसर मिला है।

महासभा के अफसरों और सदस्यों और बैठनेहारे सभों को उत्तरीय शिनोद की ओर से मसीही नमस्कार।

यहां की भौगोलिक स्थिति अत्यन्त बड़ी है जो पुरब से पश्चिम की ओर लम्बाई फैली हुई ~~है~~ रांची और पलामु जिले में बनी हुई है। दो इलाकाओं से बनी हुई क्रमानुसार रांची में पांच और लोहरदागा में चार पेरिशें विस्तृत फैली हुई हैं। इन क्षेत्रों में आठ पादरी और ८० प्रचारको तथा पांचों के द्वारा मसीह की गवाही और सेवकाई का काम किया जाता है। दोनों इलाकाएं अपनी ही जगह निजी काम का प्रबन्ध शिनोद अथवा इलाकाओं की फैसला अनुसार करते हैं। प्रत्येक इलाकाओं को सिनोद के सामने सलाना रिपोर्ट देना पड़ता है।

सिनोद की बैठकी आवश्यकतानुसार किया जाता है और साल में एक बार आमसभा किया जाता है। यहां की मसीही जनसमुह बपतिस्मा पाये हुए . . . और दृढ़ीकृत हैं।

यहां की आर्थिक स्थिति साधारण गरीब धनी सभी पाये जाते हैं। लोग शिक्षा में अधिकतर कम ही दिखाई पड़ते हैं। स्कूलों की संख्या क्षेत्र में बहुत हैं परन्तु हमारे चार्च स्कूलें कम हैं। स्कूल संख्याओं में एक हाई स्कूल, १ मिडिल स्कूल और सभी अपर प्राइमरी और और लोवर प्राइमरी स्कूलें हैं। स्कूलों की शिक्षकों की अवस्था अत्यन्त सोचनीय है। कई बर्षों से उन्हें सरकार से और सिनोद से ~~तलब~~ बेतन नहीं मिला है, उनकी शरीर सूखते जा रहा है। स्कूलों को सिनोद की देन बदती हालत में है।

मैं अपने प्रो० हाई स्कूल को आप के सामने रखता हूं। हाई स्कूल की दशा देख अति दुःख होगा। शिक्षकों को माह पूरा बेतन नहीं मिलता उनकी बेतन बाकाया बढ़ती ही जा रही है। इसका सोच इलाका के ~~शिक्षों~~ अति महान आ पड़ गया है। यहां का मकान कई बर्षों ही से खंडहर पड़ा हुआ है। नजर आते आंखों में पानी भर आता ~~है~~ और यह नहीं दिख पड़ता

23/3

II

कि कैसे पौदे डालें। बहुत अफसोस की बात कि यह स्कूल खोला हुआ १२ बर्ष हो गया परन्तु अभी तक स्कूल सरकार की ओर से मंजुरी नहीं पायी है। इतनी बड़ी संस्था को गरीब को सम्भालते २ बलहीन होना पड़ रहा है।

दूसरी ओर अब मैं आप का ध्यान मण्डलियों पर लाता हूं। ~~म~~ मण्डलियों में ईश्वर का निराला बचन प्रचारा जाता है। पादरी प्रचारक तथा पंच अपना कर्त्तव्य काम बड़े आनन्द से कर रहे हैं। दुःख के साथ कहना पड़ता है कि कर्मचारियों को कई बर्षों से अब तक पूरा बेतन नहीं मिल रहा है। वे जितना पाते उन्हें में सन्तुष्ट हो कर रह जाते हैं। मण्डलियों में आमदानी बहुत कम है जिनसे दोनों वर्ग कर्मचारियों को पालना कठिन सूझ पड़ता है।

आत्मिक स्थिति नतोली तोबन दिख पड़ता है। गिरजा आना जाना साधारण। सन्डे स्कूल चलाये जाते महिला समाज चलती, टोला समाज कहीं चलती और कहीं नहीं चलती है। क्रूस सेना समुचे सिनोद में लगा हुआ है। हर साल क्रूस सेना के द्वारा इलाकाओं में धर्म-मेला, बैबल क्लास और राज्यवृद्धि का काम किया जाता है। धर्म खोजकों की तरफ बढ़ती जा रही है।

पलामू मिशन क्षेत्र हमारे उत्तरीय सिनोद में जहां Evangelistic काम किया जाता है। चंदवा इसका हेडक्वटर जहां एक हेड प्रचारक रखा गया है। वह अपना हेडक्वटर चंदवा रख कर समुचे पलामू जिला में घुमता है। इस क्षेत्र को पुरोहिताई काम के सम्बन्ध से कुडु पेरिश में मिलाया गया। कुडु में पादरी न होने के कारण लोहरदागा ही से कुडु और पलामू क्षेत्र को सम्भाला जाता है। पलामू क्षेत्र बहुत बिस्तृत रूप में जंगल, बनों में फैली हुई, जहां तहां हमारे लोग जगह जमीन ले कर बसे हुए हैं। इन क्षेत्रों में गिरजा अब तक नहीं बना हुआ है। गिरजा सेवकाई काम घर २ जा कर करना पड़ता। इस क्षेत्र में अधिक मिशनरियों से लड़ना पड़ता है। ~~ईश्वर की महा दया से~~ ईश्वर को धन्यवाद कि आप की महा दया, इस क्षेत्र के लिये भी Evangelistic Board से सहायता मिलती है। मैं पलामू क्षेत्र को सामने रखते हुए यह सिफारिश लाता हूं कि पलामू के लिये अबतक कोई पादरी नहीं दिया गया है। पादरी का इस क्षेत्र में रहना, रखना ध्यानपूर्ण होवे और पलामू के नाम से एक मिशन स्टेशन खोला जाय जहां से सेवकाई काम और बचन प्रचार का काम पूर्णता से हो सकेगा।

कुडु व पलामू का [illegible] है।

Mr. [illegible]
[illegible] 23/3

१९५८ ई० उत्तरीय सिनोद के लिये भारी परीक्षा और झगड़ा का समय हुआ है। हम यदि कहें तो भूल नहीं करेंगे कि यह समय हमारे लिये संग्राम का समय था। हमारी लड़ाई बाहर भीतर छिड़ी हुई है। हम कलीसिया कलीसिया के भीतर भी भय के साथ रहा करते हैं क्योंकि भीतर शैतान और उसके दलों से लड़ना है। ईश्वर को धन्यवाद हो जो अपने पुत्र यीशु ख्रीस्त के द्वारा अब तों हमें जयवन्त किया है।

२४ से २६ मार्च १९५८ गोस्सनर युवा-संघ का प्रथम वार्षिक अधिवेशन लोहरदगा हाते में बड़े समारोह के साथ हुआ। बैबल अध्ययन, सामायिक शिक्षा तथा मसीही गवाही भी उक्त दिनों में अधिवेशन के द्वारा किया गया। उपरान्त समारोह में २६ मार्च को मनोरंजन और संगीत होड़ भी हुआ। संगीत होड़ में जितने वाले उत्तरीय सिनोद के युवा-युवतियों को कप प्रेसिडेन्ट की ओर से दिया गया। लोहरदगा लड़की यू० पी० स्कूल ने एक छोटा नाटक दिखाया और बिदाई भाषण दे कर बड़े आनन्द से अधिवेशन समाप्त हुई।

२८ मार्च पहली बेला लोहरदगा इलाका युवा-संघ की आम सभा थी। मालूम पड़ा कि उसी रोज युवा-संघ में आये हुए महाशयगणों मेसे कितनों की प्राइवेट मिटिंग हुई। मुझे मालूम नहीं मिटिंग किस विषय की थी। उसी रोज Rev. Johan Toppo ने एक कागज दे कर और १०) रुपैया देते हुए कहा कि आने-वाला जून १३, १४ ता० में यहां लोहरदगा में गोस्सनर चार्च के लीडरों की बैठकी होगी आप इसके लिये खाने पीने का बन्दोबस्त कीजिये। उसने लोहरदगा इलाके से भी इसकेलिये खर्च मांगा परन्तु मैं ने कहा कि इस मिटिंग के लिये हमारा खजाना allow नहीं करता है। उक्त दिनों में हमारे लोहरदगा इलाके कर्मचारियों की जमायत थी। कर्मचारी वर्ग उस मिटिंग में ~~मै~~ बैठने चाहा परन्तु उन लिडरों ने किसी को बैठने का इज्जाजत नहीं दिया। मैं ने उन्हीं मेसे किसी को पूछा क्या बैठकी हुई? उसने कहा कि कलीसिया की सुधार के विषय बैठकी हुई।

१३ जुलाई १९५८ को उत्तरीय सिनोद की बैठकी रांची में हुई। सिनोद प्रेसिडेन्ट का चुनाव हुआ। Rev. Johan Toppo सिनोद का प्रेसिडेन्ट Rev. C. H. Tirkey Lohardaga इलाके का चेयरमेन और सिनोद का Vice प्रेसिडेन्ट चुने गये। सिनोद मिटिंग में Rev. Johan Toppo के द्वारा एक नयी बात लायी गयी जिसको समझाने के लिये Rev. J. Rakra को बुलाये थे। मिटिंग रातभर ५ बजे शाम से बिहान ४ बजे तक होता रहा। Rev. Johan Toppo और Rev. J. Rakra ने So-called-North Zone के तरकीब के सम्बन्ध में भाषण दिया। उन्हों ने अपनी भाषण में इन बातों को लाया। (१) अभी मण्डली की अवस्था बुरी है कि वर्तमान Constitution के अनुसार मण्डली नहीं चलेगी

यदि न रोका जाय तो मण्डली खतम हो कर रहेगा।
(ii) कलीसिया में सांसारिक पोलिटिक्स आ गया है।
(iii) पुलिस कार्रवाई हो रहा है।

इन बातों को कहते हुए उसने नोर्थ-जोन की तरकीब को दिखाया। रातभर वादविवाद हुई। प्रस्ताव लाया कि यह तरकीब सिनोद में ग्रहण किया जाय। इसमें Rev. Jummel Toppo और Mr. Y. Dundung के साथ भारी विरोध किया। वोट लिया गया बहुत लोगों ने जानबूझ हो सोते २ उठ कर वोट दिया। हम तीन जनों ने डिस्सेन्ट दे कर कहा कि "हम अर्जी करते हैं कि यह तरकीब हमारी सिनोड में न चलु किया जाय। परन्तु हमारी बातों पर कौन ध्यान करे।

ता० ११ सेप्टेम्बर १९५६ लोहरदगा इलाके की बैठकी हुई। कौंसिल की चिट्ठी पत्री पर बातचीत हुई और उसपर यह फैसला हुआ — (i) हम लोहरदगा इलाका G.E.L. Church Council और G.E.L. Church महासभा के अधीन रहेंगे। (ii) हम North Zone के अफिसरों को नहीं मानते हैं। उसी समय Rev Johan Toppo अपने अफिसरों के साथ लोहरदगा आये हुए थे। उन्हों ने इलाके में नोर्थ जोन के सम्बन्ध में कुछ बोलने को इज्जाजत मांगा परन्तु मैं ने कहा कि अभी समय नहीं है। इस बात पर इलाका पंच ने फैसला किया कि Johan Toppo को अभी नोटिस दे दिया जाय कि "चूंकि Rev. Johan Toppo सो-कोल्ड नोर्थ जोन का प्रेसिडेन्ट है और G.E.L. Church Council तथा महासभा को नहीं मानता इसलिये हम उसके सभापतित्व में मिटिंग नहीं बैठ सकते हैं। नोटिस दिया गया। इस नोटिस को पढ़ कर Rev. Johan Toppo ने प्रचारकों को रात में उखाड़ा और उनको कहा कि आनेवाला महीना ११-१०-५६ को एक भारी मिटिंग होगी और उस रोज Rev. C.H. Tirkey को लोहरदगा से घृणा के साथ हटावेंगे।

ता० ११-१०-५६ पहुंच गया। सिनोद का सेक्रेटरी Rev. M. Kindo ने ता० ३-१०-५६ की चिट्ठी द्वारा यह सूचना दिया। जिसके अन्त में यह लिखा हुआ था कि "Above Programme is the tour Programme of the North Zone leaders with the Rev. J. Lakra" उसी प्रोग्राम में उसने लोहरदगा इलाका मिटिंग बोथ पब्लिक" और सिनोड मिटिंग बोथ पब्लिक कायम किया था। हाजरी — डेढ़ सौ से ऊपर ही थे। रांची से भी बहुत भाई आये हुए थे जैसे, Rev. J. Lakra, Rev. Johan Toppo, Rev. M. Kindo, David Minjni Mr. Y. Topno Mr. N. Toppo Rev. I. Bara और गुमला से Rev. B. Minj और भी भाई लोग आये हुए थे।

I Bigining Service में लूट पाट हुआ। चूंकि उनके प्रोग्राम में इलाका बैठकों की जगह पहली थी। मैं Service के लिये तैयार था। साक्षीबाशी, सुसमाचार ले मैं घंटी बजने पर टेबुल के पास बैठ गया। दूसरी घंटी बजी सब प्रार्थना करने लगे मैं भी आरम्भ करने के लिये तैयार हो उठा। मैं बोलही रहा था कि Rev. Immanuel Bara ने जा कर एकाएक आरम्भ किया। मैं खड़ा ही खड़ा रह गया और उनकी आराधना में कोई कोशिश का रोकटोक न किया। इस प्रकार उसने विन्ती आराधना में भी गड़बड़ डाल कर भारी जमायत में मुख्य पादरी को तिरस्कार किया। इस प्रकार की बात होने से लोगों के बीच भारी ठोकर का कारण हुआ।

II सभापतित्व का लूटपाट हुआ। आराधना अन्त होते मैं बोलने चाहा। Rev Johan Toppo ने बड़े जोर से कहा कि आप बैठ जाइये परन्तु मैं जबरजस्त बोलने लगा

(a) आप के प्रोग्रामानुसार अभी इलाका मिटिंग है। मैं इलाका चेयरमेन हो कर कहता हूं कि हमारा इलाका कल १०-१०-७४ ही को बैठ चुका। अभी का मिटिंग जो पबलिक के साथ है, मैं नहीं बुलाया और न मेरा इलाका सेक्रेटरी ही बुलाया है। इसलिये इलाका मिटिंग अभी नहीं बैठ सकती है। मैं इसे बन्द करता हूं।

(b) आप के प्रोग्राम में Synod Meeting with Public दिया हुआ है। मैं Vice प्रेसिडेन्ट हूं। चूंकि पादरी योहन टोप्पो So-called-North Zone का प्रेसिडेन्ट है और अपने को G.E.L. Church Council और महा सभा से अलग अपने को घोषित किया है। सविक C.C. और सविक महासभा को नहीं मानता है। इसलिये हमारा मोदान सिनोद जो G.E.L. Church Council और महासभा के अधीन है क्योंकर सिनोद का प्रेसिडेन्ट हो सकता है। नहीं हो सकता है। उसने पद को आप ही ले उठा दिया। मैं इसलिये Vice प्रेसिडेन्ट हो कर इस सभा का चेयरमेन मैं हूंगा।

फिर क्योंकि लोहरदगा लोहरदगा इलाका ने बिते इलाका मिटिंग में यह फैसला किया है कि हम North Zone के अधिकारों को नहीं मानते। पादरी योहन टोप्पो जो North Zone का प्रेसिडेन्ट है उनके सभापतित्व में Synod सभा नहीं बैठ सकती है। इसलिये मैं ही आज की मिटिंग का सभापति हो कर

आज की सभा को जो पबलिक के सामने है मैं ने नहीं बुलाया और न सक्रेटेरी ने मेरे आदेशानुसार बुलाया है। इसलिये मैं इस सभा को बन्द करता हूं क्योंकि यह अनियमित है। सिनोद सभा के नाम पर नहीं हो सकेगा। चूंकि आप दूर २ से आये हुए हैं आप महिमान तौर से बातचित कीजिये।

इन बातों को दुहराने के लिये पादरी Junul Topno बोलने के लिये उठे पर पादरी योहन टोप्पो ने दबा कर कहा "आप नहीं बोल सकते है। मैं ने उठ कर कहा बोलिये मैं चेयरमेन हो हुक्म देता हूं। इस बात को पबलिक ने भी दृढ़ किया। इस पर Rev. J. Topno ने मेरी बातों को दुहराते हुए कहा।

हमारी इन बातों को सुनकर पादरी योहन टोप्पो कड़ी आवाज में कहा Rev. Tirkey आभी मुझको C.C का कागज (proof) दिखाइये कि मैं सिनोद का प्रेसिडेन्ट नहीं हूं। मैं ने तुरन्त Ref: No 3003/56 Dated 29th April 56 का पत्र जो C.C. की ओर से आयी हुई थी पढ़ कर सुनाया। इसका भी उन अफिसरों ने दूसरा ही अर्थ बताया और C.C का इस कागज को भी नहीं माना। बजबरजस्त बहस होने न दे कर हाजरी लिया। हाजरी चुपचाप से लिया गया। बाद योहन टोप्पो ने प्रस्तव किया आभी का सभापति कौन होगा? Rev. Tirkey अथवा Rev. J. Toppo। भोट लेने पर Rev. J. Topno ही सभापति ठहरा। फिर पादरी योहन टोप्पो ने प्रस्तव किया सिनोद प्रेसिडेन्ट कौन है? भोट लेने पर Rev. Johan Toppo ही ठहरा।

अब पबलिक मिटिंग आरम्भ हुआ। केवल एक ही ~~अर्थ~~ विषय उसमें सामने रखा गया अर्थात लोहरदागा इलाके लिये चेयरमेनका चुनाव। इस विषय पर मैं ने बहुत जोर से कहा कि अभी लोहरदागा इलाका के लिये सिनोद ने जो १३ जुलाई को रांची में बैठी थी, यह फैसला किया है कि Rev. C.H. Tirkey ही इलाका चेयरमेन होंगे और चूंकि वह चेयरमेन है सिनोद का Vice प्रेसिडेन्ट भी होंगे। इस पर उन्हों ने कहा आप Acting चेयरमेन चुने गये थे। पादरी जुनुल तोपनो ने कहा वह Acting नहीं पर चेयरमेन ही चुने गये हैं। हमारी बातों को कोई सुनने और रखने वाला न रहा वे अपनी ही बातों में रह गये।

पादरी Johan Toppo जो आप ही सभापति था प्रस्ताव लाया और कहा कि Rev. C.H. Tirkey को कुड़ु के लिये भेजा गया था पर ~~*~~ भाषा न जानने के कारण वह लोहरदगा में रखा गया है। अब उसका Transfer किया जाय और पादरी Emmanuel Bara लोहरदगा का चेयरमेन होवे। पादरी Junul Toppo ने सवाल डाला। कारण क्या है? उसका जवाब Rev. J. Lakra ने दिया।
(1) Rev. C.H. Tirkey उरांव भाषा नहीं जानते हैं (11) Rev. C.H. Tirkey को कोई इलाका लेने नहीं चाहता था वह जुनियर है चेयमेन के योग्य नहीं है।

बताये हुए १ला कारण का जवाब पादरी- Junul Toppo ने दिया कि यदि भाषा ही कारण समझा जाता है तो हम कहेंगे कुड़ु पेरिश तो और ही खंटी कुड़ुख भाषा की area है तो वहां कैसे योग्य होगा? इस सवाल का जवाब किसी ने न कहा।

१ला और ~~१~~ २रा कारणों के विषय में मैं ने कहा
(a) ईश्वर के राज्य का फैलाव के लिये भाषा केवल आधार नहीं है परन्तु ईश्वर का आत्मा है। पहिले जर्मन साहेब लोग जब आये तो इधर ही से भाषा सिख कर नहीं आये थे परन्तु काम करते उन्हों ने सिख लिया। उसी प्रकार कोई भी व्यक्ति रहते, काम करते करते कोई भी ~~भा~~ भाषा सिख सकता है।
(b) फिर लकड़ा साहब का कहना कि Rev. C.H. Tirkey को कोई नहीं चाहता था कहना झूठ है। फिर जुनियर और सिनियर की बात यहां लाते हैं जो कि उचित नहीं है। मैं पुछता हूं क्या Rev. Immanuel Bara कुछ से सिनियर हैं? वो सिनियर कैसे हुए। ~~कुमक~~ इस पर लकड़ा साहब ने कोई जबब नहीं दिये।

पब्लिक में कुछ भी डिसकशन नहीं होने पाया। तुरन्त भोट लिया गया। बहुमत से Rev. C.H. Tirkey कुड़ु बदली किया गया और Rev. Immanuel Bara लोहरदगा इलाका का चेयरमेन ठहराया गया।
पादरी योहन टोप्पो ने सवाल किया कब से? Rev Lakra ने तुरन्त कहा आज से। Rev. J. Toppo ने सभा में डिक्लेयर किया कि Rev. C.H. Tirkey आज से

कुछ बदली किये जाते हैं उनको हेडक्वार्टर कुछ आज ही से रहेगा। Rev. Immanuel Bara लोहरदगा इलाके का चेयरमेन नियुक्त किये जाते हैं और आज ही से लोहरदगा में रह कर लोहरदगा इलाके का चेयमेन का काम करेगा।

इस प्रकार So-called North Zone लीडरों का मिटिंग ने बजबरजस्त कुछ बदली किया।

III Rev. Jummel Toppo पर रिपोर्ट — Rev. J. Toppo ने रिपोर्ट पढ़ सुनाया कि Synod को जानती किया जाता है कि रांची इलाका ने नया खजांची Rev. M. Kundo को चुन लिया है इसलिये Rev. J. Toppo खजांची का चार्ज दे देवें। फिर लाली पेरिश अपना स्टेब्लाइज पेरिश में न दे कर सीधे इलाका ही में दाखिल करे।

इन्हीं बातों के बाद १ली बेला की मिटिंग समाप्त हुई।

दूसरी बेला २ बजे से फिर मिटिंग हुई। Rev. J. Lakra ने भाषण दिया और कहा।

३१ अक्टोबर में ईश्वर ने लूथर को उठाया और समूचे यूरोप को हिलहिला दिया और पोप को भी हिला दिया। धर्मपुस्तक की आधार पर खड़ा हुआ और अपने मन की निश्चयता से यह काम किया। इस इतिहास को देते हुए उन्हों ने अनेकों बातों में ध्यान पहुँचाया —

(I) गोस्सनर चार्च को ऐसे लोगों से सम्भाला है जो अपनी इच्छा चाहते हैं। इस चार्च में बहुत बुराइयां हुई। यह तीसरी दफा है कि मेरे ऊपर में हुई है।

(II) हमारे चार्च में यह होता है कि उसको निकालो उसको निकालो ~~स~~ भगाओ बाहर करो इत्यादि - इंजन की लिस्ट बना लिया है।

(III) हमारी कलिसिया में समायिक जातियता भाव है।

IV १९३५ में योहन तोपनो को लेकचर बहुत कष्टदायक भाव मुन्डा अंचल में हुआ। इतना जोर से यह भाव हुआ कि मुझको गुन्टूर और फिर को कलकत्ता भेज दिया गया। १९३८ में स्तोश साहब आया और बहुत यत्न किया कि यह भाव न रहे पर भाव निकलता ही नहीं।

V महासभा — सोमवार, मंगलवार तक तो अच्छा ही होता होता है। मुन्डारी भाई लोग अलग बैठते थे और गुटु मिटिंग होता। महासभा के पहिले ही होता था इसको, उसको गुटु कर लेते थे। मुन्डारी भाई लोग मेजोरिटी हैं, भोट से जीत जाते थे।

VI असामयिक भोट होने लगा। डा स्ट्रोक साहब ने नियम बना दिया कि मेम्बर चार्च कौंसिल के लिये अपने ही चुने। परन्तु मुन्डारी लोग मुन्डारी ही भाइयों को C.C. मेम्बर चुनते थे।

इन बातों के पीछे Rev. J Lakra ने और ~~भाई~~ ही बातों को ~~इन बातों को~~ कहा। हम ने इन बातों पर बाद बिवाद किया। इसने मेरे और जुनुल तोपनो पादरी के उपर में कहा " कि जुनुल और हेरन को कितना ही समझाये पर ~~*~~ उनको यदि पूछा जाय पृथ्वी ~~गोला~~ गोल है तो यही कहते लगेंगे कि नहीं गोल नहीं है पर ~~ईश्वर~~ चिपटा है।

१३-१२-५६ को हमारी कर्मचारी ~~*~~ जमायत हुई। Rev. Bara, और Rev. M.Kindo और Immanuel Bara भी हमारी जमायत में आये हुए थे। पादरी इमनुएल बड़ा ने कर्मचारियों को उपदेश तैयारी क्लास में रोकटोक डाला और जोरों से मेरे साथ बादविवाद हुआ और वे क्लास से निकल कर प्रचारकों को भी साथ में ले चले गये। उसरोज इलाका मिटिंग होना था पर उन्हों ने इसको भी होने न दिया। C.C के अधिसरान भी इस मिटिंग के लिये बुलाये गये थे। आप के अधिसरान के आने पर, जैसे मोटर गाड़ी की आवाज लगी वैसे Johan Topno के मुख से यह भी आवाज हो गयी "बोंगा हरो, बोंगा हरो"। सब अपनी थैली पकड़, अपना रह लिये। मैं ने कितना अर्जी करते रोका परन्तु कोई नहीं माना। इलाका मिटिंग नहीं होने सका उसी रोज Rev. Immanuel Bara ने हमारे इलाके का खजाना पर हाथ डाला और खजांची का निरादर किया है।

इस प्रकार नोर्थ जोन की लीडरों की मिटिंग ने अपनी स्वार्थ साधन के लिये मुझको लोहरदगा से कुड़ू बदली किया। भला उनको आज्ञा कैसे मानूं? मैं तो जब से कुड़ू का पादरी नहीं, मैं दो पेरिशों का काम करते आ रहा हूं। कुड़ू नहीं जाने पर उन्हों ने मुझपर करवाई किया। ता० ५-१२-५६ को उन्हों का रांची में प्राइवेट मिटिंग हुई और मेरे मण्डली, पेरिश और इलाका में सेवाकाई बन्द करने का फैसला किया। M. Kundo ने इसी के अनुसार

हर पेरिश, हर इलाके के मण्डलियों में नोटिस कर दिया कि Rev. C. H. Tirkey का सेवाकार्य आज से बन्द किया जाता है। यह नोटिस मुझको ११-१२-५६ को मिला जिसका नकल मैं C.C. को जानने के लिये दिया हूं। मेरा तलब उन्हों ने अक्टोबर ही से बन्द किया और यही उनको मुंह से सुनाई दी कि Rev. C. H. Tirkey को एक भी पैसा और सिरनी चावल न दिया जाय, वह भूख से आप ही भाग जायगा। उन्हों ने मेरा तलब केवल नहीं पर यू० पी० लड़की स्कूल को जिसको इलाका हर माह देती और सम्भालती है उनका भी बन्द किया है। क्योंकि लड़की स्कूल मेरे, चार्च कौंसिल और महासभा को मानती है, उनका कहना है कि पादरी वाले, और स्कूल को चलावे, देखें तो कैसे चलाता है।

ता० ९-१२-५६ दूसरा अडवेन्ट करनी पर्व था। पादरी इमानुएल बड़ा भी कहां से ८-१२-५६ ही को लोहरदगा पहुंचा। वह घर२ जा जा कर भाई बहिनों को फुसलाने में दो रोज बिताया। ९ ता० रविवार और पहली घंटी बजने के कुछ पहले मेरे पास आया और मुझसे गिरजे का चाभी मांगा। मैं ने सफा बोल दिया कि मैं नहीं दे सकता हूं आज मैं ही गिरजा करूंगा। गिरजा शान्त से हुआ। गिरजा के बाद, झेलदल भी आये हुए थे जो कभी गिरजा नहीं आता - उनका मतलब था कि गिरजा दान को भगावें। परन्तु हम ने उनको देख पहिले ही हटा दिया। वे दल भीतर घुसे देख ताख करने लगे पर सिरनी दान नहीं है वे बैठ गये। हम लोग भी भीतर घुसे - बहुत भारी झगड़ा हुआ। उन्हों के मुंह से यह भी आवाज निकली "कुदबक सुवार का बच्चा, उठा कर पटक देंगे"। बाद में वे क्रोध में भर कर गिरजा घर से निकल कर घर चले गये। पादरी बाहर से तमाशा देख रहा था।

ता० १६-१२-५६ को फिर इमानुएल बड़ा फिर लोहरदगा आया वह बिहान से ही गिरजा को अपने दखल करने का विचार कर रहा था। परन्तु ईश्वर रास्ता देखाने हारा है - मैं ने ८ बजे बिहान को थाना में डायरी कर दिया। पुलिस ने इमानुएल बड़ा को थाना बुलाया। मैं उसी जगह पर बैठा था। बहुत समय बाद Rev. Immanuel Bara अपने दल के साथ

थाना पहुंचा। पुलिस ने उसको पुछपाछ किया और गड़बड़ करने से मना कर दिया और सभों का नाम जितना उनके साथ गये हुए थे लिख लिया फिर उनको बौन्ड भी लिखवाया है। गिरजा बाद में बहुत शान्त से हुआ। ईश्वर की दया से लोग वे बार २ चढ़ाई करते हैं लोहरदगा गिरजा दो भाग नहीं होने पाया और आगे भी नहीं होगा।

२८-१२-५७ लोहरदगा में एक जोड़ा शादी के लिये आया हुआ था। सपड़ने के बाद किसी ने उनको जातिय भेद भाव डाल कर भगाड़ा और यह कह कर चले गये कि हम मुन्डा पादरी से नहीं शादी होंगे। बिना शादी ही सब कुछ हुआ लड़की को भी ले गये। ३१-१२-५७ को उन्हीं जोड़ों को पादरी इमानुएल बड़ा ने लोहरदगा गिरजा में चुपचाप खोल कर बिना पांच, प्रचारक तथा लोकल पादरी के इजाजत शादी दे दिया।

३१-१२-५७ कुड़ु में शादी के लिये कुड़ु मराडली पंच ने मुझे बुलाया। मैं गया शादी वाले भी आये शिकारियों मुझे मिले। मैं ने उनको सपड़ने को कहा। दोनों दल सपड़े। उन्होंने मुझे बही में नाम भी लिखवाया। मैं भजन पोशाक पहिन लिया। अब केवल दुल्हा + दुल्हिन को पांति करके प्रवेश करना बाकी रह गया था। उसी बीच में पादरी इमानुएल बड़ा पहुंचा। कलर पहिन कर गिरजा में बिना इजाजत प्रवेश किया। कलर पहिने हुए उसके और हमारे बीच वाद विवाद हुआ। उसी बीच में पण्डित Hanukh Toppo गिरजा में प्रवेश किया जो कभी भी गिरजा नहीं जाता है। दोनों मिल कर हाथ हिलाते मुझे दपट कहा। मैं झगड़ा नहीं चाहा और निकल गया। इस प्रकार बड़ा पादरी ने नकुल भाई को बहिनों को मुन्डा उरांव का भेद डाल कर मेरा तिरस्कार करवाया है।

१-१-५८ को पादरी बड़ा ने कुड़ु गिरजा को दो भाग किया। पंच के बिना इजाजत अनाधिकार प्रवेश किया गिरजा के तलों को बिगाड़ा। इस प्रकार मराडली में झगड़ा पैदा करवाया है।

६-१-५८ कुड़ु में पेरिश मिटिंग हुई। मेरा तिरस्कार किया गया और सेना जन इस सभा

XIII

का सभापति ठहराया गया जोन को गिरजा आता न मराङली का पंच न परिश का पंच है। इस मिटिंग में चार्च कौंसिल मजिस्ट्रान का भी निरादर और तिरस्कार किया गया। हमारे चार्च के प्रेसिडेन्ट को भी उन्हों ने कड़ी आवाज में बोलने से मना किया। उन्हों ने मेरा निरादर करने के लिये हिन्दी, गवांरी छोड़ कर कुड़ुख भाषा ही में बोलते थे।

इस प्रकार का गड़बड़ नोर्थ जोन के होने से मराङली में इलाका में पेरिशों में आयी हुवे हैं। शैतान ने नोर्थ जोन को अपना हथियार बना लिया और मराङली में विद्रोह डाला है। घर२ में कुटुम्ब२ में मराङली में अशान्ति फैली हुवे है। नोर्थ जोन के द्वारा सिनोड संगठन तोड़ी गयी। इलाका संगठन तोड़ी गयी परिश संगठन तोड़ी गयी। पादरी पादरी में फूट। प्रचारक पाद्. में फूट। सहकारी पंचायत शिक्षाक्लास तोड़ी गयी। जब कभी पादरी, प्रचारक जमा होवें तो दिन भर झगड़ा ही करके दिन गुजर जाता है। सेन्ट्रलिझ तोड़ी गयी सब अपना ही अपना, आमदनी उठा लेते हैं। जोन लीडरों ने जाति भेद इतना जोर लाया है कि पबलिक बोलने लगा है कि यह मुन्डा पादरी है। वे लोगों में यह प्रचार कर जोन खड़ा करने लगा है कि अब मुन्डा और उरांव जाति अलग हो गये हैं। स्वाभाविक होता ही है कि कोई भी अपनी जाति को नहीं छोड़ सकता इसलिये मुन्डा पा. तिरस्कार किया जाता है। बजबरजस्त सही करा २ कर के जोन को स्थापित किया जा रहा है। मराङली की विधियां तोड़ी गयी। धमराड को अधिकार होने लगा। मेरे विरुद्ध ~~अनेकों~~ मेरे पीछे होने वाली संस्थाओं के विरुद्ध अनेकों षड़यन्त्र किये जाने लगे हैं। मेरे लिये ठठा किये जाने लगे हैं। किसी ने ठठे की बात लिख कर चोर के समान मेरे खिड़की से घर के अन्दर टेबुल पर रख छोड़ा। उस में ये लिखे हुए थे-" शैतान का पैगम्बर H. Tirkey

है हम शैतान का पैगम्बर ?
यहाँ से दाम लेकर हैं जीते
काली झोली है पहन कर जाते गिर्जा घर में
हैं लोगों को समझाते बेबल खोल कर।"

इसके कारण व्यक्तिगत अपमान पादरी, प्रचारक, और जी० ई० एल प्रेसिडेन्ट और चार्च कौंसिल का अपमान सुनाई पड़ता है।

शादी विवाह में प्रबन्ध तोड़ा गया। पादरी जैसा सके वैसा ही अपनी ओर खींचने के लिये कर रहा है। गिर्जा में सिरनी, घड़ा दान रोकी गयी। गिरजा आना बन्द किया गया। गिरजा दो भाग किया गया।

अपने सिनोद के अन्दर में यही पाया हूं कि पादरी, और प्रचारक ही लोग हैं जो जोन को मानने चाहते और अपना स्वर्ग के लिये [illegible] के बदले दूसरी ओर अगुवाई जातियेता करते हैं। साधारण भाई बहिन नहीं जानते और चाहते भी नहीं हैं। जोन के कारण इस साल मर्दुमशुमारी भी बनने नहीं सका है।

इन सब गड़बड़ और हमारी तकलीफों को आप के सामने रखते हुए यह बिन्ती करते हैं कि हमारी सहायता कीजिये। ईश्वर जो सर्वशक्तिमान है आप हमारी सहायता करें।

आप लोगों का विश्वस्त
दीन सेवक
पादरी - हेरन तिर्की
सिनोद प्रेसिडेन्ट
उत्तरीय सिनोद
६-२-५६

Cf [illegible] जोन का काम [illegible] e.e. 2/5 [illegible]
J.D. 27/3/57
[illegible] 23/3

Synod Report of Manbhum Synod

Report of

—25/3/57

Manbhum Synod.

१- सिनोड की सीमा - कर्म्मचारियां।
यह पुरुलिया, धनबाद और बर्दवान जिले मिल कर बनी है।
यहां २५ मंडलियां हैं जैसे पुरुलिया, आद्रा, कुल्टी, मानकर, झरिया
(ब्रान्च- गोमो, सिंद्री, भोजूडिह), बर्नपूर, खुदीबांध, रुदड़ा, बुडदा
नुनिया, मुरी, तुता और जरगो। चितरंजन और अनारा छोटी मंडलियां है
जहां अभी मंडली स्थापित नहीं हुई है। इस क्षेत्र में २ पादरी ७ लोकल
(स्थानीय) प्रचारक हैं। कोलफील्ड और इन्डस्ट्रीयल क्षेत्र के अधिकांश
मंडलियों को भोलन्टियर लोग चलाते हैं।

२- जन संख्या :-
यहां ३४५ घराने हैं जिनमें कुल १७४३ बप्तिस्मा पाये हुए हैं।
दृढ़ीकृतों की संख्या ६०५ है। हिन्दू, बंगाली १०५१; मुन्डा ३८१;
उरांव १६५ और सन्ताल ११६ हैं।

३- आत्मिक दशा : मिश्नरियों के समय में जो आत्मिक जागृति थी अभी
इस बर्तमान समय यहाँ के बासियों में बहुत कमी है। आत्मिक जीवन
की उन्नति की ओर बहुत कम लोगों का ध्यान है। खृस्तानी जीवन
की झलक चिह्नस्वरूप दिखाई देती है। यहाँ मंडली के सिर्फ २ प्रैमरी
स्कूल हैं जो कठिनता से चलाई जाती हैं। इतने बड़े इलाके के आत्मिक
जीवन के ख्याल से, यह नाममात्र की हैं क्योंकि केवल प्रैमरी क्लासों
में कम धर्म्म शिक्षा दी जा सकती है। जो भावी सन्तान हैं अधिकतर
हिन्दू हाई स्कूलों में पढ़ते हैं। कोलफील्ड और इन्डस्ट्रीयल क्षेत्र में ज्यादे
रांची जिले के लोग हैं जिनमें खृस्तानी जोश दिखाई देता है। पर दुःख
की बात है कि इतने बड़े एरिया के भीतर सब भिन्न स्थानों में रहते हैं,
उनके बीच में मंडली की ओर से उचित आत्मिक सेवकाई नहीं किई
जा सकती है। कलीशा की ओर से यदि उस क्षेत्र की सेवकाई के लिये
अलग ही कर्म्मचारी रखा जाता तो अच्छा होता। कलीशा के अधि-
कारी इस की ओर ध्यान दें।

४- राज्यबृद्धि :- मंडली की दशा को देखने से साफ दिखाई देता है कि यहाँ
विशेषरूप से कभी भी राज्यबृद्धि का काम नहीं किया गया है। जिस
प्रकार दूसरे क्षेत्रों में राज्य बृद्धि के लिये अलग कर्म्मचारियां दिये
जाते हैं वैसा यहाँ बन्दोबस्त नहीं किया गया जिसका फल यही
है कि मिश्नरियों के समय में जो बप्तिस्मा पाये सो ही आजतक
यहां के खृस्तान हैं जिनमें से अनेकों लूथेरान मंडली को छोड़कर
अन्य मिशनों के अंग बन गये हैं। यहां की आत्मिक जागृति की
कमी होने के कारण यहां की मंडलियां परीक्षा के बीच में हैं क्योंकि खास
सिनोड हेड क्वार्टर के निकट ही रोमी लोगों ने जमीन खरीद कर बड़े
गिर्जे बनाने का और स्कूल खोलने का प्रोग्राम ठीक कर चुका है

417 ... सिनोड ... Rev. ... 23/3/57 23/3

11.

और उन्होंने अपना काम आरंभ कर चुका है। मंडली सचमूच परीक्षा के सामने खड़ी है। इस रीतिसे मंडली बढ़ती न हो घटती होगी।

५ मंडली की आमदानी:- यहां की मंडली आमदानी, मंडली की दशा ही के समान है। आत्मिक जोश के बिना मंडली में नया रूप नहीं हो सकता। वर्तमान समय की आर्थिक कठिनताओं को देखकर यहां के युवक और युवतियां मंडली की सेवकाई की ओर तनिक भी दिलचस्प नहीं लेतीं। मंडली में नौकरी करना तो दूर की बात है। यहां के लोगों को आत्मिक जीवन की उन्नति के रास्ते पर आने के लिये नया शताब्दी का जरूरत है। मंडली एक सौ बरस से ज्यादे पुरानी है पर तौभी केवल दूध हो पचा सकती है। मंडली में आमदनी हो या नहो कुछ मतलब नहीं है पर मंडली का काम जरूर पूरा होना चाहिए। आत्मशासन और आत्मपालन का मंडली को केवल स्वरवर्ण के दो ही अक्षर मालूम है। इसी कारण आज उपदेशों की बौछार होने पर भी हृदयरूपी खेत भींजता नहीं और फसल की आशा जाती रहती है।

६:- मंडली का चालचलन प्रणाली:- जहां तक संभव है यह मंडलियों में जारी है। क्षेत्र के भीतर देश की हालत और ख्याल के आधारपर यहां मंडली के अन्दर कभी २ कष्ट और झंझट की बातें चली आती हैं। यहां इसी के कारण कितने पुराने खृस्तान मंडली से बिमुख होकर पश्चात्तापी हालत में हैं। इस क्षेत्र में मंडली के बिरुद्ध हैं, आज तक वे अपश्चात्तापी हालत में हैं। इस क्षेत्र में ज्यादे ७वीं आज्ञा लङ्घन करनेहारे मंडली सजा पाते हैं। मतवालपन के बिरुद्ध लड़नेवाले बहुत कम हैं।

७:- सन्डेस्कूल: सन्डेस्कूलों की संख्या ६ है Purulia, Burda, Tuta (तुता) Kulti, Jargo और वर्नपूर। ६ शिक्षक और शिक्षिकायें सन्डेस्कूलों में शिक्षा देते हैं। कुल जमा इन साल (१९५६) ३२७ छात्र छात्री थे। आशा किई जाती है कि १९५७ में और जोश के साथ सन्डेस्कूल का काम होगा।

आप का विश्वस्त —

P. Das Bose
Synod President
Manbhum
Synod.
Purulia.
18/2/57

Synod Report of Orissa Synod

27/2

ओड़िसा सिनोद का रिपोर्ट।

ओड़िसा सिनोद ओड़िसा प्रान्त के तीन जीलों अर्थात सुन्दरगढ़, सम्बलपुर और बोनई तथा बिहार प्रान्त के सिंहभूम जीले के कुछ भाग में फैली हुई है। जन-संख्यानुसार जी.ई.एल कलिसिया की सब सिनोदों से यह बड़ी है। यह छोटे मोटे दस इलाकाओं और ग्यारह पेरिशों के संगठन से बनी है। इसके अन्दर १९५५ में मर्दमशुमारी अनुसार ७२८० परिवार, ४२५१० बपतिस्मा पाये हुए और २०५८६ दृढ़ीकृत अंग है।

इस सिनोद में अधिकांश दरिद्र मण्डलियां हैं। कलिसिया ने अब तक भाई बहनों के लौकिक जीवन को ऊंचा करने का कुछ भी प्रयत्न नहीं किया है। अच्छा होता कि कलिसिया का ध्यान इस ओर भी आकर्षित होता जिससे जनता की ओर से मण्डली को अधिक आर्थिक सहायता मिलती।

मण्डलियों की आत्मिक दशा, भाई बहनों के गिरजा आने जाने, सक्रामेन्टों में भागी होने और दान पुन्य से जाना जा सकता है। अतएव यह कहने में लेहाज नहीं मालूम पड़ता कि हमारी आत्मिक दशा शोचनीय है। मण्डलियों में व्यभिचार, मुर्ति पूजा मतवालापन आदि पापों की बढ़ती नजर आती है। ~~इसके~~ कारण है कि यहां की आर्थिक दशा भी खराब है। कोलिमण्डी इलाके को छोड़ प्रायः हर कहीं कर्मचारियों को आधा वेतन दिया जाता है।

सिनाड को c.c. ... for ... सिनाड ...

Rev. ...

J.B. 23/3/...

शिक्षा दान क्षेत्र में तो दूसरे सिनोदों में ऐसा ही यह सिनोद भी बढ़ती में है। वर्तमान में इस सिनोद में १ हाईस्कूल, ४ मिड्ल स्कूल तथा अनेक प्रैमरी स्कूल हैं। स्कूलें जनता ही से द्वारा चलायी जाती हैं। सरकार से सिर्फ १२ प्रैमरी स्कूल के शिक्षकों को वेतन दिया जाता है।

सरकार का हुकुम है कि स्कूलों में उड़िया मिडियम से पढ़ाई हो। जनता हिन्दी पढ़ने में झुकी है। मालूम पड़ता है, यही कारण है कि सरकार स्कूलों को ग्रान्ट देने में पीछे पड़ी हुई है।

ईसाइयों और पेरिशों में हर महिना बैठकियां हुवा करती हैं। सिनोद ~~बैठकों~~ लाखों खर्च के ख्याल से दो बेर से ज्यादा नहीं बैठ सकती है। चर्च कौंसिल के मताउसार गत जून १९५६ से सिनोद के अधिकार और कुछ कर्मचारियों में रदोबदल हुवा है। अभी सिनोद सभा नये ढंग से संगठित हो रहा में है।

ओटोनोमी की रक्षा में वृद्धि के निमित्त महासभा ने जो ड्यूटी नोट (1) में मण्डली पैसा ठहराया है। ऐसा अनुभव होता है कि जनता को इसके विषय पूरी समझौता नहीं दी गयी है जिसके कारण लोग मण्डली पैसा देने में आनाकानी ही करते हैं।

अन्त में इस बात को भी उल्लेख करने में कुछ [illegible] न होगी कि जातियता का वर्तमान रोग इस सिनोद में अधिक फैला हुवा है। यह रोग घुन समान कलीसिया को बरबाद कर रहा है। इस रोग ने मण्डली मण्डली में, घर घर में तथा भाई भाई में फूट और निस्प्रेमता डाल दिया है। भाई बहनों के [illegible] जोश में अधिक धक्का पहुंचा है। ईश्वर दया करे कि यह रोग जल्द दूर हो और मण्डलियों में शान्ति स्थापित हो।

[illegible]
23/3

President
Orissa Synod.
20-2-57

11/3/57 Takarma Synod Report

पृ॰ 7/3

तकरमा सिनद का रिपोर्ट १९५६।

महा माननीयवर प्रेसिडेन्ट जी. ई. एल. चर्च और महासभासदस्यों को तकरमा सिनद की ओर से यीशु सहाय।

ईश्वर पिता को धन्यवाद हो कि वह अपनी बड़ी कृपा से १९५६ की अगुवाई और रक्षा करके इस सुअवसर को दान दिया है कि हम अपने सिनद का संक्षिप्त रिपोर्ट जी.ई.एल. चर्च की महासभा के सामने पेश करने पाते हैं।

सिनद के भीतर चार पेरिशें हैं तकरमा, बेंगराय, बड़ीबिरिंगा और कताकेल। हर एक पेरिश में एक २ पादरी हैं। ४२ छोटी बड़ी मंडलियाँ मिलकर है, जिनमें ३६ प्रचारक और एक कैंडिडेट है। बप्तिस्मा पाये हुओं की संख्या करीब १२ हजार हैं जिनमें दृढ़िकृत करीब साढ़े ८ हजार हैं।

नियमावली के आधार पर ही मंडली पंच, पेरिश पंच तथा सिनद पंच मंडली का शासन कर रहे हैं। गत वर्ष सिनद की बैठकी दो बार और कार्यकारिणी की ३ बार हुई। दो बार कमिशन भेजना पड़ा। सिनद के कई मंडलियों में अनबन थी, सिनद सभा यथाशक्ति शांति लाने की चेष्टा की। कोन्सोदे और कनारोंवा दो विशेष गड़बड़ मंडलियों के लिये ए.ए. कमिशन को आना पड़ा। कमिशन के साथ सिनद सभा भी शामिल थी, साथ में बाकी मंडली के गड़बड़ को भी देखना पड़ा। ईश्वर की सहायता से तीनों मंडलियों का गड़बड़ अंत हुआ, ऐसे घनिष्ठ सहयोग और मदद के कारण ए.ए. को हार्दिक धन्यवाद होवे। इन मंडलियों में से कनारोंवा मंडली के जयवेड़ पार्टी अपने दिये हुए पंच मिलाप की राह से अलग हो अपना अलग गिर्जा कायम रखा, कितने फिर गये और जो बच गये हाल में उत्तरी अंचल का मेम्बर बनने को सिनद सभा के सामने घोषणा पत्र पेश कर दिये हैं। उत्तरी अंचल वालों को सिनद के भीतर प्रवेश करने से मना किया गया है।

Takarma -synod [illegible]

मिनिस्ट्रियम की बैठकी जो सिनद की है आवश्यकता पड़ने पर बैठती जाती है। गत वर्ष १५ दिन का प्रचारक शिक्षा क्लास हुआ। दो गिरजा घरों का संस्कार हुआ। हर महीना प्रचारकों को उपदेश की तैयारी पाठ दिया जाता है।

Rev. [illegible]

S.D. 23/3 [illegible] 23/3

आर्थिक अवस्था के गिर जाने से सिनद की आमदनी भी गिरी हुई है जिसके कारण कर्मचारियों को सैकड़े ६५ रुपया मासिक वेतन देना पड़ा। घटी वेतन के लिये हर कर्मचारियों

P. T. O.

को ४० रुपया वार्षिक एलावेन्स दिया गया। स्कूल के कर्मचारियों को भी कुछ हिस्सा बाँटना पड़ा। सिनद के भीतर १२ प्राइमरी स्कूलें और एक हाई स्कूल है। हाई स्कूल में एक ट्रेन्ड सैन्स टीचर की अति आवश्यकता है। सैन्स एपारेटस सरकार की सहायता से काफी जोगाड़ हो चुका है। एक होसपिटल है जो एक कम्पोन्डर से चलाया जा रहा है।

एक स्वास्थ्य वृद्धि केन्द्र है जिसे सिनद पूरा वेतन देती है। दो नये प्रचारकों की बहाली हुई। एक को वृद्धावस्था के कारण छुट्टी दिई गई। दो प्रचारिकाएँ थीं, एक शादी हो गई और एक को काम से छुट्टी मिली। मिस्स कन्डिर और मिस्स संतोषी होरो जहाँ तक बन पड़ा सिनद के भीतर एक २ बार घूम २ कर विशेष करके बहिनों के साथ होकर काम किईं, जिसके उन्हें धन्यवाद होवे। बहिनों का समाज हर मंडली में है, सन्डे स्कूल भी है। युवा संघ, ज्योति सेवा की जड़ अभी तक कमजोर ही है। अधिकतर मंडलियों में प्रार्थना समाज चालू है।

मंडली पैसा जो की वृद्धि होती जाती है अब तक जैसा चाहिये वसूल होने नहीं पाया है। इस देश की और २ देशों के मिशनरियों भी भाई बहन पवित्र वचनों द्वारा उजकाये भी जगाये जा रहे हैं इसका फल भी देखने में आ रहा है। सिनद की सेवा भी सुविधा के निमित्त थोड़ी पुँजी से एक धार्मिक ~~पुस्तकालय~~ पुस्तकालय खोला गया है।

सिनद के मंडलियों का मंडली वृत्तान्त इकट्ठा किया गया है जो छापने के निमित्त चेक किया जा रहा है। सिनद प्रेसिडेन्ट खास पेरिश का भी जिम्मेवार होने के कारण जैसा चाहिये वैसा सिनद के भीतर दूर नहीं कर सकते हैं तौभी यथाशक्ति मंडलियों और स्कूलों का भिजिट करते आ रहे हैं।

ईश्वर पिता सिनद के सारे ~~[illegible]~~ कार्यक्रम में अधिकाई से आशीष देवे।

आप का विश्वासी

J. Xaxa,
Synod President
4/3/57

J. Toppo
Synod Secretary
4-3-57

Western Synod Report ~~पश्चिमी~~ सिनोड का रिपोर्ट। Mahasabha 1957

चर्च कौंशिल ने पश्चिमी सिनोड के पहले के प्रेसिडेन्ट पादरी सी॰ बी॰ मिंज को अनाज्ञाकारी होने के कारण सस्पेन्ड किया। उसी की जगह में अल्पकालिक प्रबन्ध करके मुझे नियमावली के अनुसार officiating President बना कर भेज दी। मुझे हुक्म हुआ था कि २० दिसम्बर तक मैं गुमला में काम प्रारम्भ कर दूँ। कौंशिल के कहे अनुसार मैं समय पर पहुँच गया। तब से मेरा काम जारी ही रहा। परन्तु Rev. C.B. Minj ने न अपना डेरा छोड़ा न अपना काम ही बन्द किया, पर जैसा का तैसा भी जारी ही रक्खा। मुझे कौंशिल से सलाह थी कि बाबु ख॰ कुजूर सी॰ सी॰ मेम्बर की अगुवाई में काम करूं। मैं ने हर बात में उन्हीं की अगुवाई में काम किया।

जैसे ही गुमला आया तैसे ही मैं ने इस सिनोड की स्थीति की जांच की। यहां मैं ने पाया कि अधिकांश सिनोड के मेम्बरगण कौंशिल से बागी होकर मध्य सभा को, कौंशिल और गोस्सनर कलीशा को मानने से इनकार करते हैं। इस पर मुझे हरेक इलाके की जांच करनी पड़ी। उनमें भी वही बात पाया कि गोस्सनर कलीशा की कौंशिल और मध्य सभा को मेम्बरगण न मानते हैं। अधिकांश इलाका का चेयरमैन पादरी सी॰ बी॰ मिंज है। गुमला इलाका का चेयरमैन अब तक वही है अपने ससपेनसन को न मान कर। परन्तु इस इलाके की और कई मण्डलियां पादरी सी॰ बी॰ मिंज को अपना चेयरमैन नहीं मानती हैं। मैं उन मण्डलियों की सेवकाई का काम करता हूँ। ये मण्डलियां Centralisation को भी बन्द कर दी हैं। सेन्ट्रलैजेशन न करने का कारण है कि पादरी सी॰ बी॰ मिंज गैर मण्डलियों से भी नोर्थ जोन को अपना सब देने देता है, जिस को ये मण्डलियां नहीं चाहती हैं।

P.T.O.

चैनपुर इलाके की अधिक मण्डलियों में मैं नहीं जा सका हूं। केवल चैनपुर-खास जा कर वहां के विशेष अगुओं से बातचीत की। वहां पाद्री पी. बागे हैं। उनका कहना है कि मैं तो चाहता हूं कि यहां न रहूं क्यों कि नोर्थ जोन का होना मेरे विवेक के विरुद्ध है पर भाई बहनों की सेवा के लिये ठहरा हूं। फिर उनका यह भी कहना है कि यदि नोर्थ जोन को न मानूं तो मुझे यहां से तुरन्त निकाल देंगे, मेरी नौकरी नहीं रहेगी। चैनपुर इलाके के और कई अगुओं से बात चीत की। उनमें से भी कितनों ने कहा कि हम तो नोर्थ जोन को दिल से नहीं चाहते हैं पर नौकरी के ख्याल से इनको और सिनोड के अधीन रहना पड़ता है। वहीं उनके सिनोड के सेक्रेटरी रहते हैं। मैं ने उनसे भी बात चीत की। मैं ने उनसे कहा कि नोर्थ जोन बनाना सब तरह से कलीसिया के लिये हानिकारक है। परन्तु उन्हों ने कहा कि पाद्री जे. लकड़ा प्रेसिडेन्ट के कहने पर हम लोगों ने यह बनाया है। फिर उन्हों ने कहा कि मुण्डा लोगों ने उरांव लोगों पर अन्याय किया है। मैं ने पूछा किस बात में अन्याय हुआ है। जवाब देने में असमर्थ हो गये।

वहां से लौट कर बाबू ज. कुजूर के साथ मराठ लियों में आये कि उनसे जानें कि भाई बहनों और मण्डली के पंचों का क्या कहना है। उनसे सवाल किया गया कि क्या आप लोग नोर्थ जोन जो गैर मंजूरवार संस्था है उस में रहना चाहते हैं या जैसे थे वैसे ही कौंसिल के अधीन रहना चाहते हैं? भाई बहनों का कहना है कि हम लोग जोन को नहीं जानते हैं हम कौंसिल में रहना चाहते हैं जहां जात पांत का कोई सवाल नहीं है। पर आप लोग अपने ही अगुवों को बताइये, परन्तु कितनी मण्डलियाँ नोर्थ जोन का बिलकुल विरोध कर रही हैं।

हम दोनों कोनसरा इलाका को भी देखने को गये।

वहां की स्थिति और ही खराब है। वहां की लोक मण्डली में जातीयता का प्रचार किया गया है और जहां कई जाति के लोग हैं वहां गड़बड़ होने का डर है। यहां तक जातीयता का प्रभाव डाला गया है कि वहां के पादरी जो जात के मुण्डा हैं इलाका तथा सिनोड से अपने अधिकार के बाहर में होते हुए भी निकाले गये हैं और उनके सेवकाई का काम बन्द कर दिया है। उन्हें तलब तनख्वाह भी नहीं देते हैं। उनकी जगह में खुड़िया मिशन फिल्ड के पादरी Immanuel Kujur मिशन के काम को छोड़ कर आ गये हैं। खुड़िया मिशन फिल्ड अधूरा छोड़ दिया गया है। बताया जाता है कि खुड़िया के प्रचारक लोग भी छोड़-छोड़ कर भाग रहे हैं।

कोन्डरा इलाके के कितने भाइयों का कहना है कि इस नोर्थ जोन को तो दिल से नहीं चाहते हैं पर अगुवों की बात पर हां में हां न लगाते तो अकेला कर देंगे और हमसे भी खराब व्यवहार करेंगे। इसलिये न चाहते हुए भी जाना पड़ता है। कितनों का यह भी अनुभव हो गया है कि नोर्थ जोन (के लोग) जो उरांव लोगों के लिये ही बनाया गया है, इसमें आपसी फूट है और थोड़े ही दिन में उजाड़ और बखेड़ा खड़ा हो जायगा और इसका विनाश हो जायगा।

परन्तु कितनों का कहना है कि नोर्थ जोन में हम स्थिर हैं यह होकर रहेगा। हम लोगों का अगुवा लकड़ा लोटे कहते हैं वे चाहे गढ़े में गिरायें चाहे स्वर्ग को उठायें, उन्हें नहीं छोड़ेंगे।

कोलोंग और जरजटा मण्डली की अर्जी से वहां एक अलग प्रचारक ठहरा दिये हैं क्योंकि वर्तमान प्रचारक उनकी सेवकाई करना नहीं चाहता है। वैसे ही चिरोंगाड़ मण्डली से अलग प्रचारक की मांग की गई है। परन्तु अभी कुछ दिन के लिये पंच ही लोग गिरजा चला रहे हैं। इस तरह से मण्डलियां नमूना बन रही हैं कि कलीसिया में जात पात नहीं होनी चाहिये। परन्तु कौंसिल के अधीन रह कर एकता में बना रहना चाहिये।

अन्त में हम लोगों ने क्या देखा कि अधिकतर लोग इस सिनोड में ईसाई लोग हैं। बहुत कम हैं जो ख्रीस्तान हैं। हम लोग ख्रीस्तानों को समझाने में सफलवन्त हुए पर उरांव लोगों को नहीं सके। परन्तु मेरी आशा है कि सब उरांव उरांव रहें पर धीरे-धीरे सब ख्रीस्तान हो जायेंगे।

स्पष्ट में अभी सेन्सस आदि कुछ भी नहीं दे सकता हूँ कारण कि यहां के सिनोड मेम्बर तथा इलाका मेम्बर और न कोई प्रचारक मेरा साथ दे रहा है। फिर पादरी विमल मिंज ने अब तक मुझे चार्ज नहीं दिया है। और अपना डेरा भी नहीं उठाया है। इन कारणों से मुझे यहां काम करने का भी सुभीता नहीं है।

परन्तु कलीसिया की हालत यदि यही रहेगी तो यह निश्चय है कि अधिकांश मण्डली की अधिकांश जनता यहां वर्तमान अगुवों को - जो जाति-पांति का भेद भाव बढ़ा रहे हैं, छोड़ देगी। जो लोग उरांव न रहेंगे पर सब ख्रीस्तान हो जायेंगे, जहां जाति पांति का भेद भाव नहीं है। प्रभु का आत्मा उन्हें सिखा रहा है कि इनका ईस्वी-लुथरन कहना अनुचित है, अख्रीस्तानी, जड़ रहित आप है। जो नाश होने वाला है।

[illegible]

Pastor P. D. Soreng
off. Synod President
w/ S. Gumla
6-2-'57

J. D. 23/3/57
[illegible] 23/3

35

Gossner Evangelical Lutheran Church in Chotanagpur and Assam.

Ref: NO/~~6-85~~/57-C.C.-35. 76-85 60-75

G.E.L.Church Compound,
Ranchi, the 9th January, 1957.

From Secretary-Mr.N.E.Horo, B.A.,

To

Rev_______________
Synod President,
__________Synod.
____
P.O.________
Dist.________

Dear Rev._____,

Please submit a detailed report of your Synod for the year 1956 for submitting it to the Church Council and the Mahasabha 1957.

As the reports are to be printed in a booklet form you should take special care to submit it to me by 31st January, 1957 at the latest.

N.E.Horo 9.1.

Secretary,
G.E.L.Church, Ranchi.

Bh.Lakra.

21/2/56
Synod / President's Report
Bengal Synod (Dooars)

To
The Secretary, C. C.;
G. E. L. Church, Chota Nagpur & Assam
Ranchi

महाशय !

आप के चिठ्ठी नं० 599-614/55. के मांग अनुसार निम्न लिखित रिपोर्ट दिई जाती है।

(1) बंगाल सिनोद-डूवर्स में अब तक एक ही पादरी और एक केडिदेट है। बंगाल सिनोद-डूवर्स का काम तमाम जलपाईगुड़ी जिला और दार्जिलिंग जिले में होता है। फिर बिहार के अन्दर पुर्णिया जिला के बोर्डर में जहां चाय के बागान है काम होता है। क्षेत्र के हिसाब से एक पादरी के जरिये सेवकाई का काम करने में बड़ी पड़ जाती है। तीन-पादरी की आवश्यकता बराबर से कौंसिल में दर्शायी गयी है।

१९५५ के जनवरी में जब सिनोद की बार्षिक बैठकी हुई तो उसमें इस बात पर बहुत जोरों बातचित हुई और प्रस्ताव पास भी किया गया कि कम से कम और एक पादरी शीघ्र डूवर्स

मैं लाये आएं। परन्तु सवाल उठा कि पाद्री के लिये घर कहां ?। बागान के अन्दर अभी घर पाना भी सामान्स्य हो गया। मिशन के लिये जमीन खरीदा गया है पर घर बनाने को रुपैया नहीं। अन्त में चन्दा जमा करने का प्रस्ताव पास हुआ और करीब दो हजार रुपैया का हिसाब लगा कर एक-पाद्री-घर बनाने का स्थिर किया गया। घर का नेव जनवरी ७६ को डाला गया।

फिर सिलिगुड़ी के नजदीक- बागडोगरा नाम स्थान में एक जमीन खरीदने का भी प्रस्ताव पास किया गया। वहां तीसरे पेरिश का सेन्टर होगा।

(७) सिनोद की ओर से चार प्राइमरी स्कूल चलाए जाते हैं। उनमें केवल एक प्राईमारी स्कूल सरकार से मंजूर किया है गया है। परन्तु कैएक बार डिपार्टमेन्ट से नोटिस दिई गयी कि स्कूल का कम्पौंड-डिपार्टमेन्ट के नाम से रेजिष्ट्री कर देवे। सिनोद ने हर एक बार नहीं का जबाब दिया है। सब बागान में बगान तरफ से स्कूल है और बगान में स्कूल खोलना और चलाना कठिन है। ~~कोशिश~~ प्रैमारी स्कूल को मिडिल करने

के कोशिश में सिनोद है। परन्तु छात्रों की घटी और शिक्षकों की भी घटी है। ज्यादा मुश्किल तो यह है कि स्कूल का मिडियम बंगाली भाषा है।

(3) इधर में जो बड़ी जोरदार पार्टी सिनोद के विरुद्ध थी सो लोप हो गयी और जितनी मण्डलियां उस पार्टी में थी सब सिनोद में शामिल हो गयीं और अभी उस तरह की पार्टी से विदाई मिली है। दुःख की बात है कि विरुद्धी पार्टी के जितने लिडर थे - वे भटक गये हैं। उनको लौट आना चाहिए पर बुराई ने उनको और भी जकड़ लिया है।

अब तक कैरक बगान के भाई बहिन [illegible] मिशन ही में हैं और इसके कैरक कारण हैं। हमारे छोटानागपुर के पुरोहितगणों से [illegible] मिशन को - प्राइवेट शासन सम्बन्धी में - हमारे लोगों के लिये शिफारिशें दिई जाती हैं। इससे सिनोद को और भी कठिनाई में पड़ने हो जाते हैं, और हमारे लोग उसी मिशन में रहना पसन्द करते हैं। इस से हमारी कलीसिया को भारी हानि है।

हागे प्रभु आप ही डूवर्स में की लुथरान की मण्डली की रक्षा करे, अगुवाई करे और आत्मिक और लौकिक बिषय में उन्नति देवे। आमीन॥

आप का बिश्वस्त

D. Lakra
Synod President
Bengal Synod
(Dooars)
20/2/56

agreed

(1) Bengal Synod needs two more Pastors – one for Jalpaiguri District and Purnea and other for Bagdogra.
Candidate Matias Surin be ordained & posted in Duars. Another Pastor from Ch. Nagpur be sent to Duars

agreed

(2) They need Pastors' quarters. for Bagdogra Synod wants to purchase a plot at Bagdogra for a Church Compound.
Synod be requested to raise funds for it & the Board of Properties and take up the matter

[illegible]

5 (91)

Reports from
&
Synod Presidents

~~Reports from~~

~~Synod presidents~~

टकरमा सिनद का रिपोर्ट-चर्च कौंसिल को

प्रेसिडेन्ट और सभा सदस्यों को यीशु सहाय।

१. सिनद की बनावट :- चार पेरिशों से है
(a) टकरमा (b) बड़ीबिरींगा (c) झलाकेला
(d) बेंगराय

२. कर्मचारियाँ :— चार पादरी और ४२ प्रचारक हैं
दो प्रचारिकाएं हैं एक कन्डिडेट।

३. बैठकियाँ :— प्रचारक यूथ, पेरिश और सिनद की बैठकियाँ रेगुलर है।

४. मण्डली की दशा :— (a) आर्थिक दशा गिरी हुई है। मुख्य कारण वर्षा की कमी है जिसका असर मण्डली के देन पर भी पड़ा है जिसके कारण सिनद अपने कर्मचारियों को पूरा वेतन देने से असमर्थ है। इसकी चिन्ता सिनद को लगी है और आमदनी बढ़ाने के पूरे फिक्र और कोशिश में है।

(b) आत्मिक दशा :— गिरजा जाना आना, सक्रमेन्ट का व्यवहार करना साधारण है। प्रभु भोज में भागी होने हुए नहीं पाये जाते हैं। दृढ़ीकृत संख्यानुसार, गीत, कटेकिज्म, दुरंग पुथी, पुराने और नये नियम कारण अभी तक इन धार्मिक पुस्तकों को सिनद देने से असमर्थ है। सुसमाचार की माँग बहुत है पर आर्थिक अवस्था ठीक न होने के में है और पूरा उम्मेद है कि थोड़ी देर के भीतर एक धार्मिक पुस्तकालय खुल जायगा। इसके लिये भी सिनद पूरे कोशिश

संडे स्कूल, समाज, प्रार्थना समाज, युव संघ और घरेलू प्रार्थना को जारी और आत्मिक की जा रही है। स्कूलों में धार्मिक ज्ञान बहुत कम दिया जा रहा है। इसके लिये भी स्कूल शिक्षकों को हिदायत है कि वे मौके बमौके धार्मिक विषयों को पढ़ावें।

हर महीना प्रचारकों का शिक्षा क्लास जारी है।

४. सिनद में अशांति :— दो मण्डलियों हैं अर्थात् कनारोंवा और कोनसोदे है जहाँ अभी तक दलबन्दी है। सिनद इस अशांति को दूर करने की फिक्र

को मुख्य रखते हुए भी अब तक सफलता प्राप्त नहीं किया है। सिनद मिनिस्ट्रियम में भी कुछ अशांति है।

५. प्राइमरी स्कूल:— सिनद के भीतर L.P. और U.P. मिलाके ११ मिशन स्कूलें हैं. इन स्कूलों के शिक्षकों को पूरी रीति से आधार वेतन नहीं मिल रहा है। हाई स्कूल का रिपोर्ट अलग है।

६. होस्पिटल:— एक अस्पताल है जो एक कम्पौण्डर से चलाया जा रहा है जिसमें दवाओं की बहुत ही घटी होने के कारण रोगियों को उचित चिकित्सा नहीं दी जा रही है। कृपया चर्च कौंसिल इस ओर भी अपना ध्यान देवें।

७. स्टेशन कोमिटी:— स्टेशन कोमिटी जीती है जो साल साल स्टेशन के घरों की सुधि लेते आ रही है लड़की स्कूल लाइन की दशा शोचनीय है जिसके निमित्त भी सिनद पूरे फिक्र में हो काम जारी रख दिया है।

८. राज्यवृद्धि का काम:— सिनद के भीतर पोरबिन्धा राज्यवृद्धि क्षेत्र बनाया गया है जिसमें सिनद का पूरा हाथ है. ट्रेन्ड प्रचारक रखा गया है। साल साल अर्थ खोजकों बढ़ती ही में हैं। २

आप लोगों का विश्वस्त
पादरी [illegible],
Synod President
Lokarma Synod,
24-2-1966,

कोरोंजो सिनोड का रिपोर्ट।

कोरोंजो सिनोड एक ही इलाका का एक सिनोड बनाया गया है। इस सिनोड में तीन पेरिश हैं। जिनके नाम ये हैं कोरोंजो, कटुपानी और लोम्बोई। प्रत्येक पेरिश में १२-१३ प्रचारकपन हैं।

सिनोड के अन्दर में हाई स्कूल, मिड्ल स्कूल और प्राइमारी स्कूल हैं। समूचे ~~हाई स्कूल के~~ सिनोड के लिये एक ही हाई स्कूल है जो खास मिशन स्टेशन कोरोंजो में स्थित है। यह स्कूल सम्पूर्णतः मिशन के अधीन है। मिशन ही इस स्कूल की आर्थिक अवस्था का पालन पोषण कर रही है। अभी यह स्कूल ९वें वर्ग तक मंजूरी पा चुका है। आर्थिक अवस्था सोचनीय है।

समूचे सिनोड में ~~चार~~ तीन प्रस्तावित मिड्ल स्कूल हैं। जो नाम के लिये मिशन स्कूल कहे जाते हैं। सिनोड की आर्थिक अवस्था ~~की~~ के खराब होने के कारण उन्हें कुछ भी सहायता नहीं दी जा रही है। स्थानीय मंडली उन स्कूलों को सम्भाल रही है।

सिनोड भर में १२ प्राईमारी स्कूल हैं जो भी नाम के लिये मिशन स्कूल कहे जाते हैं। उन्हें भी मिशन की ओर से सहायता नहीं दी जा रही है। ये स्कूल सरकार से मंजूरी पा चुके हैं। इसलिये इन स्कूलों पर सरकार का भी काफी रोबदाब है। ये स्कूल मिशन के अधीन नहीं के बराबर हैं। मिशन की आज्ञाओं से अधिक सरकार की आज्ञाओं को ही अधिक महत्व देते हैं और मानते भी हैं।

इस सिनोड में ३६ मंडलियाँ हैं। मंडलियों का संचालन पंचों के द्वारा होता है जिसका सभापति स्थानीय प्रचारक होता है। प्रचारकपन पंच की बैठकी महीने में एक बार होती है जिसमें मंडली के संचालन के विषय बात चीत होती है परन्तु ये पंचगण अभी तक अपनी जवाबदेहित्व को अच्छी तरह नहीं समझ पाये हैं। जिससे पंच

P.T.O

लोग अपना काम उचितानुसार नहीं कर रहे हैं। और पंचों और कर्मचारियों में संगठन की कमी है। जहाँ पंचों मे अच्छा संगठन है वहाँ काम अच्छा होता है।

[illegible]
Synod President
18-2-56

J Bage
S. C. Secy
18·2·56

किनकेल सिनोद का रिपोर्ट

किनकेल सिनोद तीन पेरिस से बनी है, किनकेल, भरवटोली और कोन्केइरा। सिनोद में ३२ प्रचारस्थल है। १० चौमस सा आरम्भ [illegible] मण्डलियों में कोई गड़बड़ या झगड़ा नहीं है। सिवाय भी मण्डली की आर्थिक अवस्था सन्तोषजनक नहीं है। गिरजा उपस्थिति, मध्याह्न संडे स्कूल, प्रार्थना समाज प्रायः सबही मण्डलियों में जारी है। युवक समाज भी बराबर कितनी मण्डलियों में चलती है, युवक समाज के संचालक युवक ही हैं। बहुत मण्डलियों में इस समय मतवालापन का प्रभाव जोरों है, इस आधुनिक काल में व्यभिचार पाप के कारण ही अधिक ~~समाज~~ सजा पाते हैं। मण्डलियों में इस समय भाई बहिनों में स्वतंत्रता इतनी अधिक बढ़ रही है, कि सिनोद के अनुमति बिना भी ~~स्कू~~ गिरजा घर होते हुए, अपने सुविधा अनुसार दूसरा गिरजा घर बनाते हैं, और गिरजा भी करने लग जाते हैं। सिनोद यदि मंजूर न करे, तो आमदनी को भी रोकते हैं। ऐसों पर क्या कारवाई करना चाहिये?

मण्डली पैसा के विषय बराबर भाई बहिनों को हिदायत भी समझाया जा रहा है। कुछ ने थोड़े ~~२~~ खुशी से देते हैं और आशा करते हैं कि धीरे २ सब ही देने लगेंगे।

आर्थिक दशा— मण्डली आमदनी सन्तोषजनक नहीं है। ~~अ~~ पैदा की घटी होने के कारण, गिरजा सिरती, धड़ा सिरती और अन्य २ दान जैसा देना चाहिये, नहीं दे सकते हैं। आमदनी को ~~[illegible]~~ जांच करने और बढ़ाने के लिये, सिनोद के ले मेम्बरों को, सिनोद की ओर से ~~[illegible]~~ तीन २ या चार २ मण्डलियां उनके जवाबदेही में दे दिये हैं। वे बराबर उन मण्डलियों का देखरेख करते हैं।

मण्डलियों की आमदनी महिना २ पेरिस में और पेरिस से सिनोद में सेन्ट्रलाइज किया जाता है और सिनोद स्केल के अनुसार बांटती है। गत वर्ष ३ पैसा में १० आना या १२ आना तक कार्यकर्ताओं को मिला है। ऐसी परिस्थिति में सिनोद कार्यकर्ताओं को अपने २ मण्डली ही में बराबर रह कर काम करवाने में असामर्थ्य हो जाती है।

स्कूल:— किनकेल सिनोद के अन्दर जम्मा २७ स्कूल है, जिनको सिनोद की ओर से कुछ सहायता दिया जाता है। एक प्रस्तावित हाई स्कूल, एक प्रस्तावित मिडिल स्कूल, और १४ प्रैमरी स्कूल। इनमें १२ स्वीकृति, एक मिडिल २ अस्वीकृत है। ७ स्वीकृत स्कूलों को बराबर सहायता सरकार से दिया जाता है बाकी को अब तक सरकार से सहायता नहीं मिलता है। स्कूल में धर्म शिक्षा दिया जाता है पर बराबर सरकारी आफिसरों से डरते हुए करते हैं। C.C. शिक्षकों को विशेष हिदायत दे दें कि धर्म शिक्षा पर विशेष ध्यान ~~दिया जावे~~ दिया जाए।

~~[illegible]~~ सिनोद की बैठकी महिना २ किया जाता है।

[illegible signature]
[illegible]
23-2-56.

सिंगभूम सिनोड का रिपोर्ट पूर्णा चर्च कौंसिल के लिये।

— ० —

सिंगभूम सिनोड का क्षेत्र सिंगभूम, केउंझर तथा मयुरभंज जिलों में फैला हुआ है। बोनाइ के मल्दा, पनपोसी औ नदीडीह भी इसी सिनोड की देख रेख में हैं। क्षेत्र जिस तरह बड़ा है उसके हिसाब से इस सिनोड की दृढ़ीकृत संख्या केवल २२७७ है, जो बहुत कम है। इस सिनोड की मण्डलियां यहां वहां खदानों, जंगलों तथा कारखानों में छितरी हुई हैं। मण्डलियों के बनने तथा उठ जाने का कोई ठिकाना नहीं रहता। वैसे ही मण्डलियों के अंगों के घटने औ बढ़ने का कोई हिसाब नहीं। इसके कारण से अनेक जगहों में मण्डली पंचों का संगठन करना तथा गिर्जाआराधना का यथोचित रूप से स्थापित करना अति कठिन है। पर जहां खृस्तानों की संख्या अधिक है और भाइ-बहन अधिक दिनों ~~तक~~ से उसी जगह में रह गये हैं वहां मण्डली स्थापित कर दी गयी है और गिर्जाआराधना भाइयों के द्वारा हर हफ्ता चलायी जाती है।

सिनोड के अन्दर तीन पेरिस पादरी और केवल चार प्रचारक मण्डली के वेतन भोगी कर्मचारी हैं। अधिकांश जगहों में पंचों के जरिये ~~मिशन का~~ मण्डली के सब काम चलाये जाते हैं। इन पंचों को धर्म शिक्षा दे कर योग्य स्वयं सेवक तैयार करने की आवश्यकता दीख पड़ती है। ऐसा करने से हर कहीं ठीक रीति से गिर्जाआराधना हो सकती है। अगर प्रचारक ही बहाल करने का ख्याल किया जाए तो ~~[illegible]~~ हर जगह के लिये प्रचारक नहीं बहाल किये जा सकते हैं क्योंकि खृस्तानों की संख्या मण्डलियों में बहुत कम है हां वे मण्डली कहलाने के समान भी नहीं हैं।

सिनोड सभा बाकाएदे तीन महिने में एक बार भिन्न भिन्न जगहों में बैठती है। सिनोड-कार्यकारिणी आवश्यकतानुसार बुलायी जाती है। इस सिनोड की पेरिश सभायें अपनी सुविधे के अनुसार बुलायी जाती हैं। वे अपने पेरिश के सम्पूर्ण खर्च का भार आप उठाती हैं। और हर एक पेरिश अपना ठहराया हुआ दान सिनोड सभा को देती है जिससे सिनोड अपना काम संभालती है। सिनोड के जिम्मे राज्यवृद्धि का काम संभालना, चाइबासा के

स्कूलों को देना, सिनोड प्रेसिडेन्ट के तलब की पूर्ती करना तथा सिनोड बैठकों के खर्च को देखना है। वह चर्च कौंसिल तथा पेरिशों के साथ अपना सम्बन्ध बराबर ठीक रखने का कोशिश करती है। सिनोड के अन्दर कोई खास मामला नहीं है।

सिनोड के अन्दर हरएक मंडली में गिर्जा घर नहीं है। अनेक जगहों में गिर्जा भाइयों के निज घरों में बड़ी कठिनता के साथ की जाती है। ऐसे स्थानों में गिर्जा घर बनाने के लिये जगहों का बन्दोवस्त करना अति जरूरी दीख पड़ता है। अगर स्थायी जगह मिल सके तो अच्छी बात, अगर ऐसा न हो तो अल्पकालिक प्रबन्ध भी लाभ का हो सकता है।

सिनोड की तकलीफ, इन बातों में है:— १, हर कहीं मंडलियां स्थायी रूप से नहीं है।

२, मंडली के अंग तब तक उस मंडली के अंग हैं जब तक उनकी नौकरी, वहां बनी रहती है।

३, खदहान और कारखानों में हमारे भाइबहनों को जब तक वहां ठहरने लायक काम नहीं मिलता, उनका सम्बन्ध मंडली के भाइबहनों के साथ मेहमान के रूप में रहता है।

४, इस सिनोड के अन्दर भाइ-बहन सब प्रकार की जातियों के बीच रहते हैं। उनको अन्यजातियों का रहन सहन और खाना पीना कठिन परीक्षा में गिरने का कारण हो जाता है।

(५) हर जगह हमारे ख्रस्तान भाइ-बहन कम्पनी तथा ठिकेदारों के आईन कानूनों से बन्धे रहते हैं वे स्वतंत्रता पूर्वक मंडली के कामों में मदद नहीं दे सकते न गिर्जा आराधना ही में उपस्थित हो सकते।

(६) अनेक लोग खाना खाने वाले अपने को छिपा के रखते। उनका पता लगाना कठिन हो जाता जब तक कि वे अपने को प्रगट न करें अथवा जिन मंडलियों से वे भाग कर आते हैं, उनसे हमें रिपोर्ट नहीं मिलती है। चर्च कौंसिल ऐसी बातों के लिये मदद देने का प्रबन्ध कर दे।

M. Tirkey
President
Singhbhum Synod
22/2/56.

Purulia
Manbhum Synod
23-2-56.

To,
The Secretary C.C.
G.E.L. Church,
Ranchi.

महाशय,

आप को यीशुसहाय।

आपकी चिट्ठी नं० 591-614/56 ता० १४-२-५६ के अनुसार निम्न रिपोर्ट देते हैं :-

(1) सिनोड: (a) सिनोड के भीतर बर्त्तमान समय में २ पेरिश हैं जिन में ८ प्रचारकपन और ५ भोलनटियरें काम करते हैं। साधारणत: अभी प्रचारकपनों में मंडली का काम जैसा पहले काम किये जाते हैं वैसे ही काम होते हैं। सब प्रचारक केवल गिर्जे का काम करते हैं, राज्यबृद्धि के काम नहीं करते हैं। सब प्रचारक लोकल प्रचारक हैं।

(b) आत्मिक जीवन अभी तक मध्यम है। कोलफील्ड और इन्डस्ट्रियल एरिया में गोमोह, झरिया, कुल्टी, बर्नपुर, आद्रा, अनारा, ओंडाल, मानकर, पनागड, चितरंजन, सिन्द्री और बर्दवान हैं जहां भाईयों के द्वारा गिर्जा चलाये जाते हैं। उनकी आत्मिक जीवन मध्यम है। बाकी मंडलियों की हालत भी वैसेही है। मंडली के काम के लिये पंच लोग उत्तेजित किये जाते हैं पर अभी तक जैसा होना चाहिए वैसे हालत में नहीं आने सकते हैं। प्रभुभोज में भागी होनेवाले कम संख्या में आते हैं। गिर्जा आना जाना भी वैसा ही है। घड़ासिरकी का प्रचार हो रहा है। कोलफील्ड और इन्डस्ट्रियल एरिया में नहीं है। मंडली पैसा को आदाय करने के लिये बहुत कोशिश किया जा रहा है।

(c) कोलफील्ड एरिया में नागपुर के कितने ऐसे मिस्सट्रेसें और नर्सें काम करती हैं जो कलीशा के साथ संबन्ध नहीं रखते। कोशिश किया जाता है कि वे मंडली के अधीन रहकर अपना काम भी करें। उनके आत्मिक जीवन के बिषय शोचनीय है।

(d) आनन्द की बात है कि मानकर का C.M.S. के गिर्जे में गिर्जा करने का अनुमति हमको C.M.S. Mission Calcutta के अधिकारियों से मिला है और वहां प्रभु का काम किया जाता है।

(e) कुल्टी का Strike अभी तक जारी है, भाईयों का काम नहीं है, मंडली बुरी दशा में है। वहां से आमदानी की आशा नहीं है, फिर आद्रा, झरिया की हालत भी ठीक नहीं है। वहां से भी आमदानी नहीं आती क्योंकि दोनों अपने आमदानियों को गिर्जे के देनों में खर्च करते हैं। झरिया के गिर्जा की भाड़ा Rs 10/- p.m है और आद्रा का incomplete घर बनाया जाता है। बर्नपुर, ओंडाल और मानकर से एवरेज प्रत्येक स्थान से हर महीने 3) रु० आते हैं। पुरुलिया की मंडली से प्राय: 50) रु० या 60) माहवारी की आमदानी है। सफर में

प्रभुभोज और स्नान की आमदनी से सफर खर्च निकाला जाता है। बुड़दा पेरिश की आमदनी बुड़दा पेरिश खजांची के पास हिसाब करके सिनोड खजांची को हिसाब भेज दिया जाता है। वहां भी मंडलियों की हालत भी आमदनी के हिसाब से अच्छी नहीं है। वहां के कर्मचारी को भी मुश्किल ता है। वहां $\frac{1}{3}$ इनकम प्रचारक लेता है, $\frac{1}{3}$ मरामती खर्च होता है, और $\frac{1}{3}$ पादड़ी पाता है। गोस्सनर कलीशा की नियमानुसार सेन्ट्रालैजेशन नहीं है। सारांश में यही देते हैं कि पंच लोग इनकम बढ़ाने और मंडली में योश से काम करने नहीं चाहते और नहीं करते हैं। कर्मचारी लोग भी स्थानीय होने के कारण उसी ढंग में काम करते हैं। पादड़ियों के जीवन की चिन्ता बहुत कम किया जाता है। पादड़ी यदि टूर न करे तो जीना कठिन है इस प्रकार सिनोड की ~~*~~ अन्य मंडलियों को जो अन्य पेरिश में हैं सुपरभैज करने की कठिनता हो रही है। उचित है कि मंडली और पंच Finance सम्बन्ध में आप ही चिन्ता करें तब मंडली का काम ठीक चल सकता है, दोनो पादड़ी इसी अवस्था में कठिनता के साथ प्रभु की सेवकाई के काम करते हैं। प्रचारकों की हालत स्थानीय होने के कारण ठीक है पर पादड़ियों का केवल डेफिसिट ही डिफिसिट होता है जिसको भरने का उपाय कोई नहीं करता।

(b) जितने मंडली बाहर वाले हैं उनमें से ~~[illegible]~~ कितने मंडली ग्रहण किये गये और अधिकांश अभी तक पश्चाताप नहीं करते। फिर कितने ऐसे हैं जो बिलकुल गिर्जा आना ही वर्षों से छोड़ दिया है।

(2) अभी Synod के अन्दर केवल २ मिशन स्कूल हैं

(a) पुरुलिया U.P. स्कूल और रुदड़ा L.P. स्कूल।
पुरुलिया में ३ मास्टर २ मिस्ट्रेसस हैं और रुदड़ा में २ मास्टर हैं पुरुलिया का रोल नं. १७५ करीब है और रुदड़ा का रोल नं. ३० है। दोनों स्कूलों के मास्टरों और मिस्ट्रेसों को सरकार तरफ से कुछ aid मिलता है। पुरुलिया के शिक्षकों को aid और Synod से 40) चालीस रुपैया मिलता है। Synod में भी स्कूलों में हफ्ता १ घंटा धर्म विषय पढ़ाया जाता है जो Routine के बाहर है। इस Synod में स्कूलों की और भी दरकार है पर लोगों की चिन्ता न होने के कारण सब छात्र अन्य स्कूलों में चले जाते हैं।

(3) मंडली के काम के संबन्ध में ऊपर बर्णन किया गया पर विशेष करके इस Synod में Leprosy प्रायः हरेक हिन्दु गांवों में होने के कारण कोई E/W का काम करने नहीं चाहता है और करना भी असंभव है। राज्य वृद्धि की आशा नहीं है।

P. D. S. Bh[illegible]
Synod President
Manbhum

To

The Secretary
G.E.L. Church Ranchi.

महाशय,

आप की चिट्ठी No 599-614 तारीख 14 Feb.1956 के आदेश अनुसार मैं निम्न संक्षिप्त रिपोर्ट देता हूं।——

(1) Synod, Ilakas and Parishes.

सिनोद अब तक जड़ बन्धी हुई नहीं है इस कारण बनते जाते में रोग ग्रस्त और बहुत कमजोर है। समय समय इसकी बैठकियां होती हैं पर बिचार बिमर्स और कार्योन्नति में सरगर्म नहीं है।

इलाकाएं — (a) दो इलाकाएं हैं उनमें रांची इलाका की स्थिति प्रायः अच्छी है। आमदनी खर्च पूरी होती है। इलाका की बैठकी होती है पर रांची इलाका को अन्य इलाकाओं के समान जगह की सुबिधा नहीं है। पंचों के ठहरने औ बैठकी के लिये जगह की कमी के कारण यथोचित रूप से नहीं चलती औ चलाई जाती है। (b) लोहरदगा इलाका का क्षेत्र बिस्तृत है पर अबादी कम है इसकी कमाई इतनी भी नहीं कि मंडली कर्मचारियों को पाल सके। आर्थिक स्थिति इसकी बहुत बुरी है। आत्मिक बातों के लिये चिन्ता की जाती है पर जड़ नहीं बंधती है। धर्म की ओर लोगों का झुकाव जल्दी नहीं होता। इलाका ठंढा है। इलाका - आधे तलब पर कर्मचारियों से काम करा रही है। इलाका के पलामू क्षेत्र के लिये चर्च कौंसिल अगर जन औ धन से इलाका की मदद करती तो इलाका को इतना थकावट नहीं होती।

पेरिसें — दश पेरिसें थीं। पादियों की कमी से एक पेरिस अन्य निकटवर्ती

पेरिस में मिला दी गई है। अभी बर्त्तमान में नौ पेरिसें हैं। पेरिसें अपने अपने में प्राय: ठीक हैं। पेरिस पादरी अपने सौंपे हुए कामों को यथाशक्ति करते हैं। पेरिसों में मन्डार-चट्टी और चीकर पेरिसें कमजोर हैं। कहीं तो मेनकाई में कमी कहीं तो मंडली ही ऊसर भूमि के सदृश हैं। दो पेरिसों में बिशेष झगड़ा है कुड़ पेरिस के कोन्चा और कुड़ मंडलियों में और रानीखटंगा के काड़ी मंडली में। मंडा पेरिस के जयपुर में भी पुरानी झगड़ा अब तक है। ईश्वर को अत्यन्त धन्यवाद कि लाली पेरिस का एक गड़बड़ तुम्बागुटु (करमटोली) का गड़बड़ अन्त हुआ। फूट फाट मिलायी गई। एक मंडली हो गई है।

(II) High School and Primary Schools:- स्कूलों की दशा बहुत बुरी है। सिनोद वो इलाका से सम्बन्ध नहीं रखते हैं। धार्मिक शिक्षा नहीं दी जाती है। केवल पावना के लिये उनका सम्बन्ध सिनोद वो इलाकाओं से है और दूसरी किसी बात में नहीं है। स्कूलों का Deficit बहुत बढ़ गये हैं। इलाकाओं के आर्थिक स्थिति के कारण स्कूलों को Basic बेतन नहीं दिये जा रहे हैं इस कारण सरकार भी अपना देन बन्द कर दिया है जिससे स्कूलों की दशा अति सोचनीय हो गया है। लोहरदगा का हाई स्कूल बिकट बुरी दशा में है। आर्थिक दशा यहां तक बिगड़ी है कि उसको उठना-खड़ा होना मनुष्यीय बिचार और दृष्टि में असम्भव बूझ पड़ता है। आत्मिक जीवन तो उसमें है ही नहीं।

(III) Congrigational Work:- यह काम रांची इलाका के लाली पेरिस में आदर्श रीति से चलाया जाता है। लोहरदगा इलाका में हर बास विशेष करके लेन्ट में किया जाता है। साल में एक बार क्रूश सेना के द्वारा बैथल आशा के अवसर पर साक्षी का काम किया जाता है। ईश्वर त्राण पानेहारों को धीरे धीरे अपनी मंडली में लाता रहता है। पलामू को अधिकारी मिशन क्षेत्र कहते हैं पर जैसा कहते वैसा काम नहीं करते हैं। पलामू में सुसमाचार कार्य करना है तो अधिकारी जीव प्राण से जन और धन द्वारा काम करें। मुझे आशा है कि बहुत जल्द प्रभु के राज्य का बृद्धि होगी। इलाकाओं से आशा नहीं है। इति:

M.D. Lakra [illegible]

The Gossner Evangelical Lutheran Church in Chotanagpur & Assam.
Govindpur Synod.

Rev. S. Surin, *President*
Mr. J. Topno, *Secretary*
Mr. C. B. Horo, *Treas.*

G. E. L. CHURCH GOVINDPUR
P. O. JARIAGARH
DIST RANCHI.

Ref. No. ____________ *Dated* ____________

गोविन्दपुर सिनोड का रिपोर्ट

I सिनोड की बैठकी :- सिनोड की बैठकी हर महीना नहीं होता है पर 3 महीनों में एक बार बैठती है। गोविन्दपुर और मर्चा इलाका में बैठी। मर्चा इलाके के कितने सिनोड मेम्बरस सिनोड सभा की बैठकी में उपस्थित नहीं हुए है।

II सिनोड की मिनिस्टिरियम की बैठकी :- सिनोड सभा की बैठकी के समय बैठती है। पेरिस 2 में मराङली के काम के विषय बात-चीत होती है।

III इलाका सभा की बैठकी :- हर महीना बैठती है। मर्चा में भी इलाका सभा की बैठकी होती है।

IV कर्मचारी मिटिंग :- हर महीना, महीना के दूसरी हप्ता में बैठकी होती है जिसमें महीना भर के एतवारों के वचन का उपदेश तैयारी होता है। कर्मचारियों के लिये विशेष रीति से प्रभु भोज बाटा जाता है। प्रचारकों के साथ मराङली विषयक कामों का सोचविचार किया जाता है।

V आर्थिक हालत :- इस साल गृहस्तों की आर्थिक हालत ठीक नहीं है। मराङली के अनेक लोग जीविका के लिये आस्साम, खदान, जो चले गये हैं और जा रहे हैं। मराङली कर्मचारियों को पूरा तलप दिया गया है।

मर्चा इलाका में सेन्ट्रेलिजेशन नहीं है। जहाँ स्कूल है स्कूल के शिक्षक ही प्रचारक का काम करते है। मराडली आमदनी शिक्षकों में खर्च होता है। ~~पर पाद~~ हिसाब भी नहीं भेजा जाता है। पादियों की आर्थिक हालत अति बुरा है। सिनोड एलोटमेन्ट भी नहीं भेजा जाता है।

VI आत्मिक हालत :— मराडली में विशेष कर गोविन्दपुर इलाका में, कहीं ऐसा गड़बड़ नहीं है। कहीं 2 एक प्रचारक दो मराडलियों के जिम्मे में है। प्रचारकपन जहां खाली है प्रचारको की मांग करते है। आत्मिक जागृति मराडलियों में है। सन्डे स्कूलों पर बहुत जोर दिया गया है। गोविन्दपुर मराडली में बाल समिति हर थोड़े में, होता है। केवल लोकाश काम के लिये हर महीना चार दिन होता है तथा प्रभुभोज की तैयारी हर महीना में एक रोज होता है। स्कूलों में धर्म विषय पढ़ाई नाम के लिये हो रही है।
मर्चा इलाका में मास्टर प्रचार होने के काररा मराडली की सेवा उचित रीति से नहीं हो रहा है समुएल हेमरोम पार्टी ने मराडली को बहुत धक्का दिया है— आत्मिक जागृति अनेक मराडलियों में नहीं है। स्कूलों में धर्म विषय की पढ़ाई नहीं होती है

VII. मराडली पैसा— मर्चा इलाका में इस साल प्रोपागराडा शुरू हुआ है —। गोविन्दपुर इलाका में भी मराडली पैसा ठीक तहसील नहीं हुआ है। लोग देने के लिये रोकटोक नहीं करते हैं।

The Gossner Evangelical Lutheran Church in Chotanagpur & Assam.
Govindpur Synod.

Rev. S. Surin, *President*
Mr. J. Topno, *Secretary*
Mr. C. B. Horo, *Treas.*

G. E. L. CHURCH GOVINDPUR
P. O. JARIAGARH
DIST RANCHI.

Ref. No. ____________ *Dated* ....

कठिनाईयां :— ~~स्कूलों को~~ गोविन्दपुर सिनोड को स्कूल चलाने में सब से अधिक कठिनता है। हाई स्कूल में 300) का घाटा. मिडल स्कूल मे 150) रुपैयों की घाटा है अन्य पाठशालामें 45) रुपैयों की घाटा है। देहाती के स्कूलों का तो ~~आमों की~~ समस्य ही दूसरा है। स्कूल की घाटा दूर करने के लिये, मण्डली पंचों की आम सभा में चन्दा उठाने का फैसला है पर खेती उपज की कमी से चन्दा उठाने में अब तक असफल हैं।

S Surin
President
23/2

Hazaribagh Synod
का रिपोर्ट

मान्यवर
जी-ई-एल-चर्च कौंसिल-मेम्बरों-को-मौमुस्सलाय।

सीमाः— हजारीबाग सिनोड का क्षेत्र बहुत बड़ा है पर खिस्तानों की जन संख्या बहुत कम है। सिनोड के अन्दर केवल दो पेरिश हैं अर्थात हिंदपीढ़ी जो सिनोड का सेन्ट्र है। दुसरा, जोभिया जहां अभी कोई पादुरी नहीं है। एक ही पादुरी से समुचे सिनोड का काम होता है। हिंदपीढ़ी पेरिश में की मंडली उत्तर बिहार तक बिखरा है। इस पेरिश के अन्दर अवरख खान में काम करने वाले भाई बहिन हैं। जोभिया पेरिश में कोलियरी जगह बहुत है। समुचे सिनोड के अन्दर स्थायी मंडली बहुत कम है। नौकरी करने वाले भाई बहिन इधर उधर छितरे हुए हैं। गिरिडीह कोडरमा ढकिया और डाब आदि स्थानों में अवरख खान में काम करने वाले भाई भी बहिन पाये जाते हैं। [illegible], * गया में भी हमारे भाई बहिन हैं।
पटना में युनियन चर्च है वहां अच्छी रीति से गिरजा पंचों के द्वारा चलाया जाता है। दानापुर में बिहार रेजीमेन्ट का सेन्टर है वहां हमारे लूथेरान भाई हैं और कितने परिवार सहित हैं। गंगा के पार कटिहार पुर्णिया जिला में भी B.M.P. में कितने हमारे जवान हैं। इधर हजारीबाग के दक्षिण ओर और पूर्व ओर भी कई मंडलियां हैं। बेरमो, बेरबोमो, भुरकुंडा, सिरका और रेलीगढ़ा जो कोलियरी है वहां पर भी हमारे भाई बहिन काम करते हैं। एतवार छोड़ कर अन्य दिनों में भी कहीं कहीं वचन सुनाया जाता है और सकामेंट दिया जाता है।
दूर करने में बहुत खर्च है। यदि दूर खर्च भरपूर रहे तो आरा, छपरा, मुजफ्फरपुर और दरभंगा आदि जिलाओं में भी दौरा करके खिस्तानों को खोजा जा सकता है। खर्च ज्यादा होने से अभी उत्तर बिहार के कई जगहों में ~~नहीं पहुंच सकता है~~ * पादुरी जाने नहीं सकता है।

आमदनी— सिनोड के भीतर महवारी मंडली चन्दा उठाने का बहुत जोर दिया जाता है पर लोगों जैसा होना चाहिये वैसा नहीं होने पा रहा है कितने जगहों से महवारी चन्दा बराबर हो जाती है पर कितने जगहों से पादुरी के दूर के समय लाया जाता है। कई स्थानों में चंदा सिर्फ नहीं रखा जाती है। मंडली पैसा (हुण्डिका चन्दा) उठाने के लिये परिश्रम किया जाता है।

मिशन क्षेत्र— समुचे सिनोड के अन्दर ही मिशन क्षेत्र है और जोभिया के पादुरी की जगह विशेष कर मिशन ही क्षेत्र है। जोभिया पादुरी के लिये भी मिशन फिल्ड बोर्ड से तलब देने का है। [illegible] अभी जोभिया में पादुरी नहीं है इसलिये ~~[illegible]~~ का नहीं होने से मिशन फिल्ड ~~बोर्ड रेगुलर न होने से भी~~ ~~[illegible]~~ काम चलता है। आगे वहां पादुरी के रहने से मिशन फिल्ड बोर्ड रेगुलर जाने से ही पादुरी का तलब पुरा होने का संभावना है। इन मिशन क्षेत्रों में धर्म खोजकों की संख्या साल साल कुछ बहुत बढ़ता ही है।

सण्डे स्कूल— स्थायी मंडलियों में सण्डे स्कूल होता है। जहां जहां युनियन चर्च है वहां भी सण्डे स्कूल होता है। बहुत जगहों में नहीं होता है।

समाज— धर्म समाजों के लिये जोर किया जाता है। हर्षे के भीतर कोई एक दिन ठहराया गया है जिस रोज भाई बहिनों की सम्मिलित समाज है। युवक संघ अभी तक नहीं होने सक रहा है। महिला समाज भी अभी तक नहीं होने सक रहा है।

[Left margin notes: [illegible] हैं; ढें - हटुआ [illegible] के लिये [illegible] नहीं आ सका है]

P. T. O.

स्कूल — सिनोड के अन्दर केवल २ ही लोअर प्राईमरी स्कूल हैं। जिनमें से एक (मिंजाली का) ग्रांट मिलता है और बाकी के स्कूल प्राईवेट हैं। [illegible] नाटर आपही स्कूल चलाते हैं। मिंजाली स्कूल को सिनोड की ओर से ३०)१५ और डि. की सुपरिन्टेन्डेन्ट की ओर से १५) का मिलता है।

मिटिंग — सिनोड की पूरा बैठकी हर तीन महीने में होती है पर काम कारिणी सिनोड की बैठकी हर महीना होती है। उसी मिटिंग में आमदनी और खर्च का हिसाब किया जाता है। कर्मचारियों को पूरा पूरा वेतन देने की कोशिश किई जाती है।

स्टेशन कमिटी — मिंजाली स्टेशन कमिटी अभी हुई है। कमिटी कम्पाउन्ड के शोभा को बढ़ाने की कोशिश करती है पर आमदनी के कमी से काम जैसा होना चाहिये वैसा नहीं हो सकता है। हाता के अन्दर एक चौकीदार अथवा बगान के लिए माली रखा हुआ है जिसमें कि कम्पाउन्ड के गाछ वृक्ष रक्षा किये जावें। जितनी आमदनी होती है सब माली अथवा चौकीदार के वेतन में चला जाता है जिससे घर और मिशन वालों की मरम्मती चाहने पर भी नहीं हो सक रही है।

चर्च कौंसिल मिशन वालों की मरम्मती के उपाय करें।

मिंजाली में अभी एक पादुरी है अलावा अन्ड्रियस तापनो जो सरकारी कामों को कर रहा है। अच्छा होगा कि चर्च कौंसिल पादुरी को काम देवे अथवा उसके लिए क्या करना होगा चर्च कौंसिल उपाय सोचे।

प्रभु का धन्यवाद हो कि आर्थिक कठिनाईयां होने पर भी मराडली को संभाल कर रखा है। आगे भी प्रभु मराडली को संभाले रखे।

प्रभु में
आप का विश्वासी
N. Bhuinya
24-2-56
Synod President
H. Bagh Synod.

जी० एल० चर्च कुरुजु सिनोड का रिपोर्ट १९५५।

I कुरुजु सिनोड तीन इलाकों से बना है। कुरुजु, टोकद, और आमखेरा।

१ कुरुजु इलाका में छः पेरिश हैं। छः पेरिशों में एक पेरिश अर्थात पियांकेल बिना पादरी का है जिसका देख रेख तपकारा से होता है।

२ टोकद इलाका :- इस में दो पेरिश है अर्थात टोकद और तुजुर।

३ आमलेखा इलाका में तीन पेरिश हैं अर्थात, आमलेखा उम्कुलबहा और जिलिंगकेला। जिलिंकेला में पादरी नहीं है। इसका देखरेख आमलेखा से हो रहा है।

II कर्मचारियों की आर्थिक दशा अच्छी नहीं है क्योंकि उनको पूरा तलब नहीं दिया जा रहा है।

III Evangelistic Work :- इस काम के लिये C.C. से प्रति महिना १४७) रुपैया सहायता मिलती है। Evangelistic Work पन्द्राह जगहों से हो रहा है उनमें अधिकांश जगहों में स्कूल हैं जिनमें अखृस्तान लड़के और लड़कियों को धर्म की शिक्षा दिई जा रही है। इसका यही नतिजा हो रहा है कि कितने अखृस्तान लोग धर्म की ओर खींचे जा कर बप्तिस्मा पाये। न केवल स्कूल लड़के लड़की ही पर घराने भी खृस्तान हो रहे हैं।

Evangelistic work

IV स्कूल :- सिनोड के अन्दर मे कई एक प्रमारी स्कूल हैं, मंजूरी M.E. school तीन हैं। प्रोपोजड M.E. School दो हैं करंजटोली और तपकारा। जिनको मंजूरी के लिये Hd Supervisor काफी कोशिस में हैं। आशा है कि चंद दिनों में इनको स्वीकृति सरकार से मिल जायगी। इलाकाएं भरसक स्कूलों की सहायता में हांथ बटा रहे हैं पर ~~उनकी~~ पूरी सफलता को प्राप्त नहीं हुई है।

2 Prop. M.E. School

P.T.O.

Item V – XI for Act of Prop.

स्कूल की उन्नति के लिये सितोड से एक Education Board ~~कायम हुई~~ है।

V Station की रक्षा वो उन्नति के लिये Station Committee बनी हुई है। जो अपना काम कर रही है।

VI Synod Property को देखने के लिये Synod Property Board बनी है। और जहां २ प्रोपरटी हैं वहां Local Committee हैं। जो अपना काम करते हैं।

VII Burju Station :- Burju Station के दो बंगले हैं और Compound के दो तीन घर खाली पड़ा हुआ है गत बर्षों में बड़ी कठिनता से सम्भाले गये हैं। पर आगे अब बिना काम का खाली पड़ा हुआ है तो उसको संभालना कठिन जान पड़ता है। इस बिषय पर C.C. का ध्यान आकर्षित किया जाता है।

VIII खेतों की मरामति :- ससाटोली का खेत Board की मदत से कुछ मरामत किया गया है। पर और मरामत करने की आवश्यकता है।

IX तुउजुर :- तुजुर का खेत पिछले साल Board की सहायता से कुछ मरामत हो चुका है। पर और मरामत की आवश्यकता है।

X दियाकेल :- यहां का खेत बहुत बर्षों से मरामत नहीं हो सका है। पर मरामत अति आवश्यक है।

XI Station में कुवों का अभाव :- Burju Station के सब कुवों का पानी एकदम नहीं है। वैसा ही आमलेखा और टोकद की भी हाल है। इसका सुप्रबन्ध न करने से हाते में रहने वालों का आगे को रहना कठिन हो गया है। कृपया C.C. इस ओर ध्यान देवे।

XII Sunday School : प्रायः हर प्रचारक्षेत्र में सन्डे स्कूल चालू है। प्रचारकों से चलाया जाता है।

XIII युवक और युवती समाज ।:- अभी तक स्थापित नहीं हुआ है पर सम्मिलित समाज प्रायः कई प्रचारकपन में चलाया जा रहा है।

XIV बहिनों का समाज :- हरएक प्रचारकपन में बहिन समाज चालु है। इनका संगठन पेरिश और इलाका में भी है।

XV पेरिश मिटिंग, और प्रचारकपन को इलाका सभा की बैठकी होती हैं। कदमा को छोड़ कर समुचे सिनोड में नियमपूर्वक Centralisation हो रहा है।

XVI कर्मचारियों को शिक्षा क्लास :हर महिना इलाका स्टेशनों में होता है।

XVII Synod President का तलब तीन इलाकों में बांटा गया है। Burju Ilaka Rs 60/- p.m. Tokad Ilaka Rs 20/- p.m. और Amlesha Ilaka Rs 20/- p.m. पर सोचने की बात है कि Synod President का पूरा तलब जैसा मिलने का है वैसा नहीं मिल रहा है अर्थात Deficit में है।

XVIII Mandli Paisa :- Every effort is being done for the realisation of Mandli Paisa in accordance with the decision of Maha Sabha. It is hoped that in due course it would be realised successfully from all the Churches.

XIX. Synod Meeting. The Synod meetings are held twice in a year. The Executive meetings are held according to the need of the Synod.

P.T.O

XX. Synod Ministerium:- The Synod Ministerium meetings are held occasionally according to the need of the Synod.

XXI The Synod President is in charge of one of the largest Synod. He being now in his old age (56 years) it is too much a burden for him to be in charge of such Synod. It is a matter of worth consideration. He may either be transferred or pensioned as the house thinks best.

H. Topno
Synod President
Bengia
24/2/56

Report of the Western Synod.

पश्चिमी सिनोड में तीन इलाकाएं हैं,
(गुमला, चैनपूर और कोंडरा) पूरे सिनोड की
सेवा के लिये चार पादरी और 44 प्रचारक
हैं। पूरे सिनोड की आत्मिक दशा साधारण
है। जिसमें वचन का ठीक प्रचार है,
महीना मीटिंग के समय पंजिका के अनु-
सार ठहराये हुए वचन पर प्रचारकों को
धर्म शिक्षा दिया जाता है। फिर साल में
एक बार पूरे सिनोड के प्रचारकों का
बाइबल क्लास होता है। इस साल भी
12-18 March कोंडरा में बाइबल क्लास
होता है। बहिनों के बीच का काम
को ठीक करने के लिये इसी महीने
से बीस रुपया मासिक वेतन पर
एक प्रचारिका बहाल की गयी है।
पूरे सिनोड में बहिन समाज होता है
किन्तु जोश नहीं दिखाई देता है। संडे

स्कूल भी होता है, पर अच्छा नहीं है।
इलाकाओं के भाई बहिनों के बीच
में आत्मिक जागृति लाने के लिये
तीनों इलाकाओं में साल में लगातार
एक बार बाइबल क्लास होता है।
आर्थिक स्थिति — सिनोड भर के पादरी
प्रचारकों को तनख्वाह देने भर के
लिये आमदनी होती है, पर स्कूलों
को इलाका आमदनी से देने के कारण
कभी२ कष्ट सहना पड़ता है। सिनोड
कौंसिल का काम चलाने के लिये
तीनों इलाका को Synod allotment देना
है, पर दो तीन सालों से इलाका अपना
अलॉटमेन्ट देने नहीं सक रही है
जिसके कारण सिनोड कौंसिल का
काम ठीक ठिकाने से चलाने में
दिक्कत है।
स्कूल — सिनोड में दो High Schools

पांच मिडिल स्कूल और बारह प्राइमरी स्कूल हैं। इस छोटे सिरोंज में इतना अधिक मिशन स्कूलों होने के कारण एक भी स्कूल ठीक से नहीं चल रहा है। शिक्षकों का वेतन बहुत काफी है। धर्म विषय पढ़ाया जाता है पर नाम मात्र का ही स्कूल के लिये जोश है, पर गरी बातों के कारण और बहुत सालों तक चन्दा देने के कारण सब आर बाहिन थक गये हैं, जिसके कारण ऐसा दिखाई देता है कि सब स्कूल एक एक करके टूट के खतम हो जायेगा। गुरुनरा हाई स्कूल हेडमास्टर सिरोंज शहर के स्कूलों का सुपरवाइजर हैं। वे स्कूल के विषय में विस्तार पूर्वक लिखे हैं, जो C.C. में पढ़ने और सुनाने का है। वे अपनी राय भेजिये

मैं C.C. इस बार स्कूलों के विषय में गहरा सोच विचार करें कि भविष्य में स्कूलों को कैसे चलाना होगा।

सरकारी पैसा — थोड़ी सरकारियां हैं जो सरकारी पैसा का विरोध करती है, पर अधिकांश सरकारी देने के लिये राजी है, पर स्कूलों चन्दा घेरने के कारण बड़ी कठिनाई है।

शिक्षक को रु — C.C. से सरकारी रु.35/ दिया जाता है पर समय पर नहीं मिलता है, पर तौभी इसका उनका तलब दे देते हैं।

संक्षेप में कहूंगा, तो स्कूल की कठिनाई को छोड़ कर अन्य सभी काम प्रायः ठीक ही चल रहा है।

[illegible signature]
23/2/56
President
Western [illegible] Synod, Gumla

G.E.L. Church Council, Ranchi. 24-27 Feb 1956
खुरियोली सिनोड ।

I सिनोड — दो इलाकाओं की सिनोड है फिर भी छोटी है।

II सिनोड सभा की बैठकें — साल में दो बार बैठती है आवश्यक होने पर कार्यकारिणी सभा बैठती है। - इलाका और परिषद सभा की बैठकें हर महीना होती हैं तथा हर महीना इलाका कार्यकर्ताओं को शिक्षा क्लास ~~उपदेशों न~~ महीने भर के उपदेश तथा गीत गान और आराधना ~~के~~ गान की शिक्षा होती तथा अभ्यास होता है।

III बैबल शिक्षा — बीते साल से बहिनों का बैबल क्लास तीन दिन भर, युवा युवतियों का बैबल क्लास तथा सन्डे स्कूल शिक्षा क्लास को ट्रेनिंग दिया जो ठहराया गया।

IV सन्डे स्कूल — हर स्थान में है और ~~चलती है~~ उसके लिये चिन्ता की जाती है। अपना सिलेबस आप ही ठहराती है ~~उचित है कि~~ समूचे कलीसिया की ठहराई हुई सिलेबस होनी मिलनी चाहिये।

V स्कूल — यहां १ प्रस्तावित हाई स्कूल, १ स्वीकृत मिडिल स्कूल और १ प्रैवेट मिडिल स्कूल और ८ प्रैमरी स्कूल है जिनकी आर्थिक हालत एकदम बुरी है - वहां कोलियों हाई स्कूल का मैनेजिंग कमिटी नहीं बनी है मिडिल स्कूल की ग्रांट नहीं मिलती है जिसके कारण स्कूल की अवस्था बुरी होती है। फिर कि ~~शिक्षक~~ गुरुओं को जो पीछे पीछे बहाल हुए हैं D.A. और Enhanced Salary मिलने में कठिनाई ~~हुई है~~ होती जा रही है।

VI जयदाद — ~~मैनेजिंग~~ Station कमिटी है पर हुकुम और अधिकार में साफ रीति न होने से कठिनाई आने भी गयी है।

III-

VII आत्मिक जीवन — जातियारा भी राज्य करना चाहती है फिर शिक्षा भी अपने ओर खींचना चाहता है - जिसमें विशेष अधिक ध्यान देना चाहिये - खास कर के स्कूलों में धर्म की शिक्षा भी घटी है - राज्यवृद्धि के लिये चिन्ता करती है - दो राज्यवृद्धि प्रचारक मिले हैं और एक राज्यवृद्धि प्रचारक मिलनी चाहिये

VIII — सिनोड की आर्थिक अवस्था बुरी है - अपने

कोई कर्मचारी लोग, जांको तलब देने, पूरा देने में बिल्कुल असमर्थ हैं। यहां प्रचारक, पादरी और अगुवे नहीं गांवों में प्रचारक का काम करते हैं — जिससे ~~आर्थिक~~ आत्मिक जीवन गिरती जाती है।

आप का

M. Saup
Synod Sect.
Khuntki
23-2-1956

C.E.I. Church Council की मेरा पोस्टरमाया 35

में उडिसा सिनोद का संक्षिप्त रिपोर्ट देता हूं जो निम्न है:-

1. सिनोद में संगठन:— उडिसा सिनोद की इलाकायें पांच हैं जैसा राजगांगपुर, कवेपरी-जबाकुदर, झारसुगड़ा और सुनैत इनमें कर्मचारी दरकार अनुसार नियुक्त किये जाकर कलीसियों का काम उचित रूप से चलाया जा रहा है। सिनोद सेक्रेटेरियेट सब जगहों में है व प्रत्येक इलाका के हो टिकट इकट्ठा किया जाकर वहीं बटवारा होता है और सिनोद के केन्द्र के काम के लिये allotment ठहराये गये हैं। सिनोद, इलाका और पेरिश विभिन्न होते हैं जितना आवश्यक है।

आत्मिक दशा — आत्मिक दशा साधारण है। बेकारी और शहर जगहों के रविवार दिन में बाजार और बटवारी होने के कारण से ख्रीष्टानों के कामकर्ताओं के ध्यान में बहुत बाधित हो जाती है। प्रचार, सुसमाचार शिक्षा और ... का अनुष्ठान से चल रहा है। जागृति कलीसियाओं में है व जितना होना चाहिये उतना नहीं पहुंची है।

आर्थिक अवस्था — आर्थिक अवस्था गत दो वर्षों की कठिनाई के बाद से अब तक गिरी है। पूरा वेतन कर्मचारियों को नहीं मिलता है - कोई 2 इलाकाओं में 80%, 75% और 60% तक मिलता है। इस साल कुछ अच्छा जान पड़ता है।

सहायता पैसा —> शक्ति भर देने का कोशिश किया जाकर जो इकट्ठा होता है CC में भेजा जाता है।

स्कूल — 11 प्राइमरी स्कूल, दो 6 [illegible] के मिडिल स्कूल
सरकार से [illegible] [illegible] महिना 400/- सरकार से
पर मिलता है। पर पढ़ाई का medium
उड़िया हो गया। अतः इन स्कूलों को आगे बढ़ाने
~~में~~ सरकार से विशेष ध्यान देना पड़ेगा। बराबर
सरकारी [illegible] लोग स्कूल को [illegible] से निकालने
का कोशिश करते हैं। इसे स्कूल बन्द नहीं
किया गया है।

मिशन [illegible] — काम चल रहा है पर [illegible] [illegible]
महिला के का [illegible] मिलता है कौन ~~[illegible]~~
लोगों का भी अनेक महिला का [illegible] हो गया है।
जिससे कर्मचारियों को बड़ा दुःख है।
बड़ा [illegible] - [illegible] के 23 जन [illegible] हुए [illegible]
के [illegible] का काम करने का फैसला
[illegible] [illegible] ने किया है पर Baptist के
सम्मति न होने तक [illegible] [illegible] रहेगा।

[illegible] — यहाँ का काम बहुत विशेष ध्यान योग्य है
चार [illegible] उठा दिये जा रहे हैं — सरकार ने
उनके लिये [illegible] के अन्दर $\frac{60}{40}$ फुट जगह
दिया है - वहीं इनको ठीक से एक जगह बैठाना
है - जिला अधिकारियों और [illegible] से
बात चीत किया गया है। ताकि इनको भी
धरती [illegible] के नीचे रह जाये। यहाँ के

माहुयत को बहुत दुःख है - सरकारी अधिकारी
भी दुःख से और चाकरी देते हैं। विनोद
इस पर विशेष ध्यान दिया है और उचित बातों
के लिये सहायता के लिये सरकार के साथ
मिल होके उचित इंतिजाम कर रहा है।
एक मिसाल compound फुरस्त पानी से
होना चाहिये जिसके लिये विशेष पड़ी
काना जरूरी है। और व्यवस्थानो की
भी रक्षा होनी चाहिये

[signature]
26/7/86
Suprd Prasad

100 copies 35

To,
all the pastors of the G. E. L. Church
in Chotanagpur & Assam

~~My dear~~
Mere pyare Sangi padriyon ko mera
Yishusahay aur Shanti kamna
mile. Main aplogon se nimn baton
ki arj karta hun. Kripa karke aisa
bhejiye ki main unhen 5 January 1956
ke pahile paun.

I. 1954 Dec se 1955 November tak —
a. Kitni bar ap ki ~~Synod~~ Synod sabha baithi?
b. " ap ki Halka sabha huwi?
c. " " Parish sabha huwi?
d. Ap ko jane kitna talab ek 12 mahinon men mila?
Ausat mahina kitna huwa?

II 1954 Dec se 1955 November ~~ke~~
men ap ~~ke~~ ne kitna updesh
diya?
~~I~~ (a) Girja men?
~~b~~ (b) Samajon men?
(c) Unmen kitne updesh likhe huwe hain?

III Kya āp ke yahan koi aisi Mandli
anek
ya gauw ya gharon ke samuh
hain jinke snān, dirshitkaran, prabhu-
bhoj, shadi ityadi band hain?
Yadi aisa hai to kahan avashyak?
Aison ko sudharne ka kya upay
kar rahe hain?

IV Kya aisa log hain jinhen rupaiya
ityadi bharne ki saja di gayi
hai? Yadi hai to,
(a) Sajā ka karan kya hai?
(b) Kaisi sajā hai?
(c) Kisne sajā di?
(d) Sudharne ke kya upay
kiye gaye hain?

V Ap ko February 1956 ke Pastors'
Retreat men kya sikhne ki
ichha hai? Ap kin kin baaton
par Ministerium ki agwai
ya sallah mangte hain?

Ranchi, J. Lakra
President.

Note: Jo sawāl āp ke sath sambandh
nahin rakhte hain, unhen chhor dijiye.

2 Bengal

35 (1)

The G. E. L. Church in Chotanagpur & Assam.

June – Sept. का माहवारी रिपोर्ट ।

साल 1953

महीना June — Sept. 1953

इलाका Dooars

चेयर मेन D. Lakra

नोट—प्रति मास यह रिपोर्ट भरा जाय और सभों के रिपोर्ट एक ही लिफाफे में बन्द कर सिनोद प्रेसिडेन्ट के पास तुरन्तु भेज दिये जांय ।

(क) आप ने किस २ पेरिश का मुलहजा किया ? संक्षिप्त रिपोर्ट :— Bengal Synod, Dooars अभी संगठन के ख्याल से एक ही पेरिश का इलाका है। चेयरमेन आपने ही पेरिश के अन्दर मराउली २ का मुलहजा करता है।

(ख) इलाका बैठकी का संक्षिप्त रिपोर्ट :— इलाका हर माह में बैठती है। परन्तु कभी २ बगान की ओर से मेम्बरों को छुट्टी न होने के कारण बैठकी में हाजिर होने नहीं सकते हैं। जून और जुलाई महिना के बैठकी विशेष विषय बाबू भिकुर टोप्पो के मराउली ठहरा के निमित्त अर्जी पत्र पर विचार हुआ। फैसला हुआ कि भिकुर टोप्पो जब तक अपने पश्चाताप और मन फिराने की लक्षण न दिखावे तब तक

(ग) पाद्रियों की डायरी से कोई रिपोर्ट :— मराउली ठहरा न किया जाए। पादरी इलाका बैठकी में अपने महिना भर के दौरा का रिपोर्ट देते हैं।

(घ) पाद्रियों को कितना २ तलब मिला ? प्रचारकों को किस अनुपात से मिला ? पाद्रियों के नाम सहित रिपोर्ट :—

डूवर्स में एक ही पादरी Rev. D. Lakra हैं। जिनको पूरा तलब दिया जाता है। भिकुर-शरणा दल के प्रचारकों को छोड़ जितने प्रचारक इलाके में आते और सेन्ट्रलाइज करते हैं सब को पूरा तलब दिया जाता है।

(ङ) C. C. एलोटमेंट कितना भेजा गया :— 84) रु: —चौरासी रुपैया भेजा गया ।

(च) एन० एम० एस० बैबल सोसैटी, स्कूल आदि को कितना दिया गया ?

एन० एम० एस० और बैबल सोसैटी को कुछ नहीं दिया गया है। जुन से सेप्टेम्बर १९५३ तक स्कूल को ४९२) रु: चार सौ बानबे रुपैया दिया गया है।

D. Lakra

सही इलाका चेयरमेन

17/10/53

(2)

पेरिश Dooars

(छ) पेरिश में गिर्जा, सन्डे स्कूल, प्रार्थना समाज, और राज्य बृद्धि गिर्जा के बिषय संक्षिप्त रिपोर्ट :— थोड़ा

गिर्जा उपस्थिति मध्यम है। कोई २ बागान में रविवार को हफ्ते के बीच में गिर्जा होता है। सन्डे स्कूल बस्ति मण्डलियों में ठीक है और बागान के थोड़े मण्डलियों में होता है। प्रार्थना समाज की हाल सन्डे स्कूल ही समान है - राज्य बृद्धि गिर्जा की भी वही हाल है।

(ज) आप के पेरिश में सब दृढ़िकृत प्रभु की प्रार्थना, बिश्वास दर्पण और दस आज्ञाओं को जानते हैं ? अगर नहीं तो उनको सिखाने का क्या उपाय कर रहें हैं ?

प्राय: सब कोई जानते हैं।

(झ) मण्डली सुधार सम्बन्धी कर्रवाई का रिपोर्ट। किसने सजा पाई ? किस पाप के लिये ? कौन ग्रहण हुआ ?

मण्डली २ में जितने बिना सादी के रखना रखती हैं सब मण्डली बाहर में रहते हैं। जून से सेप्टेम्बर १९५३ तक में कै एक मण्डली में कै एक मण्डली बाहरवाले मण्डली-ग्रहण किये गये।

(ञ) मण्डली की बढ़ती-घटती सम्बन्धी रिपोर्ट :—

जून-सेप्टेम्बर के अन्दर जन्म से 17 प्राणी की बढ़ती हुई
धर्म खोजकों से — 13 " "
मृत्यु से — 4 " " घटती हुई

(ट) पेरिश के प्रचारकों को कितना २ तलब मिला ? नाम सहित रिपोर्ट :—

बगान के और बस्ती मण्डलियों के प्राय: सब प्रचारक पादरी प्रचारक हैं। जिनको 10) रु: दस रुपैया के हिसाब से दिया जाता है।

(ठ) घड़ा सिरनी जमा करने का क्या कैदा है :— कहीं २ पंचों द्वारा जमा करके वेदी पास लाते हैं और कहीं २ बहिनें आपही वेदी पास लाती हैं।

(ड) घड़ा सिरनी यथा शक्ति मिली ? इस महीने में कितना मिला ?

यथा शक्ति तो नहीं मिलती है - ~~क्योंकि बहुत बहिनों की आदतें अभी तक नहीं हुई हैं फिर~~

(ढ) जून से सेप्टेम्बर तक में जमा मिला = ४२४)॥ चार सौ चौबिस रुपैया, दो पैसा मिला।

(ण)

(त) यथा शक्ति न मिलने का क्या कारण है ? कारण दूर करने का क्या उपाय कर रहे हैं ?

बहुत बहिनों की आदत अभी तक नहीं हुई है।
फिर जब आटा खाते हैं तो रखते ही नहीं। समझाया जा रहा है कि हरएक घराने में बहिन इसकी आदत डालें। जो खाते हैं वही घड़ा सिरनी के नाम से रखें।

(थ) मण्डली पैसा यथा शक्ति मिला ? इस महीने में कितना मिला ?

यथा शक्ति नहीं मिला।
जून से सेप्टेम्बर तक में १५६॥-) एक सौ छप्पन रुपैया नौ आना मिला।

ता० 12/10/53

पेरिश पादरी की सही
D. Lakra
12/10/53

(3)

सिनोद का माहवारी रिपोर्ट।

(जानकारी के लिये)

नाम सिनोद   किस महीने का रिपोर्ट

१ कहां २ मुलहज़ा हुआ? संक्षिप्त रिपोर्ट :—

२ सिनद बैठकी का संक्षिप्त रिपोर्ट :—

३ पादरी प्रचारकों की डायरियों से कोई विशेष बातों का रिपोर्ट।

४ सिनद में आत्मिक जीवन के विषय कोई नोट :—

५ इस महीने में सिनोद में कितने धर्म्म खोजक हुए?

६ पादरियों के तलब नाम सहित :—

७ प्रचारकों को सैकड़े तलब कितना मिला :—

८ C. C. मेम्बरों ने क्या क्या काम किया?

६ C. C. एलौटमेंट इस महीने में कितना भेजा गया?

इस के पीछे वाला के रिपोर्ट देखें

इस पर कुछ रिपोर्ट है।

१० स्कूल में कितने रुपये की घटी हुई?
हाई स्कूल में..मिडिल स्कूल में—

११ सिनोद/इलाका से कितनी सहायता मिली? हाई स्कूल को................. मिडिल स्कूल को............

D. Rahwe

ता० 12/10/53

सिनोद प्रेसिडेन्ट।

12/10/53

(4)

35

सिनोद रिपोर्ट C. C. मीटिंग के लिये

(जानकारी के लिये C. C. मेम्बर लेकर आवें)

नाम सिनद Bengal Synod (Dooars) C. C. बैठकी की ता॰ 19th–22nd Oct. 1953

१ सिनोद की आत्मिक दशा पर संक्षिप्त रिपोर्ट— सिनोद के अन्दर आत्मिक सुधार और उन्नति के लिये बहुत कुछ लड़ना पड़ रहा है – क्योंकि सिनोद के अन्दर तमाम इसके बैरी फैले हुए हैं जैसे मतवालपन, अशुद्ध चाल और मिथ्या-विश्वास। तौभी प्रभु की कृपा और सामर्थ से सुधार उन्नति होती जा रहा है।

२ आर्थिक दशा पर संक्षिप्त रिपोर्ट पाद्रियों और प्रचारकों को पूरा तलब मिला।

अगर पूरा नहीं मिला तो सैकड़े में कितना मिला ?— सिनोद की आर्थिक दशा – रोज खोजा रोज खाया की है जिसके कारण मिशन जमीन खरीदने में जो करीब छः सौ रुपैया उधार किया गया है – सो अब तक बाकी है। पादरी और प्रचारकों को पूरा तलब मिला।

३ स्कूल रिपोर्ट— सिनोद के अन्दर अब तक में दो प्रैमरी और एक मिडिल स्कूल है जिसमें मिडिल सेक्सन अब तक प्रैवेट है और staff और छात्रों की भी घटी है। बाकी दो प्रैमरी स्कूल सिनोद ही से सम्भाली जाती है।

४ C. C. मेम्बरों ने क्या २ किया ? सिनोद का C. C. मेम्बर अभी नये चुने गये हैं अब तक सिनोद के अन्दर कोई विशेष काम उनका नहीं हुआ है। सिर्फ एक बार C. C. मिटिंग के लिये रांची गये थे।

५ कितने नये धर्म्म खोजक हुए ? अब तक में चार घराने धर्म खोजक हुए जिनमें कुल २१ प्राणी हैं। दो घरानों की आगस्त महीना में बप्तिस्मा हो चुका जिनमें १३ प्राणी हैं।

६ C. C. एलोटमेंट कितना दिया गया— ८४) रु: – चौरासी रुपैया दिया गया।

७ मण्डली में कोई बिशेष बातों का रिपोर्ट— सिनोद के अन्दर "~~मिकुर~~ – शरण" दल का उलझान अब तक चालू है। मिकुर होरो जो भी मण्डली ग्रहण के लिये अर्जी पेश किया था तौभी उसमें पश्चाताप और अपने दल से अलग होने का कोई लक्षण नहीं दिखाई देने के कारण सिनोद उसको मण्डली ग्रहण के लिये सिफारिश नहीं कर सकी है। शरण सुरिन भी अपना काम जारी रखा है और अपने दल के साथ सिनोद को और कौंसिल को भी मानने को तैयार नहीं है।

अभी दार्जिलिंग जिला के अन्दर समूचा तराई में लूथरान संगठन ~~को~~ बढ़ती जा रही है।

Calcutta Work— जो भी बंगाल सिनोद में गिना आता है – तौभी अब तक संगठन के ख्याल से बंगाल सिनोद (डुवर्स) के साथ कोई सम्बन्ध नहीं जोड़ा गया है। उसका पूरा सम्बन्ध और कारबार C. C. ही के साथ है और वर्तमान के लिये ऐसा ही रहना अच्छा है।

सिः प्रेसिडन्ट सिः सेक्रेटरी

ता॰

D. Lakra
12/10/53

P. Khess
12/10/53.

35

Gossner Evangelical Lutheran Church in Chotanagpur & Assam.
(Mission Estd 1945—Autonomous 1919)
ASSAM SYNOD.

OFFICERS.
President **Rev. S. Horo.**
Vice-President **Rev. A. Topono.**
Hony Secy. & Treasurer **Mr. M. D. Purti.**

G.E.L. Church Tezpur
P. O. Tezpur
Dt. Darrang

आसाम - सिनोड
ई. सी.
रिपोर्ट

Ref No. .... The.................................195

मह- मन्यवर - G. E. L. Church - President - साहब -
को - यीशु सहाय - ।
आसाम - सिनोड - से - ~~कोई~~ वर्तमान - E. C. से बनाये
हुए - प्र. म. में रिपोर्ट भेजा जा कि नहीं भेजा - जाता है. आरम्भ -
वर्ष - प्र. म. १० ओक्टोबर - को - पाया । - उक्त - प्र. म. का
पाते हैं कि दोनों इलाका के. पेरिसों में भेजा - गया - पेरिसों
इलाकाओं का आ. सिनोड का - रिपोर्ट ~~[illegible]~~ -
से. प्रति - महीने भेजा जायेगा । पेरिस - बैठकें मासवारी
है. इलाका - ~~कोई~~ - महीनावारी न हो है पर. तीन - महीनों - में
चाहे चार - महीनों में बैठती हैं । सिनोड. वरस - में: दो बेर
बैठती है. इससे. जैसे - २. रिपोर्ट - आयेगा. भेजा जायेगा - ।
वरवारी. पर - कार्य आरम्भ. इलाकाओं में: तीन - बेर
तक - चाहे. दो बेर तक - बैठती है. अगर - पूछा - जाय - तो
क्यों क जवाब - हुई. कि - आरम्भ - ।
आपर - आसाम - को - लोआर - आसाम - में - पेरिस. बैठकें
मासवारी - है. इलाका - पेरिसों का. पेरिस - हैं - से सेन्ट्रल
अपनी. को - तलप - बटवारा - पेरिस - को. खास - ही में
E. E. देने - को - इलाका - देने - उसी. दिन - निकाल - के
इलाका - खजान्ची - को. देने. का - हुकुम - दिया - इलाका
खजान्ची. को सिनोड. खजान्ची - E. E. देने भेजने
का - हुकुम - दिया - । पर - देखा - जाता - है कि
पेरिस - को - इलाका - अपना - देन - समय - पर - नहीं
भेजती है सिनोड. के. नाम. को इलाकाओं - के नाम -
में बराबर - पहुंच जाती है. और. नियम - के. अनुसार
E. E. खजान्ची. को - समय - नहीं भेजा - जा सकता है।

सिनोड. की. कायदा- अनुसार लिखी जाती है- ५२
अनसुनी कर देती है। लेकिन आपके इलाका. १९५३
से. आज तक का- हिसाब ~~नहीं दिए हैं~~ जो सिनोड
की मंजूर ही नहीं दिए। इसी प्रकार- इलाका- सिनोड- को
देने में हिचक- है। प्रति-सहयोग- सिनोड. को. देती है।।
ए.ए. को. मालूम- है- कि जिस- मनचार- पादरी. पौलुस
पूर्ती. तीन- बरस- की. छुट्टी में है- उस- को घर- छोड़ने
का- नोटिस- सिनोड. से. दिया- गया. तीन- में छोड़ने से
बदले में. आनंदी आश्रम- बंगला- को. गिरा दिए और- दूसरे-
घरों को भी अन्य- सामू- बूढ़ों- का. गिरा- दिए। ~~उसने~~
जो भी छुट्टी में है. तो भी. अपना नीज मतलब- से. ~~[illegible]~~
निरक्षर ~~खर्च~~- २००० रुपैया- तक- कीया- बनाते हैं
मुझ- को. सलाह पूछा- कि- मैं घर- बनाता हूं किराया
तब- मैं उठ जाऊंगा- इलाका. का. और आप- का. देख
जाऊंगा- मैं तो उसकी चिट्ठी. पाकर- सलाह- दे चाहिए
आप- स्थानीय. इलाका- आफिसरों को. और इलाका- को
पूछिए- आप- जवाब- आप- का देगी. उसने. किसी को
नहीं पूछा- न- चेयरमैन- को. न- इलाका- को।
~~[illegible]~~- घर- खड़ा किया। मैं तो और- एक- दूसरा
सलाह- दिया- कि- महाशय- आपने- सन्तानों के
बारह- भविष्य जीवन- के लिये. यहाँ वहाँ खेत टांड़
बनाने. के लिये- तीन बरस- का- छुट्टी- लिये। है क्या
आश्चर्य- बात- नहीं होती. कि- आपने यहाँ ही में घर
बनाते- तो. आप- के लिये आप- के- सन्तानों के लिये
हो जाता। इस- सलाह- को भी नहीं माना- ।
पौलुस- पादरी. ~~[illegible]~~ से- और. उसके. बालों- के बारह
से. इलाका- और. सिनोड. आति- दुखित- हैं- वे स्वयं
को किस- वचन- से. ~~[illegible]~~ तीन- बरस- की- ~~[illegible]~~ छुट्टी लिया
वैसा नहीं- रहते हैं. या नहीं. चलते हैं। विलक्षण उल्टा
~~[illegible]~~ विरुद्ध- चालते हैं- सो. मेरी. ए.ए. से. अरजी- है
कि- आशय- सिनोड. की. इस- दुःख- को. मिटा देने

Gossner Evangelical Lutheran Church in Chotanagpur & Assam.

(Mission Estd 1945—Autonomous 1919)

ASSAM SYNOD.

OFFICERS.

President **Rev. S. Horo.**

Vice-President **Rev. A. Topono.**

Hony Secy. & Treasurer **Mr. M. D. Purti.**

G.E.L. Church Tezpur
P. O. Tezpur
Dt. Darrang

Ref No. .... The 195

ओ. जैसे Gen. कमिशन नियुक्त कर- कारि मीटिं-
मेन देने का कृपा करें। जब-तक-की पुरनी-
रुलिया असोसियेशन में रहने हारे, अधिकारियों का
चैन नहीं होगा। आसाम सिनोड से नहीं हो सकता
है अधीन बना-रहे। कमिशन आने से कितने
और बातों का सिनोड रख सकते हैं * जो सिनोड
का दूसरा-कोस का भीतर-की बातें हैं।

१९५३ में सिनोड निम्न-लिखित- पादरियों- का
बदली किया -

मसवार- J. Tiru- Baithabhang - Ghaghra Shantipur
" X. Anand. Kerkela. Shantipur. - Rajabahar
" A. Turkey. Raidang. - Tinsukia
" A. Purti. Tinsukia se. Raidang.
" Y. Maraiya- मिशन की नौकरी में हो गए,
" P. Purti. नौकर- की छुट्टी में हैं।

N.B. — I जैसा छोटा नागपुर के- पादरियों- का G.E. बदली करती है- वैसा ही आसाम के- पादरियों- का बदली करने का अधिकार E.C. लेवे.

II आसाम- सिनोड को- भीतर- को चाहिए तीन-पादरियों का- कोना- परखा री हैं। इस- मांग को- G.E.C. पूरी करने का- चिन्ता- करे।

[signature]

P.T.O

PRESIDENT
G. E. L. CHURCH
ASSAM-SYNOD

Silas Horo.
Assam. Synod

3 CP

35

The G. E. L. Church in Chotanagpur & Assam.

माहवारी रिपोर्ट ।

साल ...1953...... महीना ...September...

इलाका ...Sarhapani... चेयर मेन ...Rev. P.W. Lakra...

नोट—प्रति मास यह रिपोर्ट भरा जाय और सभों के रिपोर्ट एक ही लिफाफे में बन्द कर सिनोद प्रेसिडेन्ट के पास तुरन्तु भेज दिये जांय ।

(क) आप ने किस २ पेरिश का मुलहजा किया ? संक्षिप्त रिपोर्ट :—

(ख) इलाका बैठकी का संक्षिप्त रिपोर्ट :— सेन्ट्रालाईज करने का कायदा पास किया गया। उदयपुर पादरी को वहां उदयपुर में रहने का फैसला हुआ।

(ग) पादियों की डायरी से कोई रिपोर्ट :— x

(घ) पादियों को कितना २ तलब मिला ? प्रचारकों को किस अनुपात से मिला ? पादियों के नाम सहित रिपोर्ट :—

पूरा नहीं मिला। पूरा मिला Rev. P.W. Lakra Rs 35/

Rev. P.U. Kuzur Rs 25/

(ङ) C. C. एलोटमेंट कितना भेजा गया :— १९५२ + १९५३ का C.C. [illegible] दे करवाया गया।

(च) एन० एम० एस० बैबल सोसैटी, स्कूल आदि को कितना दिया गया ? x

सही इलाका चेयरमेन

Rev. P.W. Lakra

सिनोद का माहवारी रिपोर्ट।

(जानकारी के लिये)

नाम सिनोद C. P. किस महीने का रिपोर्ट

१ कहां २ मुलहजा हुआ? संक्षिप्त रिपोर्ट :— कहीं मुलाहजा नहीं हुआ।

२ सिनद बैठकी का संक्षिप्त रिपोर्ट :— x

३ पादरी प्रचारकों की डायरियों से कोई बिशेष बातों का रिपोर्ट। x

४ सिनद में आत्मिक जीवन के विषय कोई नोट :— आत्मिक-जीवन प्राय: अच्छा रहा है।

५ इस महीने में सिनोद में कितने धर्म्म खोजक हुए? 35

६ पादियों के तलब नाम सहित :— Rev. P. Rahra - Rs 30/
Rev. P. U. Kujur. Rs 25/

७ प्रचारकों को सैकड़े तलब कितना मिला :— पूरा

८ C. C. मेम्बरों ने क्या क्या काम किया? x

६ C. C. एलोटमेंट इस महीने में कितना भेजा गया? पूरा कटवाया गया।

१० स्कूल में कितने रुपये की घटी हुई? है. तलब मिला।
हाई स्कूल में.................................मिडिल स्कूल में—

११ सिनोद/इलाका से कितनी सहायता मिली? हाई स्कूल को.......x....... मिडिल स्कूल को.....x.....

Rev. P. Rahra
सिनोद प्रेसिडेन्ट।

ता० 16-10-53

3CP

35

The G. E. L. Church in Chotanagpur & Assam.

माहवारी रिपोर्ट ।

साल 1953 महीना September

इलाका Sarhapani चेयर मेन Rev. P.W. Lakra

नोट—प्रति मास यह रिपोर्ट भरा जाय और सभों के रिपोर्ट एक ही लिफाफे में बन्द कर सिनोद प्रेसिडेन्ट के पास तुरन्तु भेज दिये जांय।

(क) आप ने किस २ पेरिश का मुलहजा किया ? संक्षिप्त रिपोर्ट :—

(ख) इलाका बैठकी का संक्षिप्त रिपोर्ट :— सेन्ट्रालाईज करने का कायदा पास किया गया। उदयपुर पादरी को वहीं उदयपुर में रहने का फैसला हुआ।

(ग) पादियों की डायरी से कोई रिपोर्ट :— X

(घ) पादियों को कितना २ तलब मिला ? प्रचारकों को किस अनुपात से मिला ? पादियों के नाम सहित रिपोर्ट :—
पूरा नहीं मिला। पूरा मिला Rev. P.W. Lakra Rs 35/
Rev. P.U. Kujur Rs 25/

(ङ) C. C. एलोटमेंट कितना भेजा गया :— १९५२ + १९५३ का C.C. द्वारा से करवाया गया।

(च) एन० एम० एस० बैबल सोसैटी, स्कूल आदि को कितना दिया गया ? X

सही इलाका चेयरमेन

Rev. P.W. Lakra

Rec. 20/10

35

सिनोद रिपोर्ट C. C. मीटिंग के लिये

(जानकारी के लिये C. C. मेम्बर लेकर आवें)

नाम सिनद बुजु   C. C. बैठकी की ता० १९-१०-५३

१ सिनोद की आत्मिक दशा पर संक्षिप्त रिपोर्ट—
(a) गिर्जा आना जाना – मध्यम
(b) मतवालपन – बढ़ते जा रहा है
(c) मतवालपन ~~और~~ रोकने और गिर्जा आने का प्रबन्ध हो रहा है जैसा – मतवालों का लिस्ट हरएक मण्डली में बनाया गया है और बनाया जा रहा है। टोला समाज पर बहुत जोर दिया गया है।

२ आर्थिक दशा पर संक्षिप्त रिपोर्ट – शोचनीय है पादियों और प्रचारकों को पूरा तलब मिला ? नहीं

अगर पूरा नहीं मिला तो सैकड़े में कितना मिला ?— ६० सैकड़ा मिला ४० सैकड़ा बाकी है। इतना खराब होने का कारण स्कूल है।

३ स्कूल रिपोर्ट— १ प्रोपोज्ड हाईस्कूल है, ३ रिकोकनाईज्ड मिडल स्कूल है, २ प्रोपोज्ड मिडल स्कूल है और ~~आनेक~~ ८ प्राईमरी स्कूल हैं – ५ प्रोपोज्ड हैं। आमलेसा इलाके का सब प्राइमरी स्कूलों को स्वीकृती मिल गई है – तथा आमलेसा प्रोपज्ड ~~स्कूल~~ मिडल स्कूल को भी स्वीकृती मिली है।

४ C. C. मेम्बरों ने क्या २ किया ?
C.C. मेम्बर ६ या ७ मण्डली में जाकर – मण्डली की लौकिक और आत्मिक उन्नति के लिये और वर्तिना को उत्साह करने में अग्रसर हुए हैं।

५ कितने नये धर्म्म खोजक हुए ?
सिनोड मिटिंग न होने के कारण इसका पूरा हिसाब नहीं हुआ है

६ C. C. एलोटमेंट कितना दिया गया— नहीं

७ मण्डली में कोई विशेष बातों का रिपोर्ट—
१, सुसमाचार प्रचार के लिये ~~एक~~ सेन्टर खोला गया है – उम्मेद है वहाँ एक पेरिस खोला जायगा। (सिलिगुड़ी)
२, ४ जगह राज्यवृद्धि दोल खोले गये हैं – वहाँ पर जमीन मिला है और ~~घर~~ बनाये गये हैं – स्कूल खोल दिये गये हैं – अफसोस – रुपैये की घाटी के कारण गुरुजी अपना हाई स्कूल को उठाने चाहते हैं – रेजल्ट – १००% हुआ है

Rev. H. Topno
सि: प्रेसिडन्ट   सि: सेक्रेटरी

ता०

सिनोद का माहवारी रिपोर्ट।

(जानकारी के लिये)

नाम सिनोद [illegible] किस महीने का रिपोर्ट जून - सेप्टेम्बर १९५३

१ कहां २ मुलहजा हुआ ? संक्षिप्त रिपोर्ट :— कहीं नहीं हुआ। [illegible] कारण। दूसरी दूसरी जगहों को मुलहजा करने को मौका नहीं मिला।

२ सिनद बैठकी का संक्षिप्त रिपोर्ट :— ×

३ पाद्री प्रचारकों की डायरियों से कोई बिशेष बातों का रिपोर्ट। ×

४ सिनद में आत्मिक जीवन के बिषय कोई नोट :— ×

५ इस महीने में सिनोद में कितने धर्म्म खोजक हुए ? 36

६ पाद्रियों के तलब नाम सहित :— [illegible]

७ प्रचारकों को सैकड़े तलब कितना मिला :— ×

८ C. C. मेम्बरों ने क्या क्या काम किया ?

९ C. C. एलोटमेंट इस महीने में कितना भेजा गया ? ×

१० स्कूल में कितने रुपये की घटी हुई ? आशा से अधिक भी घटी हुई।
हाई स्कूल में...मिडिल स्कूल में—

११ सिनोद/इलाका से कितनी सहायता मिली ? हाई स्कूल को........×........ मिडिल स्कूल को.........×....

Rev. P. W. Lakra
सिनोद प्रेसिडेन्ट।

ता० 16-10-53

35

सिनोद रिपोर्ट C. C. मीटिंग के लिये

(जानकारी के लिये C. C. मेम्बर लेकर आवें)

नाम सिनद C. P. C. C. बैठकी की ता० 19-10-53.

१ सिनोद की आत्मिक दशा पर संक्षिप्त रिपोर्ट— आत्मिक दशा प्रायः अच्छी ही है। सब मण्डलियों के लोग प्रभु की प्रार्थना, विश्वासदर्पण और दस आज्ञाओं को जानते हैं। गिरजा आना जाना और सन्डे स्कूल आदि प्रायः ठीक ही चलता है।

२ आर्थिक दशा पर संक्षिप्त रिपोर्ट अच्छी नहीं है। पाद्रियों और प्रचारकों को पूरा तलब मिला, कहीं २ मिला कहीं २ नहीं मिला।

अगर पूरा नहीं मिला तो सैकड़े में कितना मिला ?—

३ स्कूल रिपोर्ट— स्कूल की दशा अच्छी नहीं है। मंजूरी न होने के कारण लड़कों को दूसरे सरकारी स्कूलों में नहीं लेते हैं। शिक्षकों को तलब बहुत कम कम मिला।

४ C. C. मेम्बरों ने क्या २ किया ?

५ कितने नये धर्म्म खोजक हुए ? 36

६ C. C. एलोटमेंट कितना दिया गया— १९५२+१९५३ का पूरा C.C. ग्रान्ट से करवाने का लिखा गया।

७ मण्डली में कोई बिशेष बातों का रिपोर्ट— ×

सि: प्रेसिडन्ट Rev. Pirkaka

ता० 16-10-53

सि: सेक्रेटरी C. Tirkey

35

The G. E. L. Church in Chotanagpur & Assam.

माहवारी रिपोर्ट ।

साल 1953 महीना अगस्त

इलाका Ichkela चेयर मेन Rev. P.S. Kujur

नोट—प्रति मास यह रिपोर्ट भरा जाय और सभों के रिपोर्ट एक ही लिफाफे में बन्द कर सिनोद प्रेसिडेन्ट के पास तुरन्तु भेज दिये जांय ।

(क) आप ने किस २ पेरिश का मुलहजा किया ? संक्षिप्त रिपोर्ट :— मैं ने किसी पेरिश का मुलहजा नहीं किया है। पर माहवारी बैठकों से मालूम हुआ कि आर्थिक दशा के कारण [illegible] है। और इसी कारण प्रचारकों का भी स्थानान्तर हो कर रहना और पादरी का दूर करना भी कठिन हुई है।

(ख) इलाका बैठकी का संक्षिप्त रिपोर्ट :— इलाका में सेन्ट्रलाईजेशन होने की त्रुटि है उसी के त्रुटि को पूर्ती के लिये इलाका द्वारा प्रबन्ध की है फिर स्कूल मास्टरों की तलब की पूर्ती के लिये भी उपाय की जाती है पर असम्भव दीख रहे हैं।

(ग) पाद्रियों की डायरी से कोई रिपोर्ट :— ×

(घ) पाद्रियों को कितना २ तलब मिला ? प्रचारकों को किस अनुपात से मिला ? पाद्रियों के नाम सहित रिपोर्ट :—

(1) Khunia Parish Chairman Rev. I. Kujur को जून, जुलाई का तलब बिलकुल नहीं मिला है केवल अगस्त का पूरा मिला है वैसा ही वहाँ के प्रचारकों को भी।

(2) Ichkela Chairman Rev. P.S. Kujur को कितने महिनों में आधा तलब और इस महिने में केवल 20) रु. मिला है। वैसा ही यहां के प्रचारकों को कितने महिनों का तलब का आधा और इस महिने में आधा का फिर आधा तलब मिला है।

(ङ) C. C. एलोटमेंट कितना भेजा गया :— ———

(च) एन० एम० एस० बैबल सोसैटी, स्कूल आदि को कितना दिया गया ? ×

P.S. Kujur
सही इलाका चेयरमेन
17/10/53

35

The G. E. L. Church in Chotanagpur & Assam.

माहवारी रिपोर्ट ।

साल 1953 महीना June – Sept 53

इलाका Govindpur चेयर मेन C. K. Bhengra

नोट—प्रति मास यह रिपोर्ट भरा जाय और सभों के रिपोर्ट एक ही लिफाफे में बन्द कर सिनोद प्रेसिडेन्ट के पास तुरन्तु भेज दिये जांय ।

(क) आप ने किस २ पेरिश का मुलहजा किया ? संक्षिप्त रिपोर्ट :— (1) 13.6.53 Ko Jurdag gaye aur wahan ka office jandh kiya, bahan ko Lekha Maran Register aur dharam khojak Register nahin hain. Naye Registers kholne ko kaha gaya. 14.6.53 Rev. Junas Dang ka installation girja men huwa. Usi roj Rev. C. Ranjan Topno ka bidai upadesh tha. (2) Govindpur Parish ko Mulahaja kiya. Girja attendance achha paya. Mahangi ke karan mandli amdani gir gai. Pracharak meeting aur Parish meeting jaisa hona chahiye nahin hai.

(ख) इलाका बैठकी का संक्षिप्त रिपोर्ट :— June 10.6.53 Ilaka sabha baithi. 8.7.53 ko Ilaka sabha baithi. Bhari barsa ke karan August men meeting nahin hui. 9.9.53 ko Ilaka sabha baithi. Bishesh bat hui school kaise sambhala jayga. Fi ghar Rs 5/- chanda jama karne ka phaisla huwa hai. October se jama karna arambh hoga.

(ग) पादरियों की डायरी से कोई रिपोर्ट :— Meeting hi men padriyon ka Diary parha jata hai aur us par bichar kiya hai jab koi bishesh bat hai.

(घ) पादरियों को कितना २ तलब मिला ? प्रचारकों को किस अनुपात से मिला ? पादरियों के नाम सहित रिपोर्ट :— Padri aur pracharakon ko pura 2 talab mila.

(1) Rev. C.K. Bhengra 70/- × 4 = Rs 280/-
(2) Rev. N. Munda 70/- × 4 = Rs 280/-
(3) Rev. S. S. Soy 60/- × 4 = Rs 240/-
(4) Rev. J. Dang 60/- × 4 = Rs 240/-

(ङ) C. C. एलोटमेंट कितना भेजा गया :— nil

(च) एन० एम० एस० बैबल सोसैटी, स्कूल आदि को कितना दिया गया ?

N. M. S + Bible Society — nil
(1) High School — 200/-
(2) Middle School — 100/-
(3) Primary Schools — 255/-
Total 555/-

C. K. Bhengra
सही इलाका चेयरमेन

सिनोद का माहवारी रिपोर्ट।

(जानकारी के लिये)

नाम सिनोद Govindpur   किस महीने का रिपोर्ट June - Sept 1953

१ कहां २ मुलहजा हुआ ? संक्षिप्त रिपोर्ट :— Jurdag + Govindpur Parish dekhiye Ilaka reports.

२ सिनद बैठकी का संक्षिप्त रिपोर्ट :— Synod sangathan thik howe. Synod C.C. den dena chahiye.

३ पाद्री प्रचारकों की डायरियों से कोई बिशेष बातों का रिपोर्ट। — — —

४ सिनद में आत्मिक जीवन के विषय कोई नोट :— Atmik prayah achha hai

५ इस महीने में सिनोद में कितने धर्म्म खोजक हुए ? 21 Dharmmkhojak

६ पाद्रियों के तलब नाम सहित :— (1) Rev. C.K. Bhengra 70/- x 4 = Rs 280/-
(2) " N. Minz 70/- x 4 = Rs 280/-
(3) " S. S. Soy 60/- x 4 = Rs 240/-
(4) " J. Dang 60/- x 4 = Rs 240/-
Marha se hisab Ilaka se nahin mila

७ प्रचारकों को सैकड़े तलब कितना मिला :— Pracharakon ko September 53 tak pura 2 talab mila

८ C. C. मेम्बरों ने क्या क्या काम किया ?

९ C. C. एलोटमेंट इस महीने में कितना भेजा गया ? nil

१० स्कूल में कितने रुपये की घटी हुई ?
हाई स्कूल में Rs. 2761-12-0 मिडिल स्कूल में— Rs 1070-7-0
September tak total deficit hai par janna chahiye 1952 tak Visi patakar se pura talab mila hai.

११ सिनोद/इलाका से कितनी सहायता मिली ? हाई स्कूल को .... मिडिल स्कूल को ....
Govindpur Ilaka se — Govindpur High School Rs 200/-
" " " M. School " 100/-

C.K. Bhengra
सिनोद प्रेसिडेन्ट।

ता० 15. 1. 53.

सिनोद रिपोर्ट C. C. मीटिंग के लिये

(जानकारी के लिये C. C. मेम्बर लेकर आवें)

नाम सिनद Govindpur C. C. बैठकी की ता० 19.10.53

१ सिनोद की आत्मिक दशा पर संक्षिप्त रिपोर्ट— achha hai aur kahin 2 kharap bhi hai

२ आर्थिक दशा पर संक्षिप्त रिपोर्ट पादियों और प्रचारकों को पूरा तलब मिला। mila

अगर पूरा नहीं मिला तो सैकड़े में कितना मिला ?—

३ स्कूल रिपोर्ट— Synod Report men dekhiye

४ C. C. मेम्बरों ने क्या २ किया ? Rev. C.K. Bhengra ne bishesh karke Govindpur Parish ka mulhaya kiya

५ कितने नये धर्म्म खोजक हुए ? — 21 prani

६ C. C. एलोटमेंट कितना दिया गया— nahin.

७ मण्डली में कोई बिशेष बातों का रिपोर्ट— Barsat ke samay bhai bahinon ko bahut taklip huwa.

C. K. Bhengra
सि: प्रासडन्ट

[signature] 18.10.53
सि: सेक्रेटरी

ता० 15.10.53

पेरिश........Kotbo..........

June – September 1953

(छ) पेरिश में गिर्जा, सन्डे स्कूल, प्रार्थना समाज, और राज्य बृद्धि गिर्जा के विषय संक्षिप्त रिपोर्ट :—

सभी संस्थाएँ नियम पूर्वक पेरिश में चालू हैं पर प्रार्थना समाज जैसा चाहिए अब तक सब जगह नहीं है। केवल बहुतों को चालू है।

(ज) आप के पेरिश में सब दृढ़िकृत प्रभु की प्रार्थना, बिश्वास दर्पण और दस आज्ञाओं को जानते हैं ? अगर नहीं तो उनको सिखाने का क्या उपाय कर रहें हैं ? इन सब बातों को जानते हैं। गिरजा के बाद प्रश्नोत्तर गिरजा में प्राय: अभ्यास कराये जाते हैं।

(झ) मण्डली सुधार सम्बन्धी कर्रवाई का रिपोर्ट। किसने सजा पाई ? किस पाप के लिये ? कौन ग्रहण हुआ ?

१० जनों ने सजा पाया जिनमें ३ जनों का पुनर्ग्रहण हुआ। व्यभिचार और चोरी मतफत के कारण सजा में रखे गये।

(ञ) मण्डली की बढ़ती-घटती सम्बन्धी रिपोर्ट :—

मर्दुमशुमारी के अनुसार 1951 में बप्तिस्मा पाये हुए 2508, 1952 में 2419 प्राणी दृढ़िकृत 1951 में 1359 और 1952 में 1396 प्राणी हैं। घटती का सम्भव कारण जिविका के लिये बिदेश जाना।

(ट) पेरिश के प्रचारकों को कितना २ तलब मिला ? नाम सहित रिपोर्ट :—

स्केल अनुसार तलब और बोनस नियम पूर्वक पूरा पूरा दिया गया। (V पादरी दी) रु: प्रचारक M. Topno (B) 12-8-0, H. Aind, 25-0-0 (B) J. Kandulna 4-0-0, H. Barla 21-0-0, (B) S. Barla 4-0-0, (B) J. Kerketta 4-0-0, E. Horo 18-0-0, H. Topno 19-0-0 (B) Th. Topno 9.

(ठ) घड़ा सिरनी जमा करने का क्या कैदा है :—

हमारे पेरिश में हर कहीं घड़ा सिरनी बहुतों द्वारा उठाया जाता है।

(ड) घड़ा सिरनी यथा शक्ति मिली ? इस महीने में कितना मिला ?

घड़ा सिरनी मध्यम है इस महीने में 81 रु: 14 आ: मिला।

(ढ)

(ण) कितने नये धर्म खोजक हुए ? 21 धर्म खोजक हुए।

(त) यथा शक्ति न मिलने का क्या कारण है ? कारण दूर करने का क्या उपाय कर रहे हैं ?

गरीबी

(थ) मण्डली पैसा यथा शक्ति मिला ? इस महीने में कितना मिला ?

अब तक मिलता बाकी है इस महीने तक केवल 37-3-0 मिला है।

ता०....12-10-53....

Rev. S. S. Sog

पेरिश पादरी की सही

पेरिश........Govindpur........

June – September 1953

(छ) पेरिश में गिर्जा, सन्डे स्कूल, प्रार्थना समाज, और राज्य बृद्धि गिर्जा के विषय संक्षिप्त रिपोर्ट :—

પેરિશમેં - ગિર્જા, સન્ડે સ્કૂલ. પ્રાર્થના સમાજ- ઔર રાજ્યવૃદ્ધિ ગિર્જા હોતા હૈ

(ज) आप के पेरिश में सब दृढ़िकृत प्रभु की प्रार्थना, बिश्वास दर्पण और दस आज्ञाओं को जानते हैं ? अगर नहीं तो उनको सिखाने का क्या उपाय कर रहें हैं ?

સબ દૃઢિકૃત- પ્રભુકી પ્રાર્થના, વિશ્વાસ દર્પણ ઔર દશ આજ્ઞાઓં કો જાનતે હૈં
બારી૨ ગિર્જે મેં દુહરાયા જાતા હૈ।

(झ) मण्डली सुधार सम्बन्धी कर्रवाई का रिपोर्ट। किसने सजा पाई ? किस पाप के लिये ? कौन ग्रहण हुआ ?

બંગારુ કા- શિમોન કેરકેટા - રખની
મોચન વર્ડા કુરા - - - - રખની
ડેહકે પતરસ- આઇન્દ - - - વ્યભિચાર - - - પતરસ આઇન્દ
" " લિદિયા- તોપનો - - - "
ઉડીકેલકે અમૃતલાલ- હેમરોમ - - " - - - - અમૃતલાલ- હેમરોમ
ઉરમીકે કરુણા તોપનો - - " - - - કરુણા તોપનો
ગુડ્નીકે કરુણા વર્ડા - - "

(ञ) मण्डली की बढ़ती-घटती सम्बन्धी रिपोर्ट :—

બઢતી – નયાજન્મસે- ૨૬ } ૪૨
ધર્મલોજન- - " ૧૬ }
ઘટતી- મરન- સે - - - ૧૨

(ट) पेरिश के प्रचारकों को कितना २ तलब मिला ? नाम सहित रिपोर्ट :—

યોહન- હોરો ૨૫) કે દરસે ૨૦) સન્તોષ- આઇન્દ ૨૦) દરસે ७६) વિજયચન્દ આઇન્દ ૨૮) દરસે ७२) જયમસીહ સુરિન ૨) દરસે
યોહન- તોપનો ૨૭) " " ७६) અમૃતલાલ- મેંગા ૨૮) " ७२) નિર્મલ- હોરો ૨૮) " " ७२) પ્રેમચન્દ- હોરો ४) "
અસાબ- હોરો ૨૨) " " ७५) ફકુસ- આઇન્દ- ૨૫) " ६०) જયપાલ- હેમરોમ ૨૨) " ४४) પ્રભુદયાલ કેરકેટા ૨)
નિર્મલ આઇન્દ ૧૨) " ४२)

(ठ) घड़ा सिरनी जमा करने का क्या कैदा है :—

ઘડા સિરની તહસીલ કરકે લાયા- જાતા હૈ

(ड) घड़ा सिरनी यथा शक्ति मिली ? इस महीने में कितना मिला ?

(ढ) ઘડા સિર્ની યથા શક્તિ નહીં મિલા।

(ण) ~~ઇસ~~ ઇન મહીનોં મેં મિલા - - · ६६२ રુ० ११ આના- ८ પાઇ

(त) यथा शक्ति न मिलने का क्या कारण है ? कारण दूर करने का क्या उपाय कर रहे हैं ?

યથાશક્તિ ન મિલને કા- કારણ હૈ-
સબ ઘરોં સે તહસીલ નહીં આતા હૈ - - ગરીબતા સે
તહસીલ- કરને કે લિયે જોર દિયા જાતા હૈ - નદેને હારોં કો- સમઝૌતા દિયા જાતા હૈ।

(थ) मण्डली पैसा यथा शक्ति मिला ? इस महीने में कितना मिला ?

મણ્ડલી પૈસા- યથા શક્તિ નહીં મિલા। કાઇ લોગ- સાલ આખીર મેં દેતે હૈં।
ઇન ~~ઇસ~~ મહીનોં મેં મિલના- १८ રુ० ८ આના-

ता० 16. 10. 53

N. Munda

पेरिश पादरी की सही

पेरिश Jurdag
June — September 1953

(छ) पेरिश में गिर्जा, सन्डे स्कूल, प्रार्थना समाज, और राज्य बृद्धि गिर्जा के बिषय संक्षिप्त रिपोर्ट :—
पेरिश में गिर्जे की हालत हर प्रचारकपद का मध्यमावस्था में थी। सन्डे स्कूल सब प्रचारक पदों में चल रहा है। प्रार्थना समाज ? मण्डली में महिलाओं की युवकों का तो सभी का है। और २ प्रचारकपदों में वर्षा की वजह से कोई चलो कभी नहीं। नहीं तो केवल महिलाओं का है। एक दो प्रचारकपदों में ठीक अवस्था में कभी बिलकुल है। राज्य बृद्धि गिर्जा हर जगह चलता है।

(ज) आप के पेरिश में सब दृढ़िकृत प्रभु की प्रार्थना, बिश्वास दर्पण और दस आज्ञाओं को जानते हैं ? अगर नहीं तो उनको सिखाने का क्या उपाय कर रहें हैं ? कितने जानते हैं कितने नहीं। इसी गिर्जा में उनको सिखाये जाने को हर एक प्रचारक को उभारा जा रहा है।

(झ) मण्डली सुधार सम्बन्धी कर्रवाई का रिपोर्ट। किसने सजा पाई ? किस पाप के लिये ? कौन ग्रहण हुआ ?
किसी ने उपरोक्त ४ महीनों में नहीं पाया है। प्रीतमसहाय लेंगा और उसकी पत्नी मिथ्य विश्वास के पाप में गिरे हुए थे। ग्रहण किये गये

(ञ) मण्डली की बढ़ती-घटती सम्बन्धी रिपोर्ट :— मरना ६ ~~प्रासले~~ - प्राणीयों का हुआ - बपतिस्मा ७ बालकों का हुआ -

(ट) पेरिश के प्रचारकों को कितना २ तलब मिला ? नाम सहित रिपोर्ट :— M. Bhengra 83/8/3
Cate. A. Kerkell पाया - 62/6/9. Cate B. Kerketta पाया - 66/15/3. Cate. T. Horo पाया 34/1/6.
Cate. P.S. Baba 36/9/- Cate. C. A. Hemrom. ~~Cate. S. Aind~~ पाया 60/1/9
Cate. S. Aind पाया — 16/-/- Cate. Y. Horo पाया - 5/-/-

(ठ) घड़ा सिरनी जमा करने का क्या कैदा है :— किसी २ प्रचारकपद में उगाहया जाता है किसी २ में नहीं।

(ड) घड़ा सिरनी यथा शक्ति मिली ? इस महीने में कितना मिला ?

Ghara सिरनी अगस्त में 62-11-3
जुलाई में 48-8-9
जून - 60-9-9
Total 171-13-9

(ढ) यथाशक्ति न मिली

(ण) करीबन तिहाई हिस्सा मिला —

(त) यथा शक्ति न मिलने का क्या कारण है ? कारण दूर करने का क्या उपाय कर रहे हैं ?
कितने खुशी से देते और ~~जो~~ सावधान रहते। वे हमेशा देते हैं पर कितने शिथिल रहते और भार मालूम करते हैं। कारण दूर करने के लिये ईश्वर के वचन ही के द्वारा उन्हें उभारने की कोशिश किई जाती है

(थ) मण्डली पैसा यथा शक्ति मिला ? इस महीने में कितना मिला ? Rs 5-8-0 September में
यथाशक्ति नहीं मिली।

ता० 19-10-53

Y. Dang
पेरिश पादरी की सही

35

गोविन्दपुर सिनोद का संक्षेप रिपोर्ट।

प्रेसिडेन्ट महोदय,

तथा अन्य सदस्यों को मेरी ओर से यीशु-सहाय होवे। मैं इन चन्द शब्दों में गोविन्दपुर सिनोद का संक्षेप रिपोर्ट आप लोगों के सामने पेश करता हूं।

गोविन्दपुर सिनोद में गोविन्दपुर और मर्चा दो इलाके हैं और पांच पेरिश हैं। इसके अधीन सात पाद्री हैं उनमें से एक शिक्षक का काम करते हैं। समूचे सिनोद में अनेक प्रचारक हैं।

इस सिनोद के अन्दर ~~एक~~ दो हाई स्कूल, चार मिडिल स्कूल तथा अनेक प्राईमरी स्कूल हैं। प्राईमरी स्कूलों के देख-भाल के लिये सिनोद की ओर से एक स्कूल सुपरवाइजर हैं।

सिनोद के अन्दर प्रायः सब काम नियमित रूप से चल रहा है। सिनोद और इलाका बैठकी अच्छी तरह से होती है। प्रचारकपन तथा पेरिश बैठकी अभी तक ठीक से नहीं होने लगा है। उम्मेद है अविलम्ब इसमें सुधार हो जायगा। पाद्री, प्रचारकों के कामों को जांच करने के लिये हर इलाकी बैठकी में उनको कार्य तालिका तथा डायरी देखा जाता है।

आत्मिक जीवन का स्तर मध्यम है।

सिनोद की आर्थिक अवस्था अच्छी नहीं है। आमदनी काफी नहीं है जिससे सिनोद, सब कर्मचारियों का वेतन नहीं होता है। इस समय आमदनी उतनी ही है जितना से पाद्री प्रचारकों को वेतन किसी तरह हो जाय। स्कूल के कर्मचारियों को बहुत कम सहायता मिलती है। आर्थिक अवस्था की इस गिरी हुई दशा में सिनोद C.C. देन देने में असमर्थ पड़ा हुआ है। आर्थिक अवस्था की सुधार के लिये कोशिश की जा रही है। सिनोद के अधीनस्थ स्कूलों की आर्थिक अवस्था अत्याधिक सोचनीय है। सब हाई तथा मिडिल स्कूल में घाटा है। इसके लिये सिनोद कोशिश करते हुए भी असमर्थ है। प्राईमरी स्कूलों की स्थिति इससे और सोचनीय है।

इस समय सिनोद के अन्दर कहीं कोई गड़बड़ नहीं है। मर्चा का गड़बड़ को C.C. कमीशन ने शान्त किया, पर अभी तक कमीशन का फैसला पूरी रूप से कार्य में परिणत नहीं हुआ है। आशा की जाती है कि C.C. इसको पूरी रूप से कार्य में परिणत करने में मदद करेगी।

हम ईश्वर का धन्यवाद करें कि उसने अभी तक हमारी मंडलियों को सम्भाला है और उसे प्रार्थना करें कि आगे भी हमारी कलीसिया की रखवाली करें।

आप लोगों का विश्वस्त
प्र॰ शरण॰ बागे
17-10-53
सिनोद सेक्रेटरी
गोविन्दपुर

The G. E. L. Church in Chotanagpur & Assam.

माहवारी रिपोर्ट ।

साल 1953. महीना June – Sept. 53.

इलाका Singhani + Jobnia. चेयर मेन Rev. [illegible]

नोट—प्रति मास यह रिपोर्ट भरा जाय और सभों के रिपोर्ट एक ही लिफाफे में बन्द कर सिनोद प्रेसिडेन्ट के पास तुरन्तु भेज दिये जांय।

(क) आप ने किस २ पेरिश का मुलहजा किया ? संक्षिप्त रिपोर्ट :—

[illegible]

(ख) इलाका बैठकी का संक्षिप्त रिपोर्ट :— [illegible]

(ग) पादियों की डायरी से कोई रिपोर्ट :— [illegible]

(घ) पादियों को कितना २ तलब मिला ? प्रचारकों को किस अनुपात से मिला ? पादियों के नाम सहित रिपोर्ट :—

Rev. [illegible] — 100, 40, 837-9-3, 100.
50, 50, 50, 68-6-9,
Rev. A. [illegible] " — "
[illegible]

(ङ) C. C. एलोटमेंट कितना भेजा गया :— Rs 48 1952 [illegible]

(च) एन० एम० एस० बैबल सोसैटी, स्कूल आदि को कितना दिया गया ?

[illegible]

Rev. [illegible]
सही इलाका चेयरमेन

पेरिश......Sinshani + Jashpur.....

(छ) पेरिश में गिर्जा, सन्डे स्कूल, प्रार्थना समाज, और राज्य बृद्धि गिर्जा के बिषय संक्षिप्त रिपोर्ट :— साधारणता चलता है और जहां २ ढिले पड़ जाते हैं वहां फिर से चालू करना जारी किया जाता है।

(ज) आप के पेरिश में सब दृढ़िकृत प्रभु की प्रार्थना, बिश्वास दर्पण और दस आज्ञाओं को जानते हैं ? अगर नहीं तो उनको सिखाने का क्या उपाय कर रहें हैं ?
न जानने वालों को सन्डे स्कूल को समाज सभाओं में सिखाया जाता है।

(झ) मण्डली सुधार सम्बन्धी कर्रवाई का रिपोर्ट। किसने सजा पाई ? किस पाप के लिये ? कौन ग्रहण हुआ ?
एक जोड़ा बिना शादी रखनी रखा रखी के कारण छेक दिये गये हैं अर्थात Theophil Lakra और Sarmila. और Barnabas aur Saroj Surin ~~इनको ग्रहण करके शादी दिया गया।~~

(ञ) मण्डली की बढ़ती-घटती सम्बन्धी रिपोर्ट :— एक परिवार रोमन हो गये। ३ नये आत्मिकजन विश्वासियों में ४ आत्मिकजन हैं।

(ट) पेरिश के प्रचारकों को कितना २ तलब मिला ? नाम सहित रिपोर्ट :— A. Toppono, Iswariprasad Surin, Ishak Kujur, Nahum Toppo, ~~Premanand Hansda~~, Serju Tudu, Joshua Tuti, और ~~Premchand Hemrom~~ को [illegible] दिया गया।

(ठ) घड़ा सिरनी जमा करने का क्या कैदा है :— [illegible]
[illegible]

(ड) घड़ा सिरनी यथा शक्ति मिली ? इस महीने में कितना मिला ? June – Sept 52, Rs 90,15-6
यथा शक्ति नहीं मिली।

(ढ)

(ण)

(त) यथा शक्ति न मिलने का क्या कारण है ? कारण दूर करने का क्या उपाय कर रहे हैं ? गरीबी है और [illegible]

(थ) मण्डली पैसा यथा शक्ति मिला ? इस महीने में कितना मिला ? जून – सेप्टे – [illegible]
यथा शक्ति मिली।

ता०......[illegible]......

Rev. [illegible] for both Parish
....
पेरिश पांद्री की सही

सिनोद का माहवारी रिपोर्ट।

(जानकारी के लिये)

नाम सिनोद Hazaribagh

किस महीने का रिपोर्ट June–September 53.

१ कहां २ मुलहज़ा हुआ ? संक्षिप्त रिपोर्ट :— पटना, [illegible] — [illegible]

२ सिनद बैठकी का संक्षिप्त रिपोर्ट :— Patna [illegible]

३ पाद्री प्रचारकों की डायरियों से कोई विशेष बातों का रिपोर्ट। [illegible]

४ सिनद में आत्मिक जीवन के विषय कोई नोट :— [illegible]

५ इस महीने में सिनोद में कितने धर्म्म खोजक हुए ? [illegible]

६ पाद्रियों के तलब नाम सहित :—
Rev. L. Kongari July–Sept. 100, 40–, 83-7-9, 100. = 323-7-9
50, 40, 40, 88-6-9 = 218-6-9 } 541-14-6 (600).

७ प्रचारकों को सैकड़े तलब कितना मिला :— 221-14-6. (300)

८ C. C. मेम्बरों ने क्या क्या काम किया ? [illegible]

९ C. C. एलोटमेंट इस महीने में कितना भेजा गया ? 1952 का C.C. [illegible]

१० स्कूल में कितने रुपये की घटी हुई ?
हाई स्कूल में........................ मिडिल स्कूल में— L. P. School को
[illegible] 240 [illegible]

११ सिनोद / इलाका से कितनी सहायता मिली ? हाई स्कूल को.......... मिडिल स्कूल को.......
[illegible] 240/– [illegible]

Rev. L. Kongari
सिनोद प्रेसिडेन्ट।

ता० 11/10/53

सिनोद रिपोर्ट C. C. मीटिंग के लिये

(जानकारी के लिये C. C. मेम्बर लेकर आवें)

June – September 1953.

नाम सिनद Hazaribagh. C. C. बैठकी की ता०

१ सिनोद की आत्मिक दशा पर संक्षिप्त रिपोर्ट— [illegible]

२ आर्थिक दशा पर संक्षिप्त रिपोर्ट पादियों और प्रचारकों को पूरा तलब मिला नहीं।

अगर पूरा नहीं मिला तो सैकड़े में कितना मिला ?— [illegible] मिला

पादरी	600	541-14-6
प्रचारक	300	221-14-6

३ स्कूल रिपोर्ट— ~~Head Mistress~~ 1952 [illegible] 1.2-21-45 [illegible]

४ C. C. मेम्बरों ने क्या २ किया ? [illegible] B.M.P. [illegible]

५ कितने नये धर्म्म खोजक हुए ? 8 [illegible]

६ C. C. एलोटमेंट कितना दिया गया— [illegible] C.C. [illegible] Rs 481 [illegible]

७ मण्डली में कोई विशेष बातों का रिपोर्ट— I [illegible]

Sy. Treasurer [illegible] 1952 का C.C. ग्रान्ट 143x12 = 1716.

" " " " दिया गया 1252

due 464 — = 464-00

III [illegible] 1953 " " ग्रान्ट 143x12 = 1716

Sept. " तक " " दिया गया 1216

Synod [illegible] 1952 का [illegible] गया due 500 = 500-00

IV C.C. [illegible] Rev. A.M. [illegible] C.C. [illegible] → 964-00

48-00

Total due 916-00

[illegible] –18-6-9.

G. I. F. Book [illegible] 5-00

[illegible] 5-00

जमा 28-6-9. [illegible]

Rev. L. Kiragari

सि: प्रासडन्ट ....

J. Barwa

सि: सेक्रेटरी

ता०

Khuntitoly

The G. E. L. Church in Chotanagpur & Assam.

माहवारी रिपोर्ट ।

साल 1953 महीना September

इलाका Khuntitoli चेयर मेन M. Lang

नोट—प्रति मास यह रिपोर्ट भरा जाय और सभों के रिपोर्ट एक ही लिफाफे में बन्द कर सिनोद प्रेसिडेन्ट के पास तुरन्तु भेज दिये जांय ।

(क) आप ने किस २ पेरिश का मुलहज़ा किया ? संक्षिप्त रिपोर्ट :— इस महिने में सिर्फ खुटिटोली परिस का मुलहिजा किया - भाई बहिनों को गिरजा में तो पथ्थर पर दौन को कामकाज करना जरुर इस समय भारी है - मण्डली सजा भाई बहिनों को समझाया - फिर दो भाई और चार बहनों को मण्डली द्वारा किया । दो भाई बहन को मण्डली सजा दिया उन्होंने व्यभिचार का पाप किया । गोसनर्की जिला के बाद पिछलों के लिये बिनती और दान का चिन्ता किया ।

(ख) इलाका बैठकी का संक्षिप्त रिपोर्ट :— इस महिने में विशेष कर मिडिल स्कूल के गुरुओं के दरखास्त का बात विचार कि गुरु लोग H.M. P. Dungdung के अधीन एक सेकेंड भी रहना नहीं चाहते कारण कि वह गुरुओं पर अन्याय करते हैं - इलाका ने उनका दरखास्त को सच पाया । पितरस डुंगडुंग ने भी स्वीकार किया कि अन्याय किया । फिर कि हेडमास्टर जी ने इलाका को, स्कूल कमिटी और प्रेसिडेन्ट की आज्ञा न माना सो इलाका का संकल्प है कि वह यहां से हटा दिया जाय - सिनोड इसके लिये पुरा विचार करे ।

(ग) पादियों की डायरी से कोई रिपोर्ट :— कोई रिपोर्ट नहीं मिला ।

(घ) पादियों को कितना २ तलब मिला ? प्रचारकों को किस अनुपात से मिला ? पादियों के नाम सहित रिपोर्ट :—

पादियों का तलब - (1) ~~M. Soma~~ कुड़िया पादरी 17-8-6 (2) सोमा पादरी 7-11-0 (3) पादरी बागे 3-0-0. (4) समुएल डुंगडुंग कन्डिडेट 10-0-0

प्रचारक का तलब

(1) प्रभुसहाय टोप्पो 3-0-0 (7) स्तीफान कुजुर 6-14-0
(2) स्तीफान कुजुर 5-0-0 (8) बिमल एक्का 10-10-0
(3) याकूब किड़ो 3-0-0 (9) जुएल बागे 16-4-6.
(4) पतरस सुरिन 42-0-0 (10) अनेक लोग अनेक कारणों से नहीं आये ।
(5) आनन्दमसीह डुंगडुंग 9-0-0 (11) अनुपात नहीं हुआ - खर्च में एडमन्स कर गये
(6) जयमसीह डुंगडुंग 5-8-9 (12) नेमो समद प्रचारिका 4-0-0.

(ङ) C. C. एलोटमेंट कितना भेजा गया :— कुछ नहीं दे सके

(च) एन० एम० एस० बैबल सोसैटी, स्कूल आदि को कितना दिया गया ? किसी को कुछ नहीं दे सके ।

पादरी की सही

M. Lang
सही इलाका चेयरमैन
8-10-53.

पेरिश........Khuntitoli........

(छ) पेरिश में गिर्जा, सन्डे स्कूल, प्रार्थना समाज, और राज्य बृद्धि गिर्जा के विषय संक्षिप्त रिपोर्ट :— राज्यबृद्धि गिर्जा फिर से जारी किया जा रहा है सब काम चलता है।

(ज) आप के पेरिश में सब दृढ़िकृत प्रभु की प्रार्थना, बिश्वास दर्पण और दस आज्ञाओं को जानते हैं ? अगर नहीं तो उनको सिखाने का क्या उपाय कर रहें हैं ? जानते हैं

(झ) मण्डली सुधार सम्बन्धी करवाई का रिपोर्ट। किसने सजा पाई ? किस पाप के लिये ? कौन ग्रहण हुआ ?
मण्डली सजा - लकाश्री करकेटा और निर्मन्ती डुंगडुंग व्यभिचार के कारण. गांव करासाई.
मण्डली ग्रहण - मनासिद्ध मिंज, कल्यान मिंज, मागदली मिंज, असरिता मिंज, मेरबी मिंज और मरियम मिंज, गांव कमतारा, पाप व्यभिचार था।

(ञ) मण्डली की बढ़ती-घटती सम्बन्धी रिपोर्ट :— मण्डली को घटती नहीं है।

(ट) पेरिश के प्रचारकों को कितना २ तलब मिला ? नाम सहित रिपोर्ट :—

(1) प्रभुसहाय टोप्पो	3-0-0	(4) जयमसीह डुंगडुंग	5-8-9	(7) जुएल बरवो	16-4-6
(2) स्तेफान कुल्लु	5-0-0	(5) स्तेफान कुल्लु	6-14-0	(8) नेमी समद प्रकासित	4-0-0
(3) याकूब मिंज	3-0-0	(6) बिमल एक्का	10-10-0	(9) और किसने नहीं आये।	

(ठ) घड़ा सिरनी जमा करने का क्या कैदा है :— तहसील किया जाता है

(ड) घड़ा सिरनी यथा शक्ति मिली ? इस महीने में कितना मिला ? यथा शक्ति घड़ा सिरनी नहीं मिली कारण इन दिनों में अत्यन्त दुःख है आदमी व्याकुल हैं दुःख से।

(ढ)

(ण)

(त) यथा शक्ति न मिलने का क्या कारण है ? कारण दूर करने का क्या उपाय कर रहे हैं ? घड़ा सिरनी न देने की इच्छा नहीं है. खाना होने से घड़ा सिरनी देने लगेंगे।

(थ) मण्डली पैसा यथा शक्ति मिला ? इस महीने में कितना मिला ? नहीं मिला।

ता॰.....8-9-53.....

M. Xalxo
पेरिश पादरी की सही

सिनोद का माहवारी रिपोर्ट।

(जानकारी के लिये)

नाम सिनोद *Khutitoli* किस महीने का रिपोर्ट *Sep. 1953*

१ कहां २ मुलहजा हुआ ? संक्षिप्त रिपोर्ट :— केवल प्रचारक लोगों का [illegible] किया।

२ सिनद बैठकी का संक्षिप्त रिपोर्ट :— 2-10-53 को सिनोड मिटिंग थी। सिनोड C.C. मेम्बर [illegible] और C.C. मेम्बर का नया चुनाव हुआ। प्रेसिडेन्ट को चुनाव का भार C.C. को [illegible] दिया गया।

३ पादरी प्रचारकों की डायरियों से कोई बिशेष बातों का रिपोर्ट। कोई खास रिपोर्ट नहीं है। [illegible] के कारण प्रचारक लोग अधिक advance ले लेते हैं। जिस से ठीक ठीक व्यवहार नहीं हो सकता है।

४ सिनद में आत्मिक जीवन के बिषय कोई नोट :— आत्मिक जीवन प्रायः ठीक है पर मतवालापन जोर से चलता है। [illegible] के कारण गिर्जा जाने वालों की संख्या कम हो गया है।

५ इस महीने में सिनोद में कितने धर्म्म खोजक हुए ? नहीं हुए।

६ पाद्रियों के तलब नाम सहित :— अगस्त + सेपतेम्बर में बहुत [illegible] ज्यादा चला गया। [illegible] भुखमारी के कारण [illegible]
I. C.K. Zuria 17-8-6 A. Bage 3-0-0
II M. Ganga 7-11-0 Candi. S. Dungz Rs10/-

७ प्रचारकों को सैकड़े तलब कितना मिला :— Advance ज्यादा होने से अनुपात भी निकालते नहीं बना। तलब [illegible] के बाद [illegible] हो गया है। October में भी ऐसा ही होने का शक है।

८ C. C. मेम्बरों ने क्या क्या काम किया ? इस महिना में कोई C.C. मेम्बर नहीं थे।

९ C. C. एलोटमेंट इस महीने में कितना भेजा गया ? केवल Rs10/-

१० स्कूल में कितने रुपये की घटी हुई ?
हाई स्कूल में...Rs.10/...मिडिल स्कूल में—Rs5/-

११ सिनोद / इलाका से कितनी सहायता मिली ? हाई स्कूल को................ मिडिल स्कूल को............

A. Bage
सिनोद प्रेसिडेन्ट।

ता०...8-9-53...

सिनोद रिपोर्ट C. C. मीटिंग के लिये

(जानकारी के लिये C. C. मेम्बर लेकर आवें)

नाम सिनद Khuntitoli.　　　　C. C. बैठकी की ता० 2-10-53

१ सिनोद की आत्मिक दशा पर संक्षिप्त रिपोर्ट— आत्मिक दशा साधारण है। पहिले जैसा था वैसा ही है पर अकाल के कारण गिरजा जाना ढीला हो गया है। गिरजा ही के दिन जंगल चले जाते हैं और वहां ही कन्द आदि लाकर खाते हैं। खूब काल के दिन में कई ओर चर्चा मिला था उस में लोग बहुत उत्साह से आते थे। आशा है थोड़े दिन के बाद पहिले के ऐसे गिरजा आना जाना हो जायगा।

२ आर्थिक दशा पर संक्षिप्त रिपोर्ट　　　　पाद्रियों और प्रचारकों को पूरा तलब मिला। नहीं मिला

अगर पूरा नहीं मिला तो सैकड़े में कितना मिला ?— अनुपात में बांटना नहीं बना। अकाल के कारण आर्थिक दशा अति सोचनीय हो गया है। पादरी, प्रचारक मास्टर भूखों मर रहे हैं। भाई बहिनों को खाने का नहीं है। बीते बरस से ऐसा ही है। दोकान में चावल है पर दाम में खरीदने को लिये नहीं।

३ स्कूल रिपोर्ट— लाभ नहीं। जब तक भाई बहिनों के घर में खाने को नहीं होगा आर्थिक दशा ऐसा ही रहेगा। ऐसा मालूम पड़ता है कि ठीक खेती होने पर भी आगे कई बरस ऐसा ही भूखा रहेगा क्योंकि बहुत भाइयों ने अपना

स्कूल का रिपोर्ट अलग है इस लिये अलग कागज में है।

४ C. C. मेम्बरों ने क्या २ किया ? खेत और जायदाद को बेच डाले हैं

५ कितने नये धर्म्म खोजक हुए ?

६ C. C. एलोटमेंट कितना दिया गया— Rs 10/-

७ मण्डली में कोई बिशेष बातों का रिपोर्ट—

सिः प्रासडन्ट [illegible signature]　　　　सिः सेक्रेटरी [illegible signature]

ता० 8-10-53　　　　8-10-53

Pa 19/10 35

कम रु. में सिर्फ दो आठ कर्मचारियों का वेतन था। इस प्रकार से इलाका और सिलोंग के आम काम रुके हुए ~~हुए~~ हैं जैसा कि C.C. एलाटमेन्ट देना, राज्य वृद्धि क्षेत्र में गिरा बनाना। पर तीसरी नोवेम्बर दिसम्बर से कुछ कुछ भी देने के लिये शुरू कर दिया जायगा।

खुरिरोली

4 ——— स्कूल - मिडिल स्कूल, स्वीकृत स्कूल है पर उसकी व्यवस्था अति सोचनीय है अर्थात रोल कम है, गुरु ज्यादे हैं। पैसा ज्यादा दरकार है!! - कोई फ़ंड नहीं, न कोई स्रोत है। इसके अलावे स्कूल में विचित्र अवस्थाएं हैं अर्थात यहां के हेड मास्टर जी uncontrolable व्यक्ति बन गये, न वे प्रेसिडेन्ट के न इलाका के और मैनेजिंग कमिटी के शासन को मानते हैं - इलाका ने दो तीन दरखास्त उसके विरुध में आये, यह कहके कि प्रेसिडेन्ट ने हुकुम लिख रखा कि स्कूल के सब आमदनी सेक्रेटरी के पास डिपाजिट किया जाय और वही बांटे और उसके सिवाय दूसरा बांट नहीं सकता है पर उसने इसे भी नहीं माना। फिर इलाका ने हुकुम दिया कि स्कूल का आमदनी और खर्च बहियां ठीक किया जाय पर आज महीनों से ऐसा ही है - मैनेजिंग कमिटी ने उसे हुकुम दिया कि ऐसे ऐसे सब काम तुरत कर डालो पर दिखाई ~~कोई~~ दिया कि ऐसा ऐसा हुकुम कौन माने। आज गुरु लोग अपने क्लास का फीस आप वहसूल करते और खा जाते हैं - जिसके लिये अनेक झगड़ा और मुझे बुलावा, रिपोर्ट तथा दरखास्त भी होता है हाल में पर ~~[illegible]~~ कहके दरखास्त करते हैं हम हेडमास्टर P. Sungdung के अधीन एक सेकेंड भी नहीं रह सकते हैं क्यों कि उनकी अनीति हमसे बर्दास्त नहीं हो सकते हैं - वे फीस रखता पर

को जिम्मा देते
हेड मास्टर ~~पास आते~~ और उनको एक पैसा भी नहीं देते थे। - फिर भी उनके लड़के भी स्कूल के लिये बुरे नमूने के हुए हैं बुराई के लिये अपने लड़कों को कभी नहीं चिताते हैं। स्कूल की और मकानों की हानियां भी करते और उनके लिये समझाते तक नहीं; ~~से इलाका~~ मार पीट भी लड़कों को आरम्भ किया, जिससे लड़का स्कूलमें आना नहीं चाहते फिर पढ़ाई में भी ध्यान नहीं करते जिससे लड़के स्कूल में कम होते जाते हैं - शासन भी नहीं करते - इन कारणों से इलाका चाहती है वह तुरत हटा दिया जाय, उसके एवज एक मैट्रिक सीटी रखा जाय। जंघर के तत्व को जान को रख खोल नहीं सकते हैं। इसकी बात और नीति सुन देख के इलाका नहीं चाहती कि वह आगे खुटियालों में ~~रक्खे~~ रहे।

६ — ~~त~~ हाईस्कूल — मिडिल स्कूल में रोल कम होने से हाई स्कूल को अत्यन्त धक्का हुई है रोल कम है गुरुओं को खर्चा पुराना कठिन हो गया है। जैसा चाहिये वैसा यहां क्वालीफाइड गुरु नहीं है जिससे मंजूरी के लिये सरकार के सामने हाथ जोड़ने को साहस नहीं है। तौभी गुरु निराश नहीं है।

यह रिपोर्ट इसलिये पेश किया जाता है कि इलाका की सहायता और भलाई होवे।

आपका विश्वस्त
M Sangma
Chairman

A Sangma

The G. E. L. Church in Chotanagpur & Assam.

माहवारी रिपोर्ट ।

साल 1953.   महीना June to Sept 53

इलाका Kinkel   चेयर मेन ....

नोट—प्रति मास यह रिपोर्ट [illegible] सभों के रिपोर्ट एक ही लिफाफे में बन्द कर सिनोद प्रेसिडेन्ट के पास तुरन्तु भेज दिये जांय।

(क) आप ने किस २ पेरिश का मुलहजा किया ? संक्षिप्त रिपोर्ट :— जून से सेप्टेम्बर तक में जारासोली पेरिस के करमडीह मण्डली को देखा — और गिरजा आने और दान देने के विषय शिक्षा दिया।

(ख) इलाका बैठकी का संक्षिप्त रिपोर्ट :— इलाका को पेरिस की बैठकी बराबर होती हैं, और मण्डलियों को आत्मिक और आर्थिक बातों पर बराबर सोच विचार किया जाता है

(ग) पादियों की डायरी से कोई रिपोर्ट :—

(घ) पादियों को कितना २ तलब मिला ? प्रचारकों को किस अनुपात से मिला ? पादियों के नाम सहित रिपोर्ट :—
June से August तक [illegible] को 150/- Rs. & [illegible] को 90/-
प्रचारकों को सैकड़े 50% के दर वेतन दिया गया। आमदनी की घटी इतनी हो गई है कि उनके प्रचारकों को ऐसे महंगी के समय जीविका बातें सोचनीय हो गई हैं।

(ङ) C. C. एलोटमेंट कितना भेजा गया :—

(च) एन० एम० एस० बैबल सोसैटी, स्कूल आदि को कितना दिया गया ? जून से सितम्बर तक - 4 रु० 6 आ० [illegible] स्कूल को दिया गया, C. C. एलोटमेंट नहीं दिया गया है।

[illegible signature]
सही इलाका चेयरमेन

पेरिश...Jatakhi...........

(छ) पेरिश में गिर्जा, सन्डे स्कूल, प्रार्थना समाज, और राज्य बृद्धि गिर्जा के विषय संक्षिप्त रिपोर्ट :—
गिर्जाआनाजाना मध्यम है। सन्डेस्कूल, प्रार्थना समाज चलता है, राज्यवृद्धि गिरजा ~~हर~~ मण्डली में महिने में एकबार होता है।

(ज) आप के पेरिश में सब दृढ़िकृत प्रभु की प्रार्थना, विश्वास दर्पण और दस आज्ञाओं को जानते हैं ? अगर नहीं तो उनको सिखाने का क्या उपाय कर रहें हैं ? प्रायः सब जानते हैं।

(झ) मण्डली सुधार सम्बन्धी कर्रवाई का रिपोर्ट। किसने सजा पाई ? किस पाप के लिये ? कौन ग्रहण हुआ ?
अधिकांश व्यभिचार और मिथ्या विश्वास के कारण छोटी सजा में रखेगये हैं और ग्रहण भी होते जा रहे हैं।

(ञ) मण्डली की बढ़ती-घटती सम्बन्धी रिपोर्ट :— हाल में चार घरवाले S.P.G. Mission से Gossner church में आ गये हैं।

(ट) पेरिश के प्रचारकों को कितना २ तलब मिला ? नाम सहित रिपोर्ट :— पेरिश में 14 प्रचारक हैं। हरएक को सैकड़े 50) रु. ~~[illegible]~~ तलब मिला।

(ठ) घड़ा सिरनी जमा करने का क्या कैदा है :— अधिकांश मण्डलियों में तहसील होता है। छितरी हुई मण्डलियों में वहिनें आप पहुंचाती हैं। दो मण्डलियों में घड़ा ~~की~~ सिरनी की हाजिरी होती है जिससे आमदनी कुछ अच्छी है।

(ड) घड़ा सिरनी यथा शक्ति मिली ? इस महीने में कितना मिला ? घड़ा सिरनी निहायत ही गिरी हालत में है। भूख के कारण अभी तक घटी ही है।

(ढ)

(ण)

(त) यथा शक्ति न मिलने का क्या कारण है ? कारण दूर करने का क्या उपाय कर रहे हैं ?
घटी होने कारण भूख है पर विशेष कर भाईबहिनों ने अबतक दान देना नहीं सीखा है, आत्मिकजीवन की घटी है। परिश्रहबैठकी हर मण्डली में होती है, इसी अवसर घड़ा सिरनी तथा अन्य दानों और मसीही चालचलन आदि की शिक्षा दी जाती है।

(थ) मण्डली पैसा यथा शक्ति मिला ? इस महीने में कितना मिला ?
मण्डली पैसा यथाशक्ति नहीं मिला। इस महिने में कुछ नहीं मिला Nov. & December में तहसील होता है।

ता० 13-10-53

H. Dungdung
पेरिश पादरी की सही

सिनोद का माहवारी रिपोर्ट।

(जानकारी के लिये)

नाम सिनोद Kinkel किस महीने का रिपोर्ट — June to Sept. 1953.

१ कहां २ मुलहजा हुआ ? संक्षिप्त रिपोर्ट :— Jatathi पैरिसे के कमजोर मण्डली में का मुलहजा किया, स्वावलम्बन, और दान के विषय भाई बहिनों को गिरजा में समझाया।

२ सिनद बैठकी का संक्षिप्त रिपोर्ट :— यह सिनद, एक ही इलाका है, इसे सिनद हर महीना बैठती है और मेम्बरों की उपस्थिति भी सन्तोष जनक होती है। सिनोद बराबर कोशिश में है कि सिनद उठे। १९५३ के जून से हर एक मेम्बरों को दो, तीन मण्डली, उनके जवाबदेही में ~~सौंपते~~ सौंपा गया है ये मेम्बर आर्थिक और आत्मिक दोनों बातों का देख भाल बराबर करें, और सिनोद में उसका रिपोर्ट देवें।

३ पादी प्रचारकों की डायरियों से कोई बिशेष बातों का रिपोर्ट।

४ सिनद में आत्मिक जीवन के बिषय कोई नोट :— सिनोद में आत्मिक जीवन सन्तोष जनक ~~नहीं है~~ जैसा चाहिये नहीं है सिनोद कोशिश में है कि भाई, बहिन गिरजा विधि में ध्यान देवें, इसलिये स्नान भाइ के समय में भी उनसे ये बातें पूछी जाती और पंचों के सिफारिस पर सब काम किया जाता है, कोई डीमाटहें तो उसी के समय निवारण दिया जाता है, मतवालापन हो या पहिले से कमी है।

५ इस महीने में सिनोद में कितने धर्म्म खोजक हुए ? - इस महीने धर्म खोजक नहीं हुए, पहिलों का एक जन को बपतिस्मा दिया गया, जात बड़ाइक है।

६ पाद्रियों के तलब नाम सहित :— June to August. A. Kerketta 150/- Rev. H. Dungdung 90/-

७ प्रचारकों को सैकड़े तलब कितना मिला :— 1953 जनवरी से आमदनी की घटी से - सैकड़ा २०% के दर सभी को दिया गया है;

८ C. C. मेम्बरों ने क्या क्या काम किया ?

९ C. C. एलोटमेंट इस महीने में कितना भेजा गया ? इस समय आमदनी की घटी इतना है कि C.C. देने कुछ भी नहीं दे सके हैं। आशा है Nov. - December से देना आरम्भ किया जायगा।

१० स्कूल में कितने रुपये की घटी हुई ?
हाई स्कूल में........९६६)........मिडिल स्कूल में— जून से सेप्टम्बर तक ५६४) रु घटी

११ सिनोद / इलाका से कितनी सहायता मिली ? हाई स्कूल को....जून से सेप्टम्बर तक ९२०)....मिडिल स्कूल को........१५२) रु जून से सेप्टम्बर तक

A. Kerketta
सिनोद प्रेसिडेन्ट।

तां० 10/10/53

6/12/53

सिनोद रिपोर्ट C. C. मीटिंग के लिये

35

(जानकारी के लिये C. C. मेम्बर लेकर आवें)

नाम सिनद छिंदवाड़ा C. C. बैठकी की ता०

१ सिनोद की आत्मिक दशा पर संक्षिप्त रिपोर्ट— सिनद में आत्मिक जीवन की घटी है, जिसे मण्डली में भाई बहिनों का जीवन ईश्वर के वचन अनुसार नहीं है। और दान देने में भी कुछ चिन्ता नहीं करते हैं। प्रेम दया जो आत्मिक सेवाई के काम नहीं देखे जाते हैं। भाई बहिनों में सच्चाई दिनरदिपता जाता और छल कपट में बढ़ते जाते हैं। गिरजा, समाज प्राय: सब ही मण्डलियों में चलता है। पर वचन का असर कम है, लोगों में गिरजा जाना एक रीति हो गई है।

२ आर्थिक दशा पर संक्षिप्त रिपोर्ट पाद्रियों और प्रचारकों को पूरा तलब ~~मिला~~— नहीं मिला।

अगर पूरा नहीं मिला तो सैकड़े में कितना मिला ?— सैकड़े ५०) रु माहवारी मिला है

३ स्कूल रिपोर्ट— एल. पी. स्कूल ८ अभिज्ञात और ६ अनभिज्ञात, मिडल स्कूल २ अभिज्ञात और १ अनभिज्ञात, हाईस्कूल ८ जाती है २ अनभिज्ञात है। उपरोक्त स्कूलों को सिनोद से कुछ सहायता दि

४ C. C. मेम्बरों ने क्या २ किया ?

५ कितने नये धर्म्म खोजक हुए ? नये धर्म खोजक नहीं हुए हैं, पर पहिले ~~एक~~ एक जन हुआ था जात बड़ाईक है जून महिना में बपतिस्मा पाया।

६ C. C. एलोटमेंट कितना दिया गया— कुछ भी नहीं दिया गया है

७ मण्डली में कोई बिशेष बातों का रिपोर्ट— अगस्त ८ को ३.१०.९ से हमारी मण्डली में १४ प्राणी- जो कथोलिक से गये थे लौट ~~आये~~ हैं। हमारे सिनोद में कहीं २ के [redacted] भाई-बहिन, यदि कोई दोष में गिर गया, जैसे व्यभिचार आदि। मण्डली आइन अनुसार सजा दिया जाता है। ऐसे लोगों को भारी दण्ड (गांव वालों को न खिलावे) शहरा होने की सिफारिस नहीं देते चाहते हैं, ~~कुछ~~ यदि पादी बिना सिफारिस शहरा करे, तो मण्डली गड़बड़ उठती है। ऐसों के लिये क्या उपाय करें ?

M. Minz

सिः प्रांसडन्ट सिः सेक्रेटरी

ता० 10-10-53

by ~ 1/9/10

35

सिनोद रिपोर्ट C. C. मीटिंग के लिये

(जानकारी के लिये C. C. मेम्बर लेकर आवें)

जून से सेप्टम्बर ५३ का रिपोर्ट।

नाम सिनद कोरांजो   C. C. बैठकी की ता० १६-१०-५३ से 22-१०-५३।

१ सिनोद की आत्मिक दशा पर संक्षिप्त रिपोर्ट— सिनोड की आत्मिक दशा अधोलिखित बातों से प्रगट होती है:— (क) गिर्जा-हाजिरी --मध्यम है। (ख) प्रभुभोज में भागी होना – मध्यम है। (ग) सण्डे स्कूल ... मध्यमत: ठीक है। (घ) बहिन समाज ... मध्यमत: अच्छा है। (ङ) टोला-समाज ... नहीं है। (च) मतवालपन .... तेजी से बढ़ रहा है।

२ आर्थिक दशा पर संक्षिप्त रिपोर्ट

पाद्रियों और प्रचारकों को पूरा तलब मिला। प्रचारकों को जून से सेप्टम्बर तक पूरा तलब मिला है।

अगर पूरा नहीं मिला तो सैकड़े में कितना मिला?— पाद्रियों को जून का पूरा और जुलाई से सेप्टम्बर तक 60% मिला है।

३ स्कूल रिपोर्ट— १२ प्राइमरी स्कूल स्वीकृत हैं। १ मिडिल स्कूल स्वीकृत है। १ प्राइमरी (L.P.) स्कूल प्रस्तावित है। २ मिडिल स्कूल प्रस्तावित हैं। १ हाई स्कूल प्रस्तावित है। Koronjo M. E. और मु. E. को जुलाई तक आर्थिक सहायता दी गई है। बाकी स्कूलों को कोई मदद नहीं दी जाती है।

४ C. C. मेम्बरों ने क्या २ किया? — कुछ नहीं।

५ कितने नये धर्म्म खोजक हुए? कोई नहीं।

६ C. C. एलोटमेंट कितना दिया गया— कुछ नहीं।

७ मण्डली में कोई बिशेष बातों का रिपोर्ट— (क) लोम्बोई पेरिश में जून २५ से पेरिश चेयरमेन की जगह खाली है। Pastoral work suffer कर रहा है। (ख) कोरांजो पेरिश Synod President की ही देखरेख में है, इसलिए वे समूचे सिनोड में tour करने से सर्वथा लाचार रहते हैं। इसलिए Synod President को एक सहायक पाद्री मिलना चाहिये। (ग) सिनोड से एक प्रचारक समुएल डांग M.E. प्रचारक ट्रेंड को 20 अक्टोबर से सुरगुजा जाने के लिए छुट्टी मिल रही है।

सि: प्रेसिडेन्ट [signature]   सि: सेक्रेटरी H Samad

ता० 13/10/53   13/10/53

From:- Rev. P. D. S. Bage,
G. E. L. Church,

35

G.E.L. CHURCH
Purulia. 3A
15-10-53
MANBHUM SYNOD

To,
The Secretary C. C.
G. E. L. Church, Ranchi.

मानभूम Synod President का Report.
1953
x x x

मान्यवर महाशय,
आप को मेरा यीशुसहाय।
मैं अपने प्रेसिडेन्ट काम का Report स्वयं ही देता हूं। आपकी चिट्ठी के अनुसार Secretary Synod का report देंगे।

I अभी मानभूम Synod में दो पादरी क्रमश: पुरुलिया और बुड़दा में काम करते हैं। पुरानी मंडलियां पहले ही के जैसे चलती है। Coalfield area में Jharia, Kulti और Adra हैं। इनको भोलन्टियर चलाते हैं। कहीं २ थोड़ी संख्या में खृस्तानों के काम लगे हैं जहां प्रोग्रामानुसार Visit होते हैं।

II प्राय: समूचे Synod के भीतर आत्मिक जीवन मध्यम है। सब हालतों में अभी तक गिरी हुई है। राज्यवृद्धि का काम शून्य है। E/W का काम प्रचारक लोग बिल्कुल नहीं करते हैं क्योंकि सब Honourary हैं। मंडली के स्कूलों की हालत आर्थिक अवस्था की कठिनता के कारण सोचनीय है।

III Synod Presidents' Visit:- मैं Headquarter में एक सप्ताह और ३ हप्ते प्रत्येक मास बाहर की मंडलियों का Visit करता हूं जिसमें Housevisit प्रार्थना के साथ, प्रभुभोज,

P.T.O.

स्नान etc. होते हैं। चाटूसिरनी का प्रत्येक घर में प्रचार हो गया है जिसके फलस्वरूप पुरुलिया की बहनें अब दान देना सीख गई हैं। अभी यह काम पूर्णरूपसे Coalfield area में जारी नहीं हो सका है क्योंकि अधिकांश लोग family रहित हैं। पंच संगठन प्रायः सब जगह हो गई है सिर्फ दो एक जगह बाकी है। Muri के प्रबन्धके बारे उपाय हो रहा है। Jharia गिर्जे का प्रबन्ध पक्का है।

IV Source of Income:- Synod के भीतर सिर्फ मंडली की आमदनी और पादरी की आमदनी पर Synod का सारा काम चलाया जाता है जो इस कठिन समय में कठिन है। गत वर्ष की बचत के कारण कुछ समय तक Synod ने अपना काम ठीक से चलाया। अभी Coalfield area के अधिकांश भाइयों के Transfer होने, छटाई होने और घर वापस चले जाने के कारण वहां की आमदानी बिलकुल गिर गई। अभी बुड़दा के अपेक्षा पुरुलिया की आर्थिक हालत अत्यन्त सोचनीय है। Source of Income और नहीं है।

V. Centralization:- Burda Pastor के Grant बन्द होने के कारण और Coalfield की आमदनी कम होने के कारण Synod की हालत अधिक सोचनीय हो गई है। अभी तक Burda Parish का Centralization कागज में होता है रोकड़ में नहीं। Purulia का Centralization रोकड़ में होता है।

आर्थिक कठिनाई के कारण अगस्त में 75% तलब मिला और September में T.A. मिला, तलब अभी तक नहीं मिला है। अब Manbhum Synod में Finance संबन्धी इतनी कठिनता आ गई है कि Synod, पुरुलिया पादरी को तलब नहीं दे सकती है। पादरीघर का घरभाड़ा को मंडली पंच स्कूल में खर्च करती है। पादरी के Payment के विषय किसी का फिक्र भी नहीं है यहां तक कि Tour जाने के लिये भी पादरी को अभी पैसा नहीं है। Advance T.A. भी देना बन्द किया गया है। मैं दुःखित हूं कि इस हालत में मेरी family की दशा क्या होगी और टूर भी कैसे

किया जायगा। यदि पादरी बिमार हो जाय या शिक्षा कोर्स जाय या पादरी का किसी कारण से आमदनी न हो तो Payment न होगा, यही काम अभी चालू हो रहा है। यदि ऐसा ही होते जायगा तो भविष्यत में पादरी की हालत कितनी खराब होगी। पादरी को पुरुलिया में रहने का और उपाय नहीं है। ऐसे दूर देश में, शहर के भीतर बिना तलब के पादरी family के साथ किस प्रकार रह सकता है! दुःख भयंकर है। मैंने अपना दुखड़ा सुना दिया, C.C. कृपया तुरन्त ही यहां से दूसरी जगह भेजने का प्रबन्ध करे जिस्से मैं दूसरी जगह प्रभु का काम करूं। यहां मैंने जीजान से काम किया पर क्या करूं, दुनियां की स्थिति के बदलने के कारण आमदनी कम हो गई है जिस को मरम्मत करना दुर्लभ है। Manbhum Synod अभी Purulia की आमदनी और Pastor Income को लेकर Synod चलाने चाहती है जो Synod के लिये अनहोनी है। बात स्वयं सिद्ध है कि आगे Purulia के लिये Foreign पादरी का दरकार नहीं है, खास का पादरी चाहिए। Synod जब एक पादरी का तलब दे नहीं सकती है तो यहां के लिये पादरी देना ही फजूल है और Manbhum को Synod में रखना C.C. के लिये अनुचित है, यहां Synod System नहीं चल सकती है। जब तक Coalfield की आमदनी थी Synod चली, जब वहां की Income गिर गई Synod का काम चौपट हो गया क्योंकि बिना रुपैया के Synod चल नहीं सकती है।

मैं अपनी ऐसी दुरावस्था को दर्शाते हुए C.C. को दीनतापूर्वक अर्जी करता हूं कि इस संकट से मुझे पार करिये और तुरन्त ही यहां से हटाइये क्योंकि भयंकर दुःख और संकट सामने है। मैं पूरा family के साथ यहां हूं और अभी Nil-payment की बात चलती है सो अत्यन्त भयंकर और शोकपूर्ण है। मैं आप की उदारता के लिये अनेक धन्यवाद करूंगा।

आप का विश्वस्त
P. D. S[illegible] Purulia.
15-10-53.

सिनोद रिपोर्ट C. C. मीटिंग के लिये

(जानकारी के लिये C. C. मेम्बर लेकर आवें)

35

नाम सिनद Orissa Synod.   C. C. बैठकी की ता० 19. 10. 53.

१ सिनोद की आत्मिक दशा पर संक्षिप्त रिपोर्ट— आत्मिक दशा माध्यम है। सेवाराधना समूचे सिनोद में शान्ति पूर्वक चल रही है।

२ आर्थिक दशा पर संक्षिप्त रिपोर्ट   पादियों और प्रचारकों को पूरा तलब मिला।

अगर पूरा नहीं मिला तो सैकड़े में कितना मिला ?— आर्थिक दशा अच्छी नहीं है। समूचे सिनोद में आमदनी की घटी है। आधी तनख्वाह पादरी तथा प्रचारकों ~~तथा~~ को मिलती है (सैकड़े पचास)

३ स्कूल रिपोर्ट— स्कूलों की दशा अति ही सोचनीय है : (a) तनख्वाह का ठिकाना नहीं (b) सरकार के द्वारा स्कूलों की मंजूरी भी आर्थिकावस्था के कारण असम्भव है।

४ C. C. मेम्बरों ने क्या २ किया ? C-C. मेम्बरोंगण आवश्यकतानुसार काम कर रहे हैं।

५ कितने नये धर्म्म खोजक हुए ? १६२ (एक सौ बासठ).

६ C. C. एलोटमेंट कितना दिया गया— कुछ नहीं।

७ मण्डली में कोई विशेष बातों का रिपोर्ट— पहले सिरगिडा मंडली के कुछ भाई लोग मूर्ति पूजा के पाप के कारण मंडली बाहर किये गये थे (एक पार्टी दूसरी पार्टी को मूर्तिपूजा का अपराध लगाती है) अब दोनों पार्टियों में कचहरी में मुकदमा चालू है।

Z. Lakra (signature)

सि: प्रेसिडेन्ट

ता० 16. 10. 53.

(signature) 16/10/58.

सि: सेक्रेटरी

Wer. 20/10

35

सिनोद् रिपोर्ट C. C. मीटिंग के लिये

(जानकारी के लिये C. C. मेम्बर लेकर आवें)

नाम सिनद Singhbhum C. C. बैठकी की ता० Oct. 19-22, 1953

१ सिनोद की आत्मिक दशा पर संक्षिप्त रिपोर्ट—
आत्मिक दशा मध्यम है। छितरे हुए खादानों में आत्मिक दशा शोचनीय है।

२ आर्थिक दशा पर संक्षिप्त रिपोर्ट सन्तोषजनक नहीं है। पादिर्यों और प्रचारकों को पूरा तलब मिला — मिला।

अगर पूरा नहीं मिला तो सैकड़े में कितना मिला ?—

३ स्कूल रिपोर्ट— सिनोद के द्वारा केवल चाइबासा के एक मिडिल और दो प्रैमारी स्कूल सम्भाले जाते हैं। ग्रान्ट-इन-एड बराबर मिलते आ रहे हैं। चक्रधरपुर तथा जमशेदपुर पेरिश के स्कूल पेरिश द्वारा संभाले जाते हैं।

४ C. C. मेम्बरों ने क्या २ किया ?

X

५ कितने नये धर्म्म खोजक हुए ? - रिपोर्ट आगामी बैठकी में दिया जाएगा।

६ C. C. एलोटमेंट कितना दिया गया— नहीं दिया गया

७ मण्डली में कोई विशेष बातों का रिपोर्ट—
(i) सेन्ट्रालैजेसन की पूर्णता नहीं होने पाया है
(ii) चक्रधरपुर में गिर्जे घर की जरूरत है
(iii) चाइबासा में गिरजा के बगल में एक सिनेमा बनने जा रहा है।
(iv) जमशेदपुर में सेन्ट्रल चर्च का निर्माण नहीं होने पाया है।
(v) राज्यवृद्धि ग्रान्ट बढ़ाई जाय।

सिः प्रेसिडन्ट M. Topno Singhbhum 19-10-53 सिः सेक्रेटरी

ता०

Rec - 19/10/53

35

सिनोद रिपोर्ट C. C. मीटिंग के लिये

(जानकारी के लिये C. C. मेम्बर लेकर आवें)

नाम सिनद Takarma. C. C. बैठकी की ता० June — Sept 1953

१ सिनोद की आत्मिक दशा पर संक्षिप्त रिपोर्ट—
Girja ki upasthithi — Sadharan hai.
Sunday school — Har mandli men hai.
Prarthana samaj — Adhiktar Mandli aur tolong men hai
Mata samaj — Sab mandli men hai

२ आर्थिक दशा पर संक्षिप्त रिपोर्ट — पादियों और प्रचारकों को पूरा तलब मिला।

अगर पूरा नहीं मिला तो सैकड़े में कितना मिला ?—
Bhai bahinong men garibi is sal bhi bahut hai.
Padriyong ko 75 % talap diya gaya hai

३ स्कूल रिपोर्ट— — H. E. school men grant ke milne se pura talap mastrong ka ho jayga.
Primary schoolong — ko ab tak pura dene nahin sakeng hai thora thora diye hai. Master log Bishop ke sath kam karte hai.

४ C. C. मेम्बरों ने क्या २ किया ?
X —

५ कितने नये धर्म्म खोजक हुए ? — Is mahine men hisab nahi huwa

६ C. C. एलोटमेंट कितना दिया गया— — Kuch bhi nahi diya gaya hai arthik kathinaiyong ke karan — Asha hai December tak diya jayga.

७ मण्डली में कोई विशेष बातों का रिपोर्ट— —
Konsode — Bahut bhai bahin mil gaye hain. Bite Ekka se against party ka girja band ho gaya hai — Bahut jald mandli shant ho jaygi. — Asha hai

S. Singh
सिः प्रासडन्ट

J. Topno
11-10-53
सिः सेक्रेटरी

ता० 11/10/53.

35 Put up JW

From— Chainpur
Bimal Minz. 5th Oct-53.
President W.B.
Ref-No P.W.S./188/53/F-5.

Church Council
Received
Register No. 217CC
Date 8/10/53
Fi. 2-IV
Reply No.
Date

Dear Sir, Ref your No. 1371-1406/53.
dated the 29th Sept. 53 you asked me
to submit a report of the Western
Synod in a prescribed form, but
sorry to let you know that you did
not send the form. So I am
sending a report in general.

I- Election in the Synod:- The Western
Synod Council decided to have
election in the Whole Synod before
June 53. Accordingly the Mandli
Panch, Parish Panch, the Ilaka
Panch and the Synod Council
are all ~~new~~ new. The officers of
the Synod were re-elected and
thus I am continuing as President
of the Synod. According to the
rule of the C.C. Mr. Alfred Kujur
a Pakka Layman is a C.C. member
of this Synod for four years.

II - Finance:— (a) In general the economic Condition of the Synod was not good. Church Workers of Gumla Ilaka did not get their full pay. Workers of Kondra and Chainpur Ilaka got their full pay, but the teachers of all the schools in the whole Synod were great sufferers, financially.

(b) C.C. grant for E/W:— I am sorry to let you know that the C.C. Treasurer has not send the grant even once within this period, which is also the Cause of financial difficulty of the Synod.

(c) Pension of ~~Rev.~~ J. Minz:— It is very much regreated that such a small amount for a Pension Pastor who spent all his life in Church service is not sent regularly. The Synod has not received even once within this period, and the Pastor is hopelessly disheartend.

(d). Need of increment in the C.C. grant for E/W:— Since the congregations of Jashpur and Kharia were merged with the

C. P. Synod a big amount out of the C.C. grant to the Western Synod was given to the C.P. Synod and only Rs. 35/- is left for this Synod in which there is an expenditure of Rs. 71/- p.m. on the Salary of the workers of the Mission field. C.C. is requested to increase the grant.

III Need of a Pastor:— There is a shortage of a Pastor in this Synod since June 53, and the work is suffering. C.C. is requested to give one Pastor at an early date.

IV - Pastor Rev. Immanuel Kujur:— Pastor for Jashpur and Khuria Rev. Immanuel Kujur is still within my Synod occupying the Pastor Quarter at Amgaon. He has not yet gone to his own Parish, though he was transfered to that field since 1st June 1953. I have not received any official information from C.C. office that he has been allowed to supervise the field from Amgaon.

If the C.C. has allowed him to stay at Singaon, an extract of the C.C. resolution is immediately wanted in my office. If not, Rev. I desire he ordered to go to his Parish immediately and to vacate the Pastor Quarter at an early date.

Nothing more to report.

Yours faithfully,

[signature]

5/10/53.

President
Western Synod.

Kr 28/10

The G. E. L. Church in Chotanagpur & Assam.

माहवारी रिपोर्ट ।

साल 1953 महीना Septr. 53

इलाका G.E.L. Hd. Qr. Congrigation Ranchi. चेयर मेन S. Kerla

नोट—प्रति मास यह रिपोर्ट भरा जाय और सभों के रिपोर्ट एक ही लिफाफे में बन्द कर सिनोद प्रेसिडेन्ट के पास तुरन्तु भेज दिये जांय।

(क) आप ने किस २ पेरिश का मुलहजा किया ? संक्षिप्त रिपोर्ट :— मैं ने हुमसा टोली, कडरू, पुराना रांची, पञ्चकदुवा. और कठरटोली को — कुछ हिस्सों में गया। रोगा किशोब — बुखार, और हैजा थे। ईश्वर को धन्यवाद कि हमारे लोग हैजे के शिकार न बनें। और Rev. Soreng — गया. हाता, डिपुटोली, सिरोमटोली, और हिहिचिड़ी।

(ख) इलाका बैठकी का संक्षिप्त रिपोर्ट :— मंडली पंच ने अनेक बातों का विचार किया — (1) हाता में गयचराई क्षेत्र/मिकेटोर को लिये C.C. से 200/रु की मांग। C.C. को धन्यवाद कि यह रकम मंजुर है। पंच ने जोर दिया कि मंडली में आमदनी बढ़ाया जावे।

कई कठिनाइयाँ हैं इस हिसाब का।

(ग) पादियों की डायरी से कोई रिपोर्ट :— गयचराई — रोक एक भारी समस्या है। C.C. कोई उपाय (ठोस तरीका) जारी करे कि हातावालों की रक्षा हो। रांची के बाहर से आने वाले जवान जवतियों पर कैसे रोक पड़े कि उनके चरित्र शुद्ध ठहरे। मंडली पैसे के लिये C.C. रसिद छाप के दिया करे।

(घ) पादियों को कितना २ तलब मिला ? प्रचारकों को किस अनुपात से मिला ? पादियों के नाम सहित रिपोर्ट :—

Rev. S. Kerla & Rev. P.D. Soreng.
Mr. Madra Toppo.
" Samuel. Barla
" Alermas Minz
6 L.P. Teachers for Boys. L.P.
9 L.P. " " Girls L.P.

सभों को पुरा तलब मिला

(ङ) C. C. एलोटमेंट कितना भेजा गया :— C.C. में सब आमद सेन्ट्रलाइज होता है

(च) एन० एम० एस० बैबल सोसैटी, स्कूल आदि को कितना दिया गया ?

N.M.S. & B.S. का चंदा नहीं दिया गया है।

Boys & Girls. L.P. दोनों को 30/रु के दर से पुरा तलब दिया गया (शिक्षक की संख्या जमा 15 है।

Receipt and Expenditure statement not.

S. Kerla 17/10/53.

सही इलाका चेयरमेन

35

Forwarded
to the Secretary
C.C. Ranchi
S. Simon
President
20/3/53.

महा मान्यवर,

चार्च कौन्सिल प्रेसिडेन्ट सहाब ओ चार्च
कौंसिल मेम्बर गण रांची। आप लोगों को कोन्सोदे मिशन स्कूल
कमिटी की ओर से यीशुसहाय होवे।

कमिटी की घोर अर्जी है कि कोन्सोदे यु. पी. स्कूल के प्रधान
शिक्षक मसीहदास बरजो की बदली न होवे। क्योंकि उनको बदले होने से
मिशन स्कूल को घोर नुकसानी होगी। पुराने शिक्षक होने के वजह से अभी
तक स्कूल छात्र छात्रे बराबर आते हैं। जिस से रोल संख्या ठीक है।
नया शिक्षक आने से ठहर नहीं सकेगा। क्योंकि सिनोड ओ कमिटी दोनों
अभी गरीब हैं तलब देने में असमर्थ हैं। बिना तलब शिक्षक ठहर नहीं
सकेगा ऐसी दशा में शिक्षक को स्कूल छोड़ के भागना पड़ेगा। तब तो
स्कूल की दशा चौपट हो जायगी और मिशन स्कूल का नाम ही मिट
जायगा इसलिये मसीहदास बरजो और मथी मड़की जो पुराने शिक्षक हैं
बदली न किये जावे क्योंकि ये बिना तलब अपना खाके और तकलीफ
उठा के स्कूल को काम मिहनत से चला रहे हैं। पर्टीदल स्कूल तोड़ने
की इच्छा से उनकी बदली पर लगे हुए हैं। उनकी भीतरी इच्छा है कि कोई
तरह से उनको यहां से बदली कर देने से छात्र गण आदिवासी स्कूल में
आ जायेंगे। और मिशन स्कूल टूट जायगा। मिशन स्कूल के टूट जाने से
हमारे आदिवासी स्कूल की मंजूरी होगी।

१। कोन्सोदे एल. पी. स्कूल गिरी अवस्था में थी। ऐसी हलात में मसीहदास
मास्टर १९२२ ई० में आके साल ब साल उन्नति किये। और अभी एम. भी. तक
बढ़ाये हैं। इतने दिनों में वह एल. पी. और यु. पी. स्कूल से ७. ८ छात्रों को स्कोलरशिप दिलाये हैं। आज तक उनकी पढ़ाई और शिक्षा बहुत ही ठीक है और
स्कूल के काम आज तक अच्छी रीति से चला रहे हैं।

२। आदिवासी स्कूल की कमिटी और स्कूल अलग ही है। मिशन के स्कूल और
कमिटी भी अलग ही है। आदिवासी स्कूल पर मिशन स्कूल कमिटी को
कुछ भी दवा दबी नहीं है। न करती है। तो आदिवासी कमिटी मिशन
स्कूल पर कैसे दबी कर सकती है?

३। अभी सिनोड गरीबी हलात में है। मिशन स्कूल कमिटी भी वैसा ही गरीबी हलात में
है। उसके हाथ में भी कोई किसम का खजाना नहीं है। कि मास्टरों को कुछ भी
देवे। अभी १९४८ ई. से शिक्षक गण अपना २ खाके और तकलीफ उठा के काम
अच्छी तरह चला रहे हैं। ऐसी दशा में अगर उनकी बदली होने से उनकी और
मिशन स्कूल की घोर हानि की लक्षण दिखाई देती है। इसलिये मिशन स्कूल
कमिटी बड़ी दीनताई से घोर अर्जी पेश करती है। कि पुराने शिक्षकों की बदली
अभी नहीं करनी चाहिये।

आइन्दे हुजूर मालिक हैं
आपके आज्ञाधीन कोन्सोदे मिशन स्कूल
कमिटी। 28-2-53

J.unas Marki
Admin Hd Master

Secretary ~~Hd~~ Kalyan Marki
24-2-53

मतियास सुरिन बः खः

प्रेसिडेन्ट योहन मड़की बः खः

हरन सुरिन बः खः

याकुब दाउद सुरिन बः खः

M. Baryo

H. Soren

J. Badiup

बुर्जू सीनोड, १९५२ का रिपोर्ट ।

-x-

१९५२ ई० में बुर्जू सीनोड का काम १० पादरियों से चलाया गया। तुःजुर के पादरी साहब की बीमारी के कारण Rev. M. Bhengra, तुःजुर पेरिस के और Rev. P. Tiru. के देहान्त होने के कारण Rev. Z. Bodra सरनाटोला पेरिस के चेयरमेन नियुक्त किए गए। तपकारा और जिपिंगकेल पेरिसों का काम बहुत वर्षों से तपकारां के पादरी साहब से चलाया जाता है। सीनोड ने अमलेशा इलाके के भीतर जिलिंगकेला एक नया पेरिस बनाने का विचार किया। जिलिंगकेला के भाइयों ने वहां गिरजा घर बनाने के लिए जगह भी दी है।

सीनोड के भीतर उलहातु, राईटोडंग, कांका और आलमोकेटद में एवंजेलिस्टिक काम के साथ स्कूलों का काम भी प्रचारकों के द्वारा चलाया जाता है इस आशा से कि स्थानीय जनता भी उसमें सहयोग देगी।

१९५२ ई० में इस सीनोड में १ प्रस्तावित हाई स्कूल, २ मिड्ल स्कूल, ४ प्रस्तावित मिड्ल स्कूल और १४ प्राईमरी स्कूल है। आर्थिक कठिनाइयों के कारण से टोकाद ने हाई स्कूल के क्लास बन्द कर दिए। बुर्जू में ११ वाँ क्लास तक खोला गया है पर किसी क्लास की स्वीकृति नहीं है। सभी स्कूलों को विशद आर्थिक कठिनाई है। अन्नाभाव और महंगी की वजह से सीनोड के द्वारा स्कूलों को आर्थिक सहायता नहीं दी जा सकी। पादरी और प्रचारकों को भी स्केल के अनुसार पूरा वेतन नहीं दिया जा सका।

१९५२ ई० में २ बार पूरा सीनोड की और एक बार कार्यकारिणी की बैठक हुई, उपस्थिति काफी थी।

M. D. Kassa,
Secretary Burju Synod
The 7th January, 1953.

Rec. 24/1/53 35

G. E. L. Church Hazaribagh Synod

का

वार्षिक रिपोर्ट, जनवरी – दिसम्बर १९५२ तक का।

महामान्यवर, जी. ई. एल चर्च प्रेसिडेन्ट और सेक्रेटरी को यीशु सहाय होवे।
आगे मैं जी. ई. एल चर्च हजारीबाग सिनोड का संक्षिप्त रिपोर्ट पेश कर रहा हूँ।

१ ईश्वर का धन्यवाद होवे कि सिनोडिकल पिरियड के १९५२वें साल के अन्त तक में सिनोड के सारे कार्यक्रम में ईश्वर ने बहुतायत से आशीष देकर सफलता दी। मर्दुमशुमारी हिसाब के अनुसार दो बरसों का समतुलना करने से बढ़ती ही हुई है। १९५१ साल में १९६३ बार ८३५ बप्तिस्मा पाये हुए, ५ पुराने और २ नये धर्म खोजक और ४६४ दृढ़ीकृत थे। १९५२ में १७६६ बार ८९५ बप्तिस्मा पाये हुए, २ पुराने और १८ नये धर्म खोजक और ५२५ दृढ़ीकृत हैं। यहाँ की कार्यकर्ताओं में दो पादरी, ६ प्रचारक हैं जिन में ६ [illegible] और ३ सहायक प्रचारक हैं। मण्डलियां बहुत दूर २ में छितरी हुई हैं। काम तीन जिलों अर्थात हजारीबाग, गया और पटना में हो रहा है। काम करने में मुसकीलता होते हुए भी धीरज से सब कुछ संभाला जा रहा है।

२ बैठकियां — सिनोड की बैठकी त्रिवार्षिक करके हो रही है। [illegible] तक है। काम चालू रखने के लिये सिनोड कार्यकारिणी आवश्यकतानुसार प्रायः हर महिना बैठा करती है। कार्यकारिणी को थोड़ा तलब होने पर भी धीरज धर कर कामों को संभाले रखा। ८.८ ग्रान्ट कोई महिनों का बन्द रहने से कार्यकारिणी को बहुत तकलीफ उठाना पड़ा।

३ मिशनरी क्षेत्र में काम — मिशन आधार पर सिनोड के अन्दर जारी किया जा रहा है। २ पुराने और १८ नये धर्म खोजक हो गये हैं। जोबिया पीड़ा के निकट कुर्ती बैठका में एक नई मण्डली खड़ी होने जा रही है काम शुरू हो गया है। कर्मचारी की घटी से एक ही जन दो जगहों का काम संभाल रहा है।

आत्मिक सेवकाई — हजारीबाग सेन्ट्रल जेल के अन्दर कैदियों के बीच आत्मिक सेवकाई की जा रही है जिस का फल स्वरूप कितने संथाली कैदी धर्म खोजक हो गये हैं। एक बप्तिस्मा भी पा गया और कितने शिक्षा पा रहे हैं, दृढ़ीकरण के लिये भी तैयार किये जा रहे हैं।

बिहार रेफ़ोमेन्टरी ट्रेनिंग सेन्टर दानापुर में भी आत्मिक सेवकाई हो रही है। हमारी मसीही नवयुवकों के धार्मिक बातों में दिलचस्पी रखने से कितने अमसीही नवयुवक [illegible] की ओर खिंचे जा रहे हैं। कितने बप्तिस्मा पा कर दृढ़ता भी लिये और अभी कितने धर्म खोजक हो कर शिक्षा पा रहे हैं। मसीह का राज्य [illegible] के अन्दर ही अन्दर बढ़ता जा रहा है।

४ सम्पत्ति (जायदाद) विषय का —

(क) सिंघानी चर्च कम्पौंड — हाता, सिनोड के देख रेख में है।

(ख) हाता के दो बंगले — भाड़ेदारों के न मिलने से अभी दोनों खाली ही पड़े हैं। रक्षा के लिये चौकीदार न होने से बदमाशों के द्वारा बहुत से कितने चीजों का नुकसान हो गया। दो बार तक तालों का प्रबन्ध किया गया पर वे तोड़ कर ले गये, कितने खिड़की दरवाजा और सिटकिनी आदि तोड़ फोड़ कर बरबाद हो गये। कहीं २ बहुत चूता है। मरम्मत की अति ही जरूरत है। अच्छा होता कि जैसे और २ जगह बोर्ड की ओर से चौकीदार रखा गया वैसा यहां भी एक चौकीदार रखा जाता ताकि ये सब सुरक्षित रह सकते।

(ग) कुरा मिशन बोध मण्डली में गिर्जा और स्कूल हाता के लिये जमीन का बन्दोबस्त — कलिसा के नाम से कुछ जमीन लिये जाने का बन्दोबस्त हो रहा है मण्डली में पूंजी की कमी से ८.८ से सहायता की मांग है। सिनोड की सिफारिश है कि २५०) रु० दो सौ पचास रुपैया बोर्ड से मंजूर कर दिया जाय कि कलिसा के नाम पर वह जगह लिया जाय

(घ) बड़गांव हाता में सेवा मंडल की ओर से स्कूल घर — हाता के अन्दर सेवा मंडल ने [illegible] एक स्कूल घर बना लिया और स्कूल शुरू कर दिया, इस विषय में बोर्ड को रिपोर्ट दिया गया पर कोई कार्रवाई नहीं पाया, सिनोड का सिफारिश है कि बोर्ड इस जगह का बिक्री कर देवे।

(ङ) जपला पुराने पेठिया का हाता और गिर्जा घर — बीते बर्ष बरसात के समय पक्का गिर्जा घर ने मरम्मत का अभाव से बस गिर गया। सिनोड की ओर से सिफारिश है कि ८.८ मरम्मत के लिये २५०) रु० दो सौ पचास रुपैया इस गिर्जा घर की मरम्मत के लिये सहायता दान करें जिससे कि गिर्जा घर के ठीक रहने से हाता भी बच सके। हाता के अन्दर कोई नहीं रहते हैं। एक बार जंगल विभाग ने कुछ भाग रिजर्व के अन्दर कर लिया था पर बहुत लिखा पढ़ी करने से छोड़ दिया गया। अब गिर्जा घर भी पूर्ण रूप से गिर जाय तो हाता भी जाने का डर है।

P.T.O.

५ स्कूल विभाग ——— सिनोड के अन्दर तीन एल.पी स्कूल हैं।

I सिवानी एल.पी. स्कूल — यहां अभी तीन शिक्षक हैं सब जमा ८६ विद्यार्थी हैं। डिस्ट्रीक्ट बोर्ड स्कूल को सम्पूर्ण रूप लेने के लिये मांगा न सौंप देने से ग्रान्ट जून १९५२ से बन्द कर दिया साथ में Enhanced Pay और D.A. को भी जो सरकार की ओर से मिलता है नहीं दे रहा है। स्कूल कर्मचारी बहुत तकलीफ उठा कर स्कूल का काम संभाल रहे हैं।

II कुरा और जोभिया का, प्रचारक पदरी की के जरिये चलाया जा रहा है।

६ आमद खर्च — I १९५१ साल में कुल २६७२।।।=)। का फी हदिकृत ३।)।¼ का जिस में से आने खर्च बाद कर के कर्मचारियों को ६६% कर के तलब दिया गया। कुल का कुल खर्च हो गया।

१९५२ साल में कुल ३२३०=)।। का जिस में फी हदिकृत ३।।=) रुपया था। आना खर्च बाद कर के कर्मचारियों को ६८% तलब मिला। जितना आमदनी उतना ही खर्च हुआ। C.C ग्रान्ट के कई महिना न मिलने से कर्मचारियों को बड़ी मुश्किलात से दिन काटना हुआ।

II अमेरिका लूथरन सहायता —— अमेरिका लूथरन सहायता में से C.C. सिनोड को ४० मन बांट दिया था। दोनों पेरिश की मंडलियों में बांट दिया गया। क्रिश्चियन आक्रिश्चियन सभों के बीच क्रिश्चियन सहयोगिता की सादगी के लिये सब मिला कर २३ गांव या टोलों में थोड़ा २ कर वितरण किया गया।

ईश्वर से प्रार्थना है कि सिनोड का काम और अधिक फुलता फलता जाय।

प्रभु में आप का
विश्वस्त सेवक

D. Minjai [signature] 23/2/53 — [signature]

सिनोड प्रेसिडेन्ट। सिनोड सेक्रेटरी

किंकेल सिनोद का वार्षिक रिपोर्ट

१, मंडली की वर्तमान स्थिति :— वर्तमान में किंकेल सिनोद में ९पादरी तथा ३० प्रचारक हैं। मंडली की आत्मिक स्थिति बहुत अंश में सुधार की ओर बढ़ रही है। सारा सिनोद ८ पेरिशों में विभक्त है। १९५२ की आम सभा ने स्वेच्छा से ब्याह-शादियों में नृत्य का निषेधात्मक विधान बनाया, और तदानुसार मंडली में नृत्य अभी बिल्कुल अवरुद्ध है। कहीं-कहीं यदि किंचित मात्र में नृत्य होता भी है तो उस में सुव्यवस्था तथा नियंत्रण होते हैं।

मद्यपान-निषेध का नियम भी अधिकांश में माना जा रहा है। हाँ, एक-दो छिपी मंडलियाँ हैं जहाँ नशीली वस्तुओं का व्यवहार अब तक होता है, पर उन मंडलियों में भी सुधार लाने की कोशिश की जा रही है।

मिश्रित ब्याह अभी बंद है। गिर्जों में भाइयों की उपस्थिति कई मंडलियों में बढ़ती जा रही है। शिक्षित मंडलियों में गिर्जे की उपस्थिति कुछ अधिक रहती है।

सन्डे स्कूल का संचालन युवक-संघ के जिम्मे है। अतः सन्डे स्कूल भी दिन-प्रति दिन उन्नति की ओर जा रहा है।

२, मंडली की आर्थिक स्थिति :—

१९५४ के दुर्भिक्ष के कारण मंडली की आर्थिक स्थिति में बड़ी क्षति पहुँची है, और उस की पूर्ति अब तक नहीं हो पाई है। १९५७ में भी आर्थिक सुधार की कोई खास उम्मीद नहीं है, जिसके कारण मंडली दान गिरा हुआ है। अन्दाजा ५० सैकड़े मंडली आमदनी गिरी हुई है, और जिस का असर सिनोद, स्कूल तथा दूसरी संस्थाओं पर पड़ा। वर्तमान में किंकेल सिनोद को करीब १००० रु का घाटा है, यद्यपि कि चर्चकौंसिल के फैसले के अनुसार कितने स्थानीय प्रचारकों को आधी वेतन मिलती है।

महंगी के दिनों में प्रचारकों को १५-२० रु से गुंजाइश नहीं हो पाती है, फिर भी वे विश्वस्तता से अपना कार्य करते जा रहे हैं।

करीब ११ प्रचारक वर्तमान में किंकेल सिनोद से सुरगुजा के प्रचार-कार्यार्थ भेजे गये हैं।

सुरगुजा से प्रचारकों की मांग आने पर और भी भेजे जायेंगे।

आर्थिक कमी के कारण गिर्जाघर, स्कूलघर, शिक्षकावास, मिशन शाला, तथा बाग की हालत संतोषप्रद नहीं है।

3, वर्तमान में किंकेल सिनोद के अन्दर सिनोद से संचालित है प्राइमरी स्कूल हैं, जिनकी देख भाल के लिये सिनोद के अन्दर एक कमेटी बनी हुई है।

किंकेल में एक मिडल स्कूल है, जिसमें शिक्षक पूर्ण हैं, पर भूखमरी के कारण छात्र-संख्या कुछ गिरी हुई है और इस लिये वर्तमान में करीब ६00 का घाटा है।

एक हाईस्कूल है जो अभी तक सरकार से Recognised नहीं है। शिक्षक पूर्ण हैं, पर भूख-मरी के कारण वहाँ भी १000) का घाटा है। शिक्षकों में एक ग्रेजुएट, एक ट्रेंड ग्रेजुएट, एक मेट्रिक सी० टी० और दो मैट्रिक हैं। रेजल्ट अभी तक सन्तोषप्रद नहीं है।

8, अन्य संस्थाएँ :- सिनोद के अन्दर मसीही सैनिक नामक एक युवक-संघ है, जिस को सुचारू रूप से चलाने के लिये कार्यकारिणी समाएँ हैं। शुरू में इस संस्था से बहुत कुछ उम्मीद थी, पर वर्तमान में कार्यकर्ताओं के यहाँ-वहाँ हट जाने से इसकी रफ्तार कुछ मंद पड़ गई है।

मसीही सैनिक के अलावे महिला संघ तथा युवती समाज अपने-अपने दायरे के अन्दर कार्य करने में संलग्न हैं।

मंडली आशा करती है कि जिस तरह ईश्वर ने इस का संरक्षण इतने दिनों तक किया, भविष्यत में भी उसी तरह करते जाय।

M. Minz
Secretary
18/2/53

Synod President
A Lakra
Kinkel
18-2-53

Rev. P. W. Lakra
President
C. P. Synod.

Lutheran Church, Sarhapani.
P. O. ~~Kunkuri~~, Bataikela
Dt. Raigarh. C. P.

Date ____________ 195 .

Manyawar Secretary Sahab G. E. L. church Ranchi. ap ko yisusahay.

Main ap ke samne apne taklifong ko dikhate huwe kai batong ki salah lene chahta hun. Bishes kar ke main apne Sarhapani School ko ap ke samne rakhna chahta hun. mujhe batane men saram ati hai yadi na bhi bataun to kahan se sahayta paun.

Hamare School ki dasa atyant hi giri huwi hi. School ki roll sankhya bite sal ki apeksa achi hai par abhi mastarong ke betan karib sat mahinong se nahi diya gaya hai. kitna hi kosis karne se chanda nahi mil raha hai. Is sal richghat men bhaiyong ki arthik dasa bahut hi buri hai jiske karan itni kamjori a gayi hai. chanda dene men bilkul hi lachar ho gaye hain.

Phir bhi C. C. ka kahna hai ki Sarhapani Surguja aur Udaipur ka dwar hai is liye School ko barhana hi chahiye. Is tarah ki halat hone se to barh hi nahi sakti hai. Hamong ko kuch upay nahi sujh raha hai ki kaise betan diya jawe. main apne soch men is tarah sochta hun ki School. ko C. C khud apne hath men le lewe. aur us ko manjuri karawe. Betan na dene sakne ke karan

Cd. D/8/52

Rev. P. W. Lakra
President
C. P. Synod.

Lutheran Church, Sarhapani.
P. O. ~~Kunkuri~~, Bataikela
Dt. Raigarh. C. P.

Date 29-7- 1952.

Manyawar Secretary,
G.E.L. Church Ranchi.

Mujhe ap ki chitti No 933-47/52 tarek 29-7-52. ko mili. Main bare khed ke sath hamare C.P. Synod ki economic halat batata hun.

Ichkela Ilaka bhi bahut dukh ke Sath din kat rahi hai mandli ke bhai-bahanong ki arthik dasha bahut ki kharab hai jiske karan Schoolong ka den de hi nahi sak rahe hain jiske karan Siksakong ko panch chha mahinong se betan nahi mil raha hai. Waise hi pracharakong aur Padri ki halat bhi hai. Bartman men koi bhi upay nahi sujh parta hai ki kya karen.

Sarhapani ki dasha to aur hi bigri hai. Is sal bahut hi akal para hai bhai-aur bahan bahut kathinai se din kat rahe hain. mandli Sambandhi lenden ek dam hi gir gaya hai. Hamare School ki dasa to aur hi hai. Hal men Siksakong ka

Gossner Evangelical Lutheran Church
In Chotanagpur & Assam.
Mission Estd. 1845—Autonomous. 1919
BENGAL SYNOD.

OFFICERS
REV. D. LAKRA. PRESIDENT.
MR. N. MINZ. SECRETARY
MR. D. P. DUNGDUNG. TREASURER.

G. E. L. CHURCH GANGUTIA. T.E.
P. O. KALCHINI.
DISTT. JALPAIGURI.
DOOARS.

No. 59/52

Dated the 30th July 1952

To

the Secretary C.C.
Ranchi.

Dear Sir,
With reference to your letter No 933-47/52, d/the 14th July 1952, herewith I am sending you a brief report of the present Economic condition of the Bengal Synod.

1. Except a few congregations in the eastern-most Dooars almost all the Congregations of our church are in the TEA GARDEN areas. Economically, the condition of our people in the Garden areas was, formerly, very good. Because they were getting enough Ration. But, now because of the scarecity of food the Bengal Government has compelled the Company to cut their Ration. There were hartals, golmals and Marpit in several Gardens, for this reason.

2. The condition has become from bad to worst because of the present flood in the whole of Dooars. Rail Line has been, very badly washed away here and there, Motor Roads were destroyed. Bridges were swept away. Ry. and Bus Communications were stopped. Wire posts

were also destroyed. Several villages were washed away. One of our Catechists Br. Philip Khess of Kamakhyaguri Congregation reported us that the River Rydak was so badly overflooded that ~~the~~ it could not touch Kamakhyaguri Station only for One Furlong. Kamakhyaguri is at a distance of about 4 miles to the west of the River Rydak. Villages were washed away. Distress of the people new no bounds. Because, those who could save their lives became homeless, and destitute of everything.

3. Thanks God, that ~~the~~ people of Kamakhyaguri were saved from being washed away by the flood. Our people of Barobisha Congregation were also saved.

4. The Condition of Alipur Town has become very deplorable. The Town itself was overflooded. I, myself oneday visited Alipur town. Words fail to describe the horrible condition of the people. Government is ~~its~~ trying its best to help the people.

5. Now, Lines are under repair, but only the temporary repairs could be done at present. The temporary repairs will take not less than six months to be completed.

6. So, it can easily be imagined, the present Economic condition of the people. The Economic Condition of the Bengal Synod has become more deplorable. It has no fund. Its living is from hand to mouth. But the flood has cut its hand. Because of the stoppage of the Ry. & Bus communication we

Gossner Evangelical Lutheran Church
In Chotanagpur & Assam.
Mission Estd. 1845—Autonomous. 1919
BENGAL SYNOD.

OFFICERS
REV. D. LAKRA, PRESIDENT,
MR. N. MINZ, SECRETARY
MR. D. P. DUNGDUNG, TREASURER.

G. E. L. CHURCH GANGUTIA, T.E.
P. O. KALCHINI.
DISTT. JALPAIGURI.
DOOARS.

No.__________ Dated__________________195

Could not hold our monthly Ilaka meeting. No meeting, no centralization. Our school teachers are suffering specially.

7. We have not been able to rais that two thousand Rupees ~~for~~ it up till now for the 10 acres of Landed Property at Barobisha. We expected to get Rs 15,00/- from the Property Board Treasury which the Full C.C. sanctioned in its last meeting. But in vain.

8. The Synod is feeling very deeply for the C.C. Allotment. Days & months are passing away but the Synod is being unable to send any amount of the C.C. allotment for the year 1952.

May, the Lord of all times and Conditions lead us through the present difficulties for His glory.

Yishusahay.

Yours faithfully
D. Lakra

From – Rev. L. Kongari
Synod President. Hazaribagh.

To

The Secretary
G. E. L. Church Ranchi
Dated Singhani the 4th August 1952.

मान्यवर

जी. ई. एल० चर्च सेक्रेटरी को येशुसहाय होवे।
आगे आपकी चिट्ठी No 933-47/52 D/- 14th July 1952 को मिली।

आगे आपको विदित होवे कि हमारे हजारीबाग सिनोड की मंडलियां शहर की हों या बाहर की इस साल आर्थिक स्थिति यानि economic condition की बात में निहायत ही खराब (?) हालत में हैं। और अकाल के साथ लोग किसी तरह जिया जा रहा है। बिहार में होने से मुश्किलता के साथ खेती भी हो रही है।

कारण कि बीते साल वर्षा की निहायत कमि होने से आदि बाहर के बाहर की खेती सूखकर खराब हो गई, सिर्फ कहीं कहीं हुआ ही बहुत कम। इस कारण हमारे मंडलियों में भी पासबान व मंडलियों (?) को आमदनी बहुत गिर गई जिससे कार्यकर्ताओं को भी मुश्किलता के साथ हो रहा है। C.C. को आज से भी तनखाह बकाया आता है सो भी बीते साल के कितने महीनों से मिलना बाकी है, मिला भी है तो थोड़ा करके आधे थोड़े महीनों का केवल मिला है। देश की महंगी हालत भी बहुत बढ़ गई है।

इस अकाल के कारणों से पादरियों व कार्यकर्ताओं के लिये economic condition अत्यन्त बिगड़ी हो गई है। बीते समय के महंगी सहायता से हमें मिलने से बहुत कुछ मदद हुई। यदि कोई ऐसी अनुकूल मदद मिलने की बात है तो हजारीबाग सिनोड के लिये भी प्रबन्ध कीजिए ताकि जिससे कि बहुत कुछ सहायता मिल सके।

आपका विश्वासी
L. Kongari
4/8/52
Synod President

THE GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH
SINGHBHUM SYNOD.

President :—REV. M. TOPONO
G. E. L. CHURCH COMPOUND, CHAIBASA.
Treasurer:—P. D. KANDULNA, B. A.
27. HUME PIPE ROAD, JAMSHEDPUR.

Secretary :—P. D. PANNA
23, BANDI EAST, SAKCHI,
JAMSHEDPUR.

Ref. 139/52 Date 1-8-1952

To
The Secretary G. E. L. Church, Ranchi;

Dear sir,

With reference to yours letter No 933-47/52 d/ 14-7-52 I beg to report,

That the economic condition of the people of this District is deplorable. The whole population of the synod may be classified as follows:—

(1) The capitalists and highly paid officers. They may purchase food staff even by high rates.

(2) Employees of Companies, factories and Mines get rations at the rate of 3 srs. to 2½ srs of rice or wheat per Re. Respective owners are arranging rations for their workers.

(3) Cultivators and Middle class people, dwelling either in towns or villages have to face the real difficulties

They have to depend upon the markets, where the rate of rice varies every now and then. Third class rice may be purchased from Merchants @ of Rs 30/- Per maund. Better rice may be had @ 1 sr. a Re. Some times the price of rice suddenly goes up very high in some markets in the interiors. At that time there is no alternative and the poor people are bound to buy even 14 chattaks of rice for a Re.

Hope the above report is enough to draw an idea on economic condition of the people of this area.

Kindly let me know about the distribution of Gift wheat. I have no information that the same has been sent for Chaibassa.

Yours faithfully

M. Topno

To
The Secretary Luth. Church
Council
Ranchi

अकाल का femin का रिपोर्ट।

~~सिमडेगा~~ डिविजन में अकाल बहुत जोर से है लोग खाने को नहीं पा रहे हैं रुपैया का एक सेर है पर चावल नहीं मिलता है। मण्डली का आमदानी घट गया है। मण्डली कर्मचारियों को तलब नहीं हो रहा है। स्कूल को [illegible] नहीं दिया जा रहा है। और स्कूल फीस भी नहीं दे रहे हैं। ऐसा मालूम हो रहा है कि स्कूल बन्द हो जायगा। C.C. फंड को सिनोड नहीं दे सकती है। अकाल के कारण कलीसिया के कामों में बहुत बाधा पड़ गया है। ईश्वर ऐसे कठिन अवस्था में अपने कलीसिया के कामों को आप ही सम्भाले।

A. Bage
Kolebira
29-7-52

The Revd C. B. Aind
President Koronjo Synod

G. E. L. CHURCH
KORONJO P. O.

Dated the 22-7- 1952

To,
The Secretary, C. C. Ranchi.

Sir,
With ref. to your letter no 933-47/52 dated the 14th July 1952, I beg to submit the following report of the Koronjo synod in respect of the economic condition of the people.

That really the economic condition of the people all over the Koronjo synod is very miserable. Due to the shortage of rain last year, there was bad harvest. The lower class people could not even earn their four months living ~~also~~. Next many people were depending on lac cultivation, but that also became helpless as the price of the lac has hopllessly come down. ~~Most~~ In this way most of the families became foodless and moneyless. ~~Some times~~ sometimes the condition becomes still worse when rice ~~is~~ can not be available in the bazar also. On the other hand dearness is also unbearable. Prices of ~~all~~ fooder things rise very high. In this way ~~many pe~~ most of the people are badly suffering with hunger. Therefore there is no mistake when one ~~can~~ says

P. T. O.

says that famine prevails in Koronjo Synod also. This fact can be clearly seen and judged through ~~one~~ the maundly incomes, which has hopelessly come down at present.

yours faithfully
C.B.H.

GOVINDPUR SYNOD, G. E. L. CHURCH

President :—Rev C. K. Bhengra.
Secretary :—Mr. C. B. S. Horo
Treasurer :—Mr. C. M. Horo.

GOVINDPUR.
P. O. JARIAGARH,
RANCHI; (Bihar)

Ref. No .... *Dated, The* 22. 7. 1952

मान्यवर C.C. सेक्रेटरी — को — यीशुसहाय!

आगे — आप — को — जनाया जाता है कि इधर - आदमियों की - दशा - अति सोचनिय है। बाजार में चावल भी नहीं मिलता है। इतना दिन लोगों ने कटहल को खाके गुजारा किया है। कटहल समाप्त होने से लोग बिना खाना का - रह जायेंगे। गिर्जा आमदनी घटते जाती है क्योंकि लोगों के घर में खाने को - चावल नहीं है। बहुत जमीन पड़ती पड़ा है, क्योंकि बिहन नहीं है। जुती भी नहीं है, क्योंकि बनिहारों को देने के लिये पैसा नहीं है। धनियों के घर में नहीं है तो गरीबों का क्या हाल है। जिनके घरों में कुछ खाने को है उनके द्वारों पर भूखे लोग पहुंच जाते हैं और खाना मांगते हैं। इस साल गुन्दली भी नहीं है और गोड़ा भी नहीं। कहीं २ गोड़ा २ है पर वह भी गिनती में नहीं। प्रजा लोगों के लिये सरकार को बहुत चिन्ता करना है। कहीं २ रैशन कार्ड खोला जा रहा है पर आदमियों के हाथ में पैसा नहीं है कैसे मोल लेंगे।

आगे शुभ -

C. K. Bhengra

No 41 — G.E.L. Church, Burju.
P.O. Murhu.

To,
The Secretary, G.E.L. Church; Ranchi.

Dated, Burju, the 23rd July, 1952.

Sir,

With reference to your Memo. No 933-47/52, dated, the 14th July, 1952, I have to state the following:-

The major portion of the Burju Synod area lies in the hilly tracts of the Ranchi and Singhbhum Districts and are naturally deficit areas. As some places are out of easy communication or away from the ration shops, rice is sold @ Re1/- per seer in the local markets and people are facing acute hardships on account of shortage and scarcity of food-stuffs, at present.

Any help, towards their ~~&~~ amelioration will be appreciated ~~a~~ with gratitude.

Yours faithfully,

[signature] Hassa,
Secretary,
Burju Synod,
for President, Burju Synod.

From ——
President
WESTERN SYNOD

Chainpur
24-7-52

Ref. No. P.W.S./164/52/F-3.

Dear Sir, Ref. your Memo No. 933-47/52.
d 14th July 52, it is to let you know that
the economic condition of my Synod is very bad
I can say that 90% people have nothing
to eat, who are pulling on eating कटहल
and जामुन. So the Church income is going
down every month and I anticipate that in
the coming months it will be difficult to
give pay for the Church workers. Therefore my

Synod will be quite unable to complete its C.C. allotment this year. So the C.C. should make any arrangement to upkeep the C.C. institutions.

Yours faithfully,
B. Minz.
24.7.52
President
WESTERN SYNOD

POST CARD
REPLY
ADDRESS ONLY

10/1
The Secretary. C.C.
G.E.L. Church
Ranchi.
Bihar.
India.

No 196/52.

183
22/7/52

From – The Rev Santosh Surin
Synod President, Takarma.
The 18th July 1952

To,
The Secretary, G. E. L. church, Ranchi.

Sir,
In accordance with your Memo No 933-947/52 dated the 14th July 1952, regarding the Economics condition of the Takarma synod and the Christian brethren of this synod, I have the honour to report as follows:–

1, That due to the failure of rainfall last year the crops died, and the production was ¼ (one fourth) which was sufficient ~~for~~ only for two months maintinance. Moreover the drainage of rice and paddy per year from this part of the country, and owing to the high price of the rice the rich people have already disposed off their surplus paddy and rice. Hence the people are unable to help the public as well as the church.

2/. That the scarcity of paddy and other seeds is such that the people are unable to get seeds for sowing, hence a ~~n~~ large number of plots in every village is being left uncultivated.

3, That the supply of food stuff is quite insufficient and whatever food supply is available is bought off by the hungery public very soon at high price. The mejority of the people are not getting food stuff and return home from markets without any food stuff. Rice is selling at the rate of Re 1/- per seer and still rising.

P.T.O.

4, That the people are starving — eatable leaves (vegetables), fruits + roots are also not available due to the failure of rain. The economics condition of the people ~~are~~ is so horrible that one man of Paitro P.S. Kolebira, Ranchi, died of hunger.

5, ~~B~~ That the burglary decoity, stealing of fruits and vegetables are very rampant owing to the scarcity of food stuff.

6, That the Economic condition of the church has been becoming worst and worst. The reasons stated above prevails in every village and Community. The christian public is poor, hence they are unable to pay their church contribution, i.e. ghara sioni Etwar sioni, Mandli Paisa etc fallen down to 90%. The church employies are getting to 1/6 (one sixth) of their salaries. Hence they are very hard heated and the future is much more darker. Due to such worst position ~~of~~ in

7, financial matter, this ~~is~~ Synod is unable to help any department of this Synod and also unable to pay off the C.C. allotment in this year.

7, That the condition of the Primary schools is very deplorable, They are not getting their salaries regularly. The role is fast decreasing as the people have nothing to pay as school fee and contribution to the school. The Government is also not regular in paying them. Hence they are in hardship.

8, That the condition of the Eiduaes H.E. school and the Girls M.P. school at Takarma have reached their worst condition. The role of the school have fallen down by 60% and the regular fee collection is little ~~or~~ over than 400/- P.m. where as the monthly expenditure is Rs 998/- P.m. The Government

P.T.O

is not yet received. The teachers are paid up to May. The teachers in are in grave hardship.

Due to the above mentioned hardship. the church workers and the teachers, and the ~~public~~ christians are undergoing starvation. The relief measures should be soon requested ~~famine~~ ~~out~~ ~~both~~, both from the Government and ~~from~~ the foreign friends. The mass prayers be offered to God in every Congregation for the relief from this famine.

Yours faithfully.

[signature]

18/7/52

J. Barla Esqr., M.A., B.D., Dip-in-Ed, No. 29
Secretary.

GOSSNER HIGH SCHOOL
Ranchi, B. N. Ry.,
(*Bihar*)

The 31st January, *194*

Dear Rev. Lakra,

Reference your letter No.33/50 dated the 31st January, 1950 I am informing the members of the M.C. about the meeting to be held at 4 P.M. on 1-2-1950.

Again I respectfully point out that the Commission appointed by the C.C. has officially done its duty by finally submitting its reports and recommendations to the Church Council which has then taken action on the said report. And the action also has been communicated to the M.C. In view of this the presence of the commission members in a regular M.C. meeting is officially not at all necessary. I fully trust that you will appreciate this.

Yours sincerely,
J. Barla 31/1

Secretary,
Gossner High School, Ranchi.

Ordination
Konsoale
Burju Understanding

To
The D. I. S

Dear Sir,

As per letter of the Hon'ble Minister Shri K. B. Sahay dated . I beg to request you to kindly direct your Sub-Dy. Inspector of Schools of all circles in the District to receive the application from the G. E. L. Church schools in the District for Grant-in-aid ~~petition~~, and further request you to kindly see to it that the grants are sanctioned as early ~~as possible~~ from the date of stoppage of stipends of all teachers as early as possible.

1949 -

Assam - Synod - ka Sanchhep

Riport -

Church President

મહા માન્યવર - G. I. E. L. Church President - હોવે

આ - યીશુ સહાય - ઈશ્વર - આ સત્ય વાદ - હોવે

કિ - આસામ સિનોડ - કી સંક્ષેપ રિપોર્ટ દેતા હું

મરાઠ લોગો - કા - દ આ - કો - આમ -

ઈ - આસામ - સિનોડ - મેં - દો - ડ આ આ - હૈ ગોવાલપારા - હોતા હૈ

ઓર - આપર - આસામ - ડ આ આ - સે - વો 4 - હોતા હૈ

દો - ડિસ્ટ્રિક્ટ - કે - અનુસાર - દો ચેયર - મેન - હૈં ;

ઉન - આ - આમ - નોજ - નોજ - હો - મ હૈ -

~~[illegible]~~ - આમદની સબ - લોગ

3 લા આ - હી - ઘે - જમા કરતે હૈં સબ - આપસ સબ -

મોગા - કો - સે - કરતે હૈં, દોનોં ડ લા આ - 20 પૈસે -

ડ - આર - સિનોડ - ખજાન્ચી કો ભેજા - જાતા હૈ

ઓ - વો - દ - ખજાન્ચી - કો - જબ પાતે - હૈં - ભેજતે હૈ

ઉસ - પ્રકાર - સે - આસામ - સિનોડ ~~A~~ અપના Allot -

મેન્ટ - કો - નોવે - હોમ - મેં ભેજા કરતે - સબ

પૂરા - મરાઠ લોગ - હો - ભાવા - મેં હૈ - સબ - બસ્તી

મરાઠ લોગ - દુસરા - જાત - મરાઠ લોગ હૈ બસ્તી મરાઠ લોગ

મેં - ગિરજા - પ્રાર્થના રિશ્તી - આદિ ઢેન - આર રહે હૈ, પરંતુ

પન - વિરલો - પાયા - જાતા હૈ - ઈમ સે વિશ્વાસ - પ્રાયઃ -

36 ગયા હૈ

અ હાન - મરાઠ લોગો મેં ગિરજા - પ્રાર્થના કો ઢેન - આદિ - મેં

में होते हैं मतवाला पन भी है जिनमें है जो नशे आँखों
में डूबे हुए रहते हैं, शराब ली पीने का काम होता है
ऐसों का आशा नहीं छोड़ते हैं समझाने से जीवन बन-
जाते हैं। जितने बिगाड़ जाकर ~~वह~~ नाश हो जाते हैं।

चिनोड मिशन - एम वेर - पुल मिशन का, उनके
प्रायस का रचना मिशन था, रेव - वेर - एम रांजनसे
मिशन हुई थी। चिनोड नियम वली के अनुसार
प्रचारक पन से चिनोड नया - का मानुसर - मेनर नया
बनाये गये। प्रचारक पर्याप्त महीना वेतन है
पेरिश - १ चाहे वो महीना में वेतन - ४ लाख - साम
२ - वाहे ३ महीना के भीतर वेतन है

तब - ए.ए. Allomann का अपने - अ
आरंभ - से जुलाई - से - नवेम्बर - महीना तक
में आम वारयों की तब - घटी थी

१९४८ - में - चिनोड - तीन पादरी सहायता - को
लाकार - से - आपर - इलाका में बुलाये गया -
मनुष्य - पादरी - नियुक्त किया से तनख्वाह - को
पादरी - हिन्दुस्तान - मिशन - का - टाकार - से - आपर - नियुक्त किया
से - बदली किया, नन्सुख - पिता जी - जो इंगोविल
पेरिस में था वहाँ से - रौडांग - पेरिस में बदली किया
गया - ३ के - पेरिस - वर्तमान - चिनोड पेरिसडेन्ट
का - पेरिस था - चिनोड - प्रेसिडेन्ट - ए.ए. की अवस्था
जुलाई - हेड - क्वार्टर - में - आये हैं - जहाँ से - वह
दोनों इलाका को देखते हैं, ~~पेरिस~~ हर नया
पेरिस होने पर भी दूसरे पेरिसों - का - इलाका
में जाते हैं।

इंगोविल - पेरिस - को - चिनोड - दो पेरिसों में बांट
दिये हैं, - इन - का - आत्मिक - पालन - पोषण - इन के

पेरसों से और रहे हैं।

3) गोविन्द पेरस का रामपुर नौकरी और दरांग
जिला का काम वोचने के लिए का मालिक से बाकायदे
जुमेत राजिस्टर नहीं किया जा सकता है सी.ए.ए. से
मरो जरूरी है कि उस जगह में पादरी होने और
जिन्ता आए।

मसाल विनोद को मेंडर में आम अपने
द्वारा सन्सब्र पादरी क्रोसमान साहब आर को
पेन्शन देने को ~~आन~~ साधारण ए.ए. से
किया गया है के अपने लाख सरविस
का कारण पेन्शन लेने को राजी हो।

मुक्ति सुधारी का हिसाब को रपोर्ट
देने में असमर्थ हूं कारण हिसाब
कितना तैयार हो कर मुझ को विनोद
नहीं सौंपा — मैं इतना ही मैं अपना
रिपोर्ट भेजता हूं

आपका
आज्ञाकारी दास
Silas Hare

Report of Bengal Synod.

प्रेसिडेन्ट साहब
मन्यावर ~~कौंसिल मेम्बरों~~ के आगे Bengal Synod का संक्षिप्त रिपोर्ट :-

१. मंडली का संगठन — मंडलियों का संगठन धीरे २ हो रहा है (आत्मिक और लौकिक) आरम्भ में मंडली संगठन को मजबुत करने तथा उस के फैलाव और पुरा ओटोनोमस बनाने के लिये हम लोग दो सभा कायम किये हैं (i) ~~सम्ब~~ सर्बसधारण सभा जिस में कर्मचारियों के अलावे मंडली के सधारण भाई बहने भी बैठते हैं। (ii) सर्ब सधारण सभा का Executive जिस को Synod सभा कहते हैं जिस में भिन्न २ जगहों से चुने हुए मेम्बर गण बैठते हैं, और नियम अनुसार मंडली के बिशेष दरकारी बातों का सोच बिचार किया जाता है। यह सभा भी हर ~~मही~~ महिना सर्बसधारण सभा से अलग बैठती है। बैठकिया हर महिना होती है।

2. ~~मंडली का आ~~ Synod का आर्थिक दसा :— Synod अभी आर्थिक दसा में इतना मजबुत नहीं हुआ है जितना कि ओटोनोमस कलिसा हो कर होना चाहिये। Synod के अन्दर में ~~लग~~ पादरी को छोड़ के लगभग १६ प्रचारक लोग हैं जिन में दो ही जन केवल पुरा काम करने वाले हैं और बाकी बाद लोग ओनोरेरियम प्रचारक हैं ~~जि~~ जो बगानों में काम करते हैं और प्रचारक का काम भी चलाया करते हैं उन को Synod केवल ओनोरेरियम दिया करती है। और पुरा काम करने वाले को एक को ३६) रु. महिना और दूसरे को ३०) रु. महिना देती है। यह भी डूवार्स के लिये पुरा तलब नहीं हो सकता है। अगर सभी प्रचारकों को तलब दिया जायगा जैसा होना चाहिये तो ~~हु~~ Bengal Synod आर्थिक दशा में अपने को अभी नहीं सम्भाल सकेगा।

3. मिशन काम :— Bengal Synod में मिशन का काम चारों तरफ खुला है। पुर्बी डूवार्स में लगभग सभी ~~तरफ~~ तरफ हम लोगों का काम हो गया है। थोड़े जगहे हैं जहां अब तक मैं जा नहीं सका हूं। पर तौभी लोग हमों के आत्मिक जीवन की सुधार को देख कर संसार से खीस्तान हो रहे हैं। अब तक ~~आ~~ ८ महिना के अन्दर में मैं ने ३३ संसारिक प्राणियों को

बपतिस्मा दिया हूं और ~~अपने धर्म में लाया हूं~~ कलिशा ~~का अंग बनाया~~
और भी हैं जिन में ४ जनों को जानता हूं जो अब तक बेपतिस्मा
नहीं लिये हैं। आशा है कि मैं जा कर उन को भी बपतिस्मा दूंगा। हमारे
वहां पर अभी देखा जाता है कि ईश्वर को आशीष मिसन काम के
पश्चमी डुवार्स के चार बगानों और एक बस्ती आदि अपने को जानकी से लूथरान ~~की~~
लिये ~~बड़~~ है। पर ~~अभी हमों को एक विशेष चीज की दरकारी है जिस से और~~
कलिशा का अंग ~~बनने~~ होने के लिये दरखास्त पत्र दे दिया है। मैं वहां गया और उन को जानने से
~~भी ईश्वर के राज्य की वृद्धि होगी। अर्थात~~ — ग्रहण किया। वे ये ~~जग~~ जगह हैं
Gairkata, Mogalkata, Jiindima, Newduars और खुंटीमारी बस्ती।

चर्च कम्पौण्ड — एक चर्च कम्पौण्ड, ~~और~~ पाद्री क्वार्टर और एक स्कूल का होना
Synod के लिये अति दरकार है। इन के होने पर मिशन काम दिनो दिन
अधिक संख्या में बढ़ेगी। — Synod का अर्जी है कि इस ओर C.C. विशेष
ध्यान देवें।

४. काम का शिलशिला — काम का सिलसिला के लिये अभी Synod पूर्वी
डुवार्स को दो पेरिश में भाग कर दी है। पर Pastoral काम एक ही के
द्वारा चलाया जाता है। I Rydak Parish और II Kalchini Parish.
~~अभी काम भी पश्चमी डुवार्स में भी आरम्भ कर दिया गया है। और~~
इन ~~बगानों के भाइयों ने लूथरान कलिशा के अंग ही होने के लिये दरखास्त पत्र~~
~~दे दिये हैं। I Jiindima, Gairkata, Newduars, Magalkata~~
~~Khuntimari Basti.~~

५. ~~एक नया~~ स्कूल — Barobisa प्रचारक पत में Synod ~~का~~ अपना स्कूल को
मिडल स्कूल बनाने की चेष्टा कर रही है। यह बन गया है और जनवरी
~~मास~~ के ~~२६, २७~~ २५, 26 ता: से मिडल सेक्सन को एक क्लास खुलने पर
था। मैं ~~भी~~ जाने वाला था लेकिन मुझे कौंसिल की बैठकों में हाजीर होने के कारण
जा नहीं सका। फिर भी हेडमास्टर का दरकार है। मैं ने President साहब
को इस का खबर December महिना ही में दिया है। ~~इस कारण~~ भाइयों की
राय है कि हेडमास्टर हमारा जन और हिन्दि भाषा जानने वाला होवे।
इस कारण C.C से अर्जी है कि एक हेडमास्टर का बन्दोबस्त जल्द ही
कर देवें।

६. आत्मिक जागृति — डुवार्स के हमारे लूथरन कलिशा में आये हुओं का
आत्मिक दशा दिनो दिन ~~वृद्धि ही पर है~~ बनता जा रहा है। सभी
लोग अभी लूथरन church को देखने ~~और~~ सक रहे हैं। इस की ज्योति
अन्धकार में ~~क~~ चमक रही है। पर अफसोस के साथ बताना पड़ता है कि
शैतान बत्ती को बुझाने के लिये ~~भी~~ जगह बना रहा है। वह ~~अ~~ अभी दिखाओ
और लोभ को हमारे बीच में और इसके अधिकारियों के बीच में डाल दिया
है।

(1) ~~शैतान~~ अनुभव में आता है कि ~~स्कीट~~ मिशन के अधिकारी लोग हमारे बढ़ती को रोकने की चेष्टा ~~कर आत्म~~ कर रहे हैं। जहां पर वे साल में एक बार Visit करते थे। वहां अभी महिना में दो तीन बार आते जाते और भाइयों को अपनी ओर खींचने की चेष्टा ~~कर रहे~~ करते हैं।

(2) हमारे बीच के कर्मचारियों में हिंसा और लोभ का कुल्हाड़ी रख दिया है जिस से भाई बहनों का मन और विश्वास हिलाया और काटा जा रहा है। इस का असर दिनों दिन बढ़ने सा दिखता है। इस की निर्णय के लिये प्रेसिडेन्ट का जाना तुरन्त ही अति जरूरी है। ~~Church Council~~ अगर प्रेसिडेन्ट साहब जल्द नहीं जा सकते हैं तो मेरा प्रस्ताव है कि कोई एक जन को council तुरन्त ही मेरे साथ भेजें। ~~ताकि सारा साफ काम~~, जिस से शैतान का वार बढ़ने न पावे।

3. हुवा सभी कामों की सुविधा तथा आत्मिक जीवन की रक्षा के लिये — C.C. से अर्जी है कि हमारे बीच का Ministerial काम छोटानागपुर और Duars के सिफारिश पर होवे। फिर छोटा नागपुर के पादरी भाई लोग अपने इलाका के भाइयों का लीडर देते फिर वे करते हैं। और ऐसा है तो और ही उत्तम होती। और यह मेरा प्रस्ताव भी है।

S. Toppo President
Bengal Synod.

DEPARTMENT/OFFICE.

Draft Letter / Memorandum / Telegram

File No.

Serial No.

1. Date of despatch

No.

Dated

2. List of enclosures

4

— Burju Synod —

Report

I बैठकों - नियमानुसार होती है।

II हाजरी - उत्तम है।

III संगठन - पूरी होने जा रही है

IV हक और देन ~~[illegible]~~ - सुधर रही है

V मिशन काम - नयी जागृती के साथ हो रही है। बुरजू इलाके में 1. रैटोनेंग, 2 जाड़ा, 3. जाड़ाडीह और 4 लतड़बा। कालमेश्वा इलाके में 1 जोड़ाजंजिद और 2 खरखवां के सिमाने पर। टोकद इलाके में 6 जगह -। मिशन काम के लिये C.C. से उचित मदद की प्रार्थी है।

VI स्कूल - बढ़ती में है।

VII C.C देन - देने को मंजूर है। कुछ देना बाकी है

VIII ओर्डिनेशन - Cand. N. Bhuinya का ओर्डिनेशन शीघ्र होवे।

IX खाली जगह - Karanjtoli Parish में एक पादरी और President का Assistant. C.C. को अर्जी है कि खाली जगहों को ~~[illegible]~~ शीघ्र भरने की कृपा करें।

X इलाकाएं — Rev. C.K. Bhengra के शादी बाबत Burju इलाके के कोटना मराडली में अशान्ति है। उसको छोड़ कर सिनोड के इलाकों में शांति है। प्रेसिडेन्ट से आर्जी है कि कोटना में शांति लाने की कृपा करें।

XI. सिमाना — रेड़ैड़ा मराडली के एक गांव के भाई लोग टकरमा सिनोड में जाने चाहते हैं — विचार में रखा गया है।

XII अदली बदली — नहीं हुआ है।

K.A. Tiga 1.2.1950.
President
Burju Synod

जशपुर सो. पो सिनोड का रिपोर्ट।

महाशय चर्च कौंसिल पदधारियों को यीसु सहाय।

(१) — १९४९ में एक बार सिनोड बैठक हुई है। सो. पो सिनोड में मिशन काम का बढ़ती होने का है १९४९ में जशपुर और उदयपुर में कुल जमा ६१ नये चेले ख्रीष्टियों का स्नान हुआ। उदयपुर में तीन प्रचारक रखा गया है सरकार से कोई रोक टोक नहीं है पर कैथोलिक मिशन की ओर से रोक टोक हो रहा है अगर रोक टोक न होता तो उदयपुर में बहुत जल्दी मिशन फैलता।

(२) — मिशन फील्ड में स्कूल की अति जरूरत है पर नीचे घाट में एक मिडिल स्कूल को सम्भालने में ऐसी कठिनाई हो रही है अलावे हम लोग नीचे घाट में ११ एल. पी. स्कूल खोल दिये हैं इस लिये मिशन आशा करती है कि जो सो. पो. सिनोड ऊपर घाट और नीचे घाट में दो एम. ई. स्कूलें दे।

(३) मिशन फील्ड के कर्मचारियों को तलब। मिशन फील्ड होने के कारण प्रचारकों का तलब सी. सी. ग्रान्ट के साथ पुरा होता है पर सी. सी. ग्रान्ट को महीना २ समय पर नहीं मिलता है इससे कर्मचारियों को पुरा नहीं हुआ १९४९ में सब कर्मचारियों का तलब १ १/२ महीना का घटी हुआ।

(४) - इलाका और सिनोड की ओर से सी.सी का देन। सी.पी. सिनोड का १२०) देता है जिसमें से ११६) रु. दिया गया है। बाकी देन ४) रु है।

(५) मिशन फिल्ड में पदरी क्वाटर नहीं है इस लिये पद्री क्वाटर होना चाहिये जिसके लिये मेरा प्रस्ताव है कि सी-सी से १५००) रु. मंजूरी किया जाय।

आप के सेवक S Tappo

C.P. Sinod Jashpur

1-2-50

Govindpur Synod Ka report
(Shaukship report)

1. गोविन्दपुर सिनोड हर महीना बैठती है।

2. १९४९ में पादरी प्रचारकों को स्केल अनुसार तलब दिया गया।

3. गोविन्दपुर लड़की यु:पी: स्कूल और लड़का मिड्ल स्कूल को जुलाई – दिसम्बर तक चर्च तलब दिया गया। हाई स्कूल को सहायता देना स्वीकार नहीं हुआ।

4. प्राइमरी स्कूलों को तलब नहीं दिया जा सका। पर जो चन्दा बटोरा गया था तलब के लिये बांट दिया गया।

5. कौंसिल के फैसलानुसार गोविन्दपुर, कोरबा और जुबोगा के पेरिशों में एक आठ आना जमा किया गया है पर अभी तक पूरा हिसाब ~~नहीं~~ सिनोड में नहीं आया है। मचो पेरिश और जुबोगा पेरिश से हाल आया कि नहीं जमा ~~किया~~ किया गया।

6. मचो और जुबोगा पेरिश दोनों मिलके एक अलग इलाका बनाया गया है जो गोविन्दपुर सिनोड के अन्दर में होगा। पर काम अभी तक ठीक नहीं हुआ क्योंकि फैसला कानगल से समय में नहीं मिला।

7. मचो पेरिश को छोड़के सब पेरिशों से सेन्टालेट १९४९ में ठीक था। आमदनी धीरे२ बढ़ती जाती है।

8:- शोक समाचार है कि पा: दो सुलेमान बरला १९.१.५० को प्रभु में सो गये हैं।

C. K. Bhengra
Synod President
1.2.50

Report of the Hazaribagh Synod.

१- हजारीबाग सिनोद तीन जिलों से बना हुआ है।
हजारीबाग, गया, पटना।

२- यह सिनोद मिशन क्षेत्र के लिस्ट में है।

३- वर्तमान में विशेष करके हजारीबाग जिले में काम होरहा है।

४- मिशन काम निम्न लिखित स्थानों में हो रहा है।

(१) रामगढ़:- यहां पर अभी तीन घराने के लोग ख्रस्तान हैं और उनके द्वारा आसपास के लोग जो अभी संसारिक हैं सुसमाचार सुनाया जाता है और समय२ पर पादरी पहुंचते हैं।
एक भाई गिरजा घर बनाने के लिये अपना जमीन भी कलीसिया के लिये दिया है अभी रजिस्ट्री करना है।

~~५~~-(२) बड़गांव:- यहां २ घर ख्रस्तान हैं। अभी एक छोटा स्कूल भी खड़ा किया गया है यहां पर ~~=~~ १४ घर ~~सां~~ संसारियों के बीच सुसमाचार प्रचार किया गया है एक भाई गिरजा घर बनाने के लिये जमीन दान दिये हैं।

जल्ला:- यह एक पुरानी मराडली है यहां भी काम
किया जा रहा है। और धीरे २ ख्रस्तानों की संख्या
बढ़ते जा रही है।
चिन्तु:- यहां तीन घर ख्रस्तान है
यहां पर भी एक भाई गिरजा घर बनाने के
लिये खेत दिये हैं।
जोनिया:- यह एक पुरानी मराडली है यहां से
कुटी, गुडकुवा में काम हो रहा है।
गुडकुवा में भी गिरजा घर के लिये जगह मिला है
कुसी (बड़ीका):- यहां पर भी ख्रस्तान लोग हैं।
गिरजा घर बनाने के लिये जमींदार से २ एकड़
जमीन रजिस्ट्री कर के खेत मिला है जहां गिरजा
घर बनाना है।
कुरा:- यहां एक छोटी मराडली है। भाइयों ने
एक गिरजा घर बनाये हैं और एक हल्का
बनाने के लिये जमींदार से कुछ खेत मिलने
का उमेद है। एक भाई अपना रैती खेत
मराडली को भलाई के लिये दान दिये हैं
रम्हार:- यहां एक छोटी मराडली है और स्कूल भी है
गिरजा घर बनाने के लिये एक भाई २ एकड़
जमीन दान दिये हैं।

कोजेत्रा:- यहां तीन घर ख्रस्तान हैं।
यहां भी सुसमाचार प्रचारा जाता है गिरजा घर का
होना बहुत जरूरी है।
डुमर:- यह एक पुरानी मराउली है।
कुरुकडीहा:- यह एक पुरानी मराउली है।
सिंधानी:- यह सिनोद का प्रधान स्थान है।
उपरोक्त स्थानों में कभी २ तलप जोगी प्रचार करें
कहीं वे तलप जोगी धर्मचारी काम करते हैं।
५:- यह सिनोद विशेष कर के सन्ताल एरिया है
इसलिये एक संन्ताली पादरी का होना जरूरी है।
६:- सिनोद का काम नियम वालों के अनुसार
काम हो रहा है।
७:- पन्चैत समय २ पर हुआ करता है।
८:- आमदनी दिनो दिन बढ़नी में है।
९:- कोयला और आबरक खाद में जो काम
हो रहा है। वहां गिरजा का प्रबन्ध किया गया है
१०:- हजारीबाग आमदनी में घटी होने के कारण।
सिनोद प्रेसिडेन्ट का एलावेंन्स जो ९९ से
ठहराया गया है देने में असामर्थ है।
इसलिये अभी केवल ५) रु दिया जा रहा है।

Rev. H. I. Thom.
Singhani

खुटीटोली सिनोड का संक्षेप रिपोर्ट।

खुटीटोली सिनोड में दो इलाकायें हैं। दोनों इलाका अपना २ काम करता है और महिना २ कर्मचारी बैठकी होता है। हरएक कर्मचारी को पुरा तलब होता है। पर स्कूलों को पुरा खर्च नहीं दे सकता है। प्राइमारी स्कूल माष्टरों को बहुत दिनों से तनखा नहीं मिला है। सिनोड की ओर से बहुत थोड़ा मदद उन को मिला है। एक मन धान भी जैसा चाहिये वैसा जमा नहीं हुआ है। मिडिल स्कूल के माष्टरों का तनखा तीन महिना का बाकी है। सिनोड हर महिना पुरा तनखा नहीं दे सकता है। ग्रान्ट बहुत दिन से नहीं मिला है। C.C. का देन खुटीटोली इलाका अपना हिस्सा अदा कर दिया है पर पानीसाम्री का C.C. देन ६०) रु. बाकी है पर आशा है इस महिना में दे देगी। १९४९ में सिनोड बैठकी दो बार हुआ था। 16 जनवारी १९५० को और बैठेगी।

Bage
1-2-50

Pr. M.E. स्कूल की मंजुरी की बाते सालभर से चली आ रही हैं पर अभी तक कुछ सफलता नहीं मिली है। अधिकारी इसकी मंजुरी ~~के सुप्रबन्ध~~ के लिये सुप्रबन्ध करें

हाल में सिनोद को अपने कोरोंगो M.E. स्कूल को सम्भालने के लिये हर महिने प्रायः 200) रुपैयों की सहायता करनी पड़ती है। यदि बन पड़े तो एक हेड से एम. ई. और एच. ई. को काम सम्भाल सम्भालने के लिये सिनोद को मदद दियाजाय।

C.B.A.C.
1/2/60

N.B. प्रेसिडेन्ट को ~~स्कूल~~ 14 प्रचारअपनों की सेवकाई करनी पड़ती है जिससे अपनी प्रेसिडेन्सियल दूर करने की असुविधा होती है। इसलिये C.C. से अर्जी है कि एक सहायक पादरी देवे ताकि Synod का काम और अच्छा से चले।

Cand. N. Kulu को ordination दियाजाय।

C.B.A.C.
1/2/60.

पूरा सी.सी. के सामने कोरांजो सिनोद का साधारण रिपोर्ट।

अबतक कोरांजो सिनोद का काम नियमावली के अनुसार चला जाता है। पूरी ~~सिद्~~ सिनोद की बैठकी हर तिसरे महिने में एक बेर होता है और कार्यकारिणी बैठकी हर महिना चालू है।

हमारे सिनोद में साधारणतः शान्ती है। ~~आर्थिक अवस्था~~ सिनोद की आर्थिक दशा यद्यपि बढ़ती की ओर है तथापि सन्तोषजनक नहीं है। सब प्रैमरी और प्रोपोज्ड एम.ई. स्कूल छोड़ दिये गये हैं पर उनकी मांग जोरों की है कि सिनोद से कुछ सहायता दी जाय।

जनता ~~नयी नयी स्कू~~ स्कूलों को बढ़ाने की ~~फिकर में होकर~~ सिनोद को ~~भार बढ़ाने की ओर~~ कठिनता में डालना चाहती है। बंसजोर में Orissa synod की जनता हाई-स्कूल खोलने में जोरों ताकत लगा रहे हैं और वर्तमान में हमारे synod के लिये उनका यह काम खतरनाक सा जान पड़ता है। अतएव सी.सी. चिन्ता करे कि दूसरे दूसरे सिनोद के ~~लिये~~ लोग किसी प्रकार के काम में किसी एक सिनोद को दुःख न देवें।

11 Candidate Ch. C. Minj at ordination [illegible]
[illegible]

Report on Orissa Synod for 1949 -

President Gossner Church

1 - Synod Sabha [illegible] has been duly organised and met two times during the year.

2. There is no disturbance within the Ilakas of the Orissa Synod.

3. There has arose no constitutional deffects on this system

4 The Orissa synod has not been able to pay up all the C. C. allotment but is feeling it much and is trying its level best to pay up the same before the ensuing Mahasabha

5 The Census report could not be given as the Census works is not yet finished

6 The synod is still in the difficulty on the question of medium Oriya & Hindustani in schools within the synod

7 The Orissa synod regrets upon the question of readjustment of boundaries between Takama, Orissa & Orissa & C.P. synod

7 The financial position of the synod is still deplorable and the maintenance of several newly opened schools is hardly met.

8 The mission field work is still improving it requires

more men and money. There were no hindrances or objection of in connection with the Evangelistic work in the whole province

9 Then Peace still prevails in the whole synodical congregation except some petty troubles which will be settled by the synod sabha in due course of time

10 The C.C grants for Evangelistic work and schools of those areas be sent to them in time.

[signature]
1-2-50

[signature]
1-2-50

4 छुट्टी छोटे 2 मसले को छोड़ शान्ति

10 मिलती है C.C grant मिलन भांजे से
प्रबन्धन मे लिये जावें

1. सिनोद (गया- विकास) बन कर दो बाद बैठी -

2 सिनोद system समझने मे ज्यादा का सक्रिय नहीं रहा है

3. C.C देने को तैयार है पर मदद देर हुई नहीं किये गये है - पर महासभा पहले चुकी होगी

4 सिनोद- सेशन रिपोर्ट नहीं दे सकते क्योंकि काम ठीक नहीं हुआ है

5 स्कूलों मे उड़िया को हिन्दी लगाते है

6 सिनोद समझ चुके है कि चर्च + CP सिनोद को तोड़ रहे है

7 मालिक पक्ष मदद घटी है - स्कूल कठिनाई मे चल रहे है

8 मिशन काम मानो बढ़ रहा है - ज्यादा जन सहयोग सफल है

A. Short Report of Northern Synod.
to the Church. Council dated 1-2-1950.

Dear Sir,

Ashanti :- San Isvi 1949. ke bitne na bitne par hi Northern Synod ke President ko malum huwi ki Synod men asanti phaily huwi hai. Asanti ka karan to yah hai ~~ki~~ arthat head Quarter Congregation ka banna Maine turant Ilaka Panch ko bulaya aur is bisay par yatharth samjhawta diya. Mery asha to hai ki unke man ka dukh dur hoga.

Par, dusri pal Ekta:- Mandly men Ekta achhi hai aur usmen Jwalanta hai aur is Jwalanta men akarke asanti ka karan ho sakte hain.

Finance :- Rupaiya paisa ke sambandh men mujhe dukh ke sath report dena hai ki jaisa Synod ke upar bhar hai uske motabik synod hi men deficit hai aur rahega, kyonki bartman men jo Synod ki financial stithi hai unki sudhar ek beg nahin hone sakti hai. Northern Synod ki stithy kisprakar aisa huwa, main bar 2 sochta 2 hun. Uske pratyuttar men main yahi pata hun ki agar gal-larai ka asar ~~mandly~~ Lohar-mandliyon men huwi hai to Ranchi aur Lohardaga hi men huwa hai. Synod in baton ko dekhti hai aur apne ko chhore huwe aisa samajhti hai.

School :- ~~Sp~~ ~~te~~ Church Council angon mese bahuton ko malum hai ki Ranchi Ilaka men Ilake ki or se kewal ek U. P. school tha aur hai, kintu arthik stithi ki kharabi hone ke karan bhi school khol ja raha hai aur do mandliyon men M. V. school kholne ka taiyar ho gaye hain, jiske liye bhitar 2 taiyari ki ja rahi hai.

Mission field :- Mission field Palamu men hai Chandwi ~~men~~ ~~kesea~~ taur se kam kiya ja raha hai mission kam se ke liye mujh ko C. C. se kuchh nahing milti hai

Yours. Faithfully.
Jatayu [?]
President, Northern Synod
1-2-50.

मान्यवर प्रेसिडेन्ट

प्रर्रा चर्च कौंसिल के आगे सिंघभूम सिनोड का संक्षिप्त रिपोर्ट इस प्रकार है :—

१ बैठकियां :— सिनोड की प्रर्रा बैठकी त्रैमासिक भिन्न भिन्न जगहों में होती है। इस तरह से ले. मेन. लिडरसिप पर विशेष जोर दिया जाता है। कार्यकारिणी आवश्यकतानुसार बुलाई जाती है।

२ e. c देन १९४९ का — यह देन अदा कर दिया गया है। पर सिनोड को स्कूल फन्ड से उधार लेना पड़ा जिसको तुरत भर देना अति जरूरी है। कोशिश किया जा रहा है कि जल्द भर दिया जाय।

३ स्कूलों के सम्बन्ध में — सिनोड ने Head ~~supervisor~~ Supervisor के स्थान को Inspector of schools से भर दिया है। फिर सिनोड की मदद के लिये एक Education Board का भी निर्मान किया गया है। एक दूसरे के साथ कैसा सम्बन्ध होगा उसकी नियमावली अब तक नहीं बनी है।

४. राज्यवृद्धि का काम — यह काम Rev. M. Borrutka के खास जिम्मे है। उसके रिपोर्ट से पता चलता है कि सिंघभूम में राज्यवृद्धि का काम शुरू हो गया। कुन्दु हतु और सिमजंगा में धर्म खोजक बपतिस्मा के लिये तैयार किये जा रहे हैं। ~~वहां~~ उन जगहों के लिये एक प्रचारक बहाल किये गये हैं। सिनोड ने ऐसे प्रचारकों को तलब के ऊपर १०)रु D.A. दिये जाने का फैसला किया है।—

New mission fields अनेक जगहों में तैयार हैं। कर्मचारियों की आवश्यकता है।

५, त्रुटियां :— (१) चकलधरपुर के लिये गाड़ी

(२) जमशेदपुर में सेन्ट्राल चर्च के लिये जगह

(३) प्रचारक

इन त्रुटियों को दूर करने में e.c. ~~सोचकर पहुंचावे~~। तुरत प्रबन्ध कर देवे।

६, सिफारिश :— Mr. Dorpha Hemrom को Ordination दिया जाय.

M. Topno
President
Singhbhum Synod.
1/2/50.

Report of Takarma Synod
before the Full C.C.

I टकरमा सिनोद सभा हर महीना बैठती है।

II इस समय सिनोद के अन्दर —

(a) कोन्सोये में पर्टी झगड़ा है - अभी पढ़हा उसमें उलझ गया है।

(b) टकरमा सिनोद में खड़िया भाईयों में [मिस्ट्रेस्स के कारण] जातिय ख्याल ~~के कारण~~ [प्रबल है] — अशांति फैलाते हैं

(c) टकरमा हाई स्कूल में गड़बड़ है — जनता कितने शिक्षकों से बहुत नराज है।

III सिनोद नियमावली के अनुसार — "सिनोद सभा का फैसला अन्तिम फैसला है"। पर मराङली के भाई लोग सिनोद सभा के फैसला को [अन्तिम फैसला] नहीं मानते हैं। ऐसी हालत में सिनोद को क्या करना होगा?

IV C.C. देन खतम नहीं होने सका — प्राईमरी स्कूल को बीते साल बहुत देना पड़ा। सिनोद के कोशिश अनुसार चढ़ा सिरनी — और साल की अपेक्षा ज्यादा

V आमदनी आया [एक सहायक पादरी को] ~~का~~ नियुक्त जरूरी है

VI सिनोद में
१६४९९ जन संख्या
२५६४ दृढ़िकृत संख्या
२५१ बढ़ती

१८२२७॥=) रुपैया आमदनी
१२१८४॥-)॥ रुपैया खर्च
३६)॥ बचत

VII चोरबन्दु में राज्यबृद्धि का काम शुरू हुआ है।

[signature illegible]
1/2/5[illegible]

पच्छमी सिनोड का संक्षिप्त रिपोर्ट।

सिनोड प्रथा जुलाई १९४९ से सुरु हुआ। नियम जारी होते ही सिनोड सभा कायम हुआ। सिनोड में तीन इलाकाएं हैं। प्रत्येक इलाका अपने २ पादरी और प्रचारकों के लिये तलप देती है। सिनोड के लिये स्कूल को चलाने का भार है किन्तु बीते साल सिनोड के जारी होते ही स्कूल के लिये कौंशिल ग्रांट बन्द कर दिया गया। सिनोड सभा कोई उपाय तुरन्त नहीं कर सकी और फैसला की कि हर एक इलाका अपने इलाका, स्कूलों को आप ही सम्भाले, और कौंशिल को अर्जी किया गया कि कौंशिल अपने ग्रांट को Dec. 49 तक जारी रखे पर कोई जवाब नहीं मिला। तो सिनोड के अन्दर दो मिडिल स्कूलों के शिक्षकों का तलप अभी तक कई महीनों का नहीं दिया गया है। बीते साल सिनोड ने विचार किया कि 1950 से सिनोड के सब स्कूलों का सासन सिनोड

में लिया जाय। इसी निर्णय से सब को स्कूलों का डेफिसिट मांगा गया जो रु 6000) है। सिनोड ने रु 4000) रुपया पाने के लिये प्रत्येक घर रु 2) देना ठहराया है, और काम शुरु कर लिया गया है, परन्तु अनुभव से मालूम होता है कि यदि स्कूल के लिये और कोई उपाय न किया जाय कि तो स्कूलों को सम्भालना अति कठिन होगा। इस लिये C.C. से आशा है कि पश्चिमी सिनोड के स्कूलों के लिये स्कूल ग्रांट दिया जाय।

दूसरी विशेष बात है कि Kondra में पादरी नहीं हैं, इस लिये गुमला चेयरमैन को जिम्मा दिया गया है कि गुमला कोंडरा इलाका को देखें परन्तु इतनी दूर से ठीक काम नहीं हो रहा है, इसी लिये C.C. उपाय करे कि कोंडरा में तुरन्त एक पादरी होवें। कोंडरा के करिडदाता महेश्वरी एक्का को सिनोड 15 दिसम्बर तक अपना केश सफाई करने के लिये छुट्टी दी थी। परन्तु वे उतने समय तक में अपना केश सफाई नहीं कर सके, इस लिये सिनोड से ट्रेटी ने उनको लिखा है कि जब तक

सिनोड उनके सा विषय में कोई दूसरी फैसला
नहीं आती है, तबतक वे अपनी काम में
जोइन न करें। सो वे अभी अभी तक छुट्टी में
हैं। क्योंकि कोंडरा में कोई देखने वाले
नहीं हैं, इस लिये सिनोड ने नेग्रोपुर के
करिस्दता C.P. John Topno को कोंडरा बदली
किया और उनके जगह में दो प्रचारक दी
रख दिये गये हैं। John Topno, जनवरी
20 से कोंडरा आये गये और काम सुरु कर दिये
हैं। अभी करिस्दता बाबू कोंडरा के
पेरिश चैपलिन के समान हैं। परन्तु उनको
पेरिश चैपलिन एलावेन्स मिलना चाहिये कि
नहीं, नियमावली (स्केलेन नियम) कुछ नहीं
कहती है। यह बात भविष्य के लिये भी
साफ कर लिया जाय कि करिस्दता लोगों को
पेरिश चैपलिन एलावेन्स मिलना चाहिये अथवा
नहीं।

(ड) मिशन कौंसिल में अभी भी प्रचारक हैं
जिनका खर्चा (२६) आता है, और C.C. सिर्फ
५४) रुपया देती है बीते साल तक काफी
खर्च चौबीस रुपया देती थी, पर इस साल से

सिनोड देगी। परन्तु मेरा प्रस्ताव है कि
मिशन क्षेत्र के कर्मचारियों के तलप का
पूरा भार C.C. को और महीना र देने की
कृपा करे क्योंकि ग्रामीण इलाकों का आमदनी
घट जाती है तब इलाका सिनोड अपना
देते सिनोड को नहीं दे सकती है, और ऐसे
दशा में मिशन क्षेत्र के इलाकों के लिये
बहुत मुश्किलता होती है। मिशन क्षेत्र के
कर्मचारियों के खर्च का भार पूरा २ भी
C.C. ही में रहे और उनके लिये कोई निश्चित
प्रबन्ध किया जाए।

पश्चिमी सिनोड में एक Pr. High School
है, जहां इस साल ११ वीं क्लास खोला गया, पर
वहां एक भी ग्रेजुएट नहीं है। C.C. अगर
चाहें तो किसी दूसरे बड़े स्कूल से कम से कम
एक ग्रेजुएट भेजने की कृपा करें।

अन्य बातें सिनोड के अन्दर ठीक ही हैं।
किसी प्रकार के गड़बड़ की बात नहीं है।
सब काम नियमावली के समान किया जा रहा है।

[signature]
President, Western Synod
31/1/58

Report to the C.C. Dated 31st – 3rd

Hd. Quarter Congragation at Ranchi ki Report di jati hai ki jo bate bite C.C baithki men batai gai thi us se abhi aur koi khas bate nahi huwi hai. ~~Unatti aur~~ sangathan men to thik hi hai par bat bichar jo kia gaya hai us ke anusar karj thik nahi huwa hai is ki unatti bahut hi dhire dhire hone ke aisa mujhe dista hai kyonki mandli panch baithkiyo men mandli paisa aur Ghera Sisni adi amdani dekhne se santosh nahi ati hai kyoki kharch to bahut dikhai deta hai par kam aur amdani us ke yogya nahi dista hai. Mandli panch ~~kerg~~ karmchari aur panch bhaiyo ko bahut koshish karna hai.

U. E. Kujur
1.2.50